राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान - अहमदाबाद

National Institute of Pharmaceutical Education & Research - Ahmedabad

Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals and Fertilizers, Govt. of India

वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

वार्षिक प्रतिवेदन

2023-24

विषय-सूची

1.	निदेशक के कलम से	1
2.	नाईपर अहमदाबाद के बारे में	2
3.	दृष्टि और लक्ष्य	3
4.	संगठन	4
5.	संकाय	
	❖ संकाय	6
	❖ विजिटिंग संकाय	11
	❖ अनुबद्ध संकाय	11
6.	प्रशासनिक और गैर-संकाय कर्मचारी	12
7.	❖ नाईपर अहमदाबाद के स्थायी परिसर का उद्घाटन	14
	❖ चिंतन शिविर	16
	❖ राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2023	17
8.	शैक्षणिक कार्यक्रम/गतिविधियां	
	❖ अनुस्थापन कार्यक्रम - 2023	18
	❖ वर्ष 2023-2024 में विद्यार्थियों का प्रवेश	19
	❖ विद्या वाचस्पति (पीएचडी) / स्नातकोत्तर (एम.एस.) (फार्म.) / औषधीय प्रबंधन (एम.बी.ए.) (फार्म) अध्ययनरत विद्यार्थी	19
	❖ प्रस्तावित शैक्षणिक कार्यक्रम	38
	❖ विद्या वाचस्पति (पीएचडी) मौखिक परीक्षा	39
	❖ 10वांदीक्षांत समारोह	41
9.	नियोजन प्रकोष्ठ	45
10.	प्रकाशन और प्रस्तुतियाँ 2023-24	47
11.	समझौता ज्ञापन (एमओयू)	74
12.	सम्मान और पुरस्कार	75
13.	सरकारी बाह्य वित्त पोषित अविरत अनुसंधान परियोजनाएं	77
14.	अंतर्राष्ट्रीय सहकार्यता	79
15.	विभागीय अनुसंधान गतिविधियाँ	83
16.	उपकरण सुविधाएं	98
17.	संस्थागत सुविधाएं	100
18.	कार्यशालाएं/सेमिनार/सम्मेलन/वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रम	111
19.	शासक-मंडल (बीओजी)/प्रबंधकारिणी समिति (सीनेट) और अन्य बैठकें	117
20.	गणमान्य व्यक्तियों का आगमन	118
21.	सह-पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियाँ	120
22.	राष्ट्रीय त्यौहार और कार्यक्रम	122
23.	राजभाषा अनुभाग	131

निदेशक की कलम से

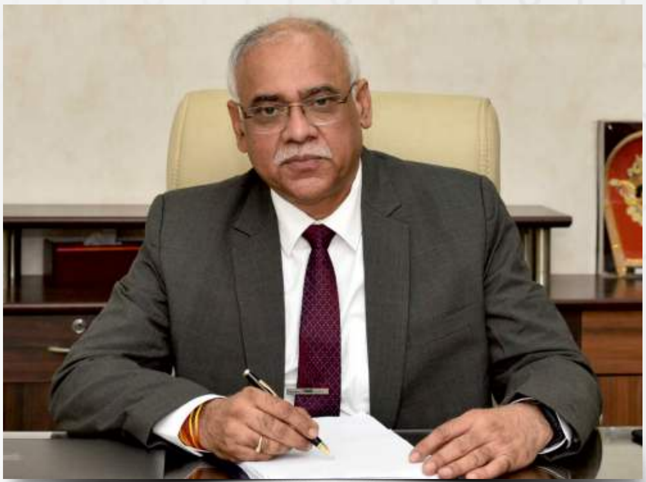

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद में आपका स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। नाईपर अहमदाबाद औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में औषधि विज्ञान और प्रबंधन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान को विकसित करने के उद्देश्य से स्थापित अपनी स्थापना के दूसरे दशक में है। इस संस्थान के पास फ़ार्मासिस्ट, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के रूप में सेवारत उत्कृष्ट अग्रणियों को तैयार करने का एक असाधारण रिकार्ड है। नाईपर अहमदाबाद, गांधीनगर स्थित स्थायी परिसर में कार्य कर रहा है। संस्थान में केंद्रीय उपकरण और अन्य शैक्षणिक सुविधाएं, पशु गृह एवं भोजनालय सहित अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं उपलब्ध हैं। वर्तमान में, नाईपर अहमदाबाद द्वारा कुल आठ विषयों; जैव प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक उत्पाद, फार्मास्यूटिक्स, औषधीय विश्लेषण, औषधीय रसायन विज्ञान, फार्माकोलॉजी और टॉक्सीकोलॉजी, चिकित्सीय उपकरण एवं औषधीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एमएस फार्म.) एवं औषधीय प्रबंधन के अलावा इन सभी विषयों में विद्यावाचस्पति (पीएचडी फार्म.) पाठ्यक्रमों को अध्ययन हेतु प्रस्तावित किया जाता है। नाईपर अहमदाबाद उद्योग प्रासंगिक विषयों के पाठ्यक्रम और शैक्षणिक कार्यक्रम को प्रस्तुत करता है। नाईपर संस्थानों में स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का प्रवेश राष्ट्रीय स्तर की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) के माध्यम से किया जाता है।

औषधीय शिक्षा, मानव संशाधन विकास, जीवन विज्ञान एवं स्वास्थ्य सेवा उद्योग के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संस्थान के इन्हीं उत्साही और उद्यमशीलता प्रयासों ने गुजरात को फार्मा विनिर्माण, अनुसंधान और विकास गतिविधियों के केंद्र में परिवर्तित कर दिया है। भारतीय वैज्ञानिकों के नवीनीकरण और ट्रांसलेशनल दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप औद्योगिक युग से ज्ञान समृद्ध अर्थव्यवस्था में काफी परिवर्तन आया है। नाईपर अहमदाबाद ने इस क्षेत्र में आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उद्योगों, एमएसएमई, तथा स्टार्टअप्स को प्रदत्त विश्लेषणात्मक एवं औषधि विकास संबंधित सहयोग प्रदान कराने के लक्ष्य से इस क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सुविधाओं को स्थापित किया है। नाईपर अहमदाबाद के शीर्ष अनुसंधान विषयों में औषधि का अन्वेषण भी शामिल है जो नई औषधियों के संश्लेषण और/या आधूनिक तकनीकों के माध्यम से रोग क्षेत्र की पहचान प्राकृतिक उत्पादों से कर रही है। यहां इन-विट्रो और पशु परीक्षण के माध्यम से नई रासायनिक पदार्थों का मूल्यांकन भी किया जाता है। नाईपर अहमदाबाद जैविक औषधियों के कोशिका चिकित्सा पर भी अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। हमारी औषधि विकास समूह, सक्रिय औषधीय घटक (एपीआई) संश्लेषण और सूत्रीकरण रणनीतियों पर कार्य कर रही है। यह सक्रिय औषधीय घटक (एपीआई) विकास समूह वर्तमान में उपलब्ध औषधियों हेतु नए सिंथेटिक मार्गों की पहचान करने में सहायक है, जो भविष्य में अन्य देशों के भारतीय निर्माताओं पर भारत की निर्भरता को कम करने में सहायता प्रदान करेगा। नाईपर अहमदाबाद ड्रग डिलिवरी और कॉम्पलेक्स जेनेरिक्स हेतु प्लेटफॉर्म प्रौद्योगिकियों के विकास पर भी कार्य कर है। संस्थान चिकित्सा उपकरण विकास, आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण, ओकुलर उपकरणों और नैदानिक उपकरणों एवं उनकी परीक्षण सुविधाओं के उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

संस्थान के अंत:विषय पाठ्यक्रम और सांस्कृतिक विविधता ने हमारे छात्रों के नवीनीकरण अनुसंधान और सर्वांगीण विकास की भावना को काफी प्रोत्साहित किया है। संस्थान की अवस्थिति औषधि उद्योग, चिकित्सा केंद्रों और तकनीकी विश्वविद्यालयों के साथ सहकार्यता सुनिश्चित करता है। वर्ष 2023 में, नाईपर अहमदाबद ने शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी एनआईआरएफ-2023 में अखिल भारतीय स्तर पर # 13वीं रैंक हासिल किया। नाईपर अहमदाबाद औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान हेतु अनुकूल मंच के शुभारंभ हेतु सेवा करने तथा औषधीय और जैव चिकित्सा विज्ञान के ट्रांसलेशन हेतु एक नए युग के सूत्रपात की कामना करता है।

प्रो. शैलेन्द्र सराफ
निदेशक
नाईपर अहमदाबाद

नाईपर अहमदाबाद के बारे में

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद की स्थापना, औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के दूरदर्शी आवर्द्धन के साथ वर्ष 2007 में हुई थी। शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2023 में नाईपर अहमदाबाद को भारतीय फार्मा संस्थानों में 13वां स्थान प्रदान किया। इस संस्थान को देश में चिकित्सा उपकरणों में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करने के लिए भी जाना जाता है।

नाईपर अहमदाबाद, गांधीनगर, अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं से परिपूर्ण हरा-भरा परिसर है, इस परिसर में पशुगृह, बालक छात्रावास, बालिका छात्रावास और भोजनालय भी है। इस संस्थान के पास भारत सेवार्थ हेतु उत्कृष्ट फ़ार्मासिस्ट, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को तैयार करने का एक असाधारण रिकार्ड है। वर्तमान में, नाईपर अहमदाबाद द्वारा निम्न विषयों; जैव प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक उत्पाद, फार्मास्यूटिक्स, औषधीय विश्लेषण, औषधीय रसायन विज्ञान, फार्माकोलॉजी और टॉक्सीकोलॉजी, चिकित्सीय उपकरण एवं औषधीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एमएस फार्म.) एवं औषधीय प्रबंधन के अलावा इन सभी विषयों में विद्यावाचस्पति (पीएचडी फार्म.) पाठ्यक्रमों को अध्ययन हेतु प्रस्तावित किया जाता है। नाईपर अहमदाबाद के संकायों को विभिन्न सरकारी, गैर-सरकारी और अंतरराष्ट्रीय निधिकरण एजेंसियों से कई प्रतिस्पर्धी अनुसंधान अनुदान/परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं।

नाईपर अहमदाबाद ज़ायडस लाइफ साइंस, सहजानंद लाइफ साइंसेज लिमिटेड, नेस्ले, नोवार्टिस इंडिया, नोवुगेन फार्मा, ऑन्कोजेन फार्मा, वेरगो फार्मा रिसर्च लैब, इंटास फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड और जॉनसन एंड जॉनसन इंडिया आदि जैसे प्रतिष्ठित उद्योगों के साथ अनुसंधान एवं विकास क्षेत्रों में सहयोग करता है एवं संकाय भ्रमण और संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के रूप में उनके साथ शृंखला स्थापित किया हैं। नाईपर अहमदाबाद समूह के पास उच्च प्रभाव कारक पत्रिकाओं में प्रकाशन और पेटेंट फाइल करने का उल्लेखनीय प्रकाशन ट्रैक रिकॉर्ड है। नाईपर अहमदाबाद के संकाय को प्रकाशन के आधार पर फार्माकोलॉजी और फार्मेसी की श्रेणी में एल्सेवियर के अनुसार दुनिया के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में मान्यता दी गई है।

संस्थान के विद्यार्थियों के पास औषधीय और जैवचिकित्सा विज्ञान में उनके ज्ञानवर्द्धन हेतु डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रमों को लेकर व्यावसायिक विकास के कई अवसर उपलब्ध हैं। इस संस्थान के कई विद्यार्थियों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

हमारे विद्यार्थियों को जर्मनी में 67वीं और 68वीं लिंडौ नोबेल पुरस्कार विजेता बैठक, रमन-चार्पैक फ़ेलोशिप, न्यूटन भाभा फ़ेलोशिप, नेस्ले पाउडर चैलेंज पुरस्कार आदि में शामिल होने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा चयनित किया गया।

इस संस्थान ने दुनियां के सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों जैसे हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए, मिलर स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, यूएसए, गॉलवे विश्वविद्यालय, आयरलैंड, मिसिसिपी विश्वविद्यालय, यूएसए, न्यूकैसल विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, वेन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए, रटगर्स यूनिवर्सिटी, यूएसए, आईएनएसईआरएम, फ्रांस, आरहूस यूनिवर्सिटी, डेनमार्क और इंटरनेशनल इस्लामिक यूनिवर्सिटी, मलेशिया के साथ अनुसंधान सहयोग स्थापित किया है। नाईपर अहमदाबाद ने आईआईटी-गांधीनगर, आईआईपीएच-गांधीनगर, एम्स भोपाल और ज़ाइडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड सहित कई प्रसिद्ध भारतीय शैक्षणिक संस्थानों और फार्मा कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

नाईपर अहमदाबाद ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सहयोग से एक केंद्रीय बायो-इनक्यूबेटर सुविधा स्थापित की है जो युवा फार्मास्युटिकल कंपनियों और युवा उद्यमियों को अनुसंधान प्रयोगशालाओं, प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों, प्रबंधन में विशिष्ट सेवाओं और यहां तक कि नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करती है।

नाईपर अहमदाबाद, एमएसएमई और एसएमई को सहयोगी सेवा मोड के माध्यम से फार्मा और मेडिकल डिवाइस क्षेत्रों के समर्थन हेतु योगदान देने के लिए आगे आया है। संस्थान ने आगामी थोक दवा और चिकित्सा उपकरण पार्क के उद्देश्य से जीआईडीसी के अंतर्गत गुजरात राज्य कार्यान्वयन एजेंसी (एसआईए) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था।

नाईपर अहमदाबाद का उद्देश्य राज्य और देश की उभरती शैक्षिक और अनुसंधान आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु कैंसर, मधुमेह और तंत्रिका संबंधी विकारों के परिभाषित क्षेत्रों में अत्याधुनिक जीएलपी तथा जीएमपी अनुरूप प्रयोगशालाओं, पूर्व-नैदानिक अनुसंधान हेतु वृहत्त पशु और ट्रांसजेनिक सुविधा और नैदानिक अनुसंधान केंद्र से सुसज्जित अगली पीढ़ी का परिसर स्थापित करना है। संस्थान की परिकल्पना औषधि एवं चिकित्सा उपकरण परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने की है जो सूक्ष्म और मध्यम फार्मा उद्योगों को सहायता प्रदान करना सुनिश्चित करेगी तथा संस्थान के लिए राजस्व उत्पन्न करेगी। नाईपर अहमदाबाद देश में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए मानव संसाधन के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है और अपनी राष्ट्रीय उत्तरदायित्व के रूप में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल में अपना योगदान सुनिश्चित करता है।

दृष्टि और लक्ष्य

दृष्टि

- संस्थान की दृष्टि स्वयं को औषधि विज्ञान और जैव चिकित्सा तकनीकों के क्षेत्र में स्वयं को शिक्षण, अनुसंधान और उद्यमशीलता प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के एक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमुख केंद्र के रुप में स्थापित करना है।

लक्ष्य

- विभागीय और प्रशासनिक सहयोगियों को कार्य सीखने, शोध करने, शिक्षण और प्रशासन में उत्कृष्टता हेतु आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।
- पारस्परिक हित के सह-कार्यक्रमों के माध्यम से चिकित्सा प्रौद्योगिकी शिक्षा में योगदान हेतु स्वयं को चिकित्सा उपकरण केंद्र (सीएमडी) के रुप में स्थापित करना।
- चिकित्सा प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित कर सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमियों के हितार्थ एक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना एवं सांझेदारी की सुविधाओं सहित चिकित्सा प्रौद्योगिकी समूहों को विकसित करना।
- विशेष पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल उन्नयन द्वारा मानव संसाधनों का विकास करना।
- अंतःविषय अनुसंधान समूहों के माध्यम से नवीन ट्रांसलेशनल अनुसंधान हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना।
- औषधीय उद्योगों, चिकित्सा केंद्रों और विश्वविद्यालयों के साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहकार्यता को बढ़ावा देना।
- परिसर में विविधता को प्रोत्साहित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों और संकाय के परस्पर ज्ञान के आदान-प्रदान हेतु कार्यक्रमों को आयोजित कर सुविधा उपलब्ध कराना।

संगठन

शासक-मंडल (बीओजी)नाईपर अहमदाबाद

क्रमांक	संबद्धता	पदनाम
1	**मनोनीत किया जाना है**	अध्यक्ष
2	निदेशक, राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद	सदस्य (पदेन)
3	वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार (मूल्य निर्धारण, एफडीआई) औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य (पदेन)
4	मुख्य सचिव, तकनीकी शिक्षा, गुजरात सरकार	सदस्य (पदेन)
5	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य (पदेन)
6	प्रो. रमेश चंद्रा, पूर्व निदेशक, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा अनुसंधान केंद्र, दिल्ली	सदस्य- प्रख्यात फार्मा विशेषज्ञ
7	डॉ. मुकुल जैन, उपाध्यक्ष , ज़ाइडस रिसर्च सेंटर, अहमदाबाद	सदस्य- प्रख्यात फार्मा विशेषज्ञ
8	डॉ. अल्का शर्मा, वैज्ञानिक 'एच', जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	सदस्य- प्रख्यात फार्मा विशेषज्ञ
9	डॉ. पी. के. मिणोचा, निदेशक, मेरिल लाइफसाइंस, वापी, गुजरात	सदस्य-उद्योगपति
10	डॉ. श्रेणिक के. शाह, तकनीकी निदेशक, मोंटेज लेबोरेटरीज, हिम्मतनगर, गुजरात	सदस्य-उद्योगपति
11	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर, राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद	सदस्य - संस्थान के प्रोफेसर
12	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा, एसोसिएट प्रोफेसर, राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद	सदस्य - संस्थान के प्रोफेसर

वित्त समिति

निदेशक, नाईपर अहमदाबाद (पदेन)	अध्यक्ष	निदेशक, नाईपर अहमदाबाद
डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	सदस्य	संकायाध्यक्ष, नाईपर-अहमदाबाद
निदेशक (वित्त) / उप वित्तीय सलाहकार	सदस्य	रसायन एवं पेट्रो-रसायन विभाग, भारत सरकार
डॉ. हरिलाल वलजीभाई पटेल	सदस्य	महाप्रबंधक, ड्रग मेटाबॉलिज्म एंड फार्माकोमेट्रिक्स एंड क्लिनिकल बायोएनालिसिस, ज़ाइडस रिसर्च सेंटर, ज़ाइडस लाइफ साइंसेज लिमिटेड
डॉ. सुबीर एस. मजूमदार	सदस्य	महानिदेशक, गुजरात जैव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
डॉ. पी.के.पात्रा	सदस्य	प्रोफेसर और प्रमुख, जैव रसायन विभाग छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सीआईएमएस), बिलासपुर, छत्तीसगढ़
कुलसचिव, नाईपर अहमदाबाद	सदस्य सचिव	कुलसचिव, नाईपर अहमदाबाद

प्रयोगशाला सेवाएं, भवन और निर्माण समिति

निदेशक, नाईपर अहमदाबाद (पदेन)	अध्यक्ष	निदेशक, नाईपर अहमदाबाद
डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	सदस्य	संकायाध्यक्ष, नाईपर अहमदाबाद
श्री आर. के. लाखवानी	बोर्ड के प्रत्याक्षी	बी/82 सहजानंद अपार्टमेंट, स्टर्लिंग अस्पताल के पास, गुरुकुल रोड, अहमदाबाद
निदेशक वित्त	सदस्य	निदेशक (वित्त) / उप वित्तीय सलाहकार, रसायन एवं पेट्रो-रसायन विभाग, भारत सरकार
सीपीडब्लूडी के अधिकारी	सदस्य	टीबीए
डॉ. राकेश टेकाडे	निदेशक, नाईपर अहमदाबाद के परामर्श से बोर्ड द्वारा नामित संस्थान के प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद
मुख्य रखरखाव अभियंता	सदस्य	-
श्री अवधेश नौटियाल	सदस्य सचिव	कुलसचिव, नाईपर अहमदाबाद

अध्ययन और अनुसंधान बोर्ड

नाम	सदस्यता
डॉ. पल्लब भट्टाचार्य, संकायाध्यक्ष	संकायाध्यक्ष,अध्यक्ष और प्रतिनिधि (पीसी)
डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा, एसोसिएट प्रोफेसर	प्रतिनिधि (एमडी)
डॉ. राकेश टेकाडे, एसोसिएट प्रोफेसर	प्रतिनिधि (पीई)
डॉ. रवि शाह, एसोसिएट प्रोफेसर	प्रतिनिधि (पीए)
डॉ. अभिजीत काटे, एसोसिएट प्रोफेसर	प्रतिनिधि (एनपी)
डॉ. बिचिस्मिता, एसोसिएट प्रोफेसर	प्रतिनिधि (एमसी)
डॉ. अमित कुमार पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर	प्रतिनिधि (बीटी)
डॉ. राजेश नादिमिंटी, सहायक प्रोफेसर	प्रतिनिधि (एमबीए)
श्री कुणाल माहेश्वरी, सहायक कुलसचिव	सदस्य

संस्थान में गठित आंतरिक समितियों की सूची

संस्थान की सामान्य क्रय समिति	संस्थान की उपकरण क्रय समिति
राजभाषा समिति	संस्थान की पुस्तकालय समिति
आंतरिक परिवाद समिति	शिकायत निवारण समिति
पूर्व छात्र संबंध समिति	आंतरिक वित्त समिति
समान अवसर प्रकोष्ठ	यौन उत्पीड़न विरोध प्रकोष्ठ/ महिला प्रकोष्ठ
अनुशासन और रैगिंग विरोध समिति	समय-सारणी एवं अकादमिक कार्यक्रम और निगरानी समिति
छात्र कल्याण समिति	सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एवं सोशल मीडिया समिति
प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा समिति	तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा समिति

संस्थान में गठित आंतरिक समितियों की सूची

संस्थान अनुरक्षण समिति	छात्र नियोजन समिति
छात्रावास संचालक (बालक)	छात्रावास संचालक (बालिका)
संस्थान खेल-कूद समिति	सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधि
वैज्ञानिक पत्रिका एवं गतिविधि क्लब	नवाचार क्लब
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग समिति	प्रवेश समिति
संस्थागत जैव सुरक्षा समिति	सतर्कता प्रकोष्ठ
संस्थागत पशु नैतिक समिति	एनआईआरएफ प्रस्ताव हेतु समिति
खाद्य समिति	
अधिक जानकारी के लिए लिंक पर जाएं: https://niperahm.ac.in/internal-committees/	

संकाय

एसोसिएट प्रोफेसर — **नाम, पदनाम एवं अनुसंधान अभिरुचि**

डॉ. पल्लब भट्टाचार्य, पीएच.डी.
एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:
- स्कीमिक स्ट्रोक के छोटे/बड़े आकार वाले पशुओं में मध्योतक कोशिका की अंत: धमनी डिलीवरी एवं न्यूरोप्रोटेक्शन की अध्ययन प्रक्रिया।
- मस्तिष्क को इंजीनीयरिंग आधारित रेगुलेटरी आरएनए-मेडिएटेड मध्योतक मूल कोशिका की डिलीवरी।

डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा, पीएच.डी.
एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:
- जैव-उपकरण आधारित चिकित्सा उपकरणों के निर्माण से जुड़े ट्रांसलेशनल बायोमेडिकल अनुसंधानकरना।
- ऊतक पुनर्जनन के लिए नोवल थिरेप्यूटिक योजनाओं का पता लगाना एवं रोग लक्षण को समझने के लिए इन विट्रो प्लेटफॉर्मों को विकसित करना।

डॉ. अभिजीत काटे, पीएच.डी
एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:
- एलसी-यूवी-एमएस द्वारा अर्क के फिंगरप्रिंटिंग, जैविक स्रोतों से नोवल स्कैफल्डों की खोज के लिए विभिन्न एलसी-एमएस आधारित डेरेप्लिकेशन रणनीतियों का कार्यान्वयन।
- दवा की खोज की गति को तेज करने के लिए समुद्री प्राकृतिक उत्पादों के पृथक्करण और लक्षण वर्णन के लिए मुख्य दृष्टिकोण का विकास।

डॉ. बिचिस्मिता साहू, पीएच.डी
एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:
- कैंसर में चिकित्सीय और नैदानिक अनुप्रयोगों हेतु पेप्टाइड्स, पेप्टिडोमिमेटिक्स, स्कैरामाइड्स और न्यूक्लियोबेस प्रेरित स्कैफॉल्ड का डी-नोवो डिज़ाइन
- बायोमेडिकल अनुप्रयोगों हेतु पॉलिमर-पेप्टाइड्स/न्यूक्लियोबेस स्कैफॉल्ड

डॉ. रवि शाह, पीएच.डी
एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:
- कम्प्लेक्स एपीआई, फॉर्मूलेशन्सऔर बायोसिमिलर्स की विशेषता; विनियामक प्रस्तुत करने के लिए समता रणनीति के लिए बायोपॉलिमर्स और जटिल सामान्य सूत्रीकरण।
- अग्रिम विघटन विधियों के माध्यम से इन-विट्रो रिलीज़ विघटन।
- एलसी-एमएस और एनएमआर आधारित अशुद्धियों काड्रग-ड्रग / औषध-उत्तेजक इंटरैक्शन उत्पादों, नाइट्रोसामाइन, क्षरण उत्पाद, चिकित्सा उपकरणों के लीचेबल और एक्सट्रैक्टेबल्स।

डॉ. राकेश कुमार टेकाडे, पीएच.डी
एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:
- लक्षित औषधी एवं आरएनए व्यवधान (आरएनएआई) चिकित्सा के लिए पॉलिमर ट्रांसफेक्टिंग रिजेन्ट।
- कैंसर, गठिया, न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों आदि में नैनो ड्रग डिलीवरी को लक्षित करना।
- प्रतिरोधी कैंसर से निपटने के लिए इम्प्लांटेबल केमो-फोटोथर्मल नैनोसिड्स।

डॉ. अमित कुमार पाण्डेय, पीएच.डी
एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:
- ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर में नवीन चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान हेतु डब्लूएनटी पाथवे और एलएनसीआरएनए के इंटरैक्शन को समझना
- ग्लियोब्लास्टोमा में एलएनसीआरएनए के संयोग के आणविक तंत्र को उजागर करना
- डिम्बग्रंथि के कैंसर में सीआरआईएसपीआर/सीए9 द्वारा पी53 विनियमित दीर्घ गैर-कोडिंग आरएनए (एलएनसीआरएनए) की भूमिका की पहचान करना, 3डी स्फेरोइड का उपयोग करके स्तन कैंसर में मेटाबोलॉमिक्स और लिपिडोमिक्स सिग्नेचर

सहायक प्रोफेसर — नाम (वर्णानुक्रम में), पदनाम एवं अनुसंधान अभिरुचि

डॉ. अकांक्षा जैन, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:
- एंटी कैंसर ड्रग डिलिवरी
- कैंसर के इलाज में केस्पेस की भूमिका
- कॉलोन टार्गेटिंग
- विभिन्न रोगों के लिए प्रोटीनों और दवाओं की नोवल डिलिवरी प्रणाली का विकास
- टोपिकल एवं ट्रांसडर्मल ड्रग डिलिवरी

संकाय

डॉ. अमित मन्दोली, पीएच.डी
सहायक प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:

- एनजीएस, सीआरआईएसपीआर स्क्रीन जैसे उच्च- प्रवाह क्षमता जांचों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करना।
- कैंसर में शामिल विशेष आणविक प्रक्रियाओं की पहचान के लिए प्रोटीन मास-स्पेक।
- अपने रोगनिदान और औषधि खोज प्रक्रिया शोध के माध्यम से मौलिक अंतर्दृष्टि को ट्रांसलेट करना।

डॉ. अमित शारद, पीएच.डी
सहायक प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:

- बीएएक्स एक्टिवेटिंग यौगिकों और न्यूरोप्रोटेक्टिव अणुओं का संश्लेषण।
- माइक्रोवेव द्वारा सहायता प्राप्त कार्बनिक संश्लेषण।
- जैव-सक्रिय अणुओं के लिए नोवल और स्थायी प्रोटोकॉल, एंटीकैंसर गतिविधि के लिए काईनसिन प्रोटीन को लक्षित करना।

डॉ. देराजराम बेनिवाल, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:

- सूक्ष्म अणुओं, पेप्टाइड्स का भौतिक-रासायनिक लक्षण वर्णन।
- मौखिक, नाक और इंजेक्टेबल योगों के प्रोटीन और फाइटोफार्मास्यूटिकल्स विकास।
- नई चिकित्सकीय आवश्यकताओं के पूर्ति लिए नई खुराक के रूप में विकास।

डॉ. दिनेश कुमार, पीएच.डी
सहायक प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:

- बायोमेडिकल रिसर्च, विशेष रूप से कैंसर-रोधी औषधि की खोज में चुनौतीपूर्ण समस्याओं के समाधान के लिए सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान में नई रणनीतियों और अवधारणाओं का विकास।
- स्थायी जैविक प्रतिक्रियाओं का विकास (हरित रसायन विज्ञान) व औषधीय और प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण।

डॉ. गोविन्दा कपूसेट्टी, पीएच.डी
सहायक प्रोफेसर (दिनांक 29 मई, 2023 को सेवामुक्त)
अनुसंधान अभिरुचि:

- कृत्रिम सतहों और मस्कुलोस्केलेटल ऊतक पुनर्जनन और देखभाल के लिए स्मार्टनैनोबॉयो सामग्रियों का संश्लेषण और निर्माण।
- चुंबकीय अतिताप और फोटोडायनामिक चिकित्सा जैसे कैंसर चिकित्सा विज्ञान के लिए वैकल्पिक रणनीति।
- पुनर्योजी चिकित्सा के लिए इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल उत्तेजना जैसे इंजीनियर दृष्टिकोण।

संकाय

डॉ. हेमंत कुमार, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:

- मेरुदंड धाव (एससीआई) के तीव्र चरण में लगातार एंडोथेलियल कोशिका की मृत्यु, मुख्य रूप से जख्म उपकेंद्र पर।
- एंडोथेलियल सुरक्षा/स्थिरीकरण के लिए पेनुमब्रल माइक्रोवैस्कुलर के भीतर लक्ष्य या एनसीई को खोजने और रक्त-मेरुदंड की बाधा अखंडता को संरक्षित करना।
- पार्किंसंस रोग, न्यूरोपैथिक और सूजन व्यथा, मल्टीपल स्केलेरोसिस और गठिया।

डॉ. कल्पना गरखल, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:

- घुलनशीलता, पारगम्यता के मुद्दे को संबोधित करने, दुष्प्रभाव को कम करने और कार्रवाई के स्थल पर दवा अणु की समग्र जैवउपलब्धता को बढ़ाने के लिए नैनोकैरियर फॉर्मूलेशन विकास।
- पॉलिमर के संश्लेषण को तैयार करना और लक्षित वितरण हेतु फॉर्मूलेशन विकास के लिए संश्लेषित पॉलिमर का उपयोग करना।
- त्वचा रोगों और विभिन्न जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों में अधूरी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सामयिक कण, हाइड्रोजेल फॉर्मूलेशन, माइक्रोपार्टिकल्स, वेसिकुलर कैरियर आदि का विकास।

डॉ. नादिमिंटि राजेश कुमार, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:

- ऑन्कोलॉजी विपणन (मार्केटिंग)
- रोगी-केंद्रित विपणन
- ओमनी चैनल विपणन (मार्केटिंग)
- मात्रात्मक एवं गुणात्मक अनुसंधान संबंधित
- फार्मा और हेल्थकेयर

डॉ. नितिश शर्मा, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:

- प्राथमिक अनुसंधान क्षेत्र में जटिल इंजेक्टेबल्स और पेप्टाइड फॉर्मूलेशन का लक्षण वर्णन;
- विश्लेषणात्मक विधि विकास, एचपीएलसी, यूपीएलसी, जीसी-एमएस/एमएस, एलसी-एमएस/एमएस का उपयोग वसत्यापन करना,
- कण आकार विश्लेषण, इन-विट्रो रिलीज़ प्रोफ़ाइल, अनुकूलता अध्ययन, रिवर्स इंजीनियरिंग और फार्मास्युटिकल की स्थिरता विश्लेषण
- प्रोबायोटिक पेय की मेटाबोलॉमिक्स प्रोफ़ाइल, एक्सोसोम की विशेषता, निकालने व रिसाव करने योग्य अध्ययन।
- औषधि-उत्तेजक अंत:क्रिया, जीनोटॉक्सिक/म्यूटाजेनिक, नाइट्रोसामाइन अशुद्धता मूल्यांकन।

डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर
अनुसंधान अभिरुचि:

- प्रोटीनोमिक और लिपिडोमिक अध्ययन
- प्रीक्लिनिकल फार्माकोकाइनेटिक्स और टॉक्सिकोकाइनेटिक्स
- खोज और निर्माण विकास चरण में रसायनिक तत्वों की मेटाबोलिक प्रोफाइलिंग
- एचपीएलसी, यूपीएलसी, एलसी-एमएस / एमएस का उपयोग करके विश्लेषणात्मक और बायोविश्लेषणात्मक विधि विकास
- औषध की अशुद्धता प्रोफाइलिंग, लक्षण वर्णन, अनुकूलता और स्थिरता विश्लेषण।

संकाय

डॉ. रविन्द्र तावारे, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान अभिरुचि:
- नोवल जैव सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों के सतत उत्पादन के लिए एंडोफाइटिक कवक का जैव पूर्वेक्षण।
- जैव सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों के अलगाव के लिए तनाव प्राथमिकता के जीनोमिक, प्रोटिओमिक्स और मेटाबॉलोमिक दृष्टिकोण का कार्यान्वयन।
- बढ़ी हुई चयनात्मकता और जैव-सक्रियता के साथ संश्लेषित डेरिवेटिव को केमिकली हार्ड प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक उत्पादों का बायोट्रांसफॉर्मेशन।
- कैंसर मेटाबॉलोमिक्स।

डॉ. सपन बोराह, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान अभिरुचि:
- रोगाणुरोधी प्रतिरोध तंत्र
- फंगल दवा ट्रांसपोर्टरों की कोशिका जीव विज्ञान
- रोगाणुरोधी दवा की खोज

डॉ. सत्यशील शर्मा, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान अभिरुचि:
- एंटीकैंसर एजेंटों के संश्लेषण के लिए संक्रमण धातु-उत्प्रेरित सी-एच सक्रियण प्रतिक्रियाएं।
- सी-एच बॉन्ड सक्रियण के माध्यम से औषधीय महत्व के फ्लोरीन युक्त स्कैफल्ड्स।
- अप्राप्य सी(एसपी२)-एच, सी(एसपी३)-एच बॉन्ड क्रियाशीलताक्रॉस डिहाइड्रोजनीटिव कपलिंग (सीडीसी), कैटेलिसिस, पोर्फिरीन रिंग का कार्यात्मकता।

डॉ. सिद्धेश्वर चौथे, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान अभिरुचि:
- औषधीय पौधों से बायोएक्टिव यौगिकों के बायोसेय-निर्देशित अलगाव और संरचना को अलग करना।
- हाइफ़न तकनीक का उपयोग करके पॉलीहर्बल योगों के मानकीकरण के लिए पद्धतियों का विकास करना।
- पारंपरिक आयुर्वेदिक / हर्बल दवाओं की गुणवत्ता मानकों के लिए क्यू-मार्कर स्थापित करना।

डॉ. सुवीन कुमार, पीएच.डी.
सहायक प्रोफेसर

अनुसंधान अभिरुचि:
- बायोसेंसर्स
- माइक्रोफ्लुइडिक्स डायग्नोस्टिक्स डिवाइस
- इलेक्ट्रोकाइनेटिक्स एकीकृत माइक्रोफ्लुइडिक्स डिवाइस निर्माण
- लैब-ऑन-चिप/प्वाइंट ऑफ केयर उपकरणों का निर्माण
- गैर-आक्रामक/आंशिक आक्रामक निदान
- इम्प्लांटेबल/इंजेक्टेबल सेंसर्स
- नम्य (कागज और धागा) इलेक्ट्रॉनिक्स

विजिटिंग संकाय

सीए शिखा भगत	चार्टर्ड अकाउंटेंट, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर
सीए स्नेहल शाह	सहायक संकाय, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद
डॉ. अर्पित जैन	आईटी के एसोसिएट प्रोफेसर, एलएम यूनिवर्सिटी
डॉ. बंसारी दवे	एसोसिएट प्रोफेसर, कर्णावती विश्वविद्यालय, गांधीनगर
डॉ. दीपा संघवी	सहायक प्रोफेसर, अदानी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
डॉ. ध्यानी मेहता	सहायक प्रोफेसर, निरमा यूनिवर्सिटी
डॉ. जी पद्मराज	लिव यूनिक लाईफ, सीओओ, अहमदाबाद
डॉ. हीना थैंकी	एसोसिएट प्रोफेसर, एसजेपीआई-एनआईसीएम, गांधीनगर
डॉ. कविता सक्सेना	सहायक प्रोफेसर, ईडीआई, अहमदाबाद
डॉ. कीर्तिका चेतिया	कार्यक्रम प्रबंधन, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, गांधीनगर
डॉ. रुषभ मेहता	सहायक प्रोफेसर, एनएमआईएमएस मुंबई
डॉ. विराली वोरा	अकादमिक एसोसिएट, आईआईएम अहमदाबाद
श्री चन्द्रमौली पाठक	निदेशक, ओकब्रुक बिजनेस स्कूल, अहमदाबाद
श्री नील हरवानी	निदेशक- एचएसओपीसी, लाइफ़रे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद
श्री प्रणव गोसाली	सहायक प्रोफेसर, आईबीएस अहमदाबाद
श्री राजन श्रीधरन	सहायक प्रोफेसर, संस्थान: आईबीएस, अहमदाबाद
श्री समरेन्द्र श्रीवास्तव	संस्थापक, विजक्राफ्ट सॉल्यूशंस, अहमदाबाद
श्री श्वेतल शाह	सलाहकार, जीआईडीएम, गांधीनगर
श्री टोबी मैमम	सहायक प्रोफेसर, आईसीएफएआई अहमदाबाद

अनुबद्ध संकाय

नाईपर-अहमदाबाद ने निम्नलिखित प्रसिद्ध शिक्षाविदों और अनुसंधान वैज्ञानिकों को अनुबद्ध प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया है, जो अनुसंधान और शिक्षण पर अपने विशेष ज्ञानवर्द्धन हेतु मार्गदर्शन दे सकते हैं। इन अनुबद्ध प्रोफेसरों ने वैज्ञानिक चर्चाओं के जीवंत सत्रों के साथ-साथ ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने पर सहमति प्रस्तुत की है। उन्होंने शीघ्र ही पारस्परिक रूप से सुनिश्चित समय पर व्यक्तिगत रूप से नाईपर-अहमदाबाद का दौरा करने में भी अपनी रुचि व्यक्त की है। नाईपर-अहमदाबाद सभी अनुबद्ध प्रोफेसरों को हार्दिक धन्यवाद देता है एवं नाईपर-अहमदाबाद और सहयोगी संस्थान के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की आशा करता है।

प्रो. लैरी बेनोवित्ज़
सर्जरी और नेत्र विज्ञान के प्रोफेसर
संस्थान: हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए

प्रो. दिलीप आर यवागल
क्लिनिकल न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के प्रोफेसर
संस्थान: मिलर स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए

प्रो. एंटनी डी'एमैनुएल
औषधीय विज्ञानों के प्रोफेसर
संस्थान: डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी, यूके

डॉ. मुकुल जैन
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
संस्थान: जायडस रिसर्च सेंटर, भारत

प्रो. अभय पंडित
बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर
संस्थान: एनयूआई, गॉलवे, आयरलैंड

प्रो. फिलिप एम. हैन्सब्रो
प्रोफेसर
संस्थान: द यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूकैस्टल, ऑस्ट्रेलिया

प्रशासनिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी

प्रो. शैलेन्द्र सराफ
निदेशक

श्री अवधेश नौटियाल
कुलसचिव

श्री मनीष भोमिया
वित्त एवं लेखा अधिकारी
(दिनांक 04 अगस्त, 2023 को सेवामुक्त)

श्री कुणाल माहेश्वरी
सहायक कुलसचिव

श्री तुषार शर्मा
सिस्टम इंजीनियर

डॉ. भालोडीया सतीशकुमार जादवजी
पशु चिकित्सा अधिकारी

राजेश्वरी राठौड़
वैज्ञानिक/तकनीकी पर्यवेक्षक ग्रेड-I

श्री दिलीप जयंतीलाल घवा
वैज्ञानिक/तकनीकी पर्यवेक्षक ग्रेड-I

डॉ. संतोष कुमार बेहेरा
वैज्ञानिक/तकनीकी पर्यवेक्षक ग्रेड- II

सुश्री श्वेता पिंपलकर
निदेशक के सचिव

सुश्री मोनिका सीरवी
वैज्ञानिक/तकनीकी पर्यवेक्षक ग्रेड- II

श्री विशाल रविंद्रकुमार पारधी
वैज्ञानिक/तकनीकी पर्यवेक्षक ग्रेड II

श्री जनपति श्रीनु
वैज्ञानिक/तकनीकी पर्यवेक्षक ग्रेड- II

श्री आशीष रेवर
तकनीकी सहायक (कंप्यूटर अनुभाग)
(दिनांक 03 अगस्त, 2023 को सेवामुक्त)

प्रशासनिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी

श्री सुनिल पराते
भंडार रक्षक

सुश्री निशा टहिलियानी
लेखाकार

श्री राजू प्रसाद
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक

श्री जेता राम
सहायक ग्रेड-I

श्री सुजीत पाठक
सहायक ग्रेड-II

श्री अकील मलेक
सहायक ग्रेड-II

श्री अपूर्व सेठ
सहायक ग्रेड II

श्री प्रीत गोस्वामी
कनिष्ठ तकनीकी सहायक

सुश्री निकिता चावड़ा
कनिष्ठ तकनीकी सहायक

श्री मैनाक मुखर्जी
कनिष्ठ तकनीकी सहायक

श्री कुंजन पारिख
कनिष्ठ तकनीकी सहायक

दिनांक 30 सितंबर, 2023 को अपराह्न 03:00 बजे, राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद, गांधीनगर में स्थायी परिसर का उद्घाटन समारोह

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद, औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में गांधीनगर में स्थित राष्ट्रीय महत्व का एक स्वायत्त संस्थान है। श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार ने दिनांक 30 सितंबर, 2023 को अपराह्न 03:00 बजे नाईपर अहमदाबाद के स्थायी परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्ति; श्री भूपेन्द्र पटेल, माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात सरकार, डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय मंत्री, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, श्री हितेश मकवाणा, मेयर, श्री अल्पेश ठाकोर, माननीय विधायक, गांधीनगर (दक्षिण), श्रीमती रीता बेन पटेल, माननीय विधायक गांधीनगर (उत्तर), सुश्री एस. अपर्णा, सचिव, औषध विभाग, भारत सरकार, श्री पंकज पटेल, मुख्य प्रबंध निदेशक, ज़ाइडस और माननीय नाईपर परिषद के सदस्य, श्री समीर मेहता, मुख्य प्रबंध निदेशक, टोरेंट और भारतीय फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) के अध्यक्ष, श्री विरंची शाह, अध्यक्ष इंडियन ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईडीएमए), श्री.अनिल भाई पटेल, श्री.रुचिर भट्ट और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थिति थे।

सुश्री एस. अपर्णा, सचिव, औषध विभाग ने अपने संबोधन में नाईपर अहमदाबाद को मात्र ₹1 वार्षिक टोकन राशि पर कुल 60 एकड़ भूमि प्रदान करने के लिए गुजरात सरकार को धन्यवाद व्यक्त किया और उनकी हार्दिक सराहना की। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि इस क्षेत्र में औषधीय एवं चिकित्सा प्रौद्योगिकी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए परिवर्तनकारी कदम ऐतिहासिक है, जो औषधीय एवं चिकित्सा प्रौद्योगिकी अनुसंधान के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल ने औषधीय क्षेत्र और नाईपर द्वारा प्राप्त उपलब्धियों को आदरणीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण बताया। उन्होंने नाईपर अहमदाबाद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए औषधीय एवं चिकित्सा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार की सशक्त प्रतिबद्धताओं का पुन: उल्लेख किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि नाईपर अहमदाबाद इन प्रगतियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने नाईपर अहमदाबाद के स्थायी भवन के उद्घाटन को गुजरात में औषधीय एवं चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में नवीन अनुसंधान संभावनाओं के उदय का प्रतीक बताया।

डॉ. मनसुख मांडविया जी ने अपने संबोधन में नाईपर अहमदाबाद को 'विकास का मंदिर' की संज्ञा दी। उन्होंने भारत को विश्व की फार्मेसी बताते हुए स्वास्थ्य देखभाल में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. मंडाविया ने औषधीय क्षेत्र में प्रगति हेतु मुख्य कुंजी के रूप में उपलब्ध प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना का भी उल्लेख किया। डॉ. मांडविया जी ने बताया कि, नाईपर अहमदाबाद को चिकित्सा उपकरणों में उत्कृष्टता के केंद्र (सीओई) के रूप में नामित कर मान्यता प्रदान किया गया है, जो इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देगा। उन्होंने बताया कि इस उत्कृष्टता के केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है। यह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करेगा, कुशल कर्मियों को तैयार करेगा और चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में अत्याधुनिक परीक्षण और अनुसंधान सुविधाएं स्थापित करेगा। यह परिकल्पित सीओई चिकित्सा उपकरण क्षेत्र के उद्यमियों, स्टार्टअप और उद्योगों, विशेष रूप से सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमियों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार ने नाईपर अहमदाबाद के स्थायी परिसर के उद्घाटन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि आज से संस्थान के शोधकर्ताओं और कर्मचारियों के नैरंतरिक कार्य करने के लिए एक स्थायी परिसर होगा। उन्होंने 'आत्मनिर्भर भारत' में सभी नाईपर संस्थानों द्वारा दिए गए उनके योगदानों की सराहना किया। इसके साथ ही उन्होंने नाईपर अहमदाबाद में अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और आवासीय परिसर की योजनाओं सहित व्यापक सुविधाओं का उल्लेख भी किया। अमित शाह जी ने इस बात पर जोर दिया कि नाईपर अहमदाबाद को विश्व स्तर पर एक शीर्ष रैंकिंग उपलब्ध करने वाला अग्रणी संस्थान बनने का प्रयास करना चाहिए। शिक्षा, अनुसंधान, अनुसंधान गुणवत्ता

और व्यवसाय संस्थान हेतु मार्गदर्शक सिद्धांत होंगे, जिससे गांधीनगर में शिक्षा और गहन अनुसंधान का वातावरण तैयार होगा। उन्होंने जन औषधि योजना, जिससे लाखों रुग्ण और परिवारों को राहत मिली है, को संभव बनाने वाले भारतीय दवा उद्योग को भी श्रेय दिया और चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण के महत्व पर जोर दिया, उन्होंने उस पर गौर किया और बताया कि यह ऐतिहासिक विकास औषधीय और चिकित्सा प्रौद्योगिकी अनुसंधान में एक नए युग का प्रतीक है, जो सामर्थ्य, नवाचार और आत्मनिर्भरता को सबसे उपर लाता है।

इस सफल कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर शैलेन्द्र सराफ, निदेशक नाईपर अहमदाबाद द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया। प्रो. सराफ ने नाईपर अहमदाबाद को अग्रणी संस्थान बनाने हेतु निर्बाध प्रयासों से रूप से कार्यरत भारत सरकार, गुजरात सरकार, औषध विभाग, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस महान उपलब्धि के लिए सभी पिछले नेतृत्व और हितधारकों के योगदान की सराहना भी की।

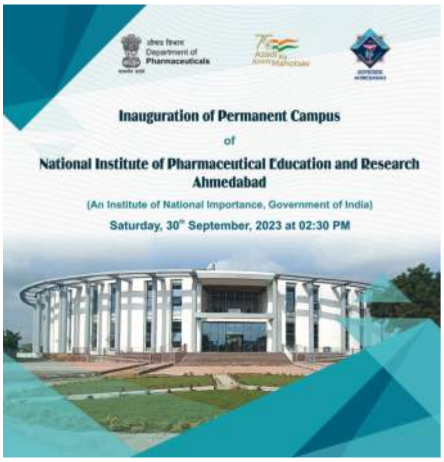

चिंतन शिविर

औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने औषधीय उद्योग में सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने हेतु दिनांक 12 और 13 मई, 2023 को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, केवड़िया, गुजरात में चिंतन शिविर को आयोजित किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. वी.के. पॉल, सदस्य, नीति आयोग थे।

चिंतन शिविर में विभिन्न पूर्ण सत्र शामिल हैं, जिसमें शिक्षा, उद्योग और सरकार के प्रतिष्ठित वक्ता औषधीय उद्योग के विभिन्न पहलुओं, जैसे अनुसंधान और विकास, नियामक ढांचे, उभरती प्रौद्योगिकियों और वैश्विक रुझानों पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा किया हैं।

चिंतन शिविर, औषधीय उद्योग सहयोग, नवाचार और उद्योग-अकादमिक साझेदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह आयोजन ज्ञान-साझाकरण की सुविधा प्रदान करता है, अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है, और विभिन्न डोमेन के हितधारकों को एक साथ लाकर उद्योग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए समाधान के विकास का समर्थन करता है।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएएफ-2023)

नाईपर अहमदाबाद, स्वयं को औषधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट शिक्षण, अनुसंधान और उद्यमी प्रशिक्षण का अंतर्राष्ट्रीय मान्यता-प्राप्त एक प्रमुख केन्द्र के रुप में स्थापित करने हेतु महत्त्वाकांक्षा करता है। संस्थान का अंतर्विषयक पाठ्यक्रम एवं सांस्कृतिक विविधता यहां के विद्यार्थियों के प्रगतिशील अनुसंधान और सर्वांगीण विकास एवं उनके उत्साह को प्रोत्साहित करता है। नाईपर अहमदाबाद औषधीय शिक्षा अनुसंधान एवं औषधीय तथा जैव चिकित्सा विज्ञान में के नए युग के प्रारंभ करने के उद्देश्य से एक बेहतर प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करने की कामना करता है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), शिक्षा मंत्रालय, सरकार भारत सरकार द्वारा दिनांक 5 जून, 2023 को जारी अखिल भारतीय रैंकिंग 2023 में नाईपर अहमदाबाद को भारतीय फार्मा शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों में 13वां स्थान प्रदान किया।

नाईपर अहमदाबाद, गुजरात के प्रमुख संस्थानों में से एक के रूप में विकसित हुआ है जिसने देश के अग्रणी फार्मेसी संस्थानों में शीर्ष स्थान हासिल किया है। संस्थान ने, एक सशक्त संकाय टीम सहित निदेशक, नाईपर अहमदाबाद के नेतृत्व में, काफी कम समय में देश में अपना एक पहचान स्थापित किया है। संस्थान की टीएलआर रैंकिंग यहां के संकाय सदस्यों की संख्या, उनकी उत्कृष्ट योग्यता और समस्त मौजूदा कार्यक्रमों में छात्रों के प्रवेश के अनुपात पर आधारित थी।

यह रैंकिंग नाईपर अहमदाबाद द्वारा आयोजित शैक्षिक, पुनश्चर्या और अभिविन्यास पाठ्यक्रमों और गतिविधियों की संख्या पर आधारित थी। इसे ई-कंटेंट निर्माण कार्यक्रमों में सहभागिता, उद्योगों के साथ परस्पर क्रिया और सहयोग तथा गुणवत्ता सुधार में वाह्य संकाय की सुविधा के लिए भी उत्कृष्ट माना गया है। नाईपर अहमदाबाद की इन पहलों ने भारत सरकार की कुशल विकास पहल में काफी योगदान दिया है।

अनुस्थापन कार्यक्रम-2023

संस्थान में अध्ययन हेतु नवागंतुक छात्रों के मार्गदर्शन हेतु नाईपर अहमदाबाद द्वारा इस नए अनुस्थापन कार्यक्रम को तैयार किया गया है। यह अनुस्थापन कार्यक्रम संस्थान में प्रवेश लेने वाले सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है। इस कार्यक्रम के दौरान, समन्वयक सहजता से छात्रों को नाईपर अहमदाबाद में शैक्षणिक और सामुदायिक मानदंडों से लेकर संसाधनों और सहायता सेवाओं तक परिचित कराते हैं। नाईपर अहमदाबाद में वर्ष 2023 में प्रवेश लेने वाले छात्रों हेतु इस वर्ष अनुस्थापन कार्यक्रम को दिनांक 18 सितम्बर, 2023 से आयोजित किया गया। संस्थान में उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से इस अनुस्थापन में कार्यक्रमों की एक विस्तारित श्रृंखला को शामिल किया गया जिससे विद्यार्थियों को संस्थान के उत्तेजक बौद्धिक और सामाजिक वातावरण का परिचय प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के अतिरिक्त विवरणों को अनुस्थापना कार्यक्रम के समन्वयकों द्वारा छात्रों के साथ सांझा किया गया:

- विद्यार्थियों को अनुसंधान की दृष्टि से शैक्षणिक संस्थान के वातावरण को नेविगेट करने और आगत अध्येता विद्यार्थियों से सम्पर्क में सहायता प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को संस्थानों के मानकों और उसके शैक्षणिक समुदाय के सिद्धांतों से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को संस्थान को नेविगेट करने और उपलब्ध विभिन्न संस्थानों से परिचित कराना।
- नाईपर-अहमदाबाद में विद्यार्थियों के पहले ही दिन स्वागत करने और उनके शैक्षिक विकास की गति को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए युक्तियाँ और महत्वपूर्ण जानकारियां प्रस्तुत करना।
- विद्यार्थियों को संस्थान के संकाय, कर्मचारी और पहले से अध्ययनरत विद्यार्थियो से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को नाईपर (रों) के इतिहास के संदर्भ में नाईपर-अहमदाबाद के इतिहास और परंपरा से परिचित कराना।
- नाईपर अहमदबाद की विविधता एवं समृद्धता से परिचित करवाते हुए नाईपर अहमदाबाद परिवार में स्वागत करना।

आयोजित विद्यार्थी अनुस्थापन कार्यक्रम के प्रथम दिन परिसर में नए विद्यार्थियों का सभी से परिचय कराया गया। इस अवसर पर संस्थान के **संकायाध्यक्ष, डॉ. पल्लब भट्टाचार्य** ने सभी विद्यार्थियों के अभिभावकों को विश्वास से भरे शब्द कहे और यह वक्तव्य दिया कि संस्थान में विद्यार्थी एक सुरक्षित और जिम्मेदार संस्थान में हैं; और पूरी नाईपर टीम विद्यार्थियों को एक अभिभावक की तरह देखभाल करेगी। इस प्रेरणा सत्र के बाद निदेशक नाईपर-अहमदाबाद ने विद्यार्थियों का स्वागत किया और उन्हें बड़े सपने देखने और नाईपर-अहमदाबाद को विश्व स्तरीय संस्थान बनाने हेतु अपने सभी वैज्ञानिक सपनों को पूरा करने के लिए भी प्रेरित किया, इसके साथ ही संस्थान के संकाय सदस्यों, अनुदान प्राप्त प्रकाशन, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, औद्योगिक समझौता ज्ञापन और संस्थान की अन्य उपलब्धियां के बारें में एक त्वरित रूपरेखा सुनाई।

श्री अवधेश नौटियाल, कुलसचिव, नाईपर अहमदाबाद और **श्री कुणाल माहेश्वरी, सहायक कुलसचिव,** नाईपर अहमदाबाद द्वारा छात्रों का स्वागत विद्यार्थियों को शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और संस्थान के कार्यालयीन प्रक्रियाओं से परिचित कराया।

वर्ष 2023-2024 में विद्यार्थियों के प्रवेश

इस दौरान नाईपर अहमदाबाद में समग्र स्वीकृत इनटेक क्षमता पर कुल 180 स्नातकोत्तर (एम.एस.) और 22 इंटीग्रेटेड पीजी-पीएचडी, 38 विद्या वाचस्पति (पीएच.डी) के छात्रों को प्रवेश प्रदान किया गया। संस्थान में प्रवेश पाने वाले छात्रों के आंकड़े निम्नानुसार है:

शिक्षण विषय	प्रवेशित छात्रों की संख्या		
	विद्या वाचस्पति (पीएच.डी)	स्नातकोत्तर(फार्म.)/ व्यवसाय प्रशासन निष्णात (फार्म.)	इंटीग्रेटेड पीएचडी
जैव प्रौद्योगिकी	4	16	2
चिकित्सा उपकरण	2	15	1
औषधीय रसायन विज्ञान	3	24	4
प्राकृतिक उत्पाद	9	17	4
औषधीय विश्लेषण	5	27	3
फार्मास्यूटिक्स	12	25	3
औषध विज्ञान और विष विज्ञान	0	24	5
व्यवसाय प्रशासन निष्णात (फार्म.)	0	30	0
कुल	35	178	22

विद्या वाचस्पति (पीएचडी) अध्ययनरत विद्यार्थी

पंजीकरण संख्या	विद्यार्थी का नाम (सुश्री/श्री)	वर्ष	सलाहकार / मार्गदर्शक	परियोजना का शीर्षक
NIPERAPHD2018PE01	नीलिमा अनूप	2018	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	स्तन कैंसर के शल्य चिकित्सा उपरांत सहायक चिकित्सा के लिए नैनो-ग्राफीन बायो-फ्यूज प्रत्यारोपण
NIPERAPHD2019BT01	अंबिका चमोली	2019	डॉ. अमित मन्दोली	लक्षित दवा खोज के लिए टी(8;21) ल्यूकेमिया कोशिकाओं के अस्तित्व में शामिल जीन नेटवर्क की पहचान
NIPERAPHD2019MC01	दिनेश परशुराम सातपुते	2019	डॉ. दिनेश कुमार	बायोएक्टिव एन-हेट्रोसाइकल्स: संश्लेषण, कार्यात्मककरण और कैंसर-रोधी अध्ययन
NIPERAPHD2019MC02	नीरज नरेन्द्र कुलकर्णी	2019	डॉ. बिचिस्मिता साहू	सीएनएस से संबंधित घाव के उपचार हेतु न्यूक्लियोपेप्टाइड संयुग्मों का डिजाइन, संश्लेषण और जांच

NIPERAPHD2019MC03	रुद्रदीप दास	2019	डॉ. अमित शारद	नवीन कैंसर रोधी एजेंट प्राप्त करने हेतु पाइरूवेट काइनेज एम2 मॉड्यूलेटर के रूप में सल्फोनामाइड आधारित इमिडाज़ोपाइरी (एमआई)डाइन्स का संश्लेषण
NIPERAPHD2019NP01	परुसु काव्या तेजा	2019	डॉ. सिद्धेश्वर चौथे	शक्तिशाली कैंसर रोधी यौगिकों की खोज के लिए ग्लाइकोस्मिस पेंटाफिला से जैवसक्रिय यौगिकों का जैवपूर्वेक्षण, आणविक डॉकिंग विश्लेषण और सिंथेटिक संशोधन
NIPERAPHD2019PA01	सोनाली जैन	2019	डॉ. रवि शाह	औषधि विकास हेतु ड्रग एक्सीपिएंट संगतता अध्ययन में तीव्रता लाने के लिए नवीन दृष्टिकोण
NIPERAPHD2019PA02	तरंग मनहरभाई जादव	2019	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	जैविक ट्रांसपोर्टरों के परिमाणीकरण हेतु जैवविश्लेषणात्मक रणनीतियों की स्थापना
NIPERAPHD2019PC01	अभिषेक रॉय	2019	डॉ. हेमंत कुमार	मेरुदंड धाव के प्रायोगिक मॉडल में माइक्रोट्यूब्यूल स्थिरीकरण और एक्टिन माइक्रोफिलामेंट्स गतिशीलता पर एलआईएम काइनेज की भूमिका की खोज
NIPERAPHD2019PC02	ऐशिका दत्ता	2019	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	चिकित्सीय अंतर्वेषण के लिए इस्केमिक स्ट्रोक में न्यूरोएंडोक्राइन विनियमन को लक्षित करना
NIPERAPHD2019PC03	सायन चटर्जी	2019	डॉ. रवि शाह	पार्किंसंस रोग में एडवांस्ड ग्लाइकेशन एंडप्रोडक्ट्स (आएजीई) सिग्नलिंग मार्ग के लिए रिसेप्टर की भूमिका का पता लगाना
NIPERAPHD2019PE01	अनुराधा गादेवाल	2019	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	3डी-मुद्रित अवशोषक टांके, जिनमें अंतर्निहित जीवाणुरोधी और निशान-रोधी गुण होते हैं
NIPERAPHD2020BT01	मेधा भट्टाचार्य	2020	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	स्तन कैंसर मेटास्टेसिस और पुनरावृत्ति में बायोएक्टिव हयालू-रोनिक एसिड की भूमिका की खोज
NIPERAPHD2020BT02	निधि सिंह	2020	डॉ. हेमंत कुमार	कोशिकीय और आणविक यांत्रिकी का अध्ययन करना जो डोरसोवेन्ट्रल अक्ष के साथ हिप्पोकैम्पल पिरामिडल न्यूरॉन्स के विभेदक उत्तेजना पैटर्न को निर्धारित करता है

NIPERAPHD2020BT03	प्रियंका पटेल वत्स	2020	डॉ. अमित मन्दोली	जिंजिवो-बक्कल ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (जीबी-ओएससीसी) में एपिजेनेटिक डिस्रेग्यूलेशन को समझना
NIPERAPHD2020BT04	रुतुजा मारुति सातवासे	2020	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	पॉलीमेरिक स्कैफोल्ड समर्थित ऑर्गेनोटाइपिक मेरुदंड धाव (इंजरी) मॉडल का विकास
NIPERAPHD2020MC01	भास्कर देवांगन	2020	डॉ. बिचिस्मिता साहू	अल्ज़ाइमर रोग के लिए बहु-लक्ष्य निर्देशित हेटरोसाइकल्स का विकास
NIPERAPHD2020MC02	गोविंदा शिवाजी जाधव	2020	डॉ. बिचिस्मिता साहू	ओरल कैंसर और म्यूकोसाइटिस के प्रबंधन के लिए फ्लोरिनेटेड यौगिकों का संश्लेषण और मूल्यांकन। विलंब हेतु अत्यंत खेद है।
NIPERAPHD2020MC03	हरिता सिंधे	2020	डॉ. सत्यशील शर्मा	सीएच सक्रियण के माध्यम से विविध फ्लोरीनयुक्त अणुओं का डिजाइन और संश्लेषण तथा उनका इन-विट्रो कैंसर विरोधी मूल्यांकन
NIPERAPHD2020MC04	मौमिता घोष चौधरी	2020	डॉ. अमित शारद	ट्यूमर पाइरूवेट काइनेज एम2 मॉड्यूलेटर के रूप में एन-हेट्रोसाइकल्स का डिजाइन, संश्लेषण और मूल्यांकन
NIPERAPHD2020MC05	संगीता दत्तात्रेय शिंदे	2020	डॉ. दिनेश कुमार	नवीन सिंथेटिक डिजाइन और कम्प्यूटेशनल अध्ययनों के माध्यम से कैंसर विरोधी हिट/लीड्स
NIPERAPHD2020MC06	श्याम कुमार लोखंडे	2020	डॉ. दिनेश कुमार	कैंसर रोधी एजेंट के रूप में एन-हेट्रोसाइकल्स का निर्माण और जैव-मूल्यांकन
NIPERAPHD2020NP01	अमरदीप सिंह	2020	डॉ. सत्यशील शर्मा	नवीन एंटी-इंफ्लेमेटरी अणुओं तक अभिगम हेतु प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले बेन्जोपाइरानोन एनालॉग्स का साइट-विशिष्ट कार्यात्मककरण
NIPERAPHD2020PA01	नीरज हुकुमसिंह राजपूत	2020	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	एलसी-एमएस/एमएस का उपयोग करके ब्रिगेटिनिब और टैज़ेमेटोस्टैट/बैरिसीटिनिब के बीच ड्रग-मेटाबोलाइज़िंग एंजाइम और ट्रांसपोर्टर-मध्यस्थ इन विवो ड्रग-ड्रग इंटरैक्शन का मात्रात्मक मूल्यांकन
NIPERAPHD2020PA03	सुमित कुमार	2020	डॉ. रवि शाह	जटिल जेनेरिक फॉर्मूलेशन के लिए उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकों के माध्यम से फार्मास्युटिकल समानता की स्थापना

NIPERAPHD2020PC02	मनजीत चोपड़ा	2020	डॉ. हेमंत कुमार	आरएनए- अनुक्रमण और प्रोटिओमिक्स विश्लेषण के माध्यम से मेरुदंड धाव के बाद घाव के केंद्र और अप्रभावित क्षेत्र में एंडोथेलियल कोशिकाओं की विविधता और अद्वितीय आणविक सिग्नेचरों को समझना
NIPERAPHD2020PC05	जारना पाठक	2020	डॉ. हेमंत कुमार	ऑटोइम्यून और अभिघातजन्य डिमाइलेनियेशन में इंटरफेरॉन-γ (आईएफएन-γ) और इसके रिसेप्टर्स की भूमिका की खोज करना।
NIPERAPHD2020PE01	ज्योत्सना घनशाम विटोरे	2020	डॉ. देराजराम बेनीवाल	टाइप II डायबिटीज मेलिटस के प्रबंधन में लिराग्लूटाइड के लिए वैकल्पिक वितरण रणनीतियों का विकास
NIPERAPHD2020PE02	नुपुर वासदेव	2020	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	मोटापे के उपचार के लिए माइक्रोआरएनए नैनोफॉर्मूलेशन का विकास
NIPERAPHD2020PE04	तेजस गिरीश अग्निहोत्री	2020	डॉ. अकांक्षा जैन	ग्लियोब्लास्टोमा के उपचार के लिए माइटोकॉन्ड्रियल लक्षित दवा वितरण प्रणाली
NIPERAPHD2021BT01	आकाश यादव	2021	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	इंटरवर्टेब्रल डिस्क (आईवीडी) की पूर्वावस्था और पुनर्जनन के लिए जैव-इंजीनियरिंग इंजेक्टेबल आयनोजेल
NIPERAPHD2021BT02	आशीष साहू	2021	डॉ. रविन्द्र तावारे	स्तन कैंसर मेटास्टेसिस के विनियमन में हाइपोक्सिया प्रेरित बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं के मेटाबॉलिक परिवर्तनों की भूमिका की जांच करना।
NIPERAPHD2021BT03	भावसार वैदेही सुनील	2021	डॉ. रविन्द्र तावारे	स्तन कैंसर मेटास्टेसिस में हाइपोक्सिया प्रेरित बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं से व्युत्पन्न विभेदक प्रोटीन की भूमिका की जांच करना
NIPERAPHD2021BT04	धनेनावर राघवेंद्र एस	2021	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	जैव-प्रेरित 3डी मुद्रित इंटरवर्टेब्रल डिस्क का डिजाइन और विकास
NIPERAPHD2021BT05	उप्पालापति साई स्वेता	2021	डॉ. अमित मन्दोली	मौखिक गुहा कैंसर में भिन्न रूप से व्यक्त प्रोटीन की पहचान
NIPERAPHD2021MC01	केएम दिविता	2021	डॉ. दिनेश कुमार	बायोएक्टिव एन-हेट्रोसाइकल्स का टिकाऊ संश्लेषण और कार्यात्मककरण तथा उनका जैविक मूल्यांकन

NIPERAPHD2021MC02	सौम्या कपूर	2021	डॉ. अमित शारद	पीकेएम2 मॉड्यूलेटर के रूप में इमिडाज़ोपाइरिडाज़ीन-आधारित व्युत्पन्नों का डिज़ाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन
NIPERAPHD2021MC03	दीप रोहन चटर्जी	2021	डॉ. अमित शारद	संभावित कैंसर रोधी एजेंट के रूप में पाइरूवेट काइनेज एम2 को लक्षित करने वाले इमिडाजोपाइरी (एमआई)डाइन-आधारित फेनोक्सीएथेनोन व्युत्पन्नों का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन
NIPERAPHD2021MC04	स्टेफ़िन बेबी	2021	डॉ. बिचिस्मिता साहू	सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के उपचार के लिए एलएसडी1 अवरोधकों का डिजाइन और संश्लेषण
NIPERAPHD2021MC05	जगदीश मांझी	2021	डॉ. दिनेश कुमार	पार्किंसंस रोग के उपचार के लिए एमएओ-बी अवरोधक के रूप में 2-(1एच-इंडोल-3-वाईएल) बेंजो[डी]थियाज़ोल डेरिवेटिव्स का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन।
NIPERAPHD2021MD01	गौरांग हरि गुप्ता	2021	डॉ. सुवीन कुमार	स्ट्रेस निगरानी के लिए 2D नैनोमटेरियल आधारित बायोसेंसर का विकास
NIPERAPHD2021NP01	कार्तिकेयन आर	2021	डॉ. सत्यशील शर्मा	प्रकृति प्रेरित इंडोलिज़िन आधारित नवीन फ्लोरोफोरस का संश्लेषण और फोटोफिजिकल अध्ययन
NIPERAPHD2021NP02	कुत्रे सूरज सखाराम	2021	डॉ. सिद्धेश्वर चौथे	संभावित कैंसररोधी और सूजनरोधी गतिविधि के लिए करकुमा कैसिया की फाइटोकेमिकल जांच
NIPERAPHD2021NP03	समृति सकलानी	2021	डॉ. रविन्द्र तावारे	संभावित कैंसर रोधी चिकित्सीय उम्मीदवार के रूप में नए 20 प्रोटिएसोम अवरोधक के लिए माइक्रोबियल बायोप्रोस्पेक्टिंग
NIPERAPHD2021PA01	बडगुजर देवेन्द्र अनिल	2021	डॉ. नितिश शर्मा	सिंथेटिक जीएलपी-1 एनालॉग्स की अशुद्धता प्रोफाइलिंग और लक्षण वर्णन
NIPERAPHD2021PA02	भालेकर विजय शिवाजी	2021	डॉ. रवि शाह	चयनित ओलिगोन्यूक्लियोटाइड की विधि विकास और विशेषता

NIPERAPHD2021PA03	ढ़कणें पूजा प्रल्हाद	2021	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	एलसी-एमएस/एमएस आधारित विश्लेषण के माध्यम से स्ट्रोक में शामिल भिन्न रूप से व्यक्त माइटोकॉन्ड्रियल प्रोटीन पर अमीनो एसिड की चिकित्सीय भूमिका और इसके प्रभावों की खोज करना
NIPERAPHD2021PA04	परितला श्री तेजा	2021	डॉ. नितिश शर्मा	उन्नत विश्लेषणात्मक दृष्टिकोणों का उपयोग करके चयनित ग्लाइकोपेप्टाइड का लक्षण-निर्धारण
NIPERAPHD2021PA05	पिल्लई मेघा साजकुमार	2021	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	पीबीपीके/पीबीबीएम मॉडलिंग के माध्यम से बीसीएस वर्ग II और वर्ग आईवी दवा उत्पादों के लिए विघटन सुरक्षित स्थान और आईवीआईवीसी की स्थापना करना
NIPERAPHD2021PE01	अमित शर्मा	2021	डॉ. देराजराम बेनीवाल	नेत्र संक्रमण के उपचार के लिए हॉट मेल्ट एक्सट्रूज़न (एचएमई) आधारित नेत्र संबंधी इंसर्ट का विकास
NIPERAPHD2021PE02	गोमटे श्याम सुधाकर	2021	डॉ. अकांक्षा जैन	कोलन कैंसर के उपचार के लिए नैनोकॉम्प्लेक्स का विकास, लक्षण-वर्णन और मूल्यांकन
NIPERAPHD2021PE03	पवार भक्ति महेंद्र	2021	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	लेजर निर्देशित दीर्घकालिक घाव भरने के लिए फोटोथर्मल कोलाइड्स की जांच करना
NIPERAPHD2021PE04	राणा धवानी कल्पेशकुमार	2021	डॉ. देराजराम बेनीवाल	हॉट मेल्ट एक्सट्रूज़न का उपयोग करके नेत्र संबंधी सम्मिलन के विकास के लिए नवीन रचनाओं की खोज
NIPERAPHD2021PE06	तनिषा गुप्ता	2021	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	ट्यूमर के त्रिपक्षीय फोटोथर्मल पृथक्करण के लिए हाइब्रिड गोल्ड-नैनोकंपोजिट
NIPERAPHD2021PC01	बिजोयनी घोष	2021	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	स्ट्रोक से प्रेरित द्वितीयक तंत्रिका-अध:पतन में तंत्रिका-पुनर्जनन में लिपिड राफ्ट की भूमिका की खोज
NIPERAPHD2021PC02	दिव्या गोयल	2021	डॉ. हेमंत कुमार	मेरुदंड घाव के प्रायोगिक मॉडल में फाइब्रोटिक निशान में पेरीसाइट ट्रांसडिफरेंशियेशन के तंत्र को समझना
NIPERAPHD2021PC03	ज्ञानोदय त्रिपाठी	2021	डॉ. हेमंत कुमार	इंटरवर्टेब्रल डिस्क रोग के प्रायोगिक मॉडल में ट्रांसमेम्ब्रेन प्रोटियोग्लाइकन (लारे और स्मॉल) की भूमिका की खोज

NIPERAPHD2021PC04	लाहन्या गुहा	2021	डॉ. हेमंत कुमार	मेरुदंड धाव के प्रायोगिक मॉडल में आघात प्रेरित पुरुष यौन रोग पर न्यूरोट्रोफिन की भूमिका का पता लगाना
NIPERAPHD2021PC05	सिंह आदित्य अजीत	2021	डॉ. हेमंत कुमार	पार्किंसंस रोग के पशु मॉडल में टीआरपीवी1 चैनल से जुड़े आणविक और मेटाबॉलिक परिदृश्यों का चित्रण
NIPERAPHD2022BT01	जौरावर सिंह	2022	डॉ. सपन बोराह	कैंडिडा रोगाणुरोधी प्रतिरोध को संबोधित करने के लिए फंगल दवा ट्रांसपोर्टर सीडीआर1 का एक व्यवस्थित विश्लेषण
NIPERAPHD2022BT02	ज्योति	2022	डॉ. अमित कुमार पाण्डेय	स्तन कैंसर में डब्लूएनटी/वाई²-कैटनिन प्रेरित आईएनसी आरएनए स्प्लिसिंग के विनियामक परिदृश्य को समझना
NIPERAPHD2022BT03	मोनालिसा जेना	2022	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	इलेक्ट्रोकंडक्टिव ग्राफीन कोलेजन क्रायोगेल का उपयोग करके मेरुदंड की पूर्वावस्था की रणनीति विकसित करना
NIPERAPHD2022MC01	अक्षय रमेश कांबळे	2022	डॉ. सत्यशील शर्मा	इंडोल आधारित फ्लोरिनेटेड अणुओं का संश्लेषण और उनका कैंसर विरोधी मूल्यांकन
NIPERAPHD2022MC02	बाबू जी	2022	डॉ. दिनेश कुमार	संक्रमण धातु उत्प्रेरक के माध्यम से क्विनाज़ोलिनोन स्केफोल्ड्स को संशोधित करने के लिए नई प्रतिक्रिया पद्धतियों का विकास।
NIPERAPHD2022MC03	चेरुकुरी वेंकट अप्पाराव	2022	डॉ. बिचिस्मिता साहू	ईपीसीएएम लक्ष्यीकरण पेप्टाइड्स: कैंसर प्रबंधन में उनके अनुप्रयोगों का डिजाइन, संश्लेषण और मूल्यांकन
NIPERAPHD2022MC04	गर्विता नारंग	2022	डॉ. दिनेश कुमार	सीएच बॉन्ड सक्रियण/एनुलेशन रणनीति के माध्यम से नवीन क्विनाज़ोलिनोन आधारित स्कैफॉल्ड का डिजाइन और संश्लेषण तथा उनका कैंसर-रोधी मूल्यांकन
NIPERAPHD2022MC06	शैलेन्द्र शर्मा	2022	डॉ. अमित शारद	पाइरूवेट काइनेज एम2 मॉड्यूलेटर के रूप में एन-हेटेरोसाइकल-आधारित मेटालोसीन का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन।

NIPERAPHD2022MC07	वैष्णवी किशोर कालमेघ	2022	डॉ. अमित शारद	पाइरूवेट काइनेज एम2 मॉड्यूलेटर के रूप में ट्रायज़ोलो-पाइरीमिडीन व्युत्पन्नों का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन।
NIPERAPHD2022MC08	विपुल कुमार	2022	डॉ. दिनेश कुमार	कार्बो(हेटेरो) चक्रों का कार्यात्मककरण और इसके नए एनसीई का कैंसर विरोधी मूल्यांकन।
NIPERAPHD2022MC09	वुस्तेला संध्या	2022	डॉ. बिचिस्मिता साहू	जैविक सक्रिय अणुओं के निर्माण के लिए कार्बन क्वांटम डॉट्स मध्यस्थता संश्लेषण की खोज
NIPERAPHD2022MC11	पारिजात स्वैन	2022	डॉ. बिचिस्मिता साहू	बैकबोन संशोधित पेप्टाइड्स के संरचना-कार्यात्मक संबंध की जांच।
NIPERAPHD2022MD01	बागुल हर्षाली कैलाश	2022	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	मेरुदंड धाव की पूर्वावस्था और पुनर्जनन के लिए फ्लोरीन में शामिल हयालूरोनिक एसिड इंजेक्टेबल हाइड्रोजेल
NIPERAPHD2022MD02	गावळी चेतन रमेश	2022	डॉ. सुवीन कुमार	यकृत कैंसर का पता लगाने के लिए नैनोमटेरियल संशोधित कंडक्टिंग पेपर आधारित बायोसेंसर
NIPERAPHD2022MD03	पंकज	2022	डॉ. सुवीन कुमार	ओरल कैंसर का पता लगाने के लिए नैनोमटेरियल संशोधित कंडक्टिंग थ्रेड आधारित बायोसेंसर
NIPERAPHD2022NP01	शमना राजेश गोंडालिया	2022	डॉ. अभिजीत एस. काटे	एननिकोस्टेम्मा लिटोरेल ब्लूम से स्वर्टियामारिन की स्थिरता, दवा के सहायक घटक की अनुकूलता और प्रीफॉर्मूलेशन पहलुओं की जांच
NIPERAPHD2022PA01	अरविंद वर्मा	2022	डॉ. रवि शाह	एलसी-एचआरएमएस आधारित बायोमार्कर विश्लेषण
NIPERAPHD2022PA02	चवथे अश्विनी सचिन वृषाली	2022	डॉ. नितिश शर्मा	पेप्टिडोमिमेटिक चिकित्सा विज्ञान का लक्षण वर्णन और चयापचय अध्ययन
NIPERAPHD2022PA03	जिनल अजाबिया	2022	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	एलसी-एमएस आधारित कार्डियक बायोमार्करों के परिमाणीकरण के माध्यम से बीटीके अवरोधक प्रेरित कार्डियोटॉक्सिसिटी पर टीआरपीवी 1 एगोनिस्ट की कार्डियोप्रोटेक्टिव भूमिका का मूल्यांकन।
NIPERAPHD2022PA04	माहेश्वरी दीपकुमार भवानी	2022	डॉ. नितिश शर्मा	बायोफार्मास्युटिकल दवा बेलिमुमैब का गहन लक्षण वर्णन

NIPERAPHD2022PA05	नासिर खान	2022	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	एलसी-एमएस/एमएस आधारित जैवविश्लेषण से पहले विभिन्न ध्रुवों के विश्लेषकों के कुशल निष्कर्षण के लिए ठोस चरण निष्कर्षण सोरबेंट्स का विकास
NIPERAPHD2022PA06	शेख करीमुल्लाह	2022	डॉ. रवि शाह	विश्लेषणात्मक रणनीतियों का समामेलन: एनडीएसआरआई के जोखिम का समग्र उत्तर
NIPERAPHD2022PA08	सचिन चतुर्वेदी	2022	डॉ. नितिश शर्मा	डाइसल्फ़ाइड ब्रिज्ड साइक्लिक पेप्टाइड्स की अशुद्धता प्रोफाइलिंग और संरचनात्मक लक्षण वर्णन
NIPERAPHD2022PC01	अक्षदा दुबे	2022	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	इस्केमिक स्ट्रोक के लिए इम्युनोग्लोबुलिन की चिकित्सीय क्षमता की खोज
NIPERAPHD2022PC02	अनिरबन बारिक	2022	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	स्ट्रोक के लिए माइटोकॉन्ड्रियल प्रत्यारोपण: नैदानिक ट्रांसलेशन के लिए संभावनाएं और एवन्यूस्
NIPERAPHD2022PC03	अनीता	2022	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	स्टेम सेल थेरेपी के बाद स्ट्रोक में माइटोकॉन्ड्रिया और लाइसोसोम क्रॉसटॉक का प्रभाव
NIPERAPHD2022PC04	गौतम वारलु कर्माकार	2022	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	सेरोटोनर्जिक प्रणाली और स्ट्रोक के बाद द्वितीयक न्यूरोडीजेनेरेशन।
NIPERAPHD2022PC06	निकिता मलिक	2022	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	स्टेम सेल थेरेपी के बाद स्ट्रोक में माइटोकॉन्ड्रिया और गॉल्जी उपकरण क्रॉस टॉक का निहितार्थ
NIPERAPHD2022PC08	उष्मिता मुखर्जी	2022	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	इंट्रासेरेब्रल रक्तस्राव के दौरान एक्वापोरिन के कार्य और विनियमन की जांच: हाइपरऑस्मोलर थेरेपी के लिए नए प्रतिमान की खोज
NIPERAPHD2022PE01	अनूठी बेन	2022	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	मोटापे से लड़ने के लिए फोटोथर्मल एब्लेशन और जीन थेरेपी का उपयोग करने के लिए बहुक्रियाशील लिपोप्लेक्स
NIPERAPHD2022PE02	बिश्वजीत राउत	2022	डॉ. अकांक्षा जैन	ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर के उपचार के लिए लक्षित नैनोकैरियर्स का विकास और मूल्यांकन
NIPERAPHD2022PE05	मूळे शुभम रामदास	2022	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	कैंसर के शल्य चिकित्सा के बाद सहायक चिकित्सा में एमआईआरएनए, दवा, और ऑप्टो-लेजर-प्रेरित फोटोथर्मोलिसिस के स्थानीयकृत वितरण के लिए बायोडिसॉल्व 3डी-मुद्रित प्रत्यारोपण

NIPERAPHD2022PE06	पटेल प्रणवकुमार अनिलकुमार	2022	डॉ. देराजराम बेनीवाल	जैव-चिकित्सीय उत्पादन के लिए क्लोनिंग रणनीति: विकास और मूल्यांकन
NIPERAPHD2022PE07	पेद्दिन्ति वासु	2022	डॉ. अकांक्षा जैन	प्रोस्टेट कैंसर के प्रभावी प्रबंधन के लिए लिपिड-आधारित नैनोकैरियर प्रणाली का विकास और मूल्यांकन
NIPERAPHD2022PE09	शिवम ओटावी	2022	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	चूहों के मॉडल में हाइपरथर्मिया से सहायता प्राप्त मधुमेह घाव भरने के लिए लेजर-उत्तरदायी ग्रीन सिल्वर नैनोमटेरियल की जांच करना

स्नातकोत्तर (एम.एस.) (फार्म.) 2022-24 अध्ययनरत विद्यार्थी

पंजीकरण संख्या	विद्यार्थी का नाम (सुश्री/श्री)	सलाहकार / मार्गदर्शक	परियोजना का शीर्षक
NIPERA2224PA01	अभिनव मित्तल	डॉ. नितिश शर्मा	ए) एटोरवास्टेटिन दवा उत्पाद के एंटरिक पॉलीमर आधारित आणविक फैलाव का विकास और भौतिक-रासायनिक लक्षण वर्णन बी) एएमईएस टेस्ट का उपयोग करके चयनित अणुओं की जीनोटॉक्सिक क्षमता का मूल्यांकन
NIPERA2224PA02	अग्रवाल करिश्मा जगदीशप्रसाद	डॉ. नितिश शर्मा	फार्मास्यूटिकल्स में एनडीएसआरआई का जोखिम मूल्यांकन और मात्रा निर्धारण
NIPERA2224PA03	अहेर ज्ञानेश्वरी संदीप	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	मास स्पेक्ट्रोमेट्री आधारित विश्लेषणात्मक तकनीक का उपयोग करते हुए स्ट्रोक से जुड़े सिग्नलिंग लिपिड की मात्रा का निर्धारण करने के लिए एक समकालिक विधि का विकास और सत्यापन।
NIPERA2224PA04	अहिरे विशाल विवेक	डॉ. नितिश शर्मा	'टिर्जेपेटाइड' के लिए आरपी-एचपीएलसी द्वारा स्थिरता सूचक परख विधि का विकास और एचआरएमएस द्वारा इसके विघटन तंत्र की स्थापना।
NIPERA2224PA05	हरीश संदीप अखारे	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	चयनित एसजीएलटी-2 अवरोधकों के अवशेष परिमाणीकरण और विषहरण अध्ययन सहित सफाई विधि की स्थापना।
NIPERA2224PA06	बावके संकेत सीताराम	डॉ. नितिश शर्मा	सिंथेटिक जीएलपी-1 एनालॉग लिराग्लूटाइड के लिए एसआईएएम का विकास और एचआरएमएस द्वारा इसके प्रमुख अपघटकों की पहचान
NIPERA2224PA07	भागवत आदित्य बादशाह	डॉ. रवि शाह	न्यूरोनल सेल लाइन का विश्लेषण और प्रोटीन शुद्धिकरण

NIPERA2224PA08	फरताडे सुरेन्द्र जलिन्दर	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	चूहे के प्लाज्मा में विल्डाग्लिप्टिन, डेपाग्लिफ्लोज़िन और मेटफॉर्मिन के एक साथ परिमाणीकरण के लिए एलसी-एमएस/एमएस विधि का विकास और सत्यापन तथा उनके इन-विवो फार्माकोकाइनेटिक्स ड्रग-ड्रग इंटरेक्शन अध्ययन।
NIPERA2224PA09	गांधी गुंजन चेतन	डॉ. नितिश शर्मा	ग्लाइकोपेप्टाइड ओरिटावेन्सिन के लिए एसआईएएम का विकास और एचआरएमएस द्वारा इसके प्रमुख अपघटकों की पहचान
NIPERA2224PA10	घुगे गोपाल अंबादास	डॉ. रवि शाह	चयनित औषधि के अपघटन उत्पादों में नाइट्रोसामाइन अशुद्धता के संभावित जोखिम का मूल्यांकन: एक व्यापक मूल्यांकन
NIPERA2224PA11	खरात सागर आसाराम	डॉ. रवि शाह	चयनित पीएलजीए-डाइपेप्टाइड संयोजन का उपयोग करके दवा के नियंत्रण रिलीज के लिए इन-सीटू हाइड्रोजेल का मूल्यांकन
NIPERA2224PA12	माली योगेश पंढरीनाथ	डॉ. रवि शाह	पार्किंसंस रोग के लिए एलसी-एमएस/एमएस-आधारित बायोमार्कर विश्लेषण
NIPERA2224PA13	अधिक ज्ञानेश्वर बालाजी	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	जैवविश्लेषणात्मक नमूनों से विविध ध्रुवता वाले विश्लेषकों के निष्कर्षण के लिए जैवसामग्री आधारित उपकरण का विकास।
NIPERA2224PA14	मूले दिनेश कैलाश	डॉ. नितिश शर्मा	पहले से भरी हुई सिरिंजों में भरे गए मार्केटेड ड्रग उत्पाद में रिसने योग्य अशुद्धियों की पहचान
NIPERA2224PA15	निखिल गुलाब टिटकरे	डॉ. नितिश शर्मा	एटोपिक डर्माटाइटिस के उपचार में विकसित प्रोबायोटिक और इसके सामयिक अनुप्रयोग का तुलनात्मक मेटाबोलोमिक्स प्रोफ़ाइल
NIPERA2224PA16	राजपूत आकाश शांतिलाल	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	ए) चूहे के प्लाज्मा और आरबीसी में टैफेनोक्वीन और आर्टेसुनेट की मात्रा का पता लगाने के लिए एलसी-एमएस/एमएस-आधारित बायोएनालिटिकल विधि: इन वीवो इंट्रासेल्युलर फार्माकोकाइनेटिक इंटरैक्शन में अनुप्रयोग बी) एएमईएस टेस्ट का उपयोग करके चयनित अणुओं की जीनोटॉक्सिक क्षमता का मूल्यांकन
NIPERA2224PA17	रणपांगु भार्गव	डॉ. रवि शाह	न्यूरोनल कोशिका रेखाओं में चयनित पेप्टाइड्स की प्रभावकारिता का मूल्यांकन
NIPERA2224PA18	एस.अनुपमा अजयन	डॉ. रवि शाह	चयनित फॉर्मूलेशन के लिए जैवप्रासंगिक विभेदक विघटन विधि का विकास
NIPERA2224PA19	शेख अज़हर रजाक	डॉ. रवि शाह	सेमाग्लूटाइड पर औषधि - एक्सीपिएंट संगतता अध्ययन
NIPERA2224PA20	शिंदे रंजीत लिम्बाराज	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	कोपैनलिसीब के लिए स्थिरता सूचक विश्लेषणात्मक विधि की स्थापना और एलसी-एमएस/एमएस द्वारा इसके अपघटन उत्पादों का लक्षण वर्णन।

NIPERA2224PA21	विवेक मंडल	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	चूहे के प्लाज्मा में सोटाग्लिफ्लोज़िन और टेनेलिग्लिप्टिन के एक साथ परिमाणीकरण के लिए एलसी-एमएस/एमएस विधि का विकास और सत्यापन तथा उनके इन-विवो फार्माकोकाइनेटिक्स ड्रग-ड्रग इंटरेक्शन अध्ययन।
NIPERA2224PA22	वाघ साक्षी सुभाष	डॉ. रवि शाह	वोरिनोस्टेट के लिए विश्लेषणात्मक प्रौद्योगिकी ट्रांसफर की तैयारी
NIPERA2224PA23	वसुरे प्रवीण पांडुरंग	डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता	इन्फिग्रेटिनिब के लिए स्थिरता सूचक विश्लेषणात्मक विधि का विकास और सत्यापन, एलसी-एमएस/एमएस द्वारा विघटन उत्पादों का लक्षण वर्णन और इसके विघटन तंत्र की स्थापना।
NIPERAiPhD22PA24	गुलशन कुमार	डॉ. नितिश शर्मा	चयनित पेप्टाइड दवा में अमीनो एसिड अनुक्रमण के लिए एलसी-एमएस आधारित विधि का विकास
NIPERA2224BT01	अंकिता संदीप पटेल	डॉ. अमित कुमार पाण्डेय	टीएनबीसी कोशिका रेखा में आईएनएसी आरएनए-प्रोटीन अंतःक्रिया की पहचान करने के लिए इन-विट्रो परख।
NIPERA2224BT02	हिता मनीष बर्मन	डॉ. अमित मन्दोली	ओरल कैंसर में डीएनएमटी3बी और टीईटी1 की भूमिका का निर्धारण।
NIPERA2224BT03	भावसार जेनाली धर्मेंद्रकुमार	डॉ. सपन बोराह	रोगजनक बैक्टीरिया में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए नए नेफ्थोक्विनोन व्युत्पन्नों की जीवाणुरोधी गतिविधि का मूल्यांकन करना
NIPERA2224BT04	डोबरिया मानसी नरेशभाई	डॉ. अमित मन्दोली	3डी संस्कृति मॉडल का उपयोग करके मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में शामिल आणविक सिग्नेचर्स की जांच करना।
NIPERA2224BT05	काकड़ शिवानी अर्जुन	डॉ. सपन बोराह	एटोपिक डर्माटाइटिस के संभावित उपचार के रूप में एक नए प्रोबायोटिक के त्वचा माइक्रोबायोटा मॉड्यूलेटिंग प्रभावों का मूल्यांकन
NIPERA2224BT06	काले मानसी सतीश	डॉ. अमित मन्दोली	मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में पीकेएम2 की भूमिका का निर्धारण।
NIPERA2224BT07	प्रणव रविन्द्र कोम्बे	डॉ. सपन बोराह	नवीन बायोपॉलिमर और स्कैफोल्ड के रोगाणुरोधी और एंटी-बायोफिल्म गुणों का आकलन करना
NIPERA2224BT08	पवार मयूरी अशोक	डॉ. अमित मन्दोली	मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एमएमपी फैमिली की भूमिका की खोज।
NIPERA2224BT09	पाटिल प्रथमेश विलास	डॉ. अमित कुमार पाण्डेय	ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में आईएनसीआरएनए की भूमिका का पता लगाना।

NIPERA2224BT10	सारदा आकाश रामप्रसाद	डॉ. अमित कुमार पाण्डेय	स्तन कैंसर में डीकेके1 से जुड़े सर्कुलर आरएनए की भूमिका का अन्वेषण
NIPERA2224BT11	सीना सुनील	डॉ. अमित मन्दोली	दवा स्क्रीनिंग के लिए सेल आधारित 3डी संस्कृति मॉडल - ओरल कैंसर चिकित्सा के लिए एक संभावित प्लेटफॉर्म
NIPERA2224BT12	शेख अय्याज शेख इदरीस	डॉ. सपन बोराह	रोगाणुरोधी प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए नए मैलेइमाइड-संयुग्मित नैफ्थोक्विनोन व्युत्पन्नों की एंटीफंगल गतिविधि का आकलन करना
NIPERA2224BT13	शेंडे वृषाली मिलिंद	डॉ. सपन बोराह	रोगाणुरोधी प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए नए सक्सिनीमाइड-संयुग्मित नेफ्थोक्विनोन व्युत्पन्नों की एंटीफंगल गतिविधि का आकलन करना
NIPERA2224BT14	सोनजे अनुजा दिलीप	डॉ. अमित कुमार पाण्डेय	दवा प्रतिरोधी ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर के 3डी मॉडल की मेटाबोलोमिक और लिपिडोमिक प्रोफाइलिंग।
NIPERA2224BT15	तरनजीत कौर	डॉ. अमित कुमार पाण्डेय	डिम्बग्रंथि के कैंसर स्फेरोइड्स में सी आर आईएसपीआर-सीएएस9 नॉकआउट पी53 में लिपिडोमिक और मेटाबॉलोमिक विश्लेषण।
NIPERA2224MC01	अनुश्री देबनाथ	डॉ. दिनेश कुमार	(ड्यूटेरेटेड) डाइमिथाइल सल्फोक्साइड का उपयोग करके धातु मुक्त स्थिति के तहत क्विनॉक्सैलिनोन्स का सीएच (ट्राइड्यूटेरो) मिथाइलेशन।
NIPERA2224MC02	अर्चित जैन	डॉ. अमित शारद	कैंसर रोधी एजेंट के रूप में फेरोसिन युक्त टेट्राहाइड्रो-ट्राईजोल क्विनाज़ोलिनोन व्युत्पन्नों के संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन के लिए बहुघटकीय प्रतिक्रिया
NIPERA2224MC04	बेलोटे अनुजा अनिल	डॉ. बिचिस्मिता साहू	सिनामिक एसिड संयुग्मित-ट्रिपेप्टाइड्स और उनका इन-विट्रो मूल्यांकन।
NIPERA2224MC05	समृद्धि नरेंद्र चव्हाण	डॉ. दिनेश कुमार	संभावित एचडीएसी अवरोधक के रूप में 1-एरिल-4-(1-(फेनिलसल्फोनिल)प्रोपेन-2-वाईएल)पाइपरज़ीन का डिजाइन और संश्लेषण
NIPERA2224MC06	रामदास रमेश गांवकर	डॉ. दिनेश कुमार	उत्प्रेरक नैनो-जेडएन की उपस्थिति में प्रोपार्जिलिक अमाइन का ट्राइफ्लुओरोएथेनॉल-मध्यस्थ संश्लेषण।
NIPERA2224MC07	गार्गी महेंद्र महाजन	डॉ. दिनेश कुमार	नैनो-जेडएन द्वारा जल में प्रोपार्जिलिक अल्कोहल का संश्लेषण उत्प्रेरित किया गया
NIPERA2224MC08	केट सानिका पोपट	डॉ. दिनेश कुमार	एनोनों का 'जल में' बायोमिमेटिक केमोसिलेक्टिव न्यूनीकरण
NIPERA2224MC09	मगर मयूरी विजय	डॉ. दिनेश कुमार	विटामिन-ई संशोधित हायलूरोनिक एसिड: संश्लेषण और लक्षण वर्णन

NIPERA2224MC10	माली किशोरी हनुमंत	डॉ. अमित शारद	इमिडाजोपाइरी(एमआई)डाइन युक्त टेट्राहाइड्रोक्विनोलिन युक्त टेट्राहाइड्रोफुरान का संश्लेषण पाइरूवेट काइनेज एम2 को नियंत्रित करने के लिए पोवारोव प्रतिक्रिया द्वारा मध्यस्थता
NIPERA2224MC11	माने प्रणिता प्रदीप	डॉ. अमित शारद	कैंसर विरोधी गतिविधि के लिए पाइरूवेट काइनेज मॉड्यूलेटर के रूप में क्लिक-रसायन मध्यस्थता वाले ट्रायज़ोल-आधारित इमिडाज़ोपाइरीमिडीन व्युत्पन्न
NIPERA2224MC12	मुस्कान	डॉ. अमित शारद	पोवारोव प्रतिक्रिया द्वारा पाइरूवेट काइनेज एम2 को नियंत्रित करने के लिए टेट्राहाइड्रोक्विनोलिन युक्त इमिडाजोपाइरी(एमआई)डाइन का संश्लेषण
NIPERA2224MC13	नीलम सिंह गोंड	डॉ. बिचिस्मिता साहू	एनियन सेंसिंग के लिए स्कैरामाइड फंक्शनलाइज्ड कार्बन क्वांटम डॉट्स
NIPERA2224MC14	पलांडे अक्षता संदीप	डॉ. बिचिस्मिता साहू	कैंसर विरोधी गतिविधि के लिए नवीन प्यूरीन आधारित यौगिकों का संश्लेषण और मूल्यांकन
NIPERA2224MC15	पांडव रितेश राजेंद्र	डॉ. दिनेश कुमार	फ्लूनारिज़िन और नैफ्टीफाइन का ग्रीन संश्लेषण
NIPERA2224MC16	पवार यश रविन्द्र	डॉ. बिचिस्मिता साहू	अल्फा-एमएसएच व्युत्पन्न पॉलीफ्लोरिनेटेड ट्रिपेप्टाइड व्युत्पन्न; डिजाइन, संश्लेषण और उनका इन-विट्रो मूल्यांकन
NIPERA2224MC17	प्रिया झा	डॉ. बिचिस्मिता साहू	कैंसर के लिए एलएसडी1 अवरोधक के रूप में 1,2,3-ट्राईज़ोल से जुड़े प्यूरीन एनालॉग्स का डिज़ाइन और संश्लेषण
NIPERA2224MC18	प्रियंका सेन	डॉ. बिचिस्मिता साहू	संश्लेषण न्यूरोटोजेनिक लघु पेप्टाइड्स और उनका इन-विट्रो मूल्यांकन
NIPERA2224MC19	शिवानी पाटीदार	डॉ. अमित शारद	इमिडाज़ोपाइरीमिडीन-आधारित इमिडाज़ोलोन-3-वन का कैंसर रोधी एजेंट के रूप में संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन
NIPERA2224MC20	सुपर्णा पांडा	डॉ. अमित शारद	बिगिनेली प्रतिक्रिया के अंतर्गत कैंसर से जुड़े ट्यूमर पाइरूवेट काइनेज के फेरोसिन-आधारित मॉड्यूलेटर का संश्लेषण और मूल्यांकन
NIPERA2224MC21	शीतल धनराज ठाकरे	डॉ. बिचिस्मिता साहू	कैंसर रोधी एजेंट के रूप में प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त अल्ट्रा शॉर्ट पेप्टाइड्स को लक्षित करने वाले एलएसडी1 का डिजाइन और संश्लेषण
NIPERA2224MC22	विकाश राजपूत	डॉ. अमित शारद	कैंसर रोधी एजेंट के रूप में थियाज़ोलोपाइरीमिडीन व्युत्पन्नों का डिज़ाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन

NIPERAiPhD22MC23	ओमकार त्रिपाठी	डॉ. बिचिस्मिता साहू	चक्रीय पेप्टाइड्स का संश्लेषण और बायोफिल्म मूल्यांकन
NIPERA2224MD01	आगीवाल दर्शन उदय	डॉ. सुवीन कुमार	ओरल कैंसर के गैर-आक्रामक निदान के लिए नैनोमटेरियल संशोधित चालक धागा-आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर
NIPERA2224MD02	भोये पुरुषोत्तम काशीनाथ	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	नैदानिक अनुप्रयोग के लिए हायलूरोनिक एसिड लेपित वाणिज्यिक रेशम सिवनी का संशोधन और लक्षण वर्णन।
NIPERA2224MD03	चेलिमाला परिणाम	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	इन विट्रो ऑर्गेनोटाइपिक स्पाइनल कॉर्ड मॉडल के लिए संरेखित छिद्रयुक्त हाइड्रोजेल का विकास
NIPERA2224MD04	एकता दावेशर	डॉ. सुवीन कुमार	यकृत कैंसर का पता लगाने के लिए कागज़ आधारित विद्युत-रासायनिक उपकरण
NIPERA2224MD05	गोडवे सुनील साईनाथ	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	इंटरवर्टेब्रल डिस्क संरचना की नकल करने वाले द्वि-चरणीय ढांचे का डिजाइन तैयार करना
NIPERA2224MD06	जैन हर्षदा धर्मेंद्र	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	न्यूक्लियस पल्पोसस की पूर्वावस्था और पुनर्जनन के लिए बायोएक्टिव हाइड्रोजेल
NIPERA2224MD07	जट्टी शालिनी	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	3डी-मुद्रित इंटरवर्टेब्रल डिस्क के निर्माण के लिए उपयुक्त बायोइंक का विकास
NIPERA2224MD08	कडाकिया शिखा केयूर	डॉ. सुवीन कुमार	कोलेस्ट्रॉल का पता लगाने के लिए नैनोमटेरियल संशोधित स्क्रीन-मुद्रित इलेक्ट्रोड का विकास
NIPERA2224MD09	कोल्हे अश्विनी जयवंत	डॉ. सुवीन कुमार	यकृत कैंसर के शीघ्र निदान के लिए कंडक्टिंग पेपर का निर्माण
NIPERA2224MD10	मेवाड़ा राजवी महेशकुमार	डॉ. सुवीन कुमार	हृदय रोग निदान के लिए नैनोमटेरियल आधारित इलेक्ट्रोकाइनेटिक्स एकीकृत बायोसेंसिंग प्लेटफॉर्म
NIPERA2224MD12	नेन्सी कपाड़िया	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	मेरुदंड के पुनर्जनन के लिए इलेक्ट्रोएक्टिव प्रत्यारोपण योग्य सामग्री का विकास और मूल्यांकन
NIPERA2224MD13	प्रज्ञान परमिता बेहरा	डॉ. सुवीन कुमार	स्वीट आयन विश्लेषण हेतु हाइड्रोजन प्रतिस्थापित ग्राफडायन संशोधित चालक धागा
NIPERA2224MD14	शिवम कुमार सिंह	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	कोलन कैंसर के लिए 3डी स्कैफोल्ड-आधारित इन विट्रो बायोरिएक्टर मॉडल का डिजाइन और सत्यापन
NIPERA2224MD15	तान्या केशरी	डॉ. सुवीन कुमार	बिलीरूबिन का पता लगाने के लिए नैनोस्ट्रक्चर्ड ज़िरकोनिया से सुसज्जित बोरोफेन आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर
NIPERA2224MD16	येओले प्रणाली राजेंद्र	डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	मेरुदंड धाव की पूर्वावस्था के लिए एक इंजेक्टेबल बायोमटेरियल का विकास और लक्षण वर्णन

NIPERA2224NP01	आदेश चौहान	डॉ. सत्यशील शर्मा	पाइरानोन फ्यूज्ड इंडोलिज़िन रिंग सिस्टम का संश्लेषण
NIPERA2224NP02	अवसरमोल देवाशीष मारोति	डॉ. रविन्द्र तावारे	लक्षित और अलक्षित तरीकों से आर्टेमिसिया एनुआ से पृथक किए गए एंडोफाइटिक कवक की मेटाबोलोमिक प्रोफाइलिंग।
NIPERA2224NP03	बनसोडे अश्विनी रामचंद्र	डॉ. अभिजीत काटे	एन्डोलिकेनिक कवक से जैवसक्रिय द्वितीयक मेटाबोलाइट्स के निष्कर्षण और पृथक्करण के लिए विधि अनुकूलन
NIPERA2224NP04	देवरे प्रियंका मनोहर	डॉ. सत्यशील शर्मा	टीआरपीवी1 प्रतिपक्षी के रूप में यूजेनॉल का सिंथेटिक संशोधन
NIPERA2224NP05	शुक्ला गायत्री शेखर	डॉ. रविन्द्र तावारे	आर्टेमिसिनिन और डाइहाइड्रोआर्टेमिसिनिन के उत्पादन के लिए आर्टेमिसिया एनुआ से पृथक किए गए एंडोफाइटिक कवक की जैव-पूर्वेक्षण
NIPERA2224NP06	गुलिपेल्लि हनीशा	डॉ. सत्यशील शर्मा	जीवाणुरोधी एजेंट के रूप में 1,4-नैफ्थोक्विनोन का रासायनिक संशोधन
NIPERA2224NP07	दीपाली चतुर पवार	डॉ. अभिजीत काटे	कोलियस फोर्स्कोहली से फाइटोफार्मास्युटिकल घटक तैयार करने की प्रक्रिया का विकास
NIPERA2224NP08	शेवकर प्रणव देवीदास	डॉ. अभिजीत काटे	उच्च-रिज़ॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री और एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके स्वर्टियामारिन के प्राथमिक अपघटन उत्पादों को स्पष्ट करना
NIPERA2224NP09	पुराणिक अदिति जीवन	डॉ. सिद्धेश्वर चौथे	ट्राइडैक्स प्रोकम्बेन एल के जलीय अर्क के घाव भरने वाले घटकों की पहचान और इसके इन-विट्रो और इन-विवो घाव भरने की गतिविधि का मूल्यांकन
NIPERA2224NP10	राजगुरु सोहम निपुलभाई	डॉ. सिद्धेश्वर चौथे	जी.पेंटाफिला की जड़ों, तने और फलों में एल्कलॉइड का मात्रात्मक एचपीएलसी-पीडीए विश्लेषण और इसके फलों से नवीन द्वितीयक मेटाबोलाइट्स का पृथक्करण।
NIPERA2224NP11	राठौड़ काजल तुलशीदास	डॉ. सिद्धेश्वर चौथे	न्यूरोपैथिक दर्द से राहत के लिए एग्ले मार्मेलोस के फलों से इम्पेरेटोरिन-समृद्ध मानकीकृत अर्क की चिकित्सीय क्षमता की जांच करना।
NIPERA2224NP12	श्रुति विलास चौधरी	डॉ. रविन्द्र तावारे	थाइमस वल्गेरिस से पृथक एंडोफाइटिक कवक से रोसमारिनिक एसिड का पृथक्करण, शुद्धिकरण और लक्षण वर्णन
NIPERA2224NP13	स्वराज तोमर	डॉ. अभिजीत काटे	जैवसक्रिय चक्रीय पेप्टाइड्स के लिए पौधों के बीजों की खोज
NIPERA2224NP14	वंशिका अग्रवाल	डॉ. सत्यशील शर्मा	फ्यूरानो फ्यूज्ड बेन्जोपाइरानोन के फ्लोरिनेटेड एनालॉग का निर्माण

NIPERA2224NP15	निशि कमलेश यादो	डॉ. सिद्धेश्वर चौथे	सौसुरिया लप्पा से सेस्क्यूटरपेन लैक्टोनों का बड़े पैमाने पर पृथक्करण तथा कैंसर विरोधी गतिविधि के मूल्यांकन के लिए इसके अर्ध-सिंथेटिक एनालॉग की तैयारी।
NIPERA2224NP16	हरिशंकर गौंड	डॉ. रविन्द्र तावारे	लक्षित और अलक्षित तरीकों से थाइमस क्लोरिस से पृथक किए गए कवक एंडोफाइट्स की मेटाबोलोमिक जांच
NIPERA2224PC01	आकांक्षा झा	डॉ. हेमंत कुमार	डिमाइलिनेशन के लाइसोलेसिथिन पशु मॉडल में चिकित्सीय एजेंट के रूप में एमसीटीआर3 की जांच करना
NIPERA2224PC02	अंकित सिंह	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	माइटोकॉन्ड्रियल सुरक्षा के लिए सेरोटोनर्जिक प्रणाली को संशोधित करने में आईए एमएससी की भूमिका।
NIPERA2224PC04	अवध वर्षा सुरेश	डॉ. हेमंत कुमार	न्यूरोपैथिक दर्द के प्रायोगिक मॉडल में कूमारिन व्युत्पन्नों की भूमिका का अन्वेषण
NIPERA2224PC05	भोग दीपककुमार श्रीहरि	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	इस्केमिक स्ट्रोक के बाद ईआर तनाव-मध्यस्थता वाले श्वेत पदार्थ के घाव को कम करने में क्लेमास्टाइन की भूमिका की जांच करना।
NIPERA2224PC06	भोमबे कोमल प्रल्हाद	डॉ. हेमंत कुमार	इंटरवर्टेब्रल डिस्क रोग के प्रायोगिक मॉडल में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड की चिकित्सीय क्षमता की खोज
NIPERA2224PC07	चव्हाणे निकिता नितिन	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	स्ट्रोक में अवसाद पर नियंत्रण पाने के लिए मेलाटोनिन और आईएफएन-β का संयोजन।
NIPERA2224PC08	डोबरिया कृतिका हिम्मतभाई	डॉ. हेमंत कुमार	फोकल डिमाइलेनियेशन के प्रायोगिक मॉडल में आरआईपीके1 की भूमिका का मूल्यांकन
NIPERA2224PC09	डोनी सिन्हा	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	स्ट्रोक अंतःक्षेप के लिए एक लक्ष्य के रूप में माइटोकॉन्ड्रियल लिपिड की खोज: एक यांत्रिक स्ट्रोक
NIPERA2224PC10	इमाम हसन	डॉ. हेमंत कुमार	दंत-संवेदनशीलता के उपचार के लिए औषधीय घी से भरी नवीन मौखिक गोलियों के प्रभाव का पता लगाना
NIPERA2224PC11	ज्योत्सना	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	स्ट्रोक के कार्डियक अरेस्ट मॉडल में μएपीओ-ई की सूजनरोधी भूमिका की खोज।
NIPERA2224PC12	खालंदर धालयत	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	मस्तिष्क एडेमा पर इसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्ट्रोक के लिए ऑस्मोटिक थेरेपी।
NIPERA2224PC13	कृतिका भारद्वाज	डॉ. हेमंत कुमार	पार्किंसंस रोग के उप-तीव्र एमपीटीपी मॉडल में एलआईएमके और अनियमित अक्षतंतु परिवहन की भूमिका की जांच करना
NIPERA2224PC14	महेशकर पीयूष राजकुमार	डॉ. हेमंत कुमार	फेरिक टैनेट नैनोकणों की मध्यस्थता से प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों की सफाई और लाइसोलेसिथिन प्रेरित डिमाइलिनेशन में सूजनरोधी प्रभाव

NIPERA2224PC15	आदित्य सुदाम	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	एस्ट्रोसाइटिक सिग्नलिंग के विनियमन की खोज करके स्ट्रोक न्यूरोप्रोटेक्शन के लिए सेल थेरेपी
NIPERA2224PC16	परदेशी संजना संजय	डॉ. हेमंत कुमार	पाइरूवेट काइनेज एम2 अवरोधक आईएमआईडी-284 की इन विवो सुरक्षा और एनाल्जेसिक गुण का मूल्यांकन
NIPERA2224PC17	परमार कृपांशु रमेशभाई	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	स्ट्रोक के बाद माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता और जैवजनन को नियंत्रित करने में इनोसिन की भूमिका
NIPERA2224PC18	पेण्डभाजे श्रद्धा सुभाष	डॉ. हेमंत कुमार	क्यूप्रिज़ोन के प्रायोगिक मॉडल में इम्यूनोप्रोटिओसोम और इम्यूनोमॉडुलेटरी ईसी की भूमिका को समझना
NIPERA2224PC19	प्रिया	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	हृदयाघात से जुड़े स्ट्रोक के सुधार में 23-अल्फा की भूमिका की खोज
NIPERA2224PC20	प्रियब्रत सारंगी	डॉ. हेमंत कुमार	दर्द के प्रायोगिक मॉडल में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड की सूजनरोधी और तंत्रिका-सुरक्षात्मक भूमिका का पता लगाना
NIPERA2224PC21	श्रधेय वीरकुमार धोबले	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	एपेलिन-13 के प्रशासन द्वारा स्ट्रोक के बाद के अवसाद में हस्तक्षेप
NIPERA2224PC22	सिद्धार्थ राज	डॉ. हेमंत कुमार	एचडीएसी और गैबैर्जिक सिग्नलिंग को लक्षित करके एलपीसी प्रेरित स्पाइनल कॉर्ड डिमाइलेनियेशन चूहों के मॉडल में साहा (वोरिनोस्टैट) की भूमिका का पता लगाना
NIPERA2224PC23	यादव ज्योति बालासाहेब	डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	कोशिका चिकित्सा के बाद स्ट्रोक में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम गतिशीलता के विनियमन के लिए कैल्शियम के परिवर्तन की भूमिका का निर्धारण।
NIPERA2224PE01	श्वेता आचार्य	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	फोटॉन-हार्वेस्टिंग नैनोकॉस्मेटिक का विकास
NIPERA2224PE02	अरस गौरी संजीव	डॉ. देराजराम बेनीवाल	एचएमई तकनीक का उपयोग करके एटोरवास्टेटिन कैल्शियम के एंटरिक पॉलीमर आधारित अनाकार ठोस फैलाव के विकास की व्यवहार्यता की खोज करना
NIPERA2224PE03	अवघड़े मनोज मोहन	डॉ. आकांक्षा जैन सह-पीआई: डॉ. बिचिस्मिता साहू	घाव भरने के लिए फिल्म-फोर्मिंग स्प्रे
NIPERA2224PE04	चौहान सचिन मनसुखभाई	डॉ. अकांक्षा जैन	मुँहासे के उपचार के लिए माइक्रोइमल्शन आधारित क्रीम का विकास और अनुकूलन
NIPERA2224PE05	दहीफले आकांक्षा अंकुश	डॉ. अकांक्षा जैन	ग्लियोब्लास्टोमा के उपचार के लिए माइटोकॉन्ड्रियल विशिष्ट नैनोकण प्रणाली

NIPERA2224PE06	फ़तिमाथु रुसैला नाज़र	डॉ. कल्पना गर्खल	ऑस्टियोआर्थराइटिस के उपचार के लिए सिनोवियल जोड़ों तक दवा पहुंचाने के लिए माइक्रोपार्टिकल लोडेड हाइड्रोजेल
NIPERA2224PE07	गगनदीप कौर	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	कीमो-संयुक्त 3डी-मुद्रित वेफर प्रत्यारोपण का विकास
NIPERA2224PE08	गोरे स्वप्निल सुभाष	डॉ. कल्पना गर्खल	स्तन कैंसर के उपचार में मौखिक वितरण के लिए टैमोक्सीफेन लोडेड पॉलीकैप्रोलैक्टोन नैनोकण: निर्माण , अनुकूलन और दवा रिलीज अध्ययन।
NIPERA2224PE09	जनजाल प्रशांत अंबादास	डॉ. आकांक्षा जैन सह-पीआई: डॉ. बिचिस्मिता साहू	घाव भरने के अनुप्रयोगों के लिए ऑक्सीजन उत्पन्न करने वाले नैनोकणों की तैयारी, अनुकूलन और लक्षण-निर्धारण
NIPERA2224PE10	जरपला पवन कुमार नाइक	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	नैनोथेरेप्यूटिक्स के मुँहासे-रोधी प्रभाव की खोज
NIPERA2224PE11	क्षितिज	डॉ. कल्पना गर्खल	सामयिक दवा वितरण के लिए एप्रेमिलास्ट लोडेड लिपोसोम का निर्माण विकास और इन-विट्रो लक्षण वर्णन।
NIPERA2224PE12	लाड नियतिबेन जगदीशभाई	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	ऑप्टो-लेजर-पोटेंशिएटेड थ्रोम्बस पेनेट्रेशन और थ्रोम्बस के पृथक्करण के लिए नैनोकैप्सूल
NIPERA2224PE13	नवले अनिकेत राजेंद्र	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	कैंसर कोशिकाओं के स्पंदित ऑप्टो-लेजर सीटी-इमेज-निर्देशित थर्मल एब्लेशन के लिए क्वांटम डॉट्स माइक्रोकैप्सूल
NIPERA2224PE14	पाटिल भूमिका भारत	डॉ. कल्पना गर्खल	मधुमेह के घाव भरने के लिए सूत्रीकरण विकास
NIPERA2224PE15	पाटिल रश्मि शशिकांत	डॉ. देराजराम बेनीवाल	क्रोनिक आयरन की कमी के प्रबंधन के लिए रोगी के अनुकूल आयरन वितरण
NIPERA2224PE16	प्रजापति अरवी संजयभाई	डॉ. देराजराम बेनीवाल	गैर-आक्रामक वितरण के लिए सेमाग्लूटाइड फॉर्मूलेशन का विकास
NIPERA2224PE17	प्रशांत के	डॉ. देराजराम बेनीवाल	कर्क्यूमिन के ठोस फैलाव की तैयारी और लक्षण वर्णन: एचएमई और स्प्रे सुखाने के तरीकों का उपयोग करके एक तुलनात्मक अध्ययन
NIPERA2224PE18	शगुन रंगरा	डॉ. देराजराम बेनीवाल	उन्नत पोषण मूल्य वाले लैक्टोज मुक्त दूध प्रोटीन के विकास में एक नवीन दृष्टिकोण की खोज
NIPERA2224PE19	शाह स्वीटी नीरवकुमार	डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	हाइपरथर्मिया थेरेपी के लिए 3डी-प्रिंटेड इम्प्लांट का विकास
NIPERA2224PE20	शेवाले रुशीकेश संजय	डॉ. आकांक्षा जैन सह पीआई: डॉ.अमित कुमार पाण्डेय	कोलन कैंसर के प्रभावी प्रबंधन के लिए डबल क्लाउट वेसिकुलर फॉर्मूलेशन

NIPERA2224PE21	सूर्यवंशी नागेश रमेश	डॉ. कल्पना गर्खल	बैक्टीरियल नेत्रश्लेष्मलाशोथ उपचार के लिए गैटीफ्लोक्सासिन युक्त माइक्रोइमुल्सिन आई ड्रॉप का विकास।
NIPERA2224PE22	सुथार सुनील उम्मेदमल	डॉ. अकांक्षा जैन	नोसोकोमियल त्वचा और कोमल ऊतक संक्रमण के उपचार के लिए लिपिड नैनोस्ट्रक्चर्ड लोडेड जेल का विकास, अनुकूलन और लक्षण वर्णन
NIPERA2224PE23	विधाते मयूर केदारनाथ	डॉ. अकांक्षा जैन	टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के उपचार के लिए एचयूजीएलपी-1 से युक्त फॉर्मूलेशन
NIPERA2224PE24	योगेश कुमार	डॉ. देराजराम बेनीवाल	टाइप-2 मधुमेह के उपचार के लिए हर्बल सामग्री के मौखिक निर्माण का विकास।
NIPERAiPhD22PE25	विकास महेशवाल	डॉ. कल्पना गर्खल	मधुमेह घाव भरने के लिए सूत्रीकरण विकास और लक्षण वर्णन

औषधीय प्रबंधन (एम.बी.ए.) (फार्म) अध्ययनरत विद्यार्थी 2022-24

पंजीकरण संख्या	विद्यार्थी का नाम	पंजीकरण संख्या	विद्यार्थी का नाम
NIPERA2224MBA01	अवधेश कुमार शुक्ला	NIPERA2224MBA14	रविन्द्र कुमार
NIPERA2224MBA02	बंडारू हरि विग्नेश	NIPERA2224MBA15	एस राजू
NIPERA2224MBA03	धर्माधिकारी शुभंकर विवेक	NIPERA2224MBA16	सैय्यद मोहम्मद अली
NIPERA2224MBA04	दीक्षा निर्वाण	NIPERA2224MBA17	साक्षी मधुसूदन मंत्री
NIPERA2224MBA05	गौरव ज्ञानेश्वर भोंगले	NIPERA2224MBA18	सांगळे वैभव शिवानंद
NIPERA2224MBA06	हरसन सुथार	NIPERA2224MBA19	शाह रुषभ अनिलकुमार
NIPERA2224MBA07	हिमांशु	NIPERA2224MBA20	शिवानी वांडीकर नंदकिशोर
NIPERA2224MBA08	होले एकता विनोद	NIPERA2224MBA21	सूनी अखिल मनीषभाई
NIPERA2224MBA09	नकराणी क्रुणाल सुरेशभाई	NIPERA2224MBA22	सुमित कुमार मोदी
NIPERA2224MBA10	निकलजे रत्नदीप दयानंद	NIPERA2224MBA23	सूरज रत्नानी
NIPERA2224MBA11	निपुण अरोड़ा	NIPERA2224MBA24	टेकावाडे विनय पांडुरंग
NIPERA2224MBA12	प्रतिभा अलावा	NIPERA2224MBA25	तोषनीवाल रुषिकेश सुनील
NIPERA2224MBA13	राजेश दास	NIPERA2224MBA26	जाल्टे राहुल विष्णु

➢ प्रस्तावित शैक्षणिक कार्यक्रम

- विद्या वाचस्पति
- विज्ञान निष्णात (फार्म.)
- व्यवसाय प्रशासन निष्णात (एम.बी.ए. फार्म)

स्तर मास्टर्स/ डॉक्टोरल	उपाधि एम.एस./पीएच.डी	शिक्षण
मास्टर्स	एम.एस. (फार्म.)	जैव प्रौद्योगिकी
डॉक्टोरल	पीएच.डी	
मास्टर्स	एम.एस. (फार्म.)	औषधीय रसायन विज्ञान
डॉक्टोरल	पीएच.डी	
मास्टर्स	एम.एस. (फार्म.)	चिकित्सा उपकरण
डॉक्टोरल	पीएच.डी	
मास्टर्स	एम.एस. (फार्म.)	प्राकृतिक उत्पाद
डॉक्टोरल	पीएच.डी	
मास्टर्स	एम.एस. (फार्म.)	औषधीय विश्लेषण
डॉक्टोरल	पीएच.डी	
मास्टर्स	एम.एस. (फार्म.)	औषध विज्ञान और विष विज्ञान
डॉक्टोरल	पीएच.डी	
मास्टर्स	एम.एस. (फार्म.)	भेषजीय शास्त्र
डॉक्टोरल	पीएच.डी	
एम.बी.ए. (फार्म.)	एम.बी.ए. (फार्म.)	

विद्या वाचस्पति (पीएचडी) मौखिक परीक्षा

नाईपर अहमदाबाद के पीएचडी छात्र श्री निशांत शर्मा ने अपने थीसिस कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया

15 अप्रैल 2023 को, डॉ. अमित खैरनार के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्र श्री निशांत शर्मा ने "पार्किंसंस रोग के रोगजनन में एंटरिक न्यूरोनल सूजन की भूमिका की जांच" पर अपने शोध कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। सभी ने उनके शोध कार्य और प्रस्तुति की सराहना की।

नाईपर अहमदाबाद के पीएचडी छात्र श्री सागर सालवे ने अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव किया

05 जुलाई 2023 को डॉ. देराजराम बेनीवाल के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्र श्री सागर सालवे ने "ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार के लिए नवीन औषधि वितरण प्रणाली का विकास" विषय पर अपने शोध कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। सभी ने उनके शोध कार्य और प्रस्तुति की सराहना की।

नाईपर अहमदाबाद के पीएचडी छात्र श्री ज्ञानेश्वर विट्ठल कल्याणे ने अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव किया

डॉ. राकेश टेकाडे के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्र श्री ज्ञानेश्वर विट्ठल कल्याणे ने "थर्मल एब्लेशन और सॉलिड ट्यूमर के लक्षित कीमोथेरेपी के लिए मल्टीफंक्शनल नैनोगोल्ड-सीड्स" पर अपने शोध कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। सभी ने उनके शोध कार्य और प्रस्तुति की सराहना की।

नाईपर अहमदाबाद के पीएचडी छात्र श्री आशुतोष गोस्वामी ने अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव किया

06 दिसंबर 2023 को, डॉ. अभिजीत काटे के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्र श्री आशुतोष गोस्वामी ने "एंटीडायबिटिक क्षमता वाले पौधों से ग्लूकागन जैसे पेप्टाइड-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट के रूप में पेप्टाइड्स/छोटे अणुओं की पहचान और विशेषता" पर अपने शोध कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। सभी ने उनके शोध कार्य और प्रस्तुति की सराहना की।

	नाईपर अहमदाबाद के पीएचडी छात्र श्री हर्ष ठक्कर ने अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव किया शाह के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्र श्री हर्ष ठक्कर ने "पार्किंसंस में तनाव बायोमार्करों के विश्लेषणात्मक लक्षण वर्णन और इसके सहसंबंध" पर अपने शोध कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। सभी ने उनके शोध कार्य और प्रस्तुति की सराहना की।
	नाईपर अहमदाबाद की पीएचडी छात्रा सुश्री स्वराली जोशी ने अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव किया श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्रा सुश्री स्वराली जोशी ने "ओरल कैंसर में माइक्रोएनवायरनमेंट डिपेंडेंट इंटरल्यूकिन-8 मेडिएटेड मेटास्टेसिस की जांच" पर अपने शोध कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। सभी ने उनके शोध कार्य और प्रस्तुति की सराहना की।
	नाईपर अहमदाबाद की पीएचडी छात्रा सुश्री प्रियंका पुलुगु ने अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव किया 06 फरवरी 2024 को, डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्रा सुश्री प्रियंका पुलुगु ने "3डी इन विट्रो ट्यूमर मॉडल का विकास: ड्रग स्क्रीनिंग के लिए एक उच्च-थ्रूपुट दृष्टिकोण" पर अपने शोध कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। सभी ने उनके शोध कार्य और प्रस्तुति की सराहना की।
	नाईपर अहमदाबाद के पीएचडी छात्र श्री सूर्यनारायण पोलाका ने अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव किया डॉ. राकेश टेकाडे मार्गदर्शन में पीएचडी छात्र श्री सूर्यनारायण पोलाका ने "घाव भरने और डीटेसिंग अनुप्रयोगों के लिए एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर युक्त सिल्वर नैनोमिक्स इन-सीटू जेलिंग पाउडर" पर अपने थीसिस कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। सभी ने उनके शोध कार्य और प्रस्तुति की सराहना की।
	नाईपर अहमदाबाद की पीएचडी छात्रा सुश्री चैत्राली शेवकर ने अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव किया 08 मार्च 2024 को, डॉ. अभिजीत काटे के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्रा सुश्री चैत्राली शेवकर ने "एंडोलिचेनिक फंगस से एंटीकैंसर अणुओं का पृथककरण और लक्षण वर्णन" पर अपने शोध कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। सभी ने उनके शोध कार्य और प्रस्तुति की सराहना की।
	नाईपर अहमदाबाद की पीएचडी छात्रा सुश्री सुचिता दत्तात्रेय शिंदे ने अपने शोध प्रबंध का सफलतापूर्वक बचाव किया 18 मार्च 2024 को, डॉ. बिचिस्मिता साहू के मार्गदर्शन में पीएचडी छात्रा सुश्री सुचिता दत्तात्रेय शिंदे ने "नवीन बैकबोन संशोधित पेप्टाइड आधारित आणविक स्व-संयोजन और अनुप्रयोग के डिजाइन, संश्लेषण और मूल्यांकन" पर अपने शोध कार्य का सफलतापूर्वक बचाव किया। सभी ने उनके शोध कार्य और प्रस्तुति की सराहना की।

नाईपर अहमदाबाद में 10वां दीक्षांत समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद द्वारा दिनांक 27 फरवरी, 2024 (मंगलवार) को संस्थान के 10वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के दौरान संस्थान के वर्ष 2021-23 बैच के 127 स्नातकोत्तर (फार्मा.), 24 औषधीय प्रबंधन (फार्मा.) और 10 विद्यावाचस्पति (पीएचडी) के छात्रों को उनकी उपाधि प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पंकज पटेल, अध्यक्ष, ज़ाइडस एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. अनुपम शुक्ला, निदेशक, सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एसवीएनआईटी), सूरत सहित प्रतिष्ठित अतिथि के रूप में संस्थान के शासक मंडल के सदस्य और सीनेट के सदस्य की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया। इन चयनित गणमान्य जनों के अलावा, प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद, संकाय सदस्य, कर्मचारी और पूर्व छात्र भी समारोह में शामिल हुए।

आयोजित दीक्षांत समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री पंकज पटेल, प्रो. अनुपम शुक्ला, प्रो. शैलेन्द्र सराफ और अन्य आमंत्रित अतिथियों द्वारा एक शैक्षणिक शोभायात्रा के साथ किया गया जिसमें गणमान्य जनों के बाद संस्थान के संकायाध्यक्ष, संकाय सदस्य और छात्र शामिल हुए। प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद द्वारा इस दीक्षांत समारोह की औपचारिक कार्यक्रम के शुरुआत की घोषणा की गई।

प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद ने काफी उत्साह से संस्थान के परिसर में एकत्रित मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथि, प्रतिष्ठित अतिथि और सभी आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने स्वागत अभिभाषण को प्रस्तुत करते हुए समारोह को सुशोभित करने हेतु सभी गणमान्य जनों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। प्रो. सराफ ने नाईपर की यात्रा के बारे में भी जानकारी दिया एवं स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान उद्योग में संस्थान द्वारा दिए गए सतत योगदानों के बारें में बताया। उन्होंने बताया कि नाईपर अहमदाबाद शिक्षा और उद्योग के बीच अपने सहकार्य संबंध को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।.

निदेशक के आग्रह के पश्चात् प्रो. अनुपम शुक्ला ने उद्बोधन की अनुमति दी और स्नातक विद्यार्थियों को प्रतिज्ञा ग्रहण कराया गया।

इस शपथ के बाद समारोह के मुख्य अतिथि श्री पंकज पटेल ने समस्त श्रेष्ठ और विभाग श्रेष्ठ को स्वर्ण पदक प्रदान किये। स्वर्ण पदक वितरण के बाद, प्रोफेसर अनुपम शुक्ला और प्रोफेसर शैलेन्द्र सराफ द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न शैक्षणिक विभाग के चयनित छात्रों को बुक प्राईज वितरित किए गए। उपाधि और पुरस्कार वितरण के बाद, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अनुपम शुक्ला

ने भारत के भविष्य को आकार देने में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका पर अपने मूल्यवान अंतर्दृष्टि को साझा किया। स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए, सम्मानित अतिथियों ने इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर अपने अत्यंत हर्ष को व्यक्त किया। नाईपर के महत्वपूर्ण जनादेश को स्वीकार करते हुए, अतिथि ने औषधीय विज्ञान और जैव चिकित्सा प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त उत्कृष्टता केंद्र बनने की दिशा में संस्थान के प्रभावशाली योगदान की सराहना की।

उन्होंने, डॉ. अब्दुल कलाम के शब्दों से प्रेरणा लेते हुए, युवा स्नातकों को अलग तरीके से विचार करने, नवाचार करने और सफलता की दिशा में नए मार्ग प्रशस्त करने का साहस रखने के लिए प्रोत्साहित किया। नेतृत्व और नवाचार के महत्व पर जोर देते हुए, अतिथि ने छात्रों से उत्कृष्टता की खोज में चुनौतियों को स्वीकार करने और परिकलित जोखिम लेने का आग्रह किया।

उन्होंने स्टार्ट-अप, प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल पर प्रकाश डालते हुए, भारत के परिवर्तन को आगे बढ़ाने में उनके महत्व को रेखांकित किया। आदरणीय प्रधान मंत्री जी के कथनों का स्मरण करवाते हुए, अतिथि ने भारत की प्रगति हेतु प्रभावी उपकरण के रूप में स्टार्टअप और नवाचार की भूमिका को दोहराया।

अपने समापन भाषण में, प्रो. शुक्ला ने स्नातक के छात्रों से इस तेजी से बदलती दुनिया में अनुकूलनशीलता की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रश्न जिज्ञासा और नवाचार को जारी रखने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्हें नए ज्ञान को मौजूदा प्रथाओं में एकीकृत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

इसके बाद समारोह के मुख्य अतिथि श्री पंकज पटेल ने सभा को संबोधित किया और सभी सफल स्नातकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में नाईपर-अहमदाबाद के महत्व पर प्रकाश डाला, श्री पटेल ने वैज्ञानिक नवाचार और अत्याधुनिक अनुसंधान के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने 2007 में नाईपर की स्थापना हेतु औषध विभाग के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की, जिसमें नाईपर अहमदाबाद औषधीय क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में उभरकर सामने आया।

माननीय मुख्य अतिथि ने विश्व स्तरीय अनुसंधान सुविधा स्थापित करने हेतु सरकार की एक पहल के रूप में विभिन्न विभागों के बीच नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने जीवन में परिवर्तन लाने, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, पर्यावरण और औद्योगिक विकास के माध्यम से समाज को प्रभावित करने में शिक्षा और विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका को बताया। उन्होंने हमारे जैसे संस्थानों से उभरती और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों में उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक अनुसंधान करने की क्षमता विकसित करने और वर्तमान संकाय के लिए नए विज्ञान को सहजता से अपनाने के मार्ग को परिभाषित करने का आग्रह किया।

श्री पंकज पटेल ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में चुनौतियों पर प्रकाश डाला और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं तक अपनी पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल के आधारभूत संरचना में अधिक निवेश का आह्वान करते हुए सामर्थ्य, उपलब्धता और देखभाल की गुणवत्ता के महत्व को रेखांकित किया।

उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में नाईपर जैसे संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए, श्री पंकज पटेल ने शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने एक ऐसी विकास मानसिकता का आह्वान किया जो बुनियादी और व्यावहारिक विज्ञान के बीच की सीमाओं को तोड़, नवाचार और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी को बढ़ावा दे।

श्री पटेल ने स्नातक छात्रों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए ईमानदारी, सहानुभूति और मानवता के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने नाईपर अहमदाबाद के कुशल नियोजन प्रकोष्ठ की प्रशंसा किया, जिसने 90% से अधिक प्रभावशाली नियोजन रिकॉर्ड बनाते हुए छात्रों को कई अवसर प्रदान करवाए हैं।

अपने संबोधन के अंत में, श्री पंकज पटेल ने फार्मास्यूटिक्स विभाग की सुश्री के. भारती और श्री म्हात्रे माही निषाद को 2021-23 बैच के समग्र श्रेष्ठ हासिल करने के लिए बधाई दिया। इसके साथ ही उन्होंने सभी छात्रों को बधाई दी और नाईपर अहमदाबाद को औषधीय और जैव चिकित्सा अनुसंधान में अग्रणी संस्थान बनाने के लिए संस्थान के संकाय सदस्यों की सराहना की।

सभी गणमान्य व्यक्तियों के संबोधन के पश्चात छात्रों को उपाधि प्रदान किया गया। इसके बाद प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद ने 10वें दीक्षांत समारोह के समापन की घोषणा की, जिसके बाद राष्ट्रगान हुआ और कार्यक्रम स्थल पर गणमान्य व्यक्तियों और संकाय सदस्यों के साथ समूह फोटो खींची गई। इसके बाद मध्याह्न भोजन कर संस्थान के परिसर का दौरा किया गया और फिर अतिथि जनों का प्रस्थान हुआ।

नियोजन प्रकोष्ठ

नियोजन प्रकोष्ठ का लक्ष्य विद्यार्थियों को उद्योगों में कार्य करने का मूल्यवान अनुभव प्राप्त कराने हेतु एक मंच प्रदान करना है। यह प्रकोष्ठ विभिन्न कंपनियों और विद्यार्थियों के बीच एक इंटरफेस के रूप में भी कार्य करता है, जो विभिन्न विषयों में सुप्रशिक्षित स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को नियुक्ति प्रदान करना चाहते हैं। नियोजन प्रक्रिया के दौरान, कंपनियों को पूर्व-नियोजन वार्ता और व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए परिसर का दौरा करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

नियोजन के आँकड़े

बैच	छात्रों की कुल संख्या	उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थी	नियोजन विकल्प चयनित विद्यार्थी	नियोजित छात्र	% नियोजित छात्र
2015-17	54	2	52	48	92.3
2016-18	69	9	60	54	90.0
2017-19	72	25	47	39	97.9
2018-20	96	18	78	64	83.3
2019-21	107	22	85	84	98.8
2020-22	142	25	117	116	99.14
2021-23	151	26	124	123	99.0
2022-24	164	19	145	87*	60.0*

* 31 मार्च 2024 तक

नियुक्ति समिति

अध्यक्ष

डॉ. रवि शाह
एसोसिएट प्रोफेसर
फोन: 91-79-66745555
ravi.shah@niperahm.ac.in

Member

डॉ. सिद्धेश्वर चौथे
सहायक प्रोफेसर
फोन: 91-79-66745555
siddheshwar.chauthe@niperahm.ac.in

डॉ. देराजराम बेनिवाल
सहायक प्रोफेसर
फोन: 91-79-66745555
derajram@niperahm.ac.in

डॉ. राजेश नादिमिंटी
सहायक प्रोफेसर
फोन: 91-79-66745555
rajesh.nadiminti@niperahm.res.in

डॉ. अकांक्षा जैन
सहायक प्रोफेसर
फोन: 91-79-66745555
aakanchha.jain@niperahm.res.in

डॉ. नितिश शर्मा
सहायक प्रोफेसर
फोन: 91-79-66745555
nitish.sharma@niperahm.res.in

डॉ. दिनेश कुमार
सहायक प्रोफेसर
फोन: 91-79-66745555
dineshk@niperahm.res.in

डॉ. अमित शारद
सहायक प्रोफेसर
फोन: 91-79-66745555
amit@niperahm.res.in

डॉ. अमित मन्दोली
सहायक प्रोफेसर
फोन: 91-79-66745555
amitmandoli@niperahm.res.in

हमारे नियोक्ताजन

पेटेंट

1. Patent Title: POLYFLUORINATED SQUARAMIDE ANTICANCER COMPOUNDS AND USE THEREOF, Indian Patent Application No. 202321027020 (Date: 12-Apr-23) Name of Inventor : Bichismita Sahu, Amit Mandoli, Pinaki Sengupta, Govinda Shivaji Jadhav, Varsha Mahajan, Suchita Dattatray Shinde, Shubhangi Bhargava, Neeraj Kulkarni, Swarali Joshi, Ambika Chamoli, Bhaskar Dewangan, Pooja Dhakne
2. Patent Title: A Series Of Imidazopyri(Mi)Dine-Based Sulfonamide Compounds And Uses Thereof, Indian Patent Application No. 202321033123 (Date: 10-May-2023) Name of Inventor : Shard, Amit; Das, Rudradip; Chatterjee, Deep Rohan;Kapoor, Saumya; Sengupta, Pinaki; Rajput, Niraj; Khairnar, Amit; Nalla, Lakshmi Vineela
3. Patent Title: Bio-absorbable and antibiotic coated surgical staples for wound closing, Indian Patent Application No. 202321036501 (Date: 26-May-2023) Name of Inventor : Govinda Kapusetti, Sumanta Ghosh, Shruti Kulkarni, Namdev More , N Rajesh Kumar
4. Patent Title: Biodegradable Ink Composition For 3D Printing Of Implant, Indian Patent Application No. 202321038102 (Date: 2-Jun-2023) Name of Inventor : Rakesh Kumar Tekade; Neelima Anup; Anuradha Gadeval; Vaishali Vinubhai Makwana
5. Patent Title: Lipid Based Cytosolic Delivery System, Composition And Uses Thereof, Indian Patent Application No. 202321038004 (Date: 2-Jun-2023) Name of Inventor : Rakesh Kumar Tekade; Nupur Vasdev; Tanisha Gupta
6. Patent Title: Nanopalladium seeds for laser guided thermal ablation of cancer cells, Indian Patent Application No. 202321044520 (Date: 3-Jul-2023) Name of Inventor : Rakesh Kumar Tekade, Bhakti Mahendra Pawar, Anuradha Gadeval, Nakshatra Sharad Chaudhari, Neelima Anup.
7. Patent Title: NIR responsive hyaluronic acid-silver nano-colloid for photothermal wound healing and a process for preparation thereof, Indian Patent Application No. 202321049845 (Date: 24-Jul-2023) Name of Inventor : Rakesh Kumar Tekade, Bhakti Pawar, Shivam Otavi, Nupur Vasdev, Suryanarayana Polaka, Shubham Mule
8. Patent Title: Method and composition for the production of NIR laser responsive silver nanocolloid using quercetin as green reducing agent, Indian Patent Application No. 202321049846 (Date: 24-Jul-2023) Name of Inventor : Rakesh Kumar Tekade, Bhakti Pawar, Shivam Otavi.
9. Patent Title: LINUSORB ENRICHED FRACTION AND A PROCESS FOR PREPARATION THEREOF, Indian Patent Application No. 202321061276 (Date: 12-Sep-2023) Name of Inventor : Abhijeet S. Kate and Ashutosh Goswami
10. Patent Title: Analyzing the Growth and Forecasting the future of India's Pharma Trade (2020-30), Indian Patent Application No. Copyright (Date: 22/08/2023) Name of Inventor : Dr N Rajesh Kumar
11. Patent Title: Exploring issues and Challenges of the Indian Pharma Supply Chain, Indian Patent Application No. Copyright (Date: 22/08/2023) Name of Inventor : Dr N Rajesh Kumar

संपादित पुस्तकें

- Aakanchha Jain and Sonia Malik (Ed.). (2023). Peptide and Protein Drug Delivery Using Polysaccharides (1st ed). Elsevier Academic Press, pp.400. 9780443189258, http://doi.org/10.1016/C2022-0-01180-6
- Rakesh Kumar Tekade (Ed.). (2024). Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research. Elsevier Academic Press, pp.835, 978-0-443-15842-1, https://doi.org/10.1016/C2022-0-01696-2

अनुसंधान प्रकाशन

1. Saumya Kapoor, Deep Rohan Chatterjee, Moumita Ghosh Chowdhury, Rudradip Das, Amit Shard. (2023). Roadmap to Pyruvate Kinase M2 Modulation - A Computational Chronicle,Current Drug Targets.24(6), 464-483. DOI: 10.2174/1389450124666230330103126
2. Gayatri Patel, Tejas Girish Agnihotri, Manoj Gitte, Tanuja Shinde, Shyam Sudhakar Gomte, Roshan Goswami & Aakanchha Jain. (2023). Exosomes: a potential diagnostic and treatment modality in the quest for counteracting cancer, Cellular Oncology. 46,1159–1179. doi.org/10.1007/s13402-023-00810-z
3. Suryanarayana Polaka and Rakesh Kumar Tekade. (2023). Development and Evaluation of Silver Nanomix as a Next-Generation Tool for Wound Healing and Dressing Applications, ACS Applied Bio Materials. 6(5), 1832–1848. doi.org/10.1021/acsabm.3c00051
4. Nupur Vasdev,Bhakti Pawar, Tanisha Gupta, Mahi Mhatre and Rakesh Kumar Tekade. (2023). A Bird's Eye View of Various Cell-Based Biomimetic Nanomedicines for the Treatment of Arthritis, Pharmaceutics. 15(04), 1150. 1-34. doi.org/10.3390/pharmaceutics15041150
5. Jyotsna G. Vitore, K. Bharathi, Sagar Salave, Dhwani Rana, Akhil Perla, Shubham Gupta, Srushti Shah, Rupali Pardhe, Pravallika Chittemreddy, Snehal Kashid, Rutika Jadhav, Amit Sharma, Rikin Patel, Anil B. Jindal, Derajram Benival. (2023). Intranasal transmucosal drug delivery: An alternative approach to the parenteral route for medical emergencies, Journal of Drug Delivery Science and Technology. 83, 1-14. doi.org/10.1016/j.jddst.2023.104421
6. Sanghamitra Pradhan, Santosh Kumar Behera, Sangram Keshari Samal, Itishree Panda, Pratyush Kumar Sahu, Swayamprabha Priyadarshini. (2023). Interaction Between 2-Methylimidazole and 1-Butanol/1-Octanol: Thermophysical and Computational Studies, ChemistrySelect. 8(13), e202204931. doi.org/10.1002/slct.202204931
7. Ashutosh Goswami, Bhakti Nanaware & Abhijeet S. Kate. (2023). Rapid and Efficient SpPRE Approach: A Step Towards Meeting High Demand of Bioactive Swertiamarin, Separation Science and Technology. 58(9), 1607-1615. doi.org/10.1080/01496395.2023.2197559
8. Rohit Parkale , Priyanka Pulugu and Prasoon Kumar. (2023). Developing easy-to-use, cost-effective wound dressing material by coating commercial cotton bandages with nanomaterials, International Journal of Materials Research. 114(4-5), 243-250. doi.org/10.1515/ijmr-2022-0081
9. E. M. H. Ali, S. Mahmood1, P. Sengupta, A. A. Doolaanea, B. Chatterjee. (2023). Sunflower Oil Based Nanoemulsion Loaded into Carbopol Gel: Semisolid State Characterization and Ex Vivo Skin Permeation, Indian Journal of Pharmaceutical Sciences. 85(02), 388-402. DOI: 10.36468/pharmaceutical-sciences.1104
10. Deepika Pamarthy, Santosh Kumar Behera, Sonam Swain, Sanjay Yadav, Surisetti Suresh, Nishant Jain,

Manika Pal Bhadra. (2023). Diaryl ether derivative inhibits GPX4 expression levels to induce ferroptosis in thyroid cancer cells, Drug Development Research. 84(5), 861-887. doi.org/10.1002/ddr.22059

11. Desai N, Rana D, Salave S, Gupta R, Patel P, Karunakaran B, Sharma A, Giri J, Benival D and Kommineni N. Chitosan. (2023) A Potential Biopolymer, Drug Delivery and Biomedical Applications. Pharmaceutics. 15(4):1-69. https://doi.org/10.3390/pharmaceutics15041313
12. Swarali Joshi, Ritu Pandey, Ashok Kumar, Vikas Gupta and Neha Arya. (2023) Targeted blockade of interleukin-8 negates metastasis and chemoresistance via Akt/Erk-NFκB axis in oral cancer, Cytokine. 166, 156155. https://doi.org/10.1016/j.cyto.2023.156155
13. Smita Behera, Amrita Kumari Panda, Santosh Kumar Behera, Nibha Gupta. (2023). Media optimization, extraction, purification and characterization of exopolysaccharide from Fusarium proliferatum: A novel source bioactive polysaccharide, Results in Chemistry. 5, 1-16. doi.org/10.1016/j.rechem.2023.100923
14. Bornika Chattaraj, Arijit Nandi, Anwesha Das, Arun Baidya, Sourav Mahata, Aritra Chowdhury, Soumya Mitra, Sumon Roy, Subrata Chakraborty, Yadu Nandan Dey. (2023). Enhydra fluctuans Lour. aqueous extract inhibited the growth of calcium phosphate crystals: An in vitro study, Food Chemistry Advances. 2, 1-10. doi.org/10.1016/j.focha.2023.100287
15. Rudradip Das, Gayatri Tambe, Amit Shard. (2023). Sulfonamides as tyrosine kinase modulators – A promising class of anticancer agents, Results in Chemistry. 5, 1-11. doi.org/10.1016/j.rechem.2023.100950
16. Raghav Gupta, Sagar Salave, Dhwani Rana, Bharathi Karunakaran, Arun Butreddy ,Derajram Benival and Nagavendra Kommineni. (2023). Versatility of Liposomes for Antisense Oligonucleotide Delivery: A Special Focus on Various Therapeutic Areas, Pharmaceutics. 15(05),1-24. https://doi.org/10.3390/pharmaceutics15051435
17. Pooja Dhakne, Megha Pillai, Sonam Mishra, Bappaditya Chatterjee, Rakesh K. Tekade, Pinaki Sengupta. (2023). Refinement of safety and efficacy of anti-cancer chemotherapeutics by tailoring their site-specific intracellular bioavailability through transporter modulation, Biochimica et Biophysica Acta (BBA) - Reviews on Cancer. 1878(04), 188906. doi.org/10.1016/j.bbcan.2023.188906
18. Rajesh Kumar Nadiminti. (2023). A Study on the Impact of Cyberchondria on the Indian Population, Journal of Applied Information Science. 11(01), 1-21.
19. Sonali Jain & Ravi P. Shah. (2023). Drug-Excipient Compatibility Study Through a Novel Vial-in-Vial Experimental Setup: A Benchmark Study, AAPS PharmSciTech. 24, p 1-13. doi.org/10.1208/s12249-023-02573-0
20. Zufeng Wang,Chengliang Luo, Edward W. Zhou, Aaron F. Sandhu, Xiaojing Yuan ,George E. Williams, Jialu Cheng, Bharati Sinha, Mohammed Akbar, Pallab Bhattacharya, Shuanhu Zhou, Byoung-Joon Song and Xin Wang. (2023). Molecular Toxicology and Pathophysiology of Comorbid Alcohol Use Disorder and Post-Traumatic Stress Disorder Associated with Traumatic Brain Injury, International Journal of Molecular Sciences, 24(10), 1-23. doi.org/10.3390/ijms2410880
21. Jindal, A. B., Bhide, A. R., Salave, S., Rana, D., & Benival, D. (2023). Long-acting parenteral drug delivery systems for the treatment of chronic diseases. Advanced Drug Delivery Reviews, 198. 1-23. doi:10.1016/j.addr.2023.114862
22. Kumar, S., Behera, S. K., Gururaj, K., Chaurasia, A., Murmu, S., Prabha, R., . . . Rai, A. (2023). In silico mutation of aromatic with aliphatic amino acid residues in clostridium perfringens epsilon toxin (ETX)

reduces its binding efficiency to caprine myelin and lymphocyte (MAL) protein receptors. Journal of Biomolecular Structure and Dynamics, 42(5), 2257-2269. doi:10.1080/07391102.2023.2204362

23. Chavda, V. P., Raval, N., Sheta, S., Vora, L. K., Elrashdy, F., Redwan, E. M., . . . Ertas, Y. N. (2023). Blood filtering system for COVID-19 management: Novel modality of the cytokine storm therapeutics. Frontiers in Immunology, 14, 1-11. doi:10.3389/fimmu.2023.1064459

24. Piyush Gondaliya,Kavya Jash, Akshay Srivastava & Kiran Kalia.(2023) MiR-29b modulates DNA methylation in promoter region of miR-130b in mouse model of Diabetic nephropathy. Journal of Diabetes & Metabolic Disorders.22, pages 1105–1115. https://doi.org/10.1007/s40200-023-01208-2

25. Neeraj Kulkarni, Suchita Dattatray Shinde, Mohit Maingle, Darshani Nikam, Bichismita Sahu. (2023) Reactive oxygen species-responsive thymine-conjugated chitosan: Synthesis and evaluation as cryogel. International Journal of Biological Macromolecules. Volume 242, Part 3, 125074. https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2023.125074

26. Namrata Prajapati, Dilip Sharma, Pankaj Ashok Bidve, Akhilesh, Deepak Chouhan, Meghana Allani, Sagar kumar Patel, Moumita Ghosh Chowdhury, Amit Shard & Vinod Tiwari (2023) Glucose regulation by newly synthesized boronic acid functionalized molecules as dipeptidyl peptidase IV inhibitor: a potential compound for therapeutic intervention in hyperglycaemia, Journal of Biomolecular Structure and Dynamics, 42(6), Pages 2859-2871. DOI: 10.1080/07391102.2023.2215319

27. Banashree Chetia Phukan, Rubina Roy, Shuvasish Choudhury, Pallab Bhattacharya and Anupom Borah. (2023). Neuroprotective Potential of Polydatin in Combating Parkinson's Disease through the Inhibition of Monoamine Oxidase-B and Catechol-o-Methyl Transferase, Letters in Drug Design & Discovery.21(1), Page 180 - 188. DOI: 10.2174/1570180820666230427092537

28. Medha Bhattacharyya, Heena Jariyal, Akshay Srivastava. (2023). Hyaluronic acid: More than a carrier, having an overpowering extracellular and intracellular impact on cancer, Carbohydrate Polymers. 371, 121081. doi.org/10.1016/j.carbpol.2023.121081

29. Aishika Datta, Pramod Suthar, Deepaneeta Sarmah, Poonam Jadhav, Jinagna Shah , Mounika Katamneni, Nikhil Bhosale, Vishal Gupta, Mariya Bohra, Falguni Baidya, Nikita Rana, Bijoyani Ghosh, Harpreet Kaur, Anupom Borah, Rajeshwari Rathod, Pinaki Sengupta, Pallab Bhattacharya.(2023). Inosine attenuates post-stroke neuroinflammation by modulating inflammasome mediated microglial activation and polarization, Biochimica et Biophysica Acta (BBA) - Molecular Basis of Disease. 1869, 166771, doi.org/10.1016/j.bbadis.2023.166771

30. Nimeet Desai, Dhwani Rana, Shreya, Sagar Salave, Jyotsnendu Giri, Derajram Benival and Nagavendra Kommineni. (2023). "Bioinspired" Membrane-Coated Nanosystems in Cancer Theranostics: A Comprehensive Review, Pharmaceutics. 15(6), 1-47, https://doi.org/10.3390/pharmaceutics15061677

31. Jyotsna G. Vitore, Sakshi Pagar, Nidhi Singh, Bharathi Karunakaran, Siddharth Salve, Navnath Hatvate, Satish Rojekar & Derajram Benival. (2023). A comprehensive review of nanosuspension loaded microneedles: fabrication methods, applications, and recent developments, Journal of Pharmaceutical Investigation. 53, pages 475–504. doi.org/10.1007/s40005-023-00622-1

32. Muteb Alanazi, Hassan Mohammed Alqahtani, Mohammad Khalid Alshammari, Raad Mohammed Alshammari, Jonaid Ahmad Malik, Sakeel Ahmed, Mir Aroosa, Mrunal Shinde, Tareq Nafea Alharby, Mukhtar Ansari, Arshad Hussain, Fahad F Alkhrshawy & Sirajudheen Anwar. (2023). Infection Prevalence at a Tertiary Hospital in Hail, Saudi Arabia: A Single-Center Study to Identify Strategies to Improve Antibiotic Usage, Infection and Drug Resistance. 16, 3719–3728. doi.org/10.2147/IDR.S413295

33. Mansi Uday Joshi, Shruti Prakash Kulkarni, Mounika Choppadandi, M. Keerthana, Govinda Kapusetti.

(2023). Current state of art smart coatings for orthopedic implants: A comprehensive review, Smart Materials in Medicine. 4, Pages 661-679. doi.org/10.1016/j.smaim.2023.06.005

34. Haritha Sindh, Malladi Mounika Reddy, Karthikeyan Rajkumar, Akshay Kamble, Amardeep Singh, Anand Kumar and Satyasheel Sharma. (2023). Pyridine C(sp2)–H bond functionalization under transition-metal and rare earth metal catalysis, Beilstein Journal of Organic Chemistry. 19, 820–863. https://doi.org/10.3762/bjoc.19.62

35. Samarth Kansara, Agrata Singh, Abhishesh Kumar Bada, Reshma Rani, Prakash Baligar, Manoj Garg, Amit Kumar Pandey. (2023). The emerging regulatory roles of non-coding RNAs associated with glucose metabolism in breast cancer, Seminars in Cancer Biology. 95, 1-12. doi.org/10.1016/j.semcancer.2023.06.007

36. Mir Aroosa, Jonaid Ahmad Malik, Sakeel Ahmed, Onur Bender, Nafees Ahemad & Sirajudheen Anwar. (2023). The evidence for repurposing anti-epileptic drugs to target cancer, Molecular Biology Reports. 50, pages 7667–7680. doi.org/10.1007/s11033-023-08568-1

37. Sai Swetha Uppalapati, Lahanya Guha, Hemant Kumar and Amit Mandoli. (2023). Nanotechnological Advancements For The Theranostic Intervention In Anaplastic Thyroid Cancer: Current Perspectives And Future Direction, Current Cancer Drug Targets. 24(3), Page: 245 - 270. DOI: 10.2174/1568009623666230707155145

38. Ganesh Shelake, Shraddha Baviskar, Amrita Kumari Panda, Sunetra Solankure, Komal Pandey, Siddheshwar Chauthe & Santosh Kumar Behera.(2023). Exploring the rare variants associated with Type 2 Diabetes Mellitus in Indian population and its disease-drug association studies: an in-silico approach, Journal of Biomolecular Structure and Dynamics. doi.org/10.1080/07391102.2023.2233634

39. Jonaid Ahmad Malik, Jeba Ajgar Ansari, Sakeel Ahmed, Afreen Khan, Nafees Ahemad & Sirajudheen Anwar. (2023). Nano-drug delivery system: a promising approach against breast cancer, Therapeutic Delivery. 14(5), pages 357 - 381 doi.org/10.4155/tde-2023-0020

40. Krishna Chandra Panda, Ravi Kumar Venkata Varaha Bera, Biswa Mohan Sahoo and Parijat Swain. (2023). Green Chemistry Approach for the Synthesis of Isoxazole Derivatives and Evaluation of their Anti-epileptic Activity, Current Drug Discovery Technologies. 20(3), e150223213697, 1-8. DOI: 10.2174/1570163820666230215125043

41. N. Varshneya, D. Kashyap, S.K. Behra, V. Saini, A. Chaurasia, S. Kumar & H.C. Jha. (2023). Predictive profiling of gram-negative antibiotics in CagA oncoprotein inactivation: a molecular dynamics simulation approach, SAR and QSAR in Environmental Research, 34(06), 501-521. doi.org/10.1080/1062936X.2023.2230876

42. Meenal Verma, Manjeet Chopra & Hemant Kumar. (2023). Unraveling the Potential of EphA4: A Breakthrough Target and Beacon of Hope for Neurological Diseases, Cellular and Molecular Neurobiology. 43, pages 3375–3391. doi.org/10.1007/s10571-023-01390-0

43. Arnav Golhar, Megha Pillai, Pooja Dhakne, Niraj Rajput, Tarang Jadav, Pinaki Sengupta. (2023). Progressive tools and critical strategies for development of best fit PBPK model aiming better in vitro-in vivo correlation, International Journal of Pharmaceutics.643, 1-13. doi.org/10.1016/j.ijpharm.2023.123267

44. Daya Raju Adye, Amit Kumar Sahu, Niraj Rajput, Niraj Kumar Panday and Pinaki Sengupta. (2023). Stability Indicating Analytical Method, Characterization of Degradation Impurity by UPLC-Q-TOF-MS/MS, and Establishment of Degradation Mechanism of Evodiamine. Current Analytical Chemistry, 19(6), Page 497 - 507. DOI: 10.2174/1573411019666230622150127

45. Tanisha Gupta, Bhakti Pawar, Nupur Vasdev, Vinayak Pawar and Rakesh Kumar Tekade. (2023). Carbonaceous Nanomaterials for Phototherapy of Cancer, Technology in Cancer Research & Treatment. 12, 1-23. DOI: 10.1177/15330338231186388
46. Neha Gopal, Nidhi Chauhan, Utkarsh Jain, Sujata K Dass, Suveen Kumar, Ramesh Chandra. (2023). Designing of unique bioreceptor and fabrication of efficient genosensing platform for Neonatal Sepsis detection, Analytical Methods. 15, page 4066-4076. DOI: 10.1039/D3AY00567D
47. Rubina Roy, Rajib Paul, Pallab Bhattacharya, and Anupom Borah. (2023). Combating Dopaminergic Neurodegeneration in Parkinson's Disease through Nanovesicle Technology, ACS Chemical Neuroscience. 14(16), page 2830–2848. doi.org/10.1021/acschemneuro.3c00070
48. Garima Rawat, Shital Kolhe, Dhwani Rana, Sagar Salave, Derajram Benival. (2023). Exploring the Therapeutic Potential of Cyclosporine for Ophthalmic Indications by Novel Carrier Systems, Critical Reviews™ in Therapeutic Drug Carrier Systems. 40(5), 1-45. DOI: 10.1615/CritRevTherDrugCarrierSyst.2022043085
49. Tejas Girish Agnihotri, Sagar Salave, Tanuja Shinde, Induri Srikanth, Vijay Gyanani, Jeffrey C. Haley, Aakanchha Jain. (2023). Understanding the role of endothelial cells in brain tumor formation and metastasis: A proposition to be explored for better therapy, Journal of the National Cancer Center. 3(3), Pages 222-235. doi.org/10.1016/j.jncc.2023.08.001
50. Vishakha Nirbhaya, Ramesh Chandra, Suveen Kumar. (2023). Nanoengineered phosphorus doped graphitic carbon nitride based ultrasensitive biosensing platform for Swine flu detection, Colloids and Surfaces B: Biointerfaces. 230, 113504. doi.org/10.1016/j.colsurfb.2023.113504
51. Shubhangi Bhargava, Riya Kulkarni, Bhaskar Dewangan, Neeraj Kulkarni, Chirag Jaiswar, Amit Kumar , Kunal Kumar, Praveen reddy Bodhe, Hemant Kumar and Bichismita Sahu. (2023). Microtubule stabilising peptides: New paradigm towards management of neuronal disorders, RSC Medicinal Chemistry. 14, page 2192-2205. doi.org/10.1039/D3MD00012E
52. Ayub Mohammed Butt, Vimal Rupareliya, A. Hariharan, Hemant Kumar. (2023). Building a Pathway to Recovery: Targeting ECM Remodeling in CNS Injuries, Brain Research. 1819, 148533. doi.org/10.1016/j.brainres.2023.148533
53. Shreyans Sadangi, Apurva Mandhane, Amrita Kumari Panda, Govinda Kapusetti, Santosh Kumar Behera, Sanghamitra Pati. (2023). Identification of rare nsSNPs in fragile histidine triad (FHIT) gene to explore its correlation with oral cancer: An in-silico approach, Results in Chemistry. 6, page 1-15. doi.org/10.1016/j.rechem.2023.101072
54. Isha Bansal, Amit K. Pandey, Munindra Ruwali. (2023). Small-Molecule Inhibitors of Kinases in Breast Cancer Therapy: Recent Advances, Opportunities, And Challenges, Frontiers in Pharmacology. 14, page 1-12. doi: 10.3389/fphar.2023.1244597
55. Sumanta Ghosh, Shruti Kulkarni, Namdev More, Nishant Kumar Singh, Ravichandiran Velyutham, N. Rajesh Kumar, Govinda Kapusetti. (2023). Cellulose-based bioabsorbable and antibiotic coated surgical staple with bioinspired design for efficient wound closure, International Journal of Biological Macromolecules. 248, 126477. doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2023.126477
56. Manasvi Bari, Arunima Singh, N. Rajesh Kumar. (2023). Effects of Advertisement on Consumer Buying Behaviour with References to FMCGs in Gandhinagar, Gujarat, International Journal of Applied Marketing and Management, 8(01), 29-35. https://doi.org/10.13040/IJPSR.0975-8232.IJP.10(7).100-08
57. N. Rajesh Kumar, Kinnari Chakkerwar and Kavya Goginenei. (2023). A Study On Factors Influencing

Public Perception Towards Herbal Cosmetics In Gandhinagar, Gujarat, International Journal of Pharmacognosy. 10(07), 100-108.

58. T. Giri, Divya Kukreja, Nitish Sharma and Ravi. P. Shah. (2023). Establishment of Stability-Indicating Purity Method Based on the Stress Degradation Behaviour of Human Glucagon-like Peptide-1 Analog Liraglutide using Reverse Phase-Liquid Chromatography, Indian Journal of Pharmaceutical Sciences. 85(4):1068-1076. DOI: 10.36468/pharmaceutical-sciences.1172

59. Jadhav, Ajinkya; Salave, Sagar; Rana, Dhwani; Benival, Derajram. (2023). Development and In-vitro Evaluation of Dexamethasone Enriched Nanoemulsion for Ophthalmic Indication, Drug Delivery Letters. 13 (3), 196-212. doi.org/10.2174/2210303113666230309151048

60. Naveen Chandrasekar, Kalyani Sharma, Sonali Jain, Muktabai Shinde, Girish Patil, Ravi P. Shah. (2023). A critical assessment on stability behaviour of Vorinostat using LC-MS-QTOF with H/D exchange and NMR, Journal of Pharmaceutical and Biomedical Analysis. 236, page 1-11.115687. doi.org/10.1016/j.jpba.2023.115687

61. Shivraj Giri, Devendra Badgujar, Sree Teja Paritala, Nitish Sharma. (2023). Identification and structural characterization of major stress degradation products of halcinonide by liquid chromatography–high-resolution mass spectrometry, Biomedical Chromatography. 37(11), e5730, doi.org/10.1002/bmc.5730

62. Dhwani Rana, Nimeet Desai, Sagar Salave, Bharathi Karunakaran, Jyotsnendu Giri ,Derajram Benival, Srividya Gorantla and Nagavendra Kommineni. (2023). Collagen-Based Hydrogels for the Eye: A Comprehensive Review, Gels. 9(8), 643. doi.org/10.3390/gels9080643

63. Tatyana F. Kovalenko, Bhupender Yadav, Ksenia S. Anufrieva, Tatyana D. Larionova ,Tatiana E. Aksinina, Yaroslav A. Latyshev, Soniya Bastola, Michail I. Shakhparonov , Amit Kumar Pandey, Marat S. Pavlyukov. (2023). PTEN regulates expression of its pseudogene in glioblastoma cells in DNA methylation-dependent manner, Biochimie. 219, Pages 74-83. doi.org/10.1016/j.biochi.2023.08.010

64. Sumanta Ghosh, Sumedh Vaidya, Namdev More, Govinda Kapusetti. (2023). Piezoelectric-based Bioactive Zinc Oxide-Cellulose Acetate Electrospun Mats for Efficient Wound Healing: An In Vitro Insights, Frontiers in Immunology. 14, page 1-13. doi: 10.3389/fimmu.2023.1245343

65. Choppadandi Mounika, Tejaswini Tadge, M. Keerthana, Ravichandiran Velyutham, Govinda Kapusetti. (2023). Advancements in Poly(methyl Methacrylate) Bone Cement for Enhanced Osteoconductivity and Mechanical Properties in Vertebroplasty: A Comprehensive Review,Medical Engineering & Physics. 120, 104049, doi.org/10.1016/j.medengphy.2023.104049

66. Lahanya Guha, Hemant Kumar. (2023) Drug Repurposing for Spinal Cord Injury: Progress Towards Therapeutic Intervention for Primary Factors and Secondary Complications, Pharmaceutical Medicine. 37(6), page 463-490. doi.org/10.1007/s40290-023-00499-3

67. Alisha Vartak Divya Goyal Hemant Kumar. (2023). Role of Axon Guidance Molecules in Ascending and Descending paths in Spinal Cord Regeneration, Neuroscience. 533, Pages 36-52. doi.org/10.1016/j.neuroscience.2023.08.034

68. Jeba Ajgar Ansari , Jonaid Ahmad Malik, Sakeel Ahmed, Faisal Ashraf Bhat, Afreen Khanam , Suhail Ahmad Mir, Amr S Abouzied, Nafees Ahemad, Sirajudheen Anwar.(2023). Targeting Breast Cancer Signaling via Phytomedicine and Nanomedicine, Pharmacology. 108(6), 504-520. doi: 10.1159/000531802

69. Bargee Jain, Nancy Jain, Sourabh Jain, Parusu Kavya Teja, Siddheshwar K. Chauthe, Aakanchha Jain. (2023). Exploring Brucine Alkaloid: A Comprehensive Review on Pharmacology, Therapeutic

Applications, Toxicity, Extraction and Purification Techniques, Phytomedicine Plus. 3(4), page 1-11. 100490, doi.org/10.1016/j.phyplu.2023.100490

70. Saurav Shankar, Yogesh Kumar, Dipti Chauhan, Neera Sharma, Ramesh Chandra , Suveen Kumar. (2023). Nanodot zirconium trisulfide modified conducting thread: A smart substrate for fabrication of next generation biosensor, Biosensors and Bioelectronics, 242, 115722. doi.org/10.1016/j.bios.2023.115722

71. Vimal P. Rupareliya, Aditya A. Singh, Ayub Mohammed Butt, Hariharan A, Hemant Kumar. (2023). The “molecular soldiers” of the CNS: Astrocytes, a comprehensive review on their roles and molecular signatures, European Journal of Pharmacology. 959, page 1-11. 176048, doi.org/10.1016/j.ejphar.2023.176048

72. Apoorva Pandey, Sapan Borah, Bhavik Chaudhary, Shweta Rana, Harpreet Singh, Anita Nadkarni, Harpreet Kaur. (2023). NBSP: an online centralized database management system for a newborn sickle cell program in India, Frontiers in Digital Health. 5, page 1-7. doi.org/10.3389/fdgth.2023.1204550

73. Yogesh Kumar, Saurav Shankar, Ramesh Chandra, Suveen Kumar. (2023). Highly bendable and smoke free degradable nanomaterials modified paper based electrochemical biosensor for efficient detection of protein biomarker, Microchemical Journal. 194, 109318. doi.org/10.1016/j.microc.2023.109318

74. Banashree Chetia Phukan, Rubina Roy, Indira Gahatraj, Pallab Bhattacharya, Anupom Borah. (2023). Therapeutic considerations of bioactive compounds in Alzheimer's disease and Parkinson's disease: Dissecting the molecular pathways, Phytotherapy Research. 37(12), page 5657–5699. doi.org/10.1002/ptr.8012

75. Stephin Baby, Suchita Dattatray Shinde, Neeraj Kulkarni, and Bichismita Sahu. (2023). Lysine-Specific Demethylase 1 (LSD1) Inhibitors: Peptides as an Emerging Class of Therapeutics, ACS Chemical Biology. 18(10), page 2144–2155. doi.org/10.1021/acschembio.3c00386

76. Nikita Tanaji Tapkir, Amit Kumar Sahu, Niraj Rajput, Tarang Jadav, Pinaki Sengupta. (2023). Differential role of potential stressors, underlying degradation mechanism, characterization of degradants using LC–MS/MS, and establishment of a stability-indicating analytical method for duvelisib, Biomedical Chromatography. 38(1), e5760. doi.org/10.1002/bmc.5760

77. Madhav Jadhav, Shailendra Sharma, Vaishnavi Kalmegh, Saumya Kapoor and Amit Shard. (2023). Moonlighting Effects of Pyruvate Kinase M2 in Chronic Liver Diseases, Gene Expression. 22(3), 250-257. doi: 10.14218/GE.2023.00038

78. Vasu Peddinti, Biswajit Rout,Tejas Girish Agnihotri, Shyam Sudhakar Gomte & Aakanchha Jain. (2023). Functionalized liposomes: an enticing nanocarrier for management of glioma, Journal of Liposome Research. doi.org/10.1080/08982104.2023.2270060

79. Nitish Sharma, Yashada Brahmankar, Diksha Babar, Tejas Bhogle, Ramdas Mirase, Rajeshwari Rathod & Ravi Shah. (2023). Systematic Approaches on Extractable and Leachable Study Designs in Pharmaceuticals and Medical Devices: A Review, Journal of Packaging Technology and Research. 7, pages 127–145. doi.org/10.1007/s41783-023-00157-8

80. Nachiket Kathar, Niraj Rajput, Tarang Jadav, Pinaki Sengupta. (2023). Potential degradation products of abemaciclib: Identification and structural characterization employing LC-Q/TOF-MS and NMR including mechanistic explanation, Journal of Pharmaceutical and Biomedical Analysis. 237, page 1-11. https://doi.org/10.1016/j.jpba.2023.115762

81. Sneha Kaareddy, Pooja Dhakne, Megha Pillai, Niraj Rajput, Tarang Jadav, Rakesh K. Tekade & Pinaki Sengupta. (2023). Dried Blood Spot Sampling in Protein and Peptide Bioanalysis: Optimism, Experience, and the Path Forward, International Journal of Peptide Research and Therapeutics. 29, article number 97, doi.org/10.1007/s10989-023-10570-x

82. Karuna Chandnani, Niraj Rajput, Tarang Jadav, Megha Pillai, Pooja Dhakne, Rakesh K. Tekade, Pinaki Sengupta. (2023). Technological advancement and current standing of microfluidic chip based devices for targeted analysis of biomarkers, Microchemical Journal. 195, 109532. doi.org/10.1016/j.microc.2023.109532

83. Lahanya Guha, Tejas Girish Agnihotri, Aakanchha Jain, Hemant Kumar. (2023). Gut microbiota and traumatic central nervous system injuries: Insights into pathophysiology and therapeutic approaches, Life Sciences. 334, page 1-12. doi.org/10.1016/j.lfs.2023.122193

84. Pawan Kumar, Prakash Kumar, Ashish Shrivastava, Mukhtar Ahmad Dar, Kiran Bharat Lokhande, Nidhi Singh, Ashutosh Singh, Ravichandiran Velayutham, Debabrata Mandal. (2023). Immunoinformatics-based multi-epitope containing fused polypeptide vaccine design against visceral leishmaniasis with high immunogenicity and TLR binding, International Journal of Biological Macromolecules. 253, Part 8, 127567. doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2023.127567

85. Nadiminti Rajesh Kumar, Sakshi Madhusudhan Mantri, Diksha Nirwan, Rushikesh Toshniwal, Himanshu and Awdesh Kumar Shukla. (2023). A study on the perception of the population towards fitness bands as a self-healthcare management tool, International Journal of Research in Management. 5(2), page132-141. DOI: https://doi.org/10.33545/26648792.2023.v5.i2b.103

86. Shyam Sudhakar Gomte,Tejas Girish Agnihotri, Shivani Khopade & Aakanchha Jain. (2023). Exploring the Potential of pH-Sensitive Polymers in Targeted Drug Delivery, Journal of Biomaterials Science, Polymer Edition, 35(2), Pages 228-268. doi.org/10.1080/09205063.2023.2279792

87. Sonam Mishra, Niraj Rajput, Tarang Jadav, Niraj Kumar Panday, Amit Kumar Sahu, Pinaki Sengupta. (2023). Delineation of prototypical degradation mechanism, characterization of unknown degradation impurities by liquid chromatography–quadrupole-time-of-flight–tandem mass spectrometry and stability-indicating analytical method of selumetinib, Biomedical Chromatography. 38(1), e5761. doi.org/10.1002/bmc.5761

88. Pratiksha Vasant Jadhav, Naga Jothi Prasath, Saurabh Gajbhiye, Utkarsha Rane, Tejas Girish Agnihotri, Shyam Sudhakar Gomte and Aakanchha Jain. (2023). Empowering the Battle: Bioenhancers as Allies against Cancer Drug Resistance, Current Pharmaceutical Biotechnology. DOI: 10.2174/0113892010192038231107051715

89. Gourav Kumar, Dev Mani Pandey, Manik Ghosh, Stefano Dall'Acqua, Rashmi Gupta, Nishi Prakash Tiwari, Usman Mohd Siddique, Leena Vishwakarma, Sunil Kant Guleri, Uma Ranjan Lal and Supriya Dubey. (2023). Karanjin, A Promising Bioactive Compound Possessing Anti-cancer Activity against Experimental Model of Non-small Cell Lung Cancer Cells, Anti-Cancer Agents in Medicinal Chemistry. 24(5), Page 317 - 333. DOI: 10.2174/0118715206255557231024095245

90. Nimeet Desai, Pratik Katare, Vaishali Makwana, Sagar Salave, Lalitkumar K. Vora & Jyotsnendu Giri. (2023). Tumor-derived systems as novel biomedical tools—turning the enemy into an ally. Biomaterials Research, 27, Article number: 113. doi.org/10.1186/s40824-023-00445-z

91. Sagar Salave, Pranav Patel, Nimeet Desai, Dhwani Rana, Derajram Benival, Dignesh Khunt, Kasitpong Thanawuth, Bhupendra G Prajapati & Pornsak Sriamornsak. (2023). Recent advances in dosage form design for the elderly: a review, Expert Opinion on Drug Delivery. 20(11), Pages 1553-1571.

doi.org/10.1080/17425247.2023.2286368

92. Harsh Thakkar, Sayan Chatterjee, Purvi Saxena, Rameswari Eerla, Sachin Wagh, Amit Khairnar, Ravi P Shah. (2023). Cell-Engineered Recombinant α-Synuclein: A Gage R&R Validated Protocol, Journal of Proteome Research. 23(1), page 16–24. https://doi.org/10.1021/acs.jproteome.3c00190
93. Fouad Damiri, Sagar Salave, Jyotsna Vitore, Yahya Bachra, Rutika Jadhav, Nagavendra Kommineni, Fadoua Karouach, Ana Cláudia Paiva-Santos, Rajender S. Varma & Mohammed Berrada. (2023). Properties and valuable applications of superabsorbent polymers: a comprehensive review, Polymer Bulletin. doi.org/10.1007/s00289-023-05068-x
94. Krishna Chandra Panda, B.V.V. Ravi Kumar, Biswa Mohan Sahoo, Balakumar Chandrasekaran and Parijat Swain. (2023). Molecular Docking, Multicomponent One-pot Synthesis of Pyrimidine Derivatives as Anti-mycobacterial Agents, Anti-Infective Agents. 21(04), DOI: 10.2174/2211352521666230330094431
95. Arijit Nandi, Tanzeem Nigar, Anwesha Das, Yadu Nandan Dey. (2023). Network pharmacology analysis of Plumbago zeylanica to identify the therapeutic targets and molecular mechanisms involved in ameliorating haemorrhoids, Journal of Biomolecular Structure and Dynamics. 10, page 1-15. doi.org/10.1080/07391102.2023.2280681
96. Divya Olleru, Rajesh Kumar Nadiminti*, Prathiksha Patil Namdev, Utukure Shrikant, Manish Bhomia. (2023). To study the perception of the Indian population towards health care services in government hospitals of India, Journal of Management Research and Analysis. 10(4), 201-208. https://doi.org/10.18231/j.jmra.2023.036
97. Suchita Dattatray Shinde, Santosh Kumar Behera, Neeraj Kulkarni, Bhaskar Dewangan, Bichismita Sahu. (2023). Bifunctional backbone modified squaramide dipeptides as amyloid beta (Aβ) aggregation inhibitors, Bioorganic & Medicinal Chemistry. 97, page 1-12. doi.org/10.1016/j.bmc.2023.117538
98. Jerry Tsai, Sadakatali Gori, Jesse Alt, Sandhya Tiwari, Jitesh Iyer, Rashmi Talwar, Denish Hinsu, Kailash Ahirwar, Swayam Mohanty, Chintan Khunt, Brijesh Sutariya, Kaushal Jani, Venkatesha Venkatasubbaiah, Ashok Patel, Jasmin Meghapara, Kaushal Joshi, Rajanikanta Sahu, Vijay Rana, Prashant Nigade, Ravi S Talluri, Kadiyala V S N Murty, Kiritkumar Joshi, Vikram Ramanathan, Ang Li, Nasif Islam, Ivan Snajdr, Pavel Majer, Rana Rais, Barbara S Slusher, Luis A Garza. (2023). Topical SCD-153, a 4-methyl itaconate prodrug, for the treatment of alopecia areata, PNAS Nexus. 2(1), page 1-12. doi.org/10.1093/pnasnexus/pgad016
99. Saori Deguchi, Ayusa Iwakami, Mizuki Tujigiwa, Hiroko Otake, Yu Mano, Naoki Yamamoto, Yosuke Nakazawa, Manju Misra & Noriaki Nagai. (2023). Recovery from indomethacin-induced gastrointestinal bleeding by treatment with teprenone, Journal of Pharmaceutical Health Care and Sciences. 9, 44, doi.org/10.1186/s40780-023-00312-y
100. Shyam Sudhakar Gomte, Pratiksha Vasant Jadhav, Naga Jothi Prasath V. R, Tejas Girish Agnihotri and Aakanchha Jain. (2023). From lab to ecosystem: Understanding the ecological footprints of engineered nanoparticles, Journal of Environmental Science and Health, Part c. 42(1), page 33-73. doi.org/10.1080/26896583.2023.2289767
101. Ratik Ramesh Bulbule, Tarang Jadav, Niraj Rajput, Rudradip Das, Deep Rohan Chatterjee, Amit Shard, Pinaki Sengupta. (2023). Comprehensive characterization and preclinical assessment of an imidazopyridine-based anticancer lead molecule, Drug Development Research. 85, e22139. doi.org/10.1002/ddr.22139
102. Deeki Doma Sherpa, Amit Kumar Sahu, Tarang Jadav, Niraj Rajput, Gargi Nikhil Vaidya, Dinesh Kumar,

Pinaki Sengupta. (2023). Ultra-high-performance liquid chromatography–quadrupole time of flight tandem mass spectrometry based in vitro metabolite profiling of DK-GV-04P, a novel anticancer molecule under drug discovery, Biomedical Chromatography. 38(3), e5806. doi.org/10.1002/bmc.5806

103. Thet T. Htar, Rakesh Naidu, Vuanghao Lim, Amit K. Pandey. (2023). Editorial: Recent advances in small molecule-based targeted therapy for breast cancer, Frontiers in Pharmacology. 14, page 1-2. doi: 10.3389/fphar.2023.1343664

104. Dhwani Rana, Jayesh Beladiya, Devang Sheth, Sagar Salave, Amit Sharma, Anil B. Jindal, Rikin Patel, Derajram Benival. (2023). Precise Fabrication of Ocular Inserts Using an Innovative Laser-Driven CaliCut Technology: In Vitro and In Vivo Evaluation, Journal of Pharmaceutical Sciences. 113, Pages 1339-1350. doi.org/10.1016/j.xphs.2023.12.015

105. Pooja Khairnar , Tejaswini Kolipaka, Giriraj Pandey, Vivek Phatale, Saurabh Shah, Dadi A. Srinivasarao, Shailendra Saraf, Saurabh Srivastava. (2023). Nanosponge-mediated oligonucleotide delivery: A cutting-edge technology towards cancer management, Journal of Drug Delivery Science and Technology. 91, page 1-25. doi.org/10.1016/j.jddst.2023.105226

106. Vidya Ghanghav, Ashwini Chawathe, Siddheshwar Kisan Chauthe, Nitish Sharma. (2023). Development of stability-indicating assay method and liquid chromatography-quadrupole-time-of-flight mass spectrometry-based structural characterization of the forced degradation products of alpelisib, Biomedical Chromatography. 38(3), e5813. doi.org/10.1002/bmc.5813

107. Suryanarayana Polaka, Bhakti Pawar, Nupur Vasdev, Rakesh Kumar Tekade. (2023). Development and biological evaluation of smart powder bandage for wound healing and dressing applications, International Journal of Biological Macromolecules. 258, (part-2), 129044. doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2023.129044

108. Santosh Kumar Behera , Christoffer Briggs Lambring , Albina Hashmi, Sriharika Gottipolu, Riyaz Basha. (2023). In Silico Analysis Determining the Binding Interactions of NAD(P)H: Quinone Oxidoreductase 1 and Resveratrol via Docking and Molecular Dynamic Simulations, European Journal of Biology. 82(2), page 280–288. DOI: 10.26650/EurJBiol.2023.1352396

109. Anuradha Gadeval, Neelima Anup & Rakesh Kumar Tekade. (2024). QbD-assisted synthesis and exploration of plasmonic laser activatable nanoGold seeds for photothermal and photodynamic therapy of cancer cells. Journal of Materials Science, 59, pages 1570–1592. doi.org/10.1007/s10853-023-09237-1

110. Itishree Pandaa, Bikash Ranjan Beheraa, Debasmita Jenaa, Santosh Kumar Behera, Sangram Keshari Samal and Sanghamitra Pradhan. (2024). Experimental and in silico insights: interaction of dimethyl sulphoxide with 1-hexyl-2-methyl imidazolium bromide/1-octyl-2-methyl imidazolium bromide at different temperatures. RSC Advances, 14, 2453-2465. DOI: 10.1039/D3RA07417J

111. Thet Thet Htar, Rakesh Naidu, Vuanghao Lim, Amit Kumar Pandey. (2024). Editorial: Recent advances in small molecule-based targeted therapy for breast cancer. Frontiers in Pharmacology, 14, page 1-2. doi.org/10.3389/fphar.2023.1343664

112. Avinash Chakkar, Sachin Chaturvedi, Niraj Rajput, Pinaki Sengupta, Nitish Sharma. (2024). LC/Q-TOF-MS-based structural characterization of enasidenib degradation products and establishment of a stability-indicating assay method: Insights into chemical stability, Rapid Communications in Mass Spectrometry. 38(5), e9696. doi.org/10.1002/rcm.9696

113. Sachin Chaturvedi, Deep Maheshwari, Ashwini Chawathe & Nitish Sharma. (2024). Current analytical approaches for characterizing nanoparticle sizes in pharmaceutical research, Journal of Nanoparticle

Research. Volume 26, article number 19. https://doi.org/10.1007/s11051-023-05924-x

114. Rudradip Das, Deep Rohan Chatterjee, Amit Shard. (2024). Oxidation states in metallocenes: A key mechanistic component in cancer alleviation, Coordination Chemistry Reviews. 504, 215666. doi.org/10.1016/j.ccr.2024.215666

115. Saurabh Shah, Paras Famta, Dadi A. Srinivasarao, Syed Shahrukh, Naitik Jain, Akshay Shinde, Sajja Bhanu Prasad, Ganesh Vambhurkar, Giriraj Pandey, Rajendra Kumar, Shailendra Saraf, Saurabh Srivastava. (2024). Nanomedicine-RNAi interface: Architypes in prostate cancer therapeutics, Journal of Drug Delivery Science and Technology. 92, page 1-20. doi.org/10.1016/j.jddst.2024.105349

116. Dipti B. Upadhyay, Jaydeep A. Mokariya, Paras J. Patel, Subham G. Patel, Anwesha Das, Arijit Nandi, Joaquina Nogales, Nachiket More, Amit Kumar, Dhanji P. Rajani, Mahesh Narayan, Jyotish Kumar, Sourav Banerjee, Suban K. Sahoo, Hitendra M. Patel. (2024). Indole clubbed 2,4-thiazolidinedione linked 1,2,3-triazole as a potent antimalarial and antibacterial agent against drug-resistant strain and molecular modeling studies, Archiv der Pharmazie.357, e2300673. doi.org/10.1002/ardp.202300673

117. Christoffer Briggs Lambring, Hope Fiadjoe, Santosh Kumar Behera, Riyaz Basha. (2024). Docking and molecular dynamic simulations of Mithramycin-A and Tolfenamic acid against Sp1 and surviving, Process Biochemistry. 137, 207-216. doi.org/10.1016/j.procbio.2023.12.014

118. Kavita Gala, Meghna Jain, Prachi Shah, Amit Pandey, Manoj Garg, Ekta Khattar. (2024). Role of p53 transcription factor in determining the efficacy of telomerase inhibitors in cancer treatment, Life Sciences. 339(18), 122416. https://doi.org/10.1016/j.lfs.2024.122416

119. Haritha Sindhe, Akshay Kamble, Malladi Mounika Reddy, Amardeep Singh and Satyasheel Sharma. (2024). Iridium(iii)-catalyzed β-trifluoromethyl enone carbonyl-directed regioselective ortho-C(sp2)–H olefination, Organic & Biomolecular Chemistry. 22, page 1162-1166. doi.org/10.1039/D3OB02024J

120. Dipali Rahane, Tannu Dhingra, Guruswami Chalavady, Aishika Datta, Bijoyani Ghosh, Nikita Rana, Anupom Borah, Shailendra Saraf, Pallab Bhattacharya. (2024). Hypoxia and its effect on the cellular system, Cell Biochemistry & Function. 42(2), e3940. doi.org/10.1002/cbf.3940

121. Gourang Hari Gupta, Shikha Kadakia, Darshan Agiwal, Tanya Keshari, Suveen Kumar. (2024). Borophene Nanomaterial: Synthesis and Applications in Biosensor, Materials Advances. 5, page 1803-1816. DOI: 10.1039/D3MA00829K

122. Tejas Girish Agnihotri, Sagar Salave, Tanuja Shinde, Induri Srikanth, Vijay Gyanani, Jeffrey C. Haley, Aakanchha Jain. (2023). Understanding the role of endothelial cells in brain tumor formation and metastasis: a proposition to be explored for better therapy, Journal of the National Cancer Center. 3(3), 222-235. doi.org/10.1016/j.jncc.2023.08.001

123. Divya Gudavalli, Komal Pandey, E.D.E. Venkata Gopal, Dakshata Sable, Ashwini S. Ghagare, Abhijeet S. Kate. (2023). Phytochemistry and pharmacological activities of five species of Bauhinia genus: A review, Fitoterapia. 174(6), 105830. https://doi.org/10.1016/j.fitote.2024.105830

124. Abhishek Roy, Zarna Pathak, and Hemant Kumar.(2023). Investigating LIM (Lin-11, Isl-1, and Mec-3) Kinases and Their Correlation with Pathological Events and Microtubule Dynamics in an Experimental Model of Spinal Cord Injury in Rats, ACS Pharmacology & Translational Science. 7;7(3), page 667-679. doi.org/10.1021/acsptsci.3c00272

125. Nasir Khan &Pinaki Sengupta. (2024). Technological Advancement and Trend in Selective Bioanalytical Sample Extraction through State of the Art 3-D Printing Techniques Aiming 'Sorbent Customization as per need, Critical Reviews in Analytical Chemistry. 6, page 1-21.

doi.org/10.1080/10408347.2024.2305275

126. Pratik Katare, Tanvi Pawar Medhe, Akanksha Nadkarni, Mrudul Deshpande, Rakesh Kumar Tekade, Derajram Benival, and Aakanchha Jain. (2024). Nasal Drug Delivery System and Devices: An Overview on Health Effects, ACS Chemical Health & Safety. 31(2), page 127–143. doi.org/10.1021/acs.chas.3c00069

127. Saumya Kapoor, Suraj Kutre, Swarali Joshi, Ashutosh Goswami, Amardeep Singh, Parusu Kavya Teja, Kishori Jadhav, Pooja Tarde, Rohini Jadhav, Rohit Raut, Kajal B. Solanki, Akshay Srivastava, Siddheshwar K. Chauthe, Satyasheel Sharma, Abhijeet S. Kate, Amit Shard. (2024). Modulation of tumour pyruvate kinase M2 and suppression of cancer cell proliferation using natural and synthetic antioxidants, Journal of Molecular Structure.1305, 137751, doi.org/10.1016/j.molstruc.2024.137751

128. Vishal Vasant Borale, Niraj Rajput, Tarang Jadav, Pooja Dhakne, Megha Pillai, Nitish Sharma, Pinaki Sengupta. (2024). Development of an effective cleaning technique and ancillary analytical method for estimation of residues of selected kinase inhibitors from stainless steel and glass surfaces by swab sampling, Journal of Pharmaceutical and Biomedical Analysis.242, page 1-10. doi.org/10.1016/j.jpba.2024.116024

129. Gopal Agarwal, Abhishek Roy, Abhishek A. Singh, Hemant Kumar, Amit Mandoli, and Akshay Srivastava. (2024). BM-MSC-Loaded Graphene-Collagen Cryogels Ameliorate Neuroinflammation in a Rat Spinal Cord Injury Model, ACS Applied Bio Materials. 7(3), page 1478–1489. https://doi.org/10.1021/acsabm.3c00876

130. Itishree Panda, Santosh Kumar Behera, Rajashree Sahoo, Sangram Keshari Samal, Sanghamitra Pradhan. (2024). Scrutinizing the antibacterial activity of poly (1-vinyl-3-alkyl imidazolium) ionic liquids: Experimental and computational approach, Journal of Chemical Technology & Biotechnology. 99, page 1124-1136. doi.org/10.1002/jctb.7615

131. Sourabh Jain, Aakanchha Jain, Richa Jain, Nagendra Singh Chauhan. (2024). Potential of natural polymeric materials in pharmaceutics, Pharmacological Research - Natural Products . 2, page 1-16. doi.org/10.1016/j.prenap.2024.100014

132. Vasu Peddinti, Manoj Mohan Avaghade, Sunil Umedmal Suthar, Biswajit Rout, Shyam Sudhakar Gomte, Tejas Girish Agnihotri, Aakanchha Jain .(2024). Gut Instincts: Unveiling the connection between gut microbiota and Alzheimer's disease, Clinical Nutrition ESPEN. 60, 266-280. https://doi.org/10.1016/j.clnesp.2024.02.019

133. Sachin Chaturvedi, Sanket Bawake, Nitish Sharma. (2024). Recent advancements in disulfide bridge characterization: Insights from mass spectrometry, Rapid Communications in Mass Spectrometry. 38(7), e9713, https://doi.org/10.1002/rcm.9713

134. Arvee Prajapati, Dhwani Rana, Shagun Rangra, Anil B. Jindal & Derajram Benival. (2024). Current Status of Therapeutic Peptides for the Management of Diabetes Mellitus, International Journal of Peptide Research and Therapeutics. 30(13), doi.org/10.1007/s10989-024-10590-1

135. Rudradip Das, Priyanka Pulugu, Aditya A. Singh, Deep Rohan Chatterjee, Shraddha Baviskar, Het Vyas, Santosh Kumar Behera, Akshay Srivastava, Hemant Kumar, and Amit Shard (2024). Mechanistic Investigation of Thiazole-Based Pyruvate Kinase M2 Inhibitor Causing Tumor Regression in Triple-Negative Breast Cancer. Journal of Medicinal Chemistry. 5, page 3339–3357. https://doi.org/10.1021/acs.jmedchem.3c01512

136. Sourbh Jain, MoharSingh Prajapati, Aakanchha Jian, Kamal Shah, Nagendra Singh Chauhan. (2024) Phytochemical analysisi and synrgistic memory enhancing effect of Bacopa monnieri with Piper

nigrum, Jornal of Future Foods. 5, (1), 2024, Page 88-93. https://doi.org/10.1016/j.jfutfo.2024.01.008

137. Subham Panigrahy, Anupama Sikder, Etikala Amulya, Saurabh Shah, Pooja Khairnar , Shailendra Saraf, Saurabh Srivastava. (2024). Deciphering the role of nanocarrier-based nucleic acid delivery to the brain for the management of neurodegenerative disorders, Journal of Drug Delivery Science and Technology. 92, page 1-20, doi.org/10.1016/j.jddst.2023.105325

138. Tejaswini Tadge, Ashwini Pattewar, Namdev More, Srivalliputtur Sarath Babu, Ravichandiran Velyutham, Govinda Kapusetti. (2024). The Role of Piezo1 and Piezo2 Proteins in Tissue Engineering: A Comprehensive Review, Engineered Regeneration. 5(2), Pages 170-185. doi.org/10.1016/j.engreg.2024.03.001

139. Moumita Ghosh Chowdhury, Vaishnavi Kalmegh, Saumya Kapoor, Vaishnavi Kamble And Amit Shard. (2024). Imidazopyrimidine: From relatively exotic scaffold to evolving structural motif in drug discovery, RSC Medicinal Chemistry. DOI: 10.1039/D3MD00718A

140. Chetan Ramesh Gawali, Ekta Daweshar, Ashwini Kolhe, Suveen Kumar. (2024). Recent advances in nanostructured conducting polymer electrospun for application in electrochemical biosensors, Microchemical Journal. 200, 110326, doi.org/10.1016/j.microc.2024.110326

141. Saumya Kapoor, Vaishnavi Kalmegh, Hemant Kumar, Amit Mandoli, Amit Shard. (2024). Rare diseases and pyruvate kinase M2: a promising therapeutic connection, Drug Discovery Today, 29(5), 103949, doi.org/10.1016/j.drudis.2024.103949

142. Gourang Hari Gupta, Keerthana Mohan, Sumanta Ghosh, Srivalliputtur Sarath Babu , Ravichandiran Velyutham, Govinda Kapusetti. (2024). Label-Free detection of Poly-Cystic Ovarian Syndrome using a highly conductive 2-D rGO/MoS2/PANI nanocomposite based immunosensor, Bioelectrochemistry. 14(158), 108681. https://doi.org/10.1016/j.bioelechem.2024.108681

143. Devendra Badgujar, Sree Teja Paritala, Shubham Matre, Nitish Sharma. (2024). Enantiomeric purity of synthetic therapeutic peptides: A review, Chirality. 36(3), page 1-21. https://doi.org/10.1002/chir.23652

144. Drashti Bhavsar,Suraj Kutre,Priti Shikhare,Sunil Kumar,Santosh Kumar Behera &Siddheshwar Kisan Chauthe. (2024). Pharmacoinformatics approach for type 2 diabetes mellitus therapeutics using phytocompounds from Costus genus: an in-silico investigation, Journal of Biomolecular Structure and Dynamics. 21, page 1-17. doi.org/10.1080/07391102.2024.2330712

145. Shyam Kumar Lokhande, Gargi Nikhil Vaidya, Ashwini Venkatesh, Vaidehi Deepakkumar Patel, Pooja Joshi, Deep Rohan Chatterjee, Dinesh Kumar. (2024). Ionic-molecular organocatalysis enabling allylic amination reactions, Cell Reports Physical Science. 5(3), page 1-18. doi.org/10.1016/j.xcrp.2024.101868

146. Dhwani Rana, Sagar Salave, Derajram Benival, Lalitkumar K. Vora, Dignesh Khunt. (2024). Peptide-based targeting: Novel concept for thrombosis diagnosis and treatment, Journal of Drug Delivery Science and Technology. 95, page 1-15. https://doi.org/10.1016/j.jddst.2024.105612

147. Moumita Ghosh Chowdhury, Vaishnavi Kalmegh, Saumya Kapoor, Vaishnavi Kamblea and Amit Shard. (2024). Imidazopyrimidine: from a relatively exotic scaffold to an evolving structural motif in drug discovery, RSC Medicinal Chemistry. http://doi.org/10.1039/D3MD00718A

पुस्तक अध्याय

148. Sagar Salave, Dhwani Rana, Arti Bodar, Dignesh Khunt, Bhupendra Prajapati & Jayvadan Patel. “Viral Infections: Current Treatment Options” in Viral Drug Delivery Systems : Advances in Treatment of Infectious Diseases, Shegokar, R., Pathak, Y. (Ed.), Springer, Cham. 2023, pp. 65–89.

doi.org/10.1007/978-3-031-20537-8_4

149. Chandana Kambalapally, Pramod Kumar Suthar, Priti Patale, Smreeti Dhiman, Vishal Gupta, Vrushali Thongire, Deepaneeta Sarmah, Aishika Datta, Kiran Kalia, and Pallab Bhattacharya. “Trigonelline and its uses in stroke” in Nutrition and Neurological Disorders, Colin Martin, Vinood B Patel, Victor Preedy (Ed.), Academic Press, Elsevier, 2023, pp. 979-992. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-90052-2.00028-7

150. Chaitrali Shevkar, Abhijeet S. Kate.(2023). "Natural Immunomodulators in Cancer Therapy" in Natural Immunomodulators: Promising Therapy for Disease Management, Vandana S. Nikam et.al (Ed.), bentham, 2023, pp. 216-242. Doi: 10.2174/9789815123258123010010

151. Rikin Patel, Siddharth Salve, Dhwani Rana, Amit Sharma, K. Bharathi, Sagar Salave & Derajram Benival. “Rapid Mixer Granulator” in Pharmaceutical Process Engineering and Scale-up Principles : AAPS Introductions in the Pharmaceutical Sciences (AAPSINSTR, volume 13), Anil B. Jindal (Ed.), Springer Nature, Cham. 2023, 41–54pp. doi.org/10.1007/978-3-031-31380-6_3

152. Dhwani Rana, Rikin Patel, Amit Sharma, Sagar Salave & Derajram Benival. “Mixing and Filtration” ” in Pharmaceutical Process Engineering and Scale-up Principles : AAPS Introductions in the Pharmaceutical Sciences (AAPSINSTR, volume 13), Anil B. Jindal (Ed.), Springer Nature, Cham. 2023, 113-130pp. doi.org/10.1007/978-3-031-31380-6_9

153. Dhwani Rana, Raghav Gupta, K. Bharathi, Rupali Pardhe, Nishant Kumar Jain, Sagar Salave, Rajendra Prasad, Derajram Benival, Nagavendra Kommineni. “Chapter 8 Porous Silica Nanoparticles for Targeted Bio-Imaging and Drug Delivery Applications” in Nanomaterials in Healthcare, Rohit Srivastava, Sujit Kumar Debnath, Rajendra Prasad (Ed.), CRC Press, Boca Raton, 2023, 1-21 pp.

154. Nagavendra Kommineni, Raju Saka, Vaskuri G. S. Sainaga Jyothi, Arun Butreddy, Jyotsna G. Vitore, Wahid Khan. “Chapter 1 Historical Developments of Various Adhesives for Biomedical Applications” in Adhesives in Biomedical Applications, K.L. Mittal, S. Neogi (Ed.), Wiley, Scrivener Publishing LLC, 2023, 1-23pp. doi.org/10.1002/9781394209897.ch1

155. Shivani Khopade, Shyam Sudhakar Gomte, Chetan Janrao,Akshay Bavaskar, Tejas Girish Agnihotri, Aakanchha Jain, Renuka Khatik. “Chapter 4 Peptide and protein delivery through cellulose, hyaluronic acid and Heparin” in Peptide and Protein Drug Delivery Using Polysaccharides, Aakanchha Jain, Sonia Malik (Ed.) Elsevier, Academic Press, 2023, 75-113 pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-18925-8.00003-9

156. Tejas Girish Agnihotri, Richa Jain, Naga Jothi Prasath V.R., Pratiksha Vasant Jadhav, Shyam Sudhakar Gomte, Aakanchha Jain. “Chapter 7 - Protein and peptide delivery through chitin, chitosan, and starch” in Peptide and Protein Drug Delivery Using Polysaccharides, Aakanchha Jain, Sonia Malik (Ed.) Elsevier, Academic Press, 2023,169-195 pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-18925-8.00006-4

157. Shyam Sudhakar Gomte, Tejas Girish Agnihotri, Shivani Khopade, Pratiksha Vasant Jadhav, Roshan Goswami, Vijay Gyanani, Aakanchha Jain. “Chapter 8 - Protein and peptide delivery through glycogen and dextran” in Peptide and Protein Drug Delivery Using Polysaccharides, Aakanchha Jain, Sonia Malik (Ed.) Elsevier, Academic Press, 2023,169-195 pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-18925-8.00006-4

158. Dhwani Rana, Sagar Salave, Garima Rawat & Derajram Benival.(2023) “Nanomedicines for the Treatment of Systemic Candidiasis” in Nanomedicines for the Prevention and Treatment of Infectious Diseases :AAPS Advances in the Pharmaceutical Sciences Series, Patravale, V.B., Date, A.A., Jindal, A.B. (eds), vol 56, Pages 95-124. Springer, Cham. https://doi.org/10.1007/978-3-031-39020-3_4

159. Bharathi Karunakaran, Jyotsna Vitore, Amit Sharma, Dhwani Rana & Derajram Benival. (2023) “Nanocarriers for Delivery of Peptide Antibiotics” in Nanomedicines for the Prevention and Treatment

of Infectious Diseases :AAPS Advances in the Pharmaceutical Sciences Series, Patravale, V.B., Date, A.A., Jindal, A.B. (eds), vol 56, Pages 1-34. Springer, Cham. doi.org/10.1007/978-3-031-39020-3_1

160. Tejas Girish Agnihotri, Pankaj kumar Paradia and Aakanchha Jain. "Chapter 14. Biopharmaceutical classification system (BCS): A strategic tool in pharmaceutical formulation, in book "Dosage Forms, Formulation Developments and Regulations" in Dosage Forms, Formulation Developments and Regulations : Recent and Future Trends in Pharmaceutics, Volume 1, Amit Kumar Nayak, Kalyan Kumar Sen (eds), Elsevier, Academic Press. ISBN: 9780323918176. Pages 443-469. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-91817-6.00016-4

161. Anwesha Das, Arijit Nandi, Vijeta Kumari and Mallika Alvala. "FBDD & De Novo Drug Design" in Applied Computer-Aided Drug Design: Models and Methods, igor jose dos Santos nascimento (Ed.), Bentham Science, 2023, 159-201pp. DOI: 10.2174/9789815179934123010008

162. Tejas Girish Agnihotri , Pankaj Kumar Paradia , Aakanchha Jain. "Chapter 14 - Biopharmaceutical Classification System: a strategic tool in pharmaceutical formulation" in Dosage Forms, Formulation Developments and Regulations : Recent and Future Trends in Pharmaceutics, Volume 1, Amit Kumar Nayak and Kalyan Kumar Sen (Ed.), Elsevier, Academic Press, 2024, 443-469 pp. https://doi.org/10.1016/B978-0-323-91817-6.00016-4

163. Pawar, K., Gondalia, S., Shevkar, C., Gopal, E.V., Kate, A.S. (2024). Endolichenic Fungi, an Emerging Source of Bioactive Compounds: A Pharmaceutical Perspective. In: Deshmukh, S.K., Takahashi, J.A., Saxena, S. (eds) Fungi Bioactive Metabolites. Springer, Singapore. page 141–157. https://doi.org/10.1007/978-981-99-5696-8_5

164. Guha, L., Singh, N., Kumar, H. (2023). Challenges in Drug Development for Neurological Disorders. In: Mishra, A., Kulhari, H. (eds) Drug Delivery Strategies in Neurological Disorders: Challenges and Opportunities. Springer, Singapore. page 27–45. https://doi.org/10.1007/978-981-99-6807-7_2

165. Aishika Datta, Deepaneeta Sarmah, Bijoyani Ghosh, Nikita Rana, Anupom Borah & Pallab Bhattacharya. (2024)"High-Resolution Respirometry for Mitochondrial Function in Rodent Brain" in Neuroprotection : Method and Protocols, Part of the Methods in Molecular Biology book series (MIMB,volume 2761), Swapan K. Ray (Ed.), Humana New York, NY, 2024, 49–55pp. doi.org/10.1007/978-1-0716-3662-6_4

166. Bhagawati Saxena, Bhavna Bohra & Krishna A. Lad. "Weight-Drop Method for Inducing Closed Head Diffuse Traumatic Brain Injury" in Neuroprotection : Method and Protocols, Part of the Methods in Molecular Biology book series (MIMB,volume 2761), Swapan K. Ray (Ed.), Humana New York, NY, 2024, 569–588pp. doi.org/10.1007/978-1-0716-3662-6_38

167. Tejas Girish Agnihotri, Shyam Sudhakar Gomte, Vasu Peddinti, Biswajit Rout, Rushikesh Sanjay Shewale, Prashant Janjal & Aakanchha Jain.(2024) "Role of Microbiota-Derived Exosomes in Gut–Brain Communication for the Treatment of Brain Disorders" in Exosomes Based Drug Delivery Strategies for Brain Disorders, Neeraj Mishra, Sumel Ashique, Ashish Garg, Vadivalagan Chithravel, Krishnan Anand (Ed.) Springer, Singapore. 2024, 227-256pp. https://doi.org/10.1007/978-981-99-8373-5_9

168. Gomte, S.S., Rout, B., Agnihotri, T.G., Peddinti, V., Aakanchha Jain. (2024) "Future Perspective and Safety Issues of Synbiotics in Different Diseases" in Synbiotics in Human Health: Biology to Drug Delivery, Dua, K. (Ed.), Springer, Singapore, 2024, Pages 281-307. https://doi.org/10.1007/978-981-99-5575-6_13

169. Anand More , Simranjit Kaur, Sakshi Bhatele, Nupur Vasdev, Tanisha Gupta, Bhakti Pawar, Rakesh Kumar Tekade. "Chapter 1 - Biomarkers: Revolutionizing disease monitoring and therapeutic strategies" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and

Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 1-25pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00002-8

170. Simranjit Kaur, Muktika Tekade, Bhakti Pawar, Nupur Vasdev, Tanisha Gupta, Nagaraja Sreeharsha, Rakesh Kumar Tekade. "Chapter 2 - Connecting biotransformation with toxicity" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 27-55pp. https://doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00021-1
171. Tanisha Gupta, Yogesh Wankhede, Muktika Tekade, Amrita Singh, Nupur Vasdev, Bhakti Pawar, Manoj Kumar, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 3 - Idiosyncratic drug reactions and toxicities" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 57-85pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00008-9
172. Mamata Panchal, Simranjit Kaur, Bhakti Pawar, Tanisha Gupta, Nupur Vasdev, Muktika Tekade, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 4 - Importance of dose selection in toxicity studies" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 87-119pp. https://doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00018-1
173. Anand More, Simranjit Kaur, Muktika Tekade, Vipulata Yeole, Prashant L. Pingale, Dattatraya Shinkar, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 5 - Implication of sex differences in toxicology" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 121-142pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00010-7
174. Suresh Shinde, Simranjit Kaur, Muktika Tekade, Bhakti Pawar, Tanisha Gupta, Nupur Vasdev, Basel Arafat, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 6 - Toxicological risk assessment and risk management" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 143-166pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00022-3
175. Sakshi Bhatele, Mahi Mhatre, Muktika Tekade, Nupur Vasdev, Bhakti Pawar, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 7 - Adverse outcome pathway: A paradigm shift in chemical toxicological analysis" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 167-204pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00015-6
176. Simranjit Kaur, Muktika Tekade, Nupur Vasdev, Bhakti Pawar, Tanisha Gupta, Aprameya Ganesh Prasad, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 8 - Design of toxicokinetic studies" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 205-224pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00006-5
177. Simranjit Kaur, Muktika Tekade, Nupur Vasdev, Bhakti Pawar, Shubham Mule, Girish Meravanige Basavarajappa, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 9 - Use of toxicokinetic data in preclinical safety assessment" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 225-251pp. https://doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00007-7

178. Vinayak Pawar, Yogesh Wankhede, Simranjit Kaur, Bhakti Pawar, Nupur Vasdev, Tanisha Gupta, Pinaki Sengupta, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 10 - Drug-induced cardiotoxicity" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 253-282pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00024-7

179. Mahi Mhatre, Suresh Shinde, Simranjit Kaur, Nupur Vasdev, Muktika Tekade, Bhakti Pawar, Adil Ali Sayyed, Rakesh Kumar Tekade. "Chapter 11 - Drug-induced immunotoxicity" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 283-324pp. https://doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00028-4

180. Bhakti Pawar, Yogesh Wankhede, Gurpreet Banth, Muktika Tekade, Tanisha Gupta, Richa Dayaramani, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 12 - Drug-induced photosensitivity" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 325-351pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00016-8

181. Shweta Ingole, Nupur Vasdev, Muktika Tekade, Tanisha Gupta, Bhakti Pawar, Mahi Mhatre, Aprameya Ganesh Prasad , Rakesh Kumar Tekade "in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 353-379pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00004-1

182. Mamata Panchal, Bhakti Pawar, Muktika Tekade, Nupur Vasdev, Tanisha Gupta, Piyush Gondaliya, Rakesh Kumar Tekade. "Chapter 14 - High content screening in toxicology" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 381-405pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00013-2

183. Kuldeep Rajpoot, Mamata Panchal, Bhakti Pawar, Nupur Vasdev, Tanisha Gupta, Muktika Tekade, Manish Sharma, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 15 - High-throughput screening in toxicity assessment" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 407-449pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00017-X

184. Kuldeep Rajpoot, Muktika Tekade, Bhakti Pawar, Pinaki Sengupta, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 16 - Population pharmacokinetics/toxicokinetics" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 451-471pp, doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00005-3

185. Shivam Otavi, Tanisha Gupta, Muktika Tekade, Amrita Singh, Pinaki Sengupta, Ashish Agrawal, Rakesh Kumar Tekade. "Chapter 17 - Quantitative extrapolation interspecies scaling/low-dose extrapolation"in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 473-491pp, doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00011-9

186. Prashant L. Pingale, Amarjitsing P. Rajput, Yash S. Chavan, Rupali A. Patil, Amrita Singh, Rakesh Kumar Tekade. "Chapter 18 - Toxicity and toxicodynamics of cryoprotectant used in pharmaceutical products"in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade

(Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 493-521pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00020-X

187. Pratik Katare, Suryanarayana Polaka, Lakshmi Vineela Nalla, Vaishali Makwana, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 19 - Insect repellents as an environmental chemical toxicant to human health" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 523-554pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00003-X

188. Tanisha Gupta, Mamata Panchal, Vinayak Pawar, Muktika Tekade, Sanyam Gandhi, Rakesh Kumar Tekade" Chapter 20 - Clinical toxicity of antibody–drug conjugates" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 555-588pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00012-0

189. Anand More, Shweta Ingole, Tanisha Gupta, Nupur Vasdev, Muktika Tekade, Randa SH. Mansour, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 21 - Cumulative toxicity of herbal drugs" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 589-616pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00014-4

190. Mamata Panchal, Shubham Mule, Yogesh Wankhede, Muktika Tekade, Tanisha Gupta , Aprameya Ganesh Prasad, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 22 - Radiotherapy toxicity" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 617-647pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00019-3

191. Simranjit Kaur, Md Abubakar, Bhaskar Jyoti Dutta, Bhakti Pawar, Muktika Tekade, Prashant L. Pingale, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 23 - Toxicities and toxicodynamic of anesthetics" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 649-677pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00009-0

192. Anoothi Bain, Nupur Vasdev, Muktika Tekade, Dinesh Kumar Mishra, Pinaki Sengupta, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 24 - Toxicity of nanomaterials" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 679-706pp. doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00023-5

193. Mahi Mhatre, Simranjit Kaur, Muktika Tekade, Maliheh Safavi, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 25 - Principles of management of acute poisoning" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 707-734pp. https://doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00027-2

194. Suryanarayana Polaka, Sivarupa Raji, Aditya Singh, Pratik Katare, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 26 - Connecting link between pesticides and Parkinson's disease" in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 735-754pp. https://doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00001-6

195. Shubham Mule, Vinayak Pawar, Muktika Tekade, Nupur Vasdev, Tanisha Gupta, Amrita Singh, Satyajit D. Sarker, Rakesh Kumar Tekade "Chapter 27 - Psychopharmacology in late life: Key challenges and

opportunities” in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 755-785pp. https://doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00026-0

196. Kuldeep Rajpoot, Shweta Ingole, Muktika Tekade, Bhakti Pawar, Tanisha Gupta, Pinaki Sengupta, Rakesh Kumar Tekade “Chapter 28 - Ethical, legal, societal, and professional issues in toxicology” in Public Health and Toxicology Issues in Drug Research Volume 2: Toxicity and Toxicodynamics Advances Pharmaceutical Product Development and Research, Rakesh Kumar Tekade (Ed.), Academic Press, Elsevier. 2024, 787-800pp. https://doi.org/10.1016/B978-0-443-15842-1.00025-9

मूल्यांकन (पीयर)-समीक्षा संक्षेप

- Chaithanya Ganji; Bhaskar VK Lakkakula; Santosh Kumar Behera; Bassel F. El-Rayes. (2023). Abstract 2169: NAD(P)H: quinone oxidoreductase 1 (NQO1)- A viable biomarker in colorectal cancer, Cancer Research. 83 (7_Supplement): 2169. doi.org/10.1158/1538-7445.AM2023-2169
- Aishika Datta, Deepaneeta Sarmah, Shubhrakanta Sahu, Bijoyani Ghosh, Nikita Rana, Pallab Bhattacharya. (2023). Post-stroke Depression is Alleviated by Apelin-13 via Regulating BDNF Mediated Phosphorylation of Forkhead box O 3A Protein in Rat Model of Ischemic Stroke (P3-5.004), Neurology. 100(17 Supplement 2) 4120. doi.org/10.1212/WNL.0000000000203757

ई-मुद्रण पुरालेख

- Neetesh Pandey, Madhu Sharma, Arpit Mathur, Chukwuemeka George Anene-Nzel, Muhammad Hakimullah, Indra Prakash Jha, Omkar Chandra, Shreya Mishra, View ORCID ProfileAnkur Sharma, Roger Foo, Amit Mandoli, Ramanuj DasGupta, Vibhor Kumar. (2024). Deciphering the phenotypic heterogeneity and drug response in cancer cells using genome-wide activity and interaction of chromatin domains,Biorxiv.org, 1-49. doi.org/10.1101/2023.01.15.524115

आमंत्रित वार्ताएं / व्याख्यान

- प्रो. शैलेन्द्र सराफ निदेशक, नाईपर अहमदाबाद ने साइंस सिटी, अहमदाबाद में आयोजित छठे भारतीय विज्ञान सम्मेलन में "राष्ट्र निर्माण में औषधीय विज्ञान" पर मुख्य भाषण दिया।
- प्रो. शैलेन्द्र सराफ निदेशक, नाईपर अहमदाबाद, 5वें सीआईआई लाइफ साइंसेज समिट 2023 के पूर्ण सत्र में शामिल हुए। यह सत्र "भारत को एक वैश्विक फार्मा और लाइफ साइंसेज इनोवेशन हब बनाने" पर केंद्रित था, इसमें डॉ. सराफ ने उद्योग को आगे आने की आवश्यकता, अनुसंधान को व्यावसायिक मूल्य में ट्रांसलेशन करने हेतु शिक्षा जगत की पहचान और उसके साथ साझेदारी पर अपने विचार प्रस्तुत किए।
- डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद को दिनांक 3 सितंबर से 15 अक्टूबर, 2023 के दौरान नाईपर अहमदाबाद द्वारा आयोजित ''एनालिटिकल मेथड वैलिडेशन एंड एनालिटिकल मेथड ट्रांसफर'' पर इंडस्ट्री स्किल-सेट ब्रिज कोर्स में रिसोर्स स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद को दिनांक 29 अगस्त, 2023 को ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के लिए ''एलसीएमएस मेथड डेवलपमेंट स्टेप्स, टिप्स एंड ट्रिक्स'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद को "फार्मेसी शिक्षा और अनुसंधान में हालिया विकास और भविष्य के परिप्रेक्ष्य" विषय पर दिनांक 10 से 14 जुलाई, 2023 तक जेआईएस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में एक संसाधन वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान, इन्होंने "औषधीय अनुसंधान में जैवविश्लेषण और डेटा हैंडलिंग: तकनीकी जानें-कैसे" विषय पर व्याख्यान दिया।

- डॉ. पल्लब भट्टाचार्य, संकायाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद ने जेएसएस विश्वविद्यालय, मैसूरु में 'न्यूरोडीजेनेरेशन: बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।
- डॉ. पल्लब भट्टाचार्य, संकायाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद ने स्ट्रोक कॉन्क्लेव 2023 में मुख्य वक्ता के रूप में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।
- डॉ. राकेश कुमार टेकाडे, एसोसिएट प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने फार्मेसी संकाय, मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात, भारत द्वारा, पंजीकृत फार्मासिस्टों हेतु गुजरात राज्य फार्मेसी काउंसिल द्वारा प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान, दिनांक 30 सितंबर और 1 अक्टूबर, 2023 को आयोजित "साइट-विशिष्ट दवा: समय की आवश्यकता" पर एक विशेषज्ञ वार्ता प्रस्तुत किया।
- डॉ. राकेश कुमार टेकाडे, एसोसिएट प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 6 अक्टूबर 2023 को सीआईआई नेशनल मेडिकल टेक्नोलॉजी फोरम (एनएमटीएफ) द्वारा आयोजित सीआईआई ग्लोबल मेडटेक समिट 2023 के 15वें संस्करण में मेडटेक में भविष्य के रुझान और नवाचार - क्लिनिकल देखभाल और रोगी अनुभव को आगे बढ़ाने पर पैनल चर्चा में शामिल हुए और उस परिप्रेक्ष्य में अपने विचार को साझा किया।
- डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा, एसोसिएट प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 6 अक्टूबर 2023 को सीआईआई नेशनल मेडिकल टेक्नोलॉजी फोरम (एनएमटीएफ) द्वारा आयोजित सीआईआई ग्लोबल मेडटेक समिट 2023 के 15वें संस्करण में मेडटेक में भविष्य के रुझान और नवाचार - क्लिनिकल देखभाल और रोगी अनुभव को आगे बढ़ाने पर पैनल चर्चा में शामिल हुए और उस परिप्रेक्ष्य में अपने विचार को साझा किया।
- डॉ. नितिश शर्मा, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 17-18 अक्टूबर 2023 को नाईपर अहमदाबाद में पेप्टाइड संश्लेषण और लक्षण वर्णन पर एक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रस्तुति दी।
- डॉ. नितिश शर्मा, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 24 सितंबर, 2023 और 1 अक्टूबर, 2023 को नाईपर अहमदाबाद में कौशल विकास कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया।
- डॉ. अभिजीत काटे, एसोसिएट प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 23 जून 2022 को एसोसिएशन ऑफ फंगल बायोलॉजिस्ट द्वारा आयोजित विश्व फंगस दिवस पर "फंगी से बायोएक्टिव्स" विषय पर एक ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. सिद्धेश्वर चौथे, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 8 अक्टूबर, 2023 को नाईपर अहमदाबाद में कौशल विकास व्याख्यान के दौरान "भारत और विदेश में हर्बल फार्माकोपियास, डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देश और हर्बल दवाओं के नियामक पहलुओं का अवलोकन" शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. सिद्धेश्वर चौथे, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 24 अक्टूबर, 2023 को ग्लेनमार्क फार्मा दिवस के दौरान उच्च-थ्रूपुट विश्लेषणात्मक तरीकों के विकास से संबंधित केस स्टडीज पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. नितिश शर्मा, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने मुंबई में ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड में "जीसीएमएस की मूल बातें" विषय पर एक ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. बिचिस्मिता साहू, एसोसिएट प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 19 मार्च, 2024 को न्यू ऑरलियन्स, यूएसए में अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) स्प्रिंग 2024 कार्यक्रम में विशेष रूप से वीमेन इन कार्ब सत्र में ऑनलाइन आमंत्रित वार्ता दी।
- डॉ. सुवीन कुमार, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 28 जनवरी 2024 को आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा आयोजित रासायनिक और जैविक विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लिवर कैंसर का पता लगाने के लिए ग्राफडाइन डेरिवेटिव-आधारित बायोसेंसर" विषय पर एक ऑनलाइन आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. सपन बोराह, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 15-19 फरवरी 2024 को एमिटी यूनिवर्सिटी, हरियाणा में आयोजित "सीडीआर1 रिसर्च के 30 वर्ष" पर एक व्याख्यान दिया।
- डॉ. अमित शारद, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 8-10 जनवरी, 2024 तक मारवाड़ी विश्वविद्यालय राजकोट में आयोजित 28वें आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी-2024) में भाषण दिया।
- डॉ. अमित शारद, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 20-22 फरवरी 2024 को केनिलवर्थ रिसॉर्ट गोवा में रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी-इंदौर द्वारा इंडो-जर्मन पार्टनरशिप के अंतर्गत आयोजित सस्टेनेबल केमिस्ट्री-द्वितीय सम्मेलन में मौखिक भाषण दिया।
- डॉ. अमित शारद, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 18 से 20 मार्च, 2024 तक जेएनयू, नई दिल्ली, भारत में आयोजित 8वीं विश्व कैंसर कांग्रेस - 2024 में भाषण दिया।

- डॉ. अमित शारद, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबद ने दिनांक 15 मार्च 2024 को स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज (एसओपीएस), संदीप यूनिवर्सिटी नासिक (एसयूएन), महाराष्ट्र (सेंट) में ऑनलाइन भाषण दिया।
- श्री तेजस गिरीश अग्निहोत्री पीएचडी अध्येता, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 08-09 दिसंबर, 2023 को एसवीकेएम के डॉ. भानुबेन नानावती कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई द्वारा आयोजित चौथे छात्र अनुसंधान कांग्रेस में भाग लिया और इस कार्यक्रम में "कोलन कैंसर के प्रभावी प्रबंधन के लिए हर्बल दवा से भरे पॉलिमरिक नैनोकणों का विकास और लक्षण वर्णन" नामक विषय पर अपनी प्रस्तुति (ऑनलाइन) दी।

पोस्टर प्रस्तुतीकरण

1. श्री शेख अय्याज शेख इदरीस, जैव प्रौद्योगिकी विभाग में एमएस फार्म (द्वितीय वर्ष में) अध्ययनरत छात्र ने दिनांक 21 से 24 दिसंबर 2023 तक विज्ञान भारती और गुजरात सरकार द्वारा संयुक्त रूप से अहमदाबाद में आयोजित 6वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन और एक्सपो में पोस्टर श्रेणी में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।
2. श्री नीरज राजपूत, डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता ने दिनांक 21 से 24 दिसंबर 2023 को आयोजित 6वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन में 'उच्च रिज़ॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा जानूस काइनेज़ अवरोधक की मेटाबोलाइट प्रोफाइलिंग, इसके अज्ञात मेटाबोलाइट्स को सूचीबद्ध करने और इसके चरण-दर-चरण मेटाबॉलिज्म प्रतिक्रिया तंत्र की रिपोर्ट' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया।
3. श्री नीरज राजपूत, श्री तरंग जाधव, डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता ने दिनांक 14-16 सितम्बर, 2023 को हैदराबाद, भारत में आयोजित नाईपर-फार्माक़ोन में 'एएलके अवरोधक ईजीएफआर अवरोधकों के मेटाबॉलिज्म को प्रेरित करते हैं: संयोजन चिकित्सा हेतु एक रेड फ्लैग' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया।
4. सुश्री मेघा पिल्लई, डॉ. रवि शाह, डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता ने दिनांक 14-16 सितम्बर, 2023 को हैदराबाद, भारत में आयोजित नाईपर-फार्माक़ोन में 'पीएच पर निर्भर घुलनशीलता वाले बीसीएस वर्ग 2 यौगिक के निर्माण विकास के दौरान जैव-प्रासंगिक स्थिति की नकल करने के लिए एक नोवल मल्टीस्टेज विघटन रणनीति' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया।
5. श्री तरंग जाधव, डॉ. हेमंत कुमार, डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता ने दिनांक 10-12 अगस्त, 2023 को चंडीगढ़, भारत में आयोजित नाईपर विद्यार्थी अनुसंधान संगोष्ठी (एनएसआरएस) में 'इंटीग्रेज़ अवरोधक इफ्लक्स ट्रांसपोर्टरों की अभिव्यक्ति को प्रेरित करता है: संयोजन चिकित्सा हेतु रेड फ्लैग' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया।
6. श्री आकाश यादव, पीएचडी छात्र, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "इंटरवर्टेब्रल डिस्क की मरम्मत के लिए संरेखित कोलेजन टाइप-1 हाइड्रोजेल पैच का विकास और मूल्यांकन" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।
7. सुश्री मोनालिसा जेना, पीएचडी छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "शुष्क नेत्र रोग और नेत्र संबंधी दवा वितरण के प्रबंधन के लिए डिग्रेडेबल पंक्टल प्लग" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया। इनके पोस्टर को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति-ईटीआईडी 2024 के रूप में सम्मानित किया गया।
8. श्री चेतन गावळी, पीएचडी छात्र, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "यकृत कैंसर का पता लगाने के लिए नैनोमटेरियल संशोधित कंडक्टिंग पेपर-आधारित बायोसेंसर" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।
9. श्री पंकज, पीएचडी छात्र, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "ओरल कैंसर का पता लगाने के लिए थ्रेड आधारित बायोसेंसर" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।
10. श्री गौरांग हरि गुप्ता, पीएचडी छात्र, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "तनाव की निगरानी के लिए 2-डी बोरोफीन आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर का विकास" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।
11. श्री तेजस बेदमुथा, पीएचडी छात्र, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "विथाफेरिन ए और कोल्ड प्लाज्मा डिवाइस उपचार का संयुक्त प्रभाव: स्तन कैंसर के उपचार के लिए एक आशाजनक दृष्टिकोण" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

12. सुश्री रुतुजा सातवसे, पीएचडी छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "बायोमटेरियल-आधारित 3डिन विट्रो ऑर्गेनोटाइपिक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी मॉडल" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

13. सुश्री मेधा भट्टाचार्य, पीएचडी छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "इंजेक्टेबल हयालूरोनिक एसिड-हाइड्रोजेल स्तन कैंसर की प्रगति और पुनरावृत्ति को नियंत्रित करता है " शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

14. सुश्री हर्षाली बागुल, पीएचडी छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "मेरुदंड धाव में त्वरित और उन्नत ऊतक पुनर्जनन के लिए हाइड्रोजेल" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

15. श्री दर्शन उदय आगीवाल, एम.एस. (फार्म.) छात्र, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "ओरल कैंसर के गैर-आक्रामक निदान के लिए नैनोमटेरियल संशोधित थ्रेड आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

16. श्री पुरूषोत्तम भोये, एम.एस. (फार्म.) छात्र, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "नैदानिक अनुप्रयोग के लिए हयालूरोनिक एसिड लेपित वाणिज्यिक रेशम सिवनी का संशोधन और लक्षण वर्णन" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

17. श्री सुनील साईनाथ गोडवे, एम.एस. (फार्म.) छात्र, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "इंटरवर्टेब्रल डिस्क संरचना की नकल करते हुए द्विध्रुवीय स्कैफॉल्ड को डिजाइन करना" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

18. सुश्री एकता दावेशर, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "कार्यात्मक नैनोमटेरियल-लीवर कैंसर का पता लगाने के लिए संशोधित कंडक्टिंग पेपर" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

19. सुश्री परिनामा चेलीमाला, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "न्यूराइट वृद्धि के लिए संरेखित छिद्रपूर्ण हाइड्रोजेल का विकास" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

20. सुश्री हर्षदा जैन, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "न्यूक्लियस पल्पोसस मरम्मत और पुनर्जनन के लिए बायोएक्टिव हाइड्रोजेल" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

21. सुश्री शालिनी जट्टी, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "3डी प्रिंटेड इंटरवर्टेब्रल डिस्क (आईवीडी) विकसित करने के लिए उपयुक्त बायोइंक का विकास" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

22. सुश्री शिखा कडाकिया, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "कोलेस्ट्रॉल का पता लगाने के लिए नैनोमटेरियल आधारित स्क्रीन प्रिंटेड इलेक्ट्रोड का विकास" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

23. सुश्री अश्विनी कोल्हे, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "लिवर कैंसर के शुरुआती निदान के लिए कंडक्टिंग पेपर का निर्माण" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

24. सुश्री राजवी मेवाड़ा, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "हृदय रोग निदान के लिए नैनोमटेरियल आधारित इलेक्ट्रोकेनेटिक इंटीग्रेटेड बायोसेंसिंग प्लेटफॉर्म" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

25. सुश्री नैन्सी कपाड़िया, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "मेरुदंड के पुनर्जनन के लिए

इलेक्ट्रोएक्टिव इम्प्लांटेबल सामग्री का विकास और मूल्यांकन" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

26. सुश्री प्रज्ञान बेहरा, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "स्वीट आयन विश्लेषण हेतु हाइड्रोजन द्वारा प्रतिस्थापित ग्राफडाइन संशोधित कंडक्टिंग थ्रेड आधारित बायोसेंसर" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

27. सुश्री/श्री प्रज्ञान बेहरा, एम.एस. (फार्म.) छात्रा/छात्र, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "कोलन कैंसर के लिए 3डी स्कैफोल्ड आधारित इन विट्रो बायोरिएक्टर मॉडल का डिजाइन और सत्यापन" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

28. सुश्री प्रणाली येओले, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "मेरुदंड घाव की पूर्वावस्था प्राप्ति के लिए हयालूरोनिक एसिड-आधारित इंजेक्टेबल हाइड्रोजेल" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

29. सुश्री तान्या केशरी, एम.एस. (फार्म.) छात्रा, चिकित्सा उपकरण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 01-02 फरवरी, 2024 को नाईपर अहमदाबाद के परिसर में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान (ईटीआईडी) में, "बिलीरुबिन का पता लगाने के लिए नैनोस्ट्रक्चर्ड ज़िरकोनिया ने बोरोफिन आधारित इलेक्ट्रोकेमिकल माइक्रोफ्लुइडिक डिवाइस को सजाया" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

30. श्री देवेन्द्र बड़गुजर, पीएचडी छात्र, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 23 दिसम्बर, 2023 को एसएएल एजुकेशन कैंपस, साइंस सिटी के सामने, अहमदाबाद में आयोजित 06 विज्ञान सम्मेलन 2023 में "एलसी-ऑर्बिटट्रैप का उपयोग करके लिराग्लूटाइड अशुद्धता लक्षण वर्णन" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया।

31. सुश्री मेघा एस. पिल्लई, श्री गिरिश पाटिल, श्री अखिल पेर्ला, डॉ. देराजराम बेनिवाल, डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता, डॉ. रवि शाह ने दिनांक 26-27 जून, 2023 को 12वीं वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, डीआई एसएसओ भारत-मुंबई 2023 में 'वोरिनोस्टैट 5O5[बी2] फॉर्मूलेशन के लिए भेदभावपूर्ण विघटन विधि के विकास के लिए एक क्यूबीडी दृष्टिकोण' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया।

32. सुश्री भारती के. ने डीआईएसओ रिसर्च प्रेजेंटेशन इंडिया (डीआरपीआई) 2023 (एम.फार्म/फार्म डी. श्रेणी), सोसाइटी फॉर फार्मास्युटिकल डिसॉल्यूशन साइंस (एसपीडीएस) का वार्षिक प्रमुख सम्मेलन में 'शुष्क नेत्र रोग के लिए हॉट मेल्ट एक्सट्रूडेड साइक्लोस्पोरिन ऑक्यूलर इंसर्ट का फॉर्मूलेशन विकास और इन-विट्रो लक्षण वर्णन' विषय पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण दिया और तीसरा पुरस्कार जीता।

33. श्री रामेश्वर खिल्लारे ने डीआईएसओ रिसर्च प्रेजेंटेशन इंडिया (डीआरपीआई) 2023 (एम.फार्म/फार्म डी. श्रेणी), सोसाइटी फॉर फार्मास्युटिकल डिसॉल्यूशन साइंस (एसपीडीएस) का वार्षिक प्रमुख सम्मेलन में 'मौखिक जैवउपलब्धता को बढ़ाने के लिए हॉट मेल्ट एक्सट्रूज़न (एचएमई) तकनीक का उपयोग करके ठोस फैलाव तैयार करने के लिए एंटरिक पॉलिमर की जांच: एक मॉडल दवा के रूप में फेनोफाइब्रेट का उपयोग करके एक केस अध्ययन' विषय पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण दिया।

34. सुश्री ज्योत्सना विटोरे ने डीआईएसओ रिसर्च प्रेजेंटेशन इंडिया (डीआरपीआई) 2023 (पीएच.डी./पोस्ट डॉक्/उद्योग श्रेणी), सोसाइटी फॉर फार्मास्युटिकल डिसॉल्यूशन साइंस (एसपीडीएस) का वार्षिक प्रमुख सम्मेलन डिसो रिसर्च प्रेजेंटेशन इंडिया (डीआरपीआई) 2023 में 'रुमेटीइड गठिया के उपचार के लिए मेथोट्रेक्सेट लोडेड लंबे समय तक काम करने वाले इन-सीटू जेल फॉर्मूलेशन का विकास' विषय पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण दिया।

35. सुश्री परुसु काव्या तेजा, डॉ. सिद्धेश्वर चौथे ने दिनांक 10-12 अगस्त, 2023 को मोहाली, भारत में आयोजित नाईपर विद्यार्थी अनुसंधान संगोष्ठी (एनएसआरएस) में 'अघोषित एल्कलॉइड के अलगाव के लिए ग्लाइकोस्मिस पेंटाफिला की जांच, और उनकी साइटोटॉक्सिक गतिविधि के लिए प्रमुख रूप से पृथक पायरानोएक्रिडोन एल्कलॉइड का अर्ध-सिंथेटिक संशोधन' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया।

36. डॉ. नितिश शर्मा और उनके टीम ने नाईपर-फार्माक्रोन 2023 में 'ऑर्बिट्रप मास स्पेक्ट्रोमेट्री से जुड़े तरल क्रोमैटोग्राफी का उपयोग करके ग्लूकागन-जैसे पेप्टाइड -1 सिंथेटिक एनालॉग एक्सेनाटाइड के ऑक्सीडेटिव डिग्रेडेंट उत्पाद का संरचनात्मक लक्षण वर्णन' विषय पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण दिया। (आईडी-पीपी-291)

37. श्री श्याम सुधाकर गोमटे ने दिनांक 14-16 सितंबर, 2023 तक कान्हा शांति वनम, हैदराबाद में ड्रग्स, डिवाइसेस और डायग्नोस्टिक्स में नए क्षितिज पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नाईपर-फार्माक्रोन 2023 में उपस्थित होकर 'एमोक्सिसिलिन ट्राइहाइड्रेट-लोडेड लियोट्रोपिक लिक्विड क्रिस्टलीय नैनोकण: त्वचा संक्रमण के लिए एक प्रभावी रणनीति' विषय पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण दिया।

38. श्री तेजस गिरीश अग्निहोत्री ने दिनांक 29 फरवरी – 01 मार्च, 2024 को होटल सहारा स्टार, मुंबई में "प्रौद्योगिकी में प्रगति और नई दवा वितरण प्रणालियों की व्यावसायिक क्षमता" पर आयोजित 22वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित हुए और "टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस में एचयूजीएलपी-1 लोडेड फॉर्मूलेशन की चिकित्सीय क्षमता की खोज: तैयारी से लेकर विवो मूल्यांकन तक" विषय पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण दिया।

39. श्री तेजस गिरीश अग्निहोत्री ने दिनांक 23 दिसंबर, 2023 को साइंस सिटी, अहमदाबाद में विज्ञान भारती और गुजरात सरकार द्वारा आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन के राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए और "मधुमेह उपचार के लिए जीएलपी-1 लोडेड लिपोसोम-आधारित थर्मोरेस्पॉन्सिव जेल: अनुकूलन और लक्षण वर्णन अध्ययन" विषय पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण दिया।

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/कार्यशालाएं/सेमिनार/संगोष्ठी में सहभागिता

1. डॉ. सपन बोराह, सहायक प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग. नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 13 और 14 अक्टूबर 2023 को गणपत विश्वविद्यालय, मेहसाणा, गुजरात द्वारा आयोजित "शोध 2023" के "स्वास्थ्य विज्ञान और संबद्ध विज्ञान, फार्मेसी और पोषक तत्व" श्रेणी में "विशेषज्ञ सह निर्णायकगण सदस्य" के रूप में सेवा किया।
2. डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 17-19 अगस्त 2023 को आयोजित इंडिया मेडटेक एक्सपो 2023 में औषध विभाग के संपर्क अधिकारी के रूप में सेवा किया।
3. डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 14-16 सितंबर 2023, हैदराबाद, भारत में आयोजित नाईपर-फार्माकॉन में शामिल हुए।
4. डॉ. अकांक्षा जैन, सहायक प्रोफेसर, फार्मास्यूटिक्स ने दिनांक 15 अगस्त 2023 को आयोजित "एचआईवी चिकित्सा विज्ञान में नवाचार 2023 - एशिया-प्रशांत संस्करण" की वर्चुअल बैठक में शामिल हुई।
5. डॉ. सिद्धेश्वर चौथे, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 17-19 अगस्त 2023 को आयोजित इंडिया मेडटेक एक्सपो 2023 में औषध विभाग के संपर्क अधिकारी के रूप में सेवा किया।
6. डॉ. राजेश नादिमिंटी, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 17-19 अगस्त 2023 को आयोजित इंडिया मेडटेक एक्सपो 2023 में औषध विभाग के संपर्क अधिकारी के रूप में सेवा किया।
7. डॉ. रविन्द्र वी. तावरे, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 17-19 अगस्त 2023 को आयोजित इंडिया मेडटेक एक्सपो 2023 में औषध विभाग के संपर्क अधिकारी के रूप में सेवा किया।
8. डॉ. सपन बोराह, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 17-19 अगस्त 2023 को आयोजित इंडिया मेडटेक एक्सपो 2023 में औषध विभाग के संपर्क अधिकारी के रूप में सेवा किया।
9. डॉ. सुवीन कुमार, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 17-19 अगस्त 2023 को हेलीपैड प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर, गुजरात-382017 (भारत) में आयोजित मेडटेक एक्सपो 2023 में शामिल होकर नाईपर अहमदाबाद के चिकित्सा उपकरण विभाग का प्रतिनिधित्व किया।
10. श्री पंकज (पीएचडी छात्र) ने दिनांक 17-19 अगस्त 2023 को हेलीपैड प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर, गुजरात-382017 (भारत) में आयोजित मेडटेक एक्सपो 2023 में शामिल होकर नाईपर अहमदाबाद के चिकित्सा उपकरण विभाग का प्रतिनिधित्व करने में सहायता किया।
11. श्री गौरांग हरि गुप्ता, पीएचडी अध्येता, नाईपर अहमदाबाद, दिनांक 14 से 16 सितंबर 2023 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फार्माकॉन 2023 में शामिल हुए।
12. श्री गौरांग हरि गुप्ता, पीएचडी अध्येता, नाईपर अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसंबर, 2023 को साइंस सिटी, अहमदाबाद में आयोजित विज्ञान सम्मेलन में सहभागिता किया।
13. देवेन्द्र बड़गुजर, पीएचडी अध्येता, नाईपर अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसंबर, 2023 को साइंस सिटी, अहमदाबाद में आयोजित विज्ञान सम्मेलन में सहभागिता किया।
14. श्री रुशिकेश शेवाले, श्री सुनील सुथार, और श्री प्रशांत जंजल ने दिनांक 9 जून 2023 को नाईपर अहमदाबाद में "भविष्य के फार्मास्यूटिकल्स के चालक" विषय पर आयोजित सेमिनार में शामिल हुए।

15. श्री रुशिकेश शेवाले और श्री सुनील सुथार ने दिनांक 26-27 जून, 2023 को एनएमआईएमएस परिसर, मुंबई में एएपीएस और बीएनसीपी के सहयोग से एसपीडीएस द्वारा आयोजित 12वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन डीआईएसएसओ भारत-मुंबई 2023 में सहभागिता किया।

16. श्री विश्वजीत राऊत ने दिनांक 5 अगस्त, 2023 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला शीर्षक "थेरानोस्टिक नैनोमेडिसिन" में सहभागिता किया।

17. श्री विश्वजीत राऊत ने दिनांक 13 जुलाई 2023 को नाईपर अहमदाबाद में आयोजित "पेटेंट, ड्राफ्टिंग, फाइलिंग और प्रोसेसिंग" कार्यशाला में सहभागिता किया।

18. श्री वासु पेद्दिन्ति ने दिनांक 17-19 अगस्त, 2023 को औषध विभाग, भारत सरकार द्वारा हेलीपैड प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर, गुजरात-382017 (भारत) में आयोजित इंडिया मेडटेक एक्सपो 2023 में डिवाइस, डायग्नोस्टिक्स और डिजिटल का भविष्य शीर्षक पर प्रस्तुति के साथ सहभागिता किया।

19. श्री वासु पेद्दिन्ति ने दिनांक 5 अगस्त, 2023 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला शीर्षक "थेरानोस्टिक नैनोमेडिसिन" में सहभागिता किया।

20. श्री वासु पेद्दिन्ति ने दिनांक 13 जुलाई 2023 को नाईपर अहमदाबाद में आयोजित "पेटेंट, ड्राफ्टिंग, फाइलिंग और प्रोसेसिंग" कार्यशाला में सहभागिता किया।

21. श्री श्याम सुधाकर गोमटे ने दिनांक 17-19 अगस्त, 2023 को औषध विभाग, भारत सरकार द्वारा हेलीपैड प्रदर्शनी केंद्र, गांधीनगर, गुजरात-382017 (भारत) में आयोजित इंडिया मेडटेक एक्सपो 2023 में डिवाइस, डायग्नोस्टिक्स और डिजिटल का भविष्य शीर्षक पर प्रस्तुति के साथ सहभागिता किया।

22. श्री श्याम सुधाकर गोमटे ने दिनांक 5 अगस्त, 2023 को नाईपर अहमदाबाद में आयोजित, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला शीर्षक "थेरानोस्टिक नैनोमेडिसिन" में सहभागिता किया।

23. श्री श्याम सुधाकर गोमटे ने दिनांक 13 जुलाई 2023 को नाईपर अहमदाबाद में आयोजित "पेटेंट, ड्राफ्टिंग, फाइलिंग और प्रोसेसिंग" कार्यशाला में सहभागिता किया।

24. श्री श्याम सुधाकर गोमटे ने दिनांक 9 जून, 2023 को नाईपर अहमदाबाद में "ड्राईवर ऑफ फ्यूचर फार्मास्यूटिकल्स" शीर्षक पर आयोजित सेमीनार में सहभागिता किया।

25. श्री तेजस गिरीश अग्निहोत्री ने दिनांक 5 अगस्त, 2023 को नाईपर अहमदाबाद में आयोजित, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला शीर्षक "थेरानोस्टिक नैनोमेडिसिन" में सहभागिता किया।

26. श्री तेजस गिरीश अग्निहोत्री ने दिनांक 13 जुलाई 2023 को नाईपर अहमदाबाद में आयोजित "पेटेंट, ड्राफ्टिंग, फाइलिंग और प्रोसेसिंग" कार्यशाला में सहभागिता किया।

27. श्री तेजस गिरीश अग्निहोत्री ने दिनांक 9 जून, 2023 को नाईपर अहमदाबाद में "ड्राईवर ऑफ फ्यूचर फार्मास्यूटिकल्स" शीर्षक पर आयोजित सेमीनार में सहभागिता किया।

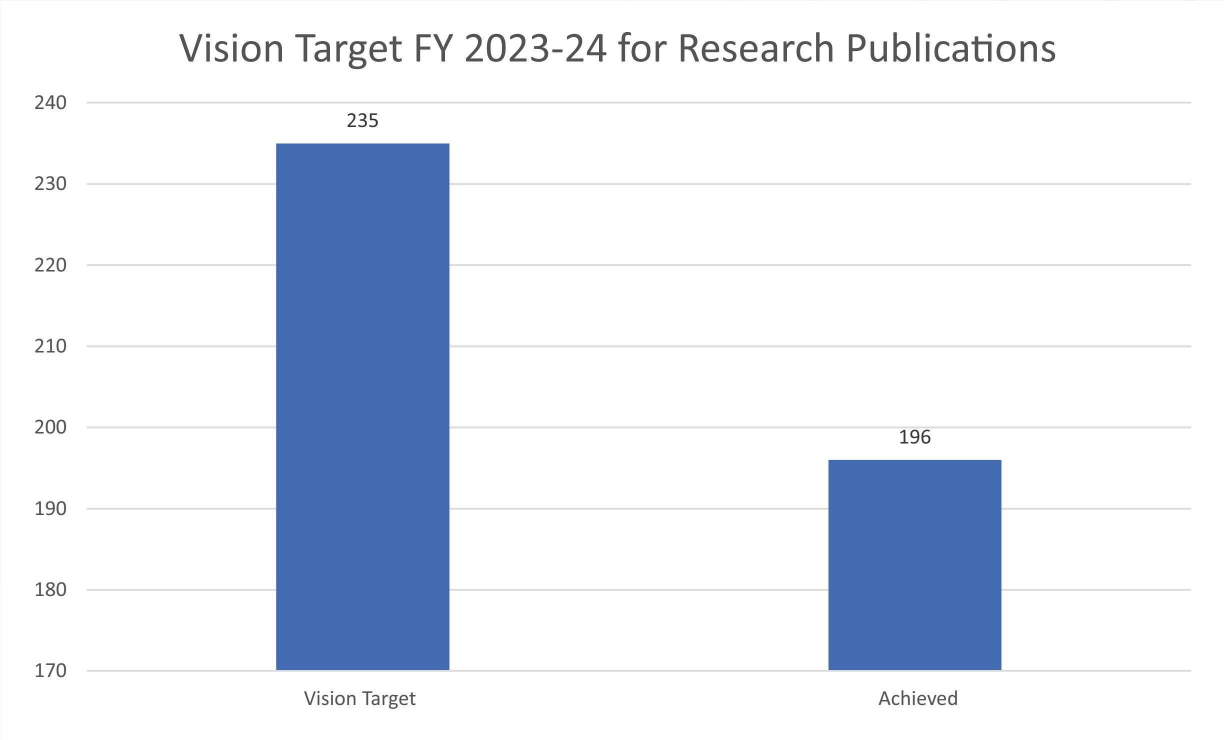

Vision Target FY 2023-24 for Research Publications
240
230
220
210
200
190
180
170
235
196
Vision Target
Achieved

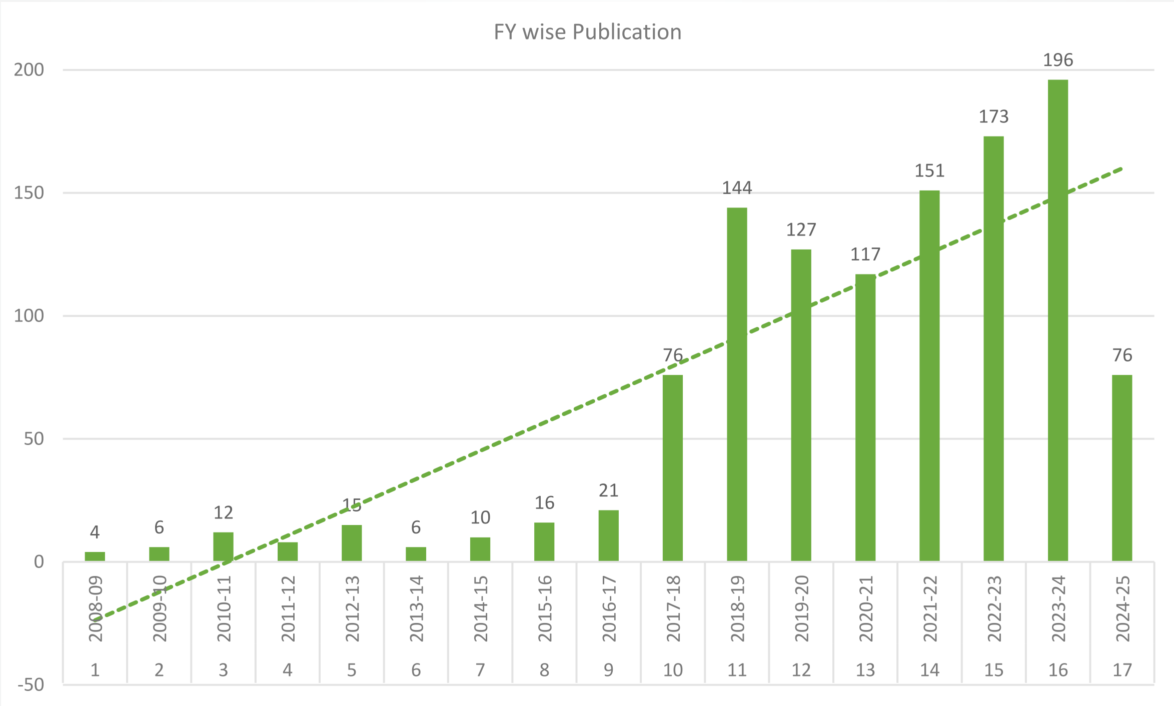

FY wise Publication
200
150
100
50
0
-50
4
6
12
15
6
10
16
21
76
144
127
117
151
173
196
76
2008-09
2009-10
2010-11
2011-12
2012-13
2013-14
2014-15
2015-16
2016-17
2017-18
2018-19
2019-20
2020-21
2021-22
2022-23
2023-24
2024-25
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17

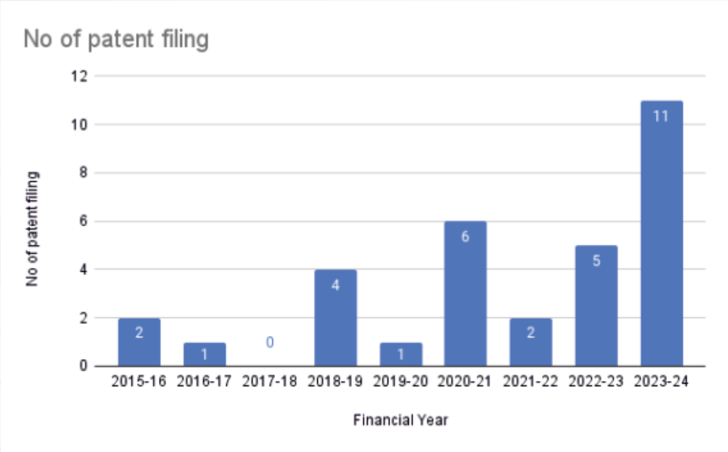

No of patent filing
No of patent filing
12
10
8
6
4
2
0
2
1
0
4
1
6
2
5
11
2015-16
2016-17
2017-18
2018-19
2019-20
2020-21
2021-22
2022-23
2023-24
Financial Year

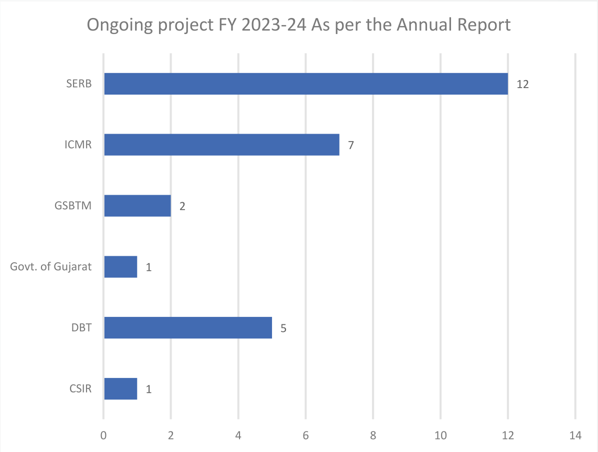

Ongoing project FY 2023-24 As per the Annual Report
SERB
12
ICMR
7
GSBTM
2
Govt. of Gujarat
1
DBT
5
CSIR
1
0
2
4
6
8
10
12
14

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

1. नाईपर अहमदाबाद और भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान गांधीनगर (आईआईपीएचजी), गुजरात के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हमे यह घोषित करते हुए हर्ष हो रहा है कि नाईपर अहमदाबाद और भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान गांधीनगर (आईआईपीएचजी), गुजरात ने लाभदायक, दीर्घकालिक शैक्षणिक संबंध स्थापित करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन, हमें औषधीय विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु ज्ञान, संसाधनों और विशेषज्ञता को साझा करने, शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों की एक श्रृंखला पर सहयोग करने में सक्षम करेगा। इस ज्ञापन पर नाईपर अहमदाबाद पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी की आशा करता है और आश्वस्त करता है कि यह समझौता ज्ञापन संस्थान के अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव हेतु हमारे साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान प्रस्तुत करेगा।

2. नाईपर अहमदाबाद और पीफाइजर लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाईपर अहमदाबाद और पीफाइजर ने हेल्थकेयर स्टार्टअप्स को फंडिंग, समर्थन और इनक्यूबेट करने हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से टीआरएल स्तरों को बढ़ाने के लिए डायग्नोस्टिक्स और गहन तकनीक तथा एआई प्रौद्योगिकियों में स्टार्ट-अप का समर्थन करने की आशा है, साथ ही इससे नाईपर अहमदाबाद को संस्थान के इनक्यूबेशन की क्षमता में विकास करने की सुविधा भी प्राप्त होगी जो संस्थान को उद्योग उन्मुख रूप में स्थापित करेगी। इस समझौता ज्ञापन पर पीफाइजर के कॉरपोरेट अफेयर्स के वरिष्ठ निदेशक श्री शरद गोस्वामी और नाईपर अहमदाबाद के निदेशक प्रोफेसर शैलेन्द्र सराफ ने हस्ताक्षर किए एवं सुश्री स्नेहा सेनापति, प्रमुख-सीएसआर के सहित डॉ. पल्लब भट्टाचार्य (डीन) और डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा (एसोसिएट प्रोफेसर) ने इस समझौता कार्यक्रम भाग लेकर कार्यक्रम के साक्षी बने।

3. नाईपर अहमदाबाद और ज़ाइडस के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

नाईपर अहमदाबाद के निदेशक प्रोफेसर शैलेन्द्र सराफ और ज़ाइडस के अध्यक्ष डॉ. मुकुल जैन ने दिनांक 25-जनवरी 2024 को नाईपर अहमदाबाद में आयोजित समारोह में, भविष्यगत अनुसंधान सहयोग और ट्रांसलेशनल अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

4. नाईपर अहमदाबाद और लीसेस्टर स्कूल ऑफ फार्मेसी, डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी लीसेस्टर (डीएमयू), यूके के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर

नाईपर अहमदाबाद और लीसेस्टर स्कूल ऑफ फार्मेसी, डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी लीसेस्टर (डीएमयू), यूके ने दिनांक 04 सितम्बर 2023 को आपस में संस्थागत सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

सम्मान एवं पुरस्कार/उपलब्धियाँ

संस्थान की उपलब्धियां

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)-2023

हमें यह घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है कि नाईपर अहमदाबाद को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)-2023 में फार्मेसी की श्रेणी में 13वीं रैंक प्रदान किया गया।

चिकित्सा उपकरणों हेतु नाईपर अहमदाबाद को बीएससीआईसी मान्यता प्रमाणपत्र:

हमें यह सूचना साझा करते हुए हर्ष हो रहा है कि नाईपर अहमदाबाद को चिकित्सा उपकरणों हेतु विशिष्ट बीएससीआईसी प्रमाणपत्र सहित मान्यता प्रदान की गई है, जो हमारे विद्यार्थियों और हितधारकों को चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में असाधारण शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है।

नाईपर-अहमदाबाद को गुणवत्ता प्रबंधन हेतु प्राप्त बीएससीआईसी प्रमाणपत्र:

हमें यह घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है कि नाईपर अहमदाबाद को गुणवत्ता प्रबंधन हेतु प्रतिष्ठित बीएससीआईसी प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है, जो हमारे विद्यार्थियों और हितधारकों को उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा और अनुसंधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

संकाय उपलब्धि

- शीर्ष 2% विश्व वैज्ञानिक: - डॉ. राकेश कुमार टेकाडे को हाल ही में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा प्रकाशित सूची द्वारा शीर्ष 2% विश्व वैज्ञानिक के रूप में सूचीबद्ध किया गया।

- संस्थान को यह घोषित करते हुए हर्ष हो रहा है कि डॉ. पल्लब भट्टाचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर और संकायाध्यक्ष, नाईपर अहमदाबाद को वीओएच और इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन (आईएसए) द्वारा समर्थित नेशनल स्ट्रोक कॉन्क्लेव 2023 में गुजरात के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री रुशिकेश पटेल द्वारा "वर्ष का सर्वश्रेष्ठ स्ट्रोक शोधकर्ता" पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता, सहायक प्रोफेसर, नाईपर अहमदाबाद को रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, यूके द्वारा इंटरनेशनल एक्सचेंज 2023 अनुदान से सम्मानित किया गया है।

विद्यार्थियों की उपलब्धियां

1. ध्वनि राणा, पीएचडी छात्रा, नाईपर अहमदाबाद श्री बी.वी. पटेल निबंध प्रतियोगिता-2023 में "ड्रग और औषधीय उद्योगों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन तकनीक और 3-डी प्रिंटिंग जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों की भूमिका और महत्व बढ़ोत्तरी।" विषय पर इनके उल्लेखनीय प्रयासों हेतु इन्हें रजत पदक और ₹21,000 का नकद पुरस्कार सहित द्वितीय रैंक प्रदान किया गया।
2. श्री अमित शर्मा, पीएचडी छात्र, नाईपर अहमदाबाद को बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर, नाईपर अहमदाबाद द्वारा समर्थित इनके अभिनव विचार "घ्रिटोज़ेंज" को जीएसबीटीएम की उद्यमिता क्षमता निर्माण योजना के अंतर्गत ₹3 लाख की धनराशि प्रदान किया गया।
3. सुश्री सोनाली जैन, पीएचडी छात्रा, नाईपर अहमदाबाद को बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर, नाईपर अहमदाबाद द्वारा समर्थित इनके अभिनव विचार "आरएस4डीईसी" को गुजरात स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन हब (आई-हब) के स्टार्टअप सृजन सीड सपोर्ट ग्रांट (एस4) के अंतर्गत ₹5 लाख की धनराशि प्रदान किया गया।
4. सुश्री पारुसु काव्या तेजा, पीएचडी छात्रा, नाईपर अहमदाबाद को नाईपर अधिनियम (रजत जयंती समारोह) के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दिनांक 10-12 अगस्त 2023 को नाईपर एसएएस-नगर, मोहाली में आयोजित नाईपर छात्र अनुसंधान संगोष्ठी (एनएसआरएस)-2023 के पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।
5. पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार:- श्री सायन चटर्जी, पीएचडी छात्र, नाईपर अहमदाबाद को नाईपर अधिनियम (रजत जयंती समारोह) के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दिनांक 10-12 अगस्त 2023 को नाईपर एसएएस-नगर, मोहाली में आयोजित नाईपर छात्र अनुसंधान संगोष्ठी (एनएसआरएस)-2023 के पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।
6. डॉ. हरप्रीत कौर, पीएचडी अध्येता (औषध विज्ञान और विष विज्ञान विभाग), नाईपर अहमदाबाद को एलएसयू हेल्थ श्रेवेपोर्ट, पैथोलॉजी और ट्रांसलेशनल पैथोबायोलॉजी विभाग, यूएसए में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो के रूप में चयनित किया गया।
7. सुश्री भारती के. को सोसाइटी फॉर फार्मास्युटिकल डिसॉल्यूशन साइंस (एसपीडीएस) के वार्षिक प्रमुख सम्मेलन, डीआईएसएएस रिसर्च प्रेजेंटेशन्स इंडिया (डीआरपीआई) 2023 (एम.फार्म/फार्म डी. श्रेणी) में "शुष्क नेत्र रोग के लिए हॉट मेल्ट एक्सट्रूडेड साइक्लोस्पोरिन ऑक्यूलर इंसर्ट का फॉर्मूलेशन विकास और इन-विट्रो लक्षण वर्णन।" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुति हेतु एमएस श्रेणी में तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
8. श्री सागर सालवे, पीएचडी अध्येता (फार्मास्यूटिक्स विभाग), नाईपर अहमदाबाद को प्रतिष्ठित वैक्सीन एनालिटिक्स एंड फॉर्मूलेशन सेंटर, द यूनिवर्सिटी ऑफ केन्सास, यूएसए में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो एलएसयू हेल्थ श्रेवेपोर्ट, पैथोलॉजी और ट्रांसलेशनल पैथोबायोलॉजी विभाग, यूएसए में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो के रूप में चयनित किया गया।
9. संस्थान की मेधावी छात्रा, सुश्री सोनाली जैन को प्रसिद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित इनके असाधारण शोध पत्रों हेतु इन्हें प्रतिष्ठित फीमेल इन मास स्पेक्ट्रोमेट्री एम्पावरमेंट अवार्ड क्यू2 23 में चयनित कर इनके वैश्विक पहचान हेतु इन्हें उत्कृष्ट उपलब्धि प्रदान किया गया।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में सरकारी बाह्य वित्त पोषित अविरत अनुसंधान परियोजनाएं

प्रमुख अन्वेषक (पीआई)	निधीयन एजेंसी	शीर्षक	कुल अनुदान राशि (लाख में)
डॉ. दिनेश कुमार	सीएसआईआर	एंटी-कैंसर एजेंट के रूप में एसपी3 सी-एच बॉन्ड फंक्शनलाइज़ेशन असिस्टेड सिंथेसिस ऑफ़ नॉवेल टाइप I डीएनए टोपोइज़ोमेरेज़ (टॉप 1) इनहिबिटर्स	29.4
डॉ. गोविन्दा कपूसेट्टी	डीबीटी	रतौंधी के उपचार के लिए लाइट एम्प्लीफाइंग कार्बन क्वांटम डॉट एंबेडेड कॉन्टैक्ट लेंस	43
डॉ. अमित शारद	डीबीटी	पाइरूवेट काइनेज़ एम2 इनहिबिटर का उपयोग करके दर्दनाक मार्ग को नेविगेट करना और शांत करना	73
डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	डीबीटी	इंटरवर्टिब्रल डिस्क सुधार और पुनर्जनन के लिए बायोइंजीनियर्ड सेल इंस्ट्रक्शनिव कोलेजन हाइड्रोजेल पैच	103
डॉ अमित खैरनार	डीबीटी	क्या एंटरिक न्यूरोनल सूजन पार्किंसंस रोग रोगजनन का प्रारंभिक बिंदु है?	113.6
डॉ. अमित मन्दोली	एसईआरबी	टी(8;21) एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) के लिए नोवल लक्षित चिकित्सा विज्ञान का विकास करना	28.92
डॉ. बिचिस्मिता साहू	एसईआरबी	नोवल पेप्टाइड-हायलूरोनेट्स; सिर और गर्दन के कैंसर से प्रेरित मौखिक म्यूकोटिस के उपचार के लिए हाइड्रोजेल के रूप में संश्लेषण और मूल्यांकन	21.32
डॉ. दिनेश कुमार	एसईआरबी	सिंगल-कंपोनेंट सीरियल पैलेडियम कटैलिसीस के अंतर्गत विनील और एलिलिक सी-एच बॉन्ड एक्टिवेशन का विलय करना: टोपोइज़ोमेरेज़ I (टॉप I) का विकास - हिस्टोन डीएसेटाइलेज़ (एचडीएसी) डुअल इनहिबिटर्स एएसबीआरबी योजना का नाम: स्टार्टअप अनुसंधान अनुदान	24.83
डॉ. गोविन्दा कपूसेट्टी	एसईआरबी	ओस्टियोकॉन्डक्टिव बोन सीमेंट के लिए अगली पीढ़ी पीजोइलेक्ट्रिक रेडियोपैक एजेंट	26
डॉ. हेमंत कुमार	एसईआरबी	रीढ़ की हड्डी के घाव से प्रेरित टीआरपीवी4 अभिव्यक्ति को विशेष समर्थक-समाधान मध्यस्थ मारसिन -1 के साथ लक्षित करना	26.2
डॉ. सत्यशील शर्मा	एसईआरबी	ट्राइफ्लोरोमेथिलेटेड के निर्माण के लिए निर्देशन समूहों / इलेक्ट्रोफाइल के रूप में बीटा-सीएफ 3-एनोन की दोहरी भूमिका की खोज कैंसर विरोधी एजेंटों के रूप में बेंज़ोसायकल	30
डॉ. दिनेश कुमार	डीबीटी	एसपी3 सी-एच बॉन्ड फंक्शनलाइजेशन ने टीबी विरोधी दवाओं के रूप में नोवेल हेटेरोसाइक्लिक स्कैफोल्ड्स का संश्लेषण किया	109.1
डॉ. अमित शारद	जीएसबीटीएम	मौखिक कैंसर में स्वीट स्पॉट को लक्षित करना: ट्यूमर पाइरूवेट काइनेस एम2 के इलेक्ट्रोफिलिक संशोधन के लिए नवीन क्विनाज़ोलिनोन का विकास	48
डॉ. अमित मन्दोली	जीएसबीटीएम	लक्षित दवा खोज के लिए ट्रांसक्रिप्शनल लैंडस्केप की विशेषता और गिंगिवो-बक्कल ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में इसकी कार्यात्मक भूमिका	78.5
डॉ. अमित मन्दोली	आईसीएमआर	मौखिक गुहा स्क्वैमस सेल कार्सिनोमिया रोगियों के उपचार की पूर्वानुमान हेतु इन-विट्रो ड्रग स्क्रीनिंग मॉडल के रूप में रोगी-व्युत्पन्न ऑर्गेनोइड का विकास और सत्यापन	42

डॉ. अमित शारद	आईसीएम आर	एक पंथ दो काज: मौखिक कैंसर में हाइब्रिड अणु के माध्यम से ट्यूमर पाइरूवेट काइनेज एम 2 और डाईहाइड्रोफोलेट रिडक्टेस की दोहरी संरोध	42
डॉ. बिचिस्मिता साहू	आईसीएम आर	मेटास्टिक ओरल स्कैमस सेल कार्सिनोमस और ओरल म्यूकोसाइटिस के एक साथ प्रबंधन के लिए नवीन स्कैरामाइड आधारित आईएल-8आर अवरोधकों और जैव-शिक्षाप्रद पेप्टाइड-हाइड्रोजेल की जांच	
डॉ. गोविन्दा कपूसेट्टी	आईसीएम आर	घाव बंद करने के लिए बायोअवशोषक और एंटीबायोटिक सर्जिकल स्टेपल के निर्माण के लिए फाइबर प्रबलित पॉली (आई-लैक्टिक एसिड)	40
डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	आईसीएम आर	मस्तिष्क व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर (बीडीएनएफ) लोडेड डेंड्रिमर स्टैबिलाइज्ड स्मार्ट एल्ब्यूमिन नैरोपार्टिकल (डीएसएसएएन) की इंट्रा-धमनी डिलीवरी इस्केमिक स्ट्रोक का उपचार	49.2
डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	आईसीएम आर	क्रोनिक किडनी रोग के बाद इस्केमिक स्ट्रोक में कम हुई जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को कम करने में इनोसिन की भूमिका की जांच करना	24
डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	आईसीएम आर	चूहे के मॉडल में लेजर-निर्देशित मधुमेह घाव भरने के लिए ग्रीन फोटोथर्मल नैनोमटेरियल्स की जांच करना	30
डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	आईसीएम आर	एंटी-एमआईआरएनए, एक कैंसररोधी दवा और ऑप्टो-लेजर-प्रेरित फोटोथर्मल थेरेपी प्रदान करके ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर की ट्रिपल पंच देखभाल के लिए 3-डी प्रिंटेड इंजेक्टेबल-माइक्रोकैप्सूल	40.92
डॉ. दिनेश कुमार	एसईआरबी	कार्बो (हेटेरो) दोहरे एसपी3 सी-एच और एसपी2 सी-एच बॉन्ड सक्रियण के माध्यम से निर्माण चक्र	31
डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा	एसईआरबी	इलेक्ट्रो-कंडक्टिव और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी मैक्रोपोरस की तीवर्ता से मेरूदण्ड के पुनर्जनन के लिए हाइड्रोजेल कॉन्ड्यूट	62
डॉ. बिचिस्मिता साहू	एसईआरबी	एपिथेलियल सेल आसंजन अणु (ईपीसीएएम) और एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर) ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) के प्रबंधन के लिए एंटीबॉडी के डिकोनवोल्यूशन के माध्यम से पेप्टाइड्स को बांधते हैं।	39.76
डॉ. राकेश कुमार टेकाडे	एसईआरबी	मोटापे की रोकथाम और उपचार के लिए माइक्रोआरएनए लिपोडेन ट्रिपलएक्स का अनुकरण करने वाला व्यायाम	30
डॉ. रविन्द्र तावरे	एसईआरबी	हाइपोक्सिया की भूमिका की जांच स्तन कैंसर मेटास्टेसिस के नियमन में बाह्यकोशिकीय पुटिका (ईवी) प्रोटीन परिवर्तन को प्रेरित करती है	41
डॉ. अकांक्षा जैन	एसईआरबी	अल्फा वी बीटा 3 इंटीग्रिन एस्पायर्ड वेसिकुलर नैनोहाइब्रिड्स आधारित स्थानीय रूप से उन्नत कोलन कैंसर के लिए नियोएडजुवेंट थेरेपी	32
निदेशक	गुजरात सरकार	एसएसआईपी अनुदान 2.0-गुजरात नॉलेज सोसायटी	10

वित्तीय वर्ष 2023-24 में अविरत औद्योगिक अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रमुख अन्वेषक (पीआई)	कंपनी/वादार्थी	वर्ष 2023-24 में प्राप्त धनराशि
डॉ. रवि शाह	यूजिया फार्मा स्पेशलिटीज लिमिटेड	1050000
डॉ. रवि शाह	गैलेक्सी सर्फ़ेक्टेंट्स लिमिटेड	20000
डॉ. पल्लब भट्टाचार्य	नेट्रॉन, यूएसए	712482
डॉ. रवि शाह	नेस्ले	419100
डॉ. रवि शाह	सैंडोज़ प्राइवेट लिमिटेड	270000
डॉ. सिद्धेश्वर चौथे	प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ लिमिटेड	210000
डॉ. रवि शाह	लार्क लेबोरेटरीज इंडिया लिमिटेड	237626
डॉ. रवि शाह	ओत्सुका फार्मास्युटिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	287250
डॉ. रवि शाह	ओत्सुका फार्मास्युटिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	79800
डॉ. सिद्धेश्वर चौथे	प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ लिमिटेड	128796
डॉ. सिद्धेश्वर चौथे	प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ लिमिटेड	143795
डॉ. रवि शाह	स्टैम्पुटिक्स रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड	549075
डॉ. नितीश शर्मा	सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड	400000

अंतर्राष्ट्रीय सहकार्यताएँ

नाईपर-अहमदाबाद, अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग की स्थापना के लिए प्रसन्नता से अपनी पहल की घोषणा करता है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, यूएसए, जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन, बाल्टीमोर, एमडी, यूएसए, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए; वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल, यूएसए; न्यूकैसल विश्वविद्यालय, बायोमेडिकल साइंसेज के स्कूल और फार्मेसी, ऑस्ट्रेलिया; मिसिसिपी स्कूल ऑफ फार्मेसी, यूएसए; वेन स्टेट यूनिवर्सिटी उपयोग-प्रेरित बायोमेट्रिक्स और एकीकृत नैनो डिलीवरी सिस्टम प्रयोगशाला, यूएसए; और आयरलैंड, गॉलवे, आयरलैंड के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय। इस पहल के अंतर्गत इन विदेशी विश्वविद्यालयों / संस्थानों से अनुसंधान संकायों ने भविष्य के अनुसंधान सहयोग और शैक्षणिक संबंध स्थापित करने के लिए नाईपर -अहमदाबाद के संकाय सदस्यों के साथ साझेदारी करने हेतु सहमति व्यक्त की है।

डॉ. पल्लब भट्टाचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर, औषध विज्ञान और विष विज्ञान विभाग का हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, यूएसए और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए के संकायों के साथ शोध सहयोग संबंध स्थापित किया है।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, यूएसए से संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रो.लैरी बेनोविज एफ.एम. किर्बी न्यूरोबायोलॉजी सेंटर, बोस्टन चिल्ड्रन हॉस्पिटल, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, यूएसए	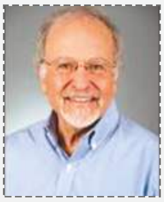	स्ट्रोक जीवविज्ञान

मिलर स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए से संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रो. दिलीप आर. यावगली न्यूरोलॉजी विभाग, मिलर स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए		स्ट्रोक जीवविज्ञान
नोबेल पुरस्कार विजेता एंड्रयू स्कैली, सिल्वेस्टर कैंसर अनुसंधान केंद्र, मिलर स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए	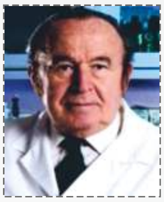	स्ट्रोक जीवविज्ञान

डॉ. राकेश के. टेकाडे, एसोसिएट प्रोफेसर, औषधीय शास्त्र विभाग ने न्यूकैसल विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज एंड फार्मेसी, ऑस्ट्रेलिया से एवं यूनिवर्सिटी ऑफ मिसिसिपी स्कूल ऑफ फार्मेसी, यूएसए; और वेन स्टेट यूनिवर्सिटी यूज़-इंस्पायर्ड बायोमटेरियल्स एंड इंटीग्रेटेड नैनो डिलीवरी सिस्टम्स लेबोरेटरी, यूएसए के निम्नलिखित संकाय सदस्यों के साथ अनुसंधान सहयोग स्थापित किया है।

न्यूकैसल विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज एंड फार्मेसी, ऑस्ट्रेलिया से संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रो. फिलिप एम. हंसब्रो प्रोफेसर, एनएचएमआरसी फेलो और ब्रॉन फेलो बायोमेडिकल साइंसेज और फार्मेसी स्कूल (इम्यूनोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी) स्वास्थ्य और चिकित्सा संकाय न्यूकैसल विश्वविद्यालय, कैलाघन, एनएसडब्ल्यू 2308, ऑस्ट्रेलिया।		इम्यूनोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी, बैक्टीरियल और वायरल संक्रमण और अस्थमा जैसे प्रतिरोधी वायुमार्ग के रोग

डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी, द गेटवे, लीसेस्टर, यूके के संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रो. एंटनी डी'इमैनुएल प्रोफेसर और स्कूल के प्रमुख स्कूल/विभाग: फार्मेसी के लीसेस्टर स्कूल डी मोंटफोर्ट विश्वविद्यालय, गेटवे, लीसेस्टर, एलई1 9बीएचयूके		डेंड्रिमर-आधारित नैनोफॉर्म्यूलेशन दृष्टिकोण, साइट-विशिष्ट पॉलीमेरिक ड्रग डिलीवरी सिस्टम का निर्माण विकास

यूनिवर्सिटी ऑफ मिसिसिपी स्कूल ऑफ फार्मेसी, यूएसए के संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रो. महावीर बी. चौगुले औषधीय शास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर, रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में रिसर्च एसोसिएट प्रोफेसर, भेषज और औषधि वितरण विभाग, फार्मेसी स्कूल, मिसिसिपी विश्वविद्यालय, मिसिसिपि, टीसीआरसी 204 ए, एमएस, यूएसए		ड्रग एंड जीन को-डिलीवरी, मल्टीफंक्शनल नैनोपार्टिकल, कैंसर थेरेपी, इनहेलेशन डिलीवरी

लिवरपूल जॉन मूरेस यूनिवर्सिटी, लिवरपूल, यूके के संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रो. गिलियन हचियोन फार्मेसी और जैव-आणविक विज्ञान विभाग में संकाय लिवरपूल जॉन मूरेस यूनिवर्सिटी, लिवरपूल, यूके रॉडने हाउस, 70 माउंट प्लीसेंटो लिवरपूल एल3 5यूएक्स, यूके		माइक्रो और नैनोपार्टिकल डिलीवरी के लिए पॉलिमर केमिस्ट्री और ड्रग डिलीवरी बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर

वेन स्टेट यूनिवर्सिटी के संकाय, यूज़-इंस्पायर्ड बायोमटेरियल्स एंड इंटीग्रेटेड नैनो डिलीवरी सिस्टम्स लेबोरेटरी, यूएसए	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रो. अभय सिंह चौहान निदेशक, उपयोग से प्रेरित बायोमैटिरियल्स और एकीकृत नैनो वितरण प्रणाली प्रयोगशाला औषधि विज्ञान विभाग वेन स्टेट यूनिवर्सिटी कार्यालय: 259 मैक एवेन्यू, कमरा 3601 यू-बीआईएनडी सिस्टम लैब: कमरा 3330 डेट्रॉइट, एमआई 48201 यूएसए		उपयोग से प्रेरित बायोमैटिरियल्स, पॉलिमरिक ड्रग और जीन डिलीवरी, नैनोमेडिसिन और नैनो टेक्नोलॉजी

डॉ. अक्षय श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, चिकित्सा उपकरण विभाग ने सेंटर फॉर रिसर्च इन मेडिकल डिवाइस नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड, गॉलवे के संकाय के साथ अनुसंधान सहयोग स्थापित किया।

आयरलैंड के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, गॉलवे से संकाय।	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
डॉ. अभय पंडित विज्ञान फाउंडेशन के निदेशक आयरलैंड के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, गॉलवे में चिकित्सा उपकरणों (सीयूआरएएम) में अनुसंधान के लिए आयरलैंड द्वारा वित्त पोषित केंद्र		चिकित्सा उपकरण

डॉ. अभिजीत एस. काटे, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राकृतिक उत्पाद विभाग ने केलानिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका और अटलांटिक पशु चिकित्सा कॉलेज, यूपीईआई, कनाडा के निम्नलिखित संकाय सदस्यों के साथ अनुसंधान सहयोग स्थापित किया।

केलानिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका और यूपीईआई, कनाडा से संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रो. प्रियानी ए. परानागम रसायन विज्ञान के वरिष्ठ प्रोफेसर (अध्यक्ष), केलानिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका		प्राकृतिक उत्पाद

यूपीईआई, कनाडा से संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रो. रसेल जी. केर प्रोफेसर और कनाडा अनुसंधान अध्यक्ष, जैव चिकित्सा विज्ञान विभाग, अटलांटिक पशु चिकित्सा कॉलेज, यूपीईआई, कनाडा		प्राकृतिक उत्पाद

डॉ. बिचिस्मिता साहूऔषधीय रसायन विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर ने कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय, पिट्सबर्ग, पीए यूएसए के निम्नलिखित संकाय सदस्य के साथ अनुसंधान सहयोग स्थापित किया।

कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय, पिट्सबर्ग, पीए यूएसएसे संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रोफेसर रसायनिकी विभाग कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय 4400 पांचवां एवेन्यू पिट्सबर्ग, पीए 15213यूएसए		जीन सुधार, दुर्लभ बीमारी, न्यूक्लिक एसिड-आधारित चिकित्सा, जीन संपादन

डॉ. सिद्धेश्वर के. चौथे, सहायक प्रोफेसर, प्राकृतिक उत्पाद विभाग ने बफ़ेलो विश्वविद्यालय, एनवाई, अमेरीका के निम्नलिखित संकाय सदस्यों के साथ अनुसंधान सहयोग स्थापित किया।

बफ़ेलो विश्वविद्यालय से संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
डॉ. धवल के. शाह पीएचडी **सह - आचार्य** औषधि विज्ञान विभाग बफेलो विश्वविद्यालय, फार्मेसी और फार्मास्युटिकल साइंसेज, एनवाई, अमेरीका स्कूल।		प्रोटीन चिकित्सा विज्ञान और एडीसी के पीके/पीडी मॉडलिंग

डॉ. पिनाकी सेनगुप्ता, सहायक प्रोफेसर, औषधीय विश्लेषण विभाग, नाईपर अहमदाबाद ने लीसेस्टर स्कूल ऑफ फार्मेसी, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान संकाय, डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी (डीएमयू), यूके के संकाय सदस्य के साथ अनुसंधान सहयोग स्थापित किया।

डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी (डीएमयू), यूके से संकाय	फोटो	अनुसंधान का क्षेत्र
प्रोफेसर संगीता तन्ना, **औषधीय विश्लेषण के प्रोफेसर** लीसेस्टर स्कूल ऑफ फार्मेसी स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान संकाय डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी, द गेटवे, लीसेस्टर, यूके		अनुप्रयुक्त विश्लेषणात्मक विज्ञान और स्वास्थ्य देखभाल प्रावधान तथा नैदानिक अभ्यास के इंटरफेस पर कार्य

जैव प्रौद्योगिकी

ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर में नए चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान हेतु डब्लूएनटी पाथवे और एलएनसीआरएनए इंटरैक्शन का बोध

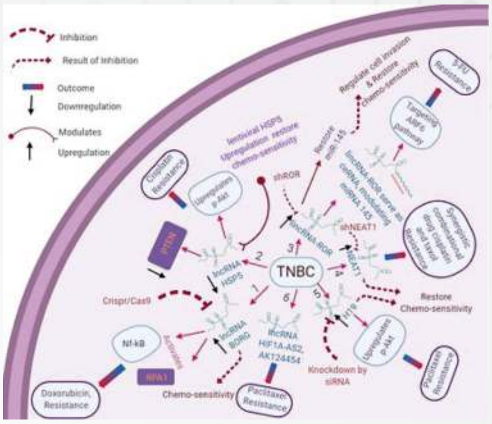

स्तन कैंसर महिलाओं में होने वाला एक प्रमुख कैंसर है, इस पर दुनिया भर में प्रति वर्ष लगभग 1.7 मिलियन मामले दर्ज होते हैं। यद्यपि स्तन कैंसर उपचारों की प्रभावकारिता में काफी सुधार हुआ है, फिर भी ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) वाले रोगी का रोग संबंधित पूर्वानुमान बेहद खराब होता है। टीएनबीसी रोगियों में रोग की पुनरावृत्ति की संभावना अधिक होती है और कुल मिलाकर, स्तन कैंसर रोगियों में मृत्यु दर सबसे अधिक होती है। इसमें टीएनबीसी प्रायः एक महत्वपूर्ण विकासात्मक मार्ग - डब्ल्यूएनटी मार्ग की असामान्य सक्रियता प्रदर्शित करेंगे। इस पर हम और हमारे सहयोगी समूह और अन्य लोगों ने दर्शाया है कि प्रमुख डब्लूएनटी पाथवे प्लेयर्स, जैसे डब्लूएनटी ट्रांसमेम्ब्रेन रिसेप्टर्स, टीएनबीसी में अत्यधिक अभिव्यक्त होते हैं एवं यह प्रो-ट्यूमरजेनिक प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से योगदान दे सकता है। इस पर आज तक, टीएनबीसी-लक्षित उपचारों को सफलतापूर्वक विकसित नहीं किया गया है। इसके समानांतर, स्तन कैंसर के विरूद्ध डब्लूएनटी-लक्षित यौगिक अभी भी नैदानिक परीक्षणों के अंतर्गत है। अनुक्रमण प्रौद्योगिकियों के विकास में प्रगति ने हमें टीएनबीसी के आणविक परिदृश्य को चिह्नित प्रारंभ करने की अनुमति दी है। यद्यपि डब्लूएनटी पाथवे में शामिल विभिन्न जीनों को अच्छी तरह से चित्रित किया गया है, परंतु उनके कार्य और विनियमन के कई पहलुओं को अभी तक पूरी तरह से समझा नहीं गया है। इस पर हाल ही में यह प्रस्तावित किया गया है कि दीर्घ गैर-कोडिंग आरएनए (एलएनसीआरएनए) कई कैंसर में अनियंत्रित होते हैं और असामान्य डब्ल्यूएनटी गतिविधि से जुड़े हो सकते हैं। इस प्रस्तावित अध्ययन में हमारा लक्ष्य टीएनबीसी में एलएनसीआरएनए और डब्ल्यूएनटी पाथवे सक्रियण के बीच परस्पर क्रिया को चिह्नित करना है। हमने डब्लूएनटी गतिविधि टीएनबीसी फ्लोरोसेंट रिपोर्टर सेल लाइनों का एक बड़ा संग्रह तैयार किया है जो डब्लूएनटी गतिविधि के विभिन्न स्तरों को प्रदर्शित करता है। यहां हमने टीएनबीसी मॉडल के भीतर बहुत गतिशील और विषम डब्लूएनटी गतिविधि स्तर पाया है। इस पर हम विशेषक डब्लूएनटी सक्रियण स्थिति के साथ टीएनबीसी मॉडल से डब्लूएनटी उप-जनसंख्या में नोवल डब्लूएनटी-विनियमन इंकआरएनए की पहचान करने के लिए आरएनए- अनुक्रम (एसईक्यू) तकनीक का उपयोग करेंगे। इसके नोवल एलएनसीआरएनए के जैविक कार्यों को हमारे टीएनबीसी मॉडल में चित्रित किया जाएगा और हमारे क्यूरेटेड स्तन कैंसर समूह से रोगी के नमूनों में आगे मान्य किया जाएगा। कुल मिलाकर, इस पर हमारे अध्ययन का उद्देश्य टीएनबीसी में नए लक्ष्यीकरण तंत्र की पहचान करने के अंतिम लक्ष्य के साथ डब्लूएनटी सिग्नलिंग के इंकआरएनए मध्यस्थता विनियमन को उजागर करना है।

ग्लियोब्लास्टोमा में एलएनसीआरएनए की सबद्धता के आणविक तंत्र को उजागर करना

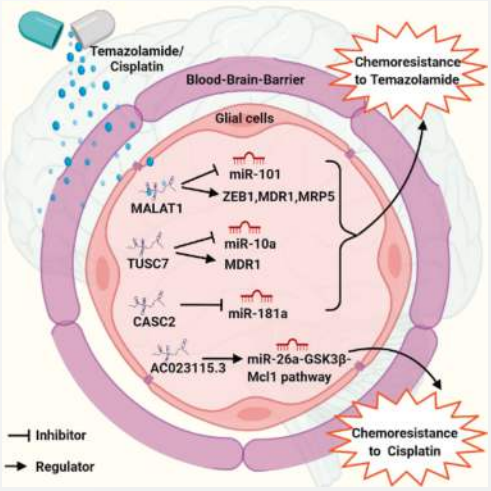

मौजूदा साहित्य और हमारे प्रारंभिक डेटा के आधार पर, हमारा अनुमान है कि ग्लियोब्लास्टोमा कोशिकाओं में एलआईएनसी-आरओआर की अति महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। इसमें ट्यूमर कोशिकाओं के अंदर एलआईएनसी-आरओआर क्रिया के सूक्ष्म आणविक तंत्र के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। इस पर हमारा सुझाव है कि जीवित प्रोटीन के साथ एलआईएनसी-आरओआर की परस्पर क्रिया और अज्ञात तंत्र द्वारा एमडीएम2 स्तर के नियमन में एलआईएनसी-आरओआर की संभावित भागीदारी ग्लियोब्लास्टोमा प्रसार और अस्तित्व के नियमन में एक महत्वपूर्ण आणविक स्विच हो सकती है। अत: ग्लियोब्लास्टोमा में एलआईएनसी-आरओआर के आणविक तंत्र का विच्छेदन बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि एलआईएनसी-आरओआर, हमारी भविष्यवाणियों के अनुसार, भविष्य के ग्लियोब्लास्टोमा उपचार में नया लक्ष्य अणु बन सकता है। इस परियोजना में हमारा लक्ष्य ग्लियोब्लास्टोमा अस्तित्व और प्रसार में एलआईएनसी-आरओरआर की गंभीर रूप से महत्वपूर्ण भागीदारी की पुष्टि करना है, साथ ही इस ग्लियोब्लास्टोमा में एलआईएनसी-आरओआर फ़ंक्शन के आणविक तंत्र का लक्षण वर्णन करना है।

डिम्बग्रंथि के कैंसर में सीआरआईएसपीआर/सीएएस9 द्वारा पी53 विनियमित दीर्घ गैर-कोडिंग आरएनए (एलएनसीआरएनए) की भूमिका की पहचान करना

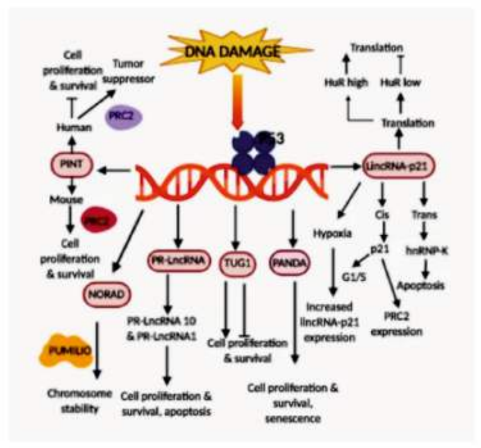

सेलुलर डीएनए निरंतर स्ट्रेस के अधीन है और कोशिकाओं ने जीनोम अखंडता को सही करने और बनाए रखने के लिए सशक्त तंत्र विकसित किया है। कैंसर में, ये तंत्र क्षीण हो जाते हैं जो जटिल जीनोमिक परिवर्तनों के उत्तरदायी होते हैं। हालाँकि, सभी डीएनए सुधार करने वाले जीनों की पहचान कर ली गई है और वे क्षतिग्रस्त डीएनए की सुधार कैसे करते हैं, इसके बारें में अधिकतर समझ में आ गया है, परंतु उनका विनियमन अभी भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। यहां पी53 जो जीनोम अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण है, वह कैंसर में सबसे अधिक बार उत्परिवर्तित जीन है। इसमें जीनोटॉक्सिक स्ट्रेस के अनुक्रिया में शुरुआती सेलुलर सिग्नल और पी53 से उनके संबंध को थोड़ा ही समझा गया है। इसमें गैर-कोडिंग जीनोमिक क्षेत्रों में मौजूद एलएनसीआरएनए सामान्य जैविक प्रक्रियाओं में शामिल कई जीनों के प्रमुख नियामक के रूप में उभर रहे हैं। इस पर सुझाव देने हेतु कुछ आंकड़े यह हैं कि डीएनए क्षति प्रतिक्रिया में शामिल जीन को सीधे विनियमित करने में एलएनसीआरएनए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, कैंसर के रोगजनन में एलएनसीआरएनए की भूमिका के प्रमाण उभर रहे हैं। अत: एलएनसीआरएनए और कैंसर में उनकी भूमिका का मूल्यांकन, विशेष रूप से डीएनए क्षति प्रतिक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण है।

यह विशेष रूप से सच है, क्योंकि आमतौर पर उपयोग की जाने वाली कई दवाएं प्रत्यक्ष डीएनए के साथ संपर्क करती हैं और सामान्य सुधार की अनुमति नहीं देती हैं, जिससे सेलुलर एपोप्टोसिस होता है। डिम्बग्रंथि के कैंसर में, पी53 उच्च आवृत्ति पर और स्तन में महत्वपूर्ण रूप से उत्परिवर्तित होता है। इसके अलावा, इन दोनों कैंसर के समजात पुनर्संयोजन में ये दोष आम हैं और यह 50% तक की आवृत्ति पर होते हैं। अत: इस पर यह प्रश्न उचित है कि क्या दोनों कैंसर में डीएनए को नुकसान पहुंचाने वाली दवाओं के प्रतिक्रिया में कौन से एलएनसीआरएनए व्यक्त होते हैं।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध

ऐसी आशंका है कि अगली महामारी रोगाणुरोधी प्रतिरोध से उत्पन्न होगी और यदि एएमआर अनियंत्रित हो तो सन् 2050 तक प्रत्येक वर्ष अनुमानित 10 मिलियन लोगों की मृत्यु होने की आशंका है- (ओ'नील जे., 2014)। हाल ही में आए कोविड-19 महामारी के दौरान, ऐसे समय में फंगस रोगजनकों जैसे म्यूकोर्मिकोसिस, एस्परगिलोसिस, आक्रामक कैंडिडिआसिस के कारण गंभीर समस्याएं उत्पन्न हुई - (फिशर एट अल., 2022)। इन फंगसरोधी का चिकित्सीय साधन निर्बल है एवं इसमें एक या एकाधिक फंगसरोधी प्रतिरोध के उद्भव और नई दवा-प्रतिरोधी प्रजातियों की उपस्थिति ने इस समस्या को और अधिक जटिल बना दिया है - (सी. औरिस)। इस फंगसरोधी अन्वेषण में प्रमुख बाधा यूकेरियोटिक फूंगी और उनकी पोषिता के बीच जैविक समानता है, जिससे जैविक लक्ष्यों की संख्या सीमित हो जाती है। इस समस्या से निपटने में, चिकित्सीय उपयोग के लिए सुरक्षा बरकरार रखते हुए प्रभावयुक्त फंगसरोधी गतिविधियों सहित नए अणुओं की जांच और विकास की आवश्यकता है।

इस विषय पर नाईपर अहमदाबाद की टीम कैंडिडा एसपीपी में एएमआर से निपटने के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण अपना रहा है जो ऐसे समय में प्रभावी फंगस रोगजनकों का एक समूह जो सतही, आक्रामक और जीवन-घातक प्रणालीगत संक्रमण का कारण बनता है, हमारी प्रयोगशाला के प्रमुख क्षेत्र फंगल दवा ट्रांसपोर्टरों की कोशिका जीवविज्ञान और इसकी औषधि का आविष्कार करना हैं।

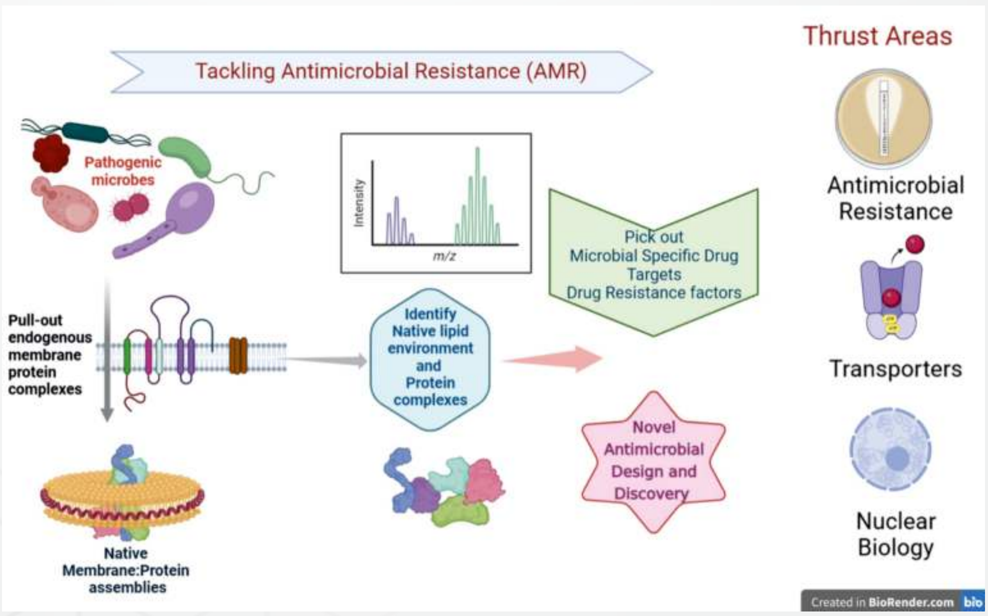

ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण के माध्यम से ओएससीसी रोगियों की आनुवंशिक प्रोफाइल और बायोमार्कर पहचान

संस्थान वर्तमान में मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा, तम्बाकू-आदी रोगियों के ट्रांसक्रिपटॉम विश्लेषण के एक व्यापक क्षेत्र में कार्यरत है। यह अध्ययन गुजरात वासियों से लिए गए ट्यूमर के सैंपलों पर किया जा रहा है। इस कार्य का विचार या महत्व इस तथ्य के अंदर ही निहित है कि गुजरात में मौखिक कैंसर की रिपोर्ट की संख्या सबसे अधिक है, जो वर्ष दर वर्ष बढ़ती जा रही है। इसमें ट्रांसस्क्रिप्टोम विश्लेषण एक पहलू है जिसमें प्रभावित रोगियों के संपूर्ण ट्रांसक्रिप्टोमिक्स डेटा शामिल हैं। यह डेटा अंततः सैंपलों में अपरेगूलेटेड और डाउनरेगूलेटेड किए गए जीन्स और महत्वपूर्ण बायोमार्कर व लक्षित दवा के खोज हेतु उपयोगी सिद्ध हो रहा है जो संबंधित सत्यापन प्रक्रिया के अधीन है। इस संबंध में प्राप्त परिणाम, इसके बेहतर लक्ष्यीकरण दृष्टिकोण और व्यक्तिगत चिकित्सा की अवधारणाओं की पहचान करने में हमारा मार्गदर्शन कर सकते हैं जो वर्तमान में प्रचलन में है।

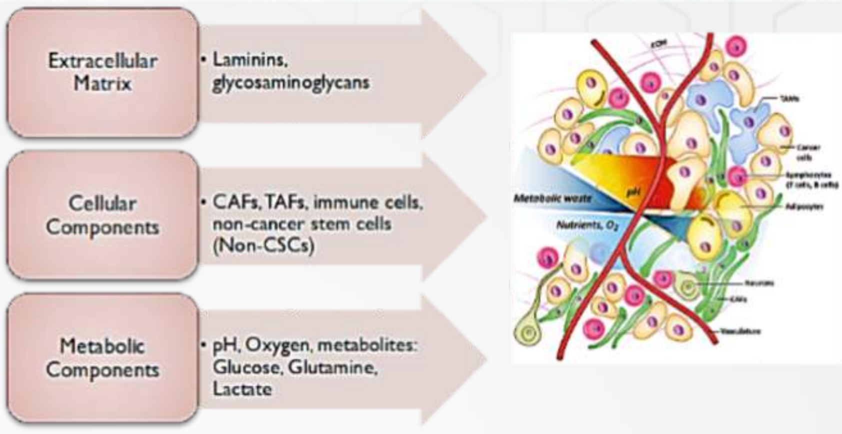

औषधीय रसायन शास्त्र

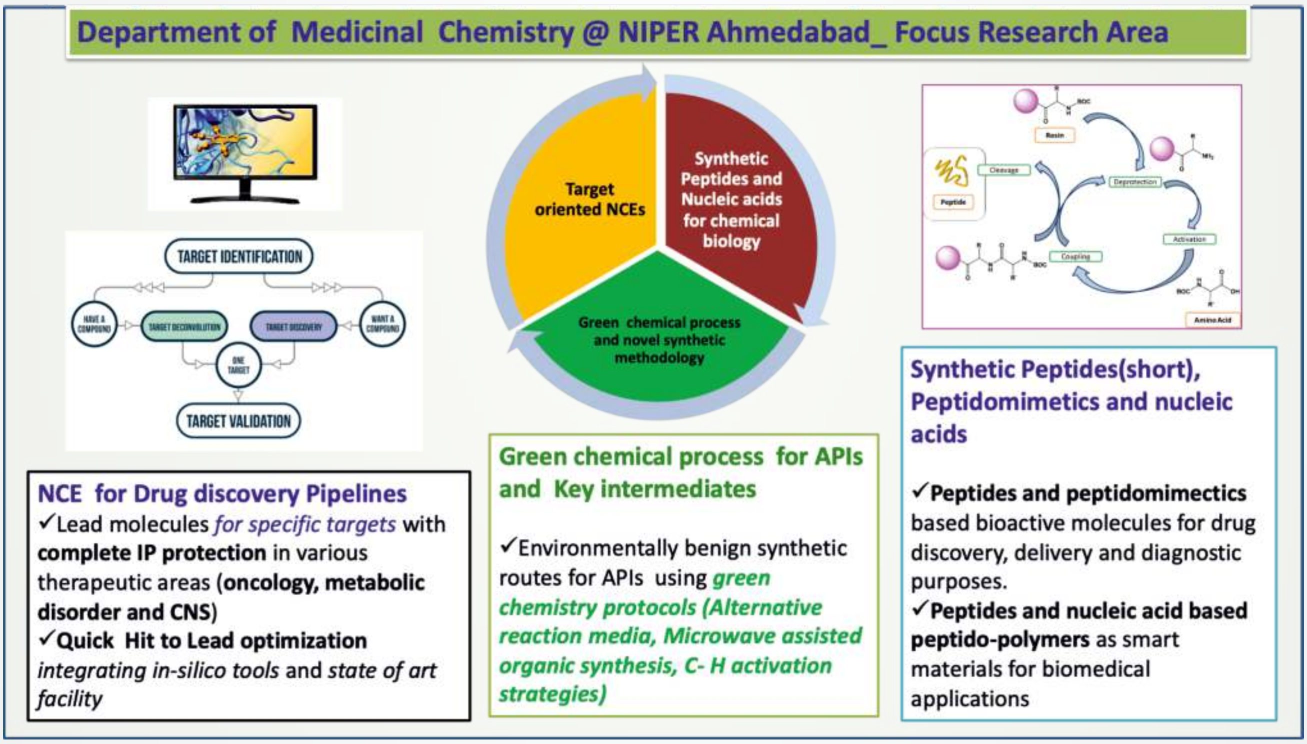

औषधि अन्वेषण और जैवचिकित्सा अनुप्रयोगों की दिशा में पेप्टाइड, पेप्टिडोमिमेटिक्स और न्यूक्लियोबेस का समन्वेषण

पेप्टाइड्स, जैविक प्रणाली में सर्वव्यापी रूप से मौजूद अणुओं का एक रोचक श्रेणी है और यह विभिन्न महत्वपूर्ण जैविक सिग्नलिंग मार्गों के नियंत्रक हैं। इसी प्रकार न्यूक्लियोबेस इसमें एक रोचक आसंजक (स्कैफॉल्ड) हैं जो पूरक पहचान के माध्यम से कई हाइड्रोजन बॉन्डिंग बनाने की क्षमता रखते हैं। हम ऐसे ऊतक पुनर्जनन और औषधि संवितरण हेतु चिटोसन, हायल्यूरोनिक एसिड, एल्गिनेट आदि जैसे पॉलिमर सहित इसके संयोजन में अणुओं के इन दो प्राकृतिक श्रेणी के संभावित अनुप्रयोगों की खोज कर रहे हैं। यह स्क्वैरामाइड, द्वि-दिशात्मक एच-बॉन्डिंग, आणविक स्व-संयोजन और आयन बाइंडिंग की क्षमता वाले अद्वितीय आसंजक (स्कैफॉल्ड) हैं। इसमें आईएल-8आर, एलएसडी और एमिलॉइड बीटा जैसे लक्ष्यों की जांच हेतु अमीनो-अम्ल/हेटेरोसायकल/पेप्टाइड्स/न्यूक्लियोबेस विद्यमान स्क्वैरामाइड आसंजक (स्कैफॉल्ड) रोचक हैं। इसमें प्रतिरक्षी, प्रतिजन के प्रति अति विशिष्ट होते हैं और उनकी परस्पर क्रियाएं एक विशिष्ट डोमेन के माध्यम से मध्यस्थ होती हैं जिन्हें पूरक निर्धारण क्षेत्र कहा जाता है। यहां इन-सिलिको अध्ययन की सहायता से, हम दो ट्रांसमेम्ब्रेन रिसेप्टर प्रोटीन (ईपीसीएएम और ईजीएफआर) के लिए लघु पेप्टाइड पैराटोप विकसित कर रहे हैं। इसमें पीडीसी विकसित करने के लिए

प्राकृतिक बायोएक्टिव पेप्टाइड्स का भी खनन किया जा रहा है।

जलीय कार्बनिक प्रतिक्रियाओं का रूपरेखा और विकास:

इसमें स्वास्थ्य और पर्यावरण पर विनिर्माण प्रक्रिया के प्रतिकूल प्रभावों के कारण धारणीय जैविक प्रतिक्रियाओं (प्रक्रियाओं) का विकास समकालीन रुचि का केंद्र है। इस लक्ष्य की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक वैकल्पिक प्रतिक्रिया मीडिया में, विशेष रूप से पानी में, भू-बहुल धातुओं का उपयोग करके उत्प्रेरक प्रतिक्रियाएं करना है। ऐसे वैकल्पिक धातु उत्प्रेरण के अनुकूलन ने अपने आर्थिक और धारणीय बेहतर परिणाम प्राप्ति के कारण, विशेष रूप से बड़े पैमाने पर तैयारियों में, सभी का ध्यान आकर्षित किया है। इस संदर्भ में, हम निकेल उत्प्रेरण के अंतर्गत जलीय माइक्रेलर प्रतिक्रियाओं के माध्यम से औषधियों, औषधि मध्यवर्ती और औषधि प्रतिक्षितों के निर्माण के लिए एलिलिक एमिनेशन जैसे जैविक पद्धतियों को आगे बढ़ा रहे हैं।

दोहरे (डिस्टल) सी-एच बांड सक्रियण रिले के माध्यम से मौखिक कैंसर के लिए नवीन चिकित्सीय क्विनाज़ोलिन-टेथर्ड बेंजोफुलवेन का अन्वेषण:

समीपस्थ सी-एच बांड सक्रियणों के विपरीत, डिस्टल सी-एच बांड सक्रियण मौलिक रूप से अधिक चुनौतीपूर्ण है और इसके लिए विशिष्ट रूप से विशिष्ट निर्देशन सहभागी या तकनीकों की आवश्यकता होती है। इस संदर्भ में, हमनें [3+2] पैलेडियम उत्प्रेरण के अंतर्गत सीएच/सीएच-अल्काइन एनाल्यूशन के माध्यम से हेटरोसायकल-टेथर्ड बेंजोफुलवेन्स के कीमो-, रेजियो- और स्टीरियो-चयनात्मक निर्माण के हेतु एक दोहरी (डिस्टल) बीटा-सी (बेंज़ाइलिक)-एच और डेल्टा-सी (एराइल)-एच बॉन्ड सक्रियण रिले प्रोटोकॉल विकसित किया है। इसमें संश्लेषित एनसीई मौखिक स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा (ओएससीसी) के विरूद्ध अनुकूल कैंसर विरोधी गतिविधि के साथ एक नोवल आसंजक (स्कैफॉल्ड) का निर्माण करता है। इसमें आरएनए-अनुक्रमण और विश्लेषण सहित विस्तृत जैव-आणविक अध्ययन से संकेत मिलता है कि ये यौगिक एस चरण में कोशिका चक्र को रोकते हैं और एक साथ कई कैंसर लक्षणों को लक्षित करते हैं, जो कोरस में कैंसर कोशिकाओं की जटिलता और अनुकूलनशीलता को संबोधित करके मौखिक कैंसर के लिए उनकी कीमोथेरेपी क्षमता का सुझाव देते हैं।

कैंसरविरोधी एजेंटों की प्राप्ति हेतु ट्यूमर पाइरूवेट काइनेज़ एम2 (पीकेएम2) का मॉड्यूलेशन:

कैंसर कोशिकाएं कार्सिनोजेनेसिस के दौरान पीकेएम2 के माध्यम से मेटाबॉलिक रिप्रोग्रामिंग से गुजरती हैं, जिससे ऊर्जा मेटाबोलिज्म प्रभावित होता है, जो कैंसर उपचार हेतु एक आशाजनक अवसर प्रस्तुत करता है। ट्यूमर के निर्माण और प्रगति में इसकी बहुमुखी भूमिका के कारण ट्यूमर में पीकेएम2 ने महत्वपूर्ण रूप से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। इसमें नवीन कैंसर रोधी उपचारों की तत्काल आवश्यकता और मार्केट में पीकेएम2-लक्षित एजेंटों की वर्तमान अनुपस्थिति को देखते हुए, नए पीकेएम2 मॉड्यूलेटर विकसित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इस पर हमारे औषधि अन्वेषण प्रयासों में, हम इन मॉड्यूलेटरों को संश्लेषित करने के लिए संरचना-आधारित रुपरेखा (एसबीडीडी) का उपयोग करते हैं। हमारा शोध पीकेएम2 मॉड्यूलेटर विशेष रूप से एन-हेटरोसायकल जैसे कि इमिडाज़ोपाइरीडीन, मेटलोड्रग्स, ट्राईज़ोल और सल्फोनामाइड्स विकसित करने पर केंद्रित है। इन तर्कसंगत रूप से परिकल्पित किए गए अणु विभिन्न कैंसर कोशिका रेखाओं (एमसीएफ-7, ए549, कोलो-205, हेला, सीएएल 27) में विविध ट्यूमर-दमनकारी प्रभाव प्रदर्शित करते हैं, जिनमें सबसे आशाजनक कारक इन-विवो में महत्वपूर्ण प्रभावकारिता प्रदर्शित करते हैं। इसमें हम न्यूरोपैथिक, नोसिसेप्टिव और क्रोनिक व्यथा प्रबंधन हेतु व्यसन-मुक्त की आदतन दर्दनाशक दवाओं के विकास में भी सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, इसके साथ ही पीकेएम2 को भी लक्षित कर रहे हैं।

चिकित्सा उपकरण

अंत:शिरा चक्र में सुधार हेतु जैव-अभियांत्रिकी त्रि-आयामी संरेखित आसंजक (स्कैफॉल्ड):

अंत:शिरा चक्र पुनरोदय (आईवीडीडी) कमर दर्द वाले रोगियों के दैनिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इसमें हम आईवीडी के सुधार और पुनर्जनन हेतु प्रत्यारोपण योग्य और इंजेक्टेबल आसंजक (स्कैफॉल्ड) के रूप में एक प्राकृतिक और मिश्रित सामग्री विकसित कर रहे हैं। हम इस चक्र पुनरोदय को रोकने और उलटने हेतु आईवीडी के सूक्ष्म वातावरण की अभियांत्रिक कार्य में भी शामिल हैं। हम आईवीडी की स्थिरता हेतु प्रत्यारोपण योग्य संमिश्रित मेरुदण्डीय घेरा उपकरण का विकास भी स्थापित कर रहे हैं।

मेरुदंड के पुनर्जनन हेतु बहुलकीय नलिका:

इसमें हमने धीमी गति से घटने वाले रोगप्रतिरोधक, विद्युत संचालन और यांत्रिक रूप से स्थिरतापूर्ण बहुलक नली विकसित की है जो तीव्रता अक्षतंतु पुनर्जनन दर की अनुमति देती है। यह विकसित सामग्री की विद्युत-चालकता मेरुदंड के पुनर्जनन में सूजन और पुनर्योजी सूक्ष्म वातावरण को संशोधित करने में सहायता कर सकती है। इस नली का छिद्रपूर्ण नेटवर्क तंत्रिका नली के माध्यम से पोषक तत्वों और

ऑक्सीजन के अंतरण को सक्षम करेगा। ये धीमी गति से घटने वाले रोगप्रतिरोधक नलिकाएं लंबे समय तक घाव वाली जगह पर तंत्रिका पुनर्जनन में भी सहायता करेगी। यह नली इसमें मध्यस्थ उत्तक मूल कोशिकाओं को भी शामिल करने की अनुमति देती है, जो घाव युक्त मेरुदंड के पुनर्जनन में सहायता करेगी।

चिकित्सा उपकरणों और जैव प्रौद्योगिकी उत्पादों के विकास हेतु जैविक पदार्थ प्लेटफार्म:

हम स्तनधारी कोशिका जैव अभिक्रियक हेतु त्रि-आयामी आवरण के रूप में, स्तनधारी कोशिकाओं, अंगस्वरूपी वृद्धि, गोलाकृति संवर्द्धन, ऊतक सुधार धब्बे और कोशिका संवितरण संवाहक जैसे बड़े कणों को पृथक करने हेतु वर्णविश्लेषण आवरण के रूप में सामग्री विकसित करते हैं। हमने हाल ही में बिना किसी क्षति के गोलाकृति की आसानी से पुनर्प्राप्ति सहित हैंगिंग ड्रॉप विधि का उपयोग करके कोशिका गोलाकृति के विकास हेतु उच्च प्रवाह क्षमता वाली कोशिका संवर्धन मंच को विकसित किया है।

मौखिक और यकृत कैंसर के संधान हेतु जैव संवेदक का विकास:

मौखिक और यकृत कैंसर के संधान हेतु जैव संवेदक का विकास: जैसा कि सर्वविदित है कि, वर्तमान परिदृश्य से भारत में, बड़ी संख्या में लोग तंबाकू, धूम्रपान और मदिरा पान जैसे विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थो के सेवन करने के आदी हैं। इन नशीलें पदार्थों के लत वाले लोग कुछ समय बाद विभिन्न प्रकार के कैंसर जैसे मौखिक कैंसर, लीवर कैंसर, फेफड़ों का कैंसर आदि से पीड़ित हो सकते हैं। इन्हें ध्यान में रखते हुए, हम ऐसे जैव संवेदक के विकास पर कार्यरत हैं जो लार/रक्त के नमूने का विश्लेषण करके मौखिक/यकृत कैंसर का पता लगाने की क्षमता रखेगा। इस जैव संवेदक चिप के निर्माण में, हम सूक्ष्म पदार्थ और एककोशिकीय प्रतिरक्षी का उपयोग करेंगे। मौखिक/यकृत कैंसर रोगी के लार/रक्त के नमूने में कई प्रोटीनयुक्त जैव सूचक विद्यमान होते हैं। इन जैव सूचकों के एकाग्रता के आधार पर, हम मौखिक/यकृत कैंसर रोगी को सामान्य विषयों से पृथक करने में सक्षम हो सकते हैं।

मानसिक स्थिति निर्धारण के संधान हेतु जैव संवेदक का विकास:

हम मानसिक स्थिति की जांच हेतु जैव संवेदन उपकरणों के निर्माण में सब्सट्रेट के रूप में आईटीओ/स्क्रीन मुद्रित इलेक्ट्रोड का उपयोग कर रहे हैं। यह दृष्टिकोण निदान की लागत को कम करने में सहायता करेगा। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु, हम सूक्ष्म पदार्थों और भविष्य के लिए संशोधित कर विशिष्ट बायोरिसेप्टर/जैवग्राही (यों) सहित सब्सट्रेट को अधिक संवाहक बनाने के लिए कार्यरत हैं। इस जैव विश्लेषण के स्थिरीकरण के पश्चात, निर्मित जैवचिप मानव के सीरम नमूने में मौजूद विशिष्ट विश्लेषक के अनुसंधान में सक्षम होगा। यह प्रस्तावित जैव संवेदक प्लेटफॉर्म, किफायती और सटीक होने के साथ अत्यधिक संवेदनशील और विशिष्ट होगा।

कैंसर पर ध्यान केंद्रित करते हुए जैव अभियांत्रिकी 3डी रोग प्रतिरूप का विकास:

कैंसरविरोधी औषधि/मेटास्टैटिक रोधी एजेंट के विकास में पहला कदम द्वि-आयामी (2-डी) टिशू कल्चर सब्सट्रेट्स पर शक्तिशाली बायोमोलेक्यूल्स की स्क्रीनिंग करना है, इसके बाद विवो स्क्रीनिंग (औद्योगिक स्वर्ण मानक) करना है। हालाँकि, संबंधित कमियों के कारण, इन विट्रो ट्यूमर मॉडल की ओर बदलाव हो रहा है जो पारंपरिक 2-डी संस्कृति और इन विवो ट्यूमर के बीच अंतर को पाटने का काम कर सकता है। इसमें हम उत्तक-अभियांत्रिकी प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए, ट्यूमर पैथोफिजियोलॉजी का अध्ययन करने के साथ-साथ वैयक्तिकृत चिकित्सा हेतु कैंसरविरोधी औषधियों की जांच में त्रि-आयामी (3-डी) स्कैफॉल्ड पर रोगी-व्युत्पन्न ट्यूमरॉइड विकसित करने का प्रस्ताव करते हैं। इस संबंध में, हमारा लक्ष्य 3-डी बायोप्रिंटिंग का शोध करना है, जो कोशिका निर्माण और जैव पदार्थ/जैवअणुओं के नियोजन पर सटीक नियंत्रण स्थापित करके विवो में ट्यूमर की विविधता और जटिलता को समझने में सहायता करेगा। इसके अतिरिक्त, इस प्रकार उत्पन्न औषधि जांच/परीक्षण डेटा का उपयोग मशीन लर्निंग टूल के माध्यम से सूक्ष्म-अणु उपचार के प्रति रोगियों की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करने में जा सकता है।

प्राकृतिक उत्पाद

पादप स्रोतों से नवीन जैव-सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों के पृथक्करण हेतु एलसी-एमएस आधारित निरूपण रणनीति

प्राकृतिक उत्पाद, औषधि अन्वेषण का एक ऐसा अभिन्न अंग रहा हैं, जो प्रचुर मात्रा में जैव-सक्रिय यौगिकों को प्रस्तावित करता हैं। इसमें निरूपण, एक ऐसी तकनीक है जो जांच प्रक्रिया में ज्ञात यौगिकों की पहचान करती है, ने इस अन्वेषण प्रक्रिया की गति को तीव्रता प्रदान किया है। नाईपर अहमदाबाद में, प्राकृतिक उत्पादों के शब्दकोश का उपयोग करके औषधीय पौधों से ज्ञात यौगिकों की पहचान करने के लिए एक एलसी-एचआरएमएस-आधारित निरूपण विधि विकसित की गई है। इसमें अल्स्टोनिया स्कॉलरिस, बहुनिया पुरपुरिया, एनिकोस्टेमा लिटोरेल, कोस्टस इग्नेस, डिक्लिप्टेरा नासिकेंसिस और थाइमस वल्गारिस जैसे पौधों की जांच नवीन कैंसरविरोधी और मधुमेह-रोधी सूत्र की पहचान करने के लिए की जा रही है।

नवीन जैवसक्रिय आसंजकों (स्कैफॉल्ड) हेतु अंतःलाइकेनिक कवक की जैव-पूर्वेक्षण

लाइकेन, जो पारंपरिक चिकित्सा में उनके उपयोग के लिए जाने जाते हैं, ये कवक, शैवाल और यीस्ट के बीच एक जटिल सहजीव क्रिया स्थापित करते हैं। इन लाइकेन के भीतर रहने वाले अंतःलाइकेनिक फंगस (ईएलएफ) अपने प्रतिस्पर्धी वातावरण के कारण विभिन्न प्रकार के जैवसक्रिय मेटाबोलाइट्स का उत्पादन करते हैं। इसका अध्ययन भारत के गुजरात, कच्छ की खाड़ी और खम्भात की खाड़ी, तथा श्रीलंका के नेगोम्बो और पुट्टालम लैगून में मैंग्रोव नामक पौधों में पाए जाने वाले लाइकेन के अंतःलाइकेनिक फंगस (ईएलएफ) पर केंद्रित है। इसमें एलसी-यूवी-एचआरएमएस निरूपण और इन-विट्रो जैव परीक्षणों का उपयोग करके, तलारोमाइसीज पिनोफिलस से तीन सशक्त कोशिका-विषाक्त अणु पहचाने गए। एनएमआर और एमएस डेटा द्वारा पुष्टि किए गए ये अणु स्तन, मौखिक और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर कोशिका रेखाओं के विरूद्ध महत्वपूर्ण कैंसरविरोधी गतिविधि प्रदर्शित करते हैं। इस पर श्रीलंका के केलानिया विश्वविद्यालय और भारत के नाईपर अहमदाबाद के बीच की गई सहयोगी परियोजना इसमें ईएलएफ द्वारा विविध जैवसक्रिय आसंजकों (स्कैफॉल्ड) का उत्पादन करने की क्षमता को उजागर करती है।

जीएलपी-1आर प्रेरक गतिविधि सहित पौधे से प्राप्त प्राकृतिक उत्पादों की पहचान

मधुमेह मेलेटस, एक दीर्घकालिक चयापचयिक (मेटाबॉलिक) विकार, वर्तमान उपचार की सीमाओं के कारण नए चिकित्सीय लक्ष्यों की आवश्यकता है। इसमें जीएलपी-1आर प्रेरक, इंसुलिन स्राव को बढ़ाते हैं और ग्लूकोज चयापचय में सुधार करते हैं, जो एक आशाजनक लक्ष्य प्रस्तुत को करते हैं। यहां 236 यौगिकों वाले एक इन-सिलिको अध्ययन में जीएलपी-1 सहित घनिष्ठ बंधन संबंधित 10 यौगिकों की पहचान की गई। इन यौगिकों की प्रभावकारिता का और अधिक मूल्यांकन करने के लिए सिमुलेशन अध्ययन और इन विट्रो परीक्षण को अनुकूलित किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य प्रभावकारी जीएलपी-1आर प्रेरक गतिविधि सहित नोवल औषधियों को विकसित करना है।

प्राकृतिक उत्पादों के बड़े पैमाने पर शुद्धिकरण के लिए प्रक्रिया अनुकूलन

प्राकृतिक उत्पाद (एनपी) से संवर्धित अर्क फाइटोफार्मास्यूटिकल्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस शोध का उद्देश्य जैवसक्रिय यौगिकों के निष्कर्षण और संवर्धन प्रक्रियाओं को अनुकूलित करना है, जो अपने चिकित्सीय गुणों के लिए जाने जाने वाले स्वर्टियामारिन पर केंद्रित है। इसमें ई. लिटोरेल पौधे के पाउडर से स्वर्टियामारिन को समृद्ध करने के लिए प्रभावी एसपीपीआरई दृष्टिकोण विकसित किया गया है। यह विधि, एक मान्य एचपीएलसी विश्लेषणात्मक तकनीक सहित, कॉस्मेटिक और न्यूट्रास्युटिकल उद्योगों में व्यापक अनुप्रयोगों की क्षमता रखती है।

प्राकृतिक उत्पादों के कुल संश्लेषण और अर्ध-संश्लेषण हेतु सी-एच सक्रियण रणनीति

प्राकृतिक उत्पाद, जो अपनी संरचनात्मक विविधता और जैव सक्रियता के लिए जाने जाते हैं, ये अक्सर अल्प मात्रा में पाए जाते हैं, जिससे उनका स्थिर उत्पादन चुनौतीपूर्ण हो जाता है। यह शोध विभिन्न कार्यात्मक समूहों में प्रबल सी-एच बांड के चयनात्मक रूपांतरण हेतु सी-एच कार्यात्मकता प्रतिक्रियाओं को विकसित करने पर केंद्रित है। इस रणनीति का उपयोग करते हुए, टीम ने प्रारंभिक परीक्षणों में देखी गई आशाजनक सूजन-रोधी गतिविधि के साथ, साइट-चयनित कूमारिन का सी-6 एसाइलेशन प्राप्त किया है। यह दृष्टिकोण चयनित जैवसक्रिय प्राकृतिक उत्पादों के कुल संश्लेषण या अर्ध-संश्लेषण की सुविधा को प्रदान करता है।

ग्लाइकोस्मिस पेंटाफिला से अवर्णित क्षारीय यौगिक (अल्कलॉइड) का पृथक्करण और लक्षण वर्णन

ग्लाइकोस्मिस पेंटाफिला से, दो नए क्षारीय यौगिक और नौ ज्ञात क्षारीय यौगिकों को पृथक किया गया, जिनमें महत्वपूर्ण कोशिका-विषाक्त गतिविधि सहित कार्बोक्रिस्टिन और एक्रिडोक्रिस्टिन शामिल थे। इन यौगिकों के अर्ध-सिंथेटिक संशोधनों से कैंसर कोशिका रेखाओं के विरुद्ध बढ़ी हुई कोशिका-विषाक्तता रहित प्राप्य (डेरिवेटिव) के संश्लेषण को बढ़ावा मिला। यह शोध इन क्षारीय यौगिकों और उनके प्राप्य की कैंसरविरोधी एजेंटों के रूप में इसकी क्षमता को रेखांकित करता है।

कैंसरविरोधी एजेंटों के रूप में 20एस प्रोटियोसोम अवरोधक

20एस प्रोटीन-विखंडक अवरोधक कैंसर के उपचार, विशेष रूप से कई अस्थि-मज्जा कैंसर/मायलोमा (एमएम) में, महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में व्याप्त अवरोधकों के प्रतिरोध और दुष्प्रभावों के कारण अब नए विशिष्ट अवरोधकों की खोज महत्वपूर्ण हो गई है। हमारा यह कार्यक्रम थाइमस वल्गेरिस और आर्टेमिसिया एनुआ की एंडोफाइटिक संस्कृतियों से नए अवरोधकों को पृथक करने, माइक्रोबियल अर्क की जांच हेतु अनुकूलित परीक्षण करने पर केंद्रित है।

मूल्यवान पौधे-आधारित रसायनों के स्थायी उत्पादक के रूप में अंतःस्थित (एंडोफाइटिक) कवक

अंतःस्थित (एंडोफाइटिक) कवक, अपने आश्रय पौधे के रसायन विज्ञान की नकल करने में सक्षम, जैवसक्रिय चयापचय (मेटाबोलाइट्स) का उत्पादन करने का एक स्थायी पद्धति प्रदान करता है। इस अध्ययन ने थाइमस वल्गेरिस से अंतःस्थित पोषक (कल्चर्स) की पहचान

किया, जो आभूषण और खाद्य उद्योगों में आपूर्ति मांग वाले एक यौगिक, रोसमारिनिक एसिड का उत्पादन करने में सक्षम है। इस सतत अनुसंधान का उद्देश्य इन कल्चर्स को चिह्नित करना और उत्पादन विधियों को अनुकूलित करना है।

प्राकृतिक उत्पाद और कैंसर अनुसंधान हेतु चयापचयिकी (मेटाबोलॉमिक) प्रौद्योगिकी की स्थापना

मेटाबोलॉमिक्स, मेटाबोलाइट्स का अध्ययन, को लक्षित या अलक्षित किया जा सकता है। यह परियोजना स्तन कैंसर कोशिकाओं और उनके बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं (ईवी) के चयापचय विश्लेषण हेतु एक प्रोटोकॉल स्थापित कर रही है। इस एलसी-एमएस और जीसी-एमएस मापदंडों को मानकीकृत करने और मेटाबॉलिक संग्रह विकसित करने से हमें मेटाबोलाइट्स का पता लगाने और मात्रा निर्धारित करने में सहायता मिलेगी, जिससे कैंसर अनुसंधान और प्राकृतिक उत्पाद की अनुसंधान में भी सहयता प्राप्त होगी।

औषधीय विश्लेषण

संस्थान का औषधीय विश्लेषण विभाग, अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक तकनीकों सहित औषधि अनुसंधान, औषधि विकास और चिकित्सा उपकरण के क्षेत्र में गतिमान विषयों पर कार्यरत है। नाईपर अहमदाबाद के औषधीय विश्लेषण विभाग के सतत अनुसंधान में विविधता का वर्णन करने वाले आंकड़े निम्न है।

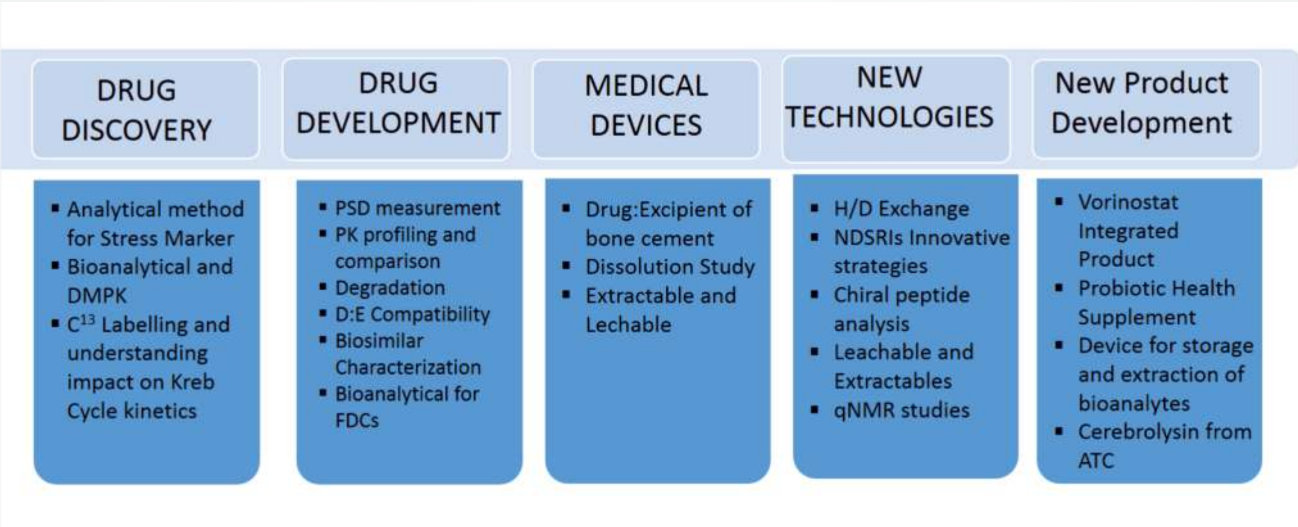

औषधि-सहायक पदार्थ संगतता अध्ययन

हम औषधि-सहायक पदार्थ संगतता अध्ययन हेतु इस विषय पर नवीन दृष्टिकोणों का शोध करते हैं जो किसी भी औषधि-सहायक पदार्थ असंगतता को तीव्रता से पहचान सकती है तथा यह खुराक के तौर पर उपयुक्त सहायक पदार्थ के चयन में सहायता कर सकती हैं।

एचपीएलसी, एलसी-एमएस/एमएस और क्यूएनएमआर का उपयोग करते हुए एपीआई और एनसीई का फोर्स्ड डिग्रेडेशन अध्ययन

सभी संभावित डिग्रेडेंट्स उत्पन्न करने के लिए दवा को विभिन्न स्ट्रेस स्थितियों (अम्लीय, मूल, तटस्थ, ऑक्सीडेटिव, थर्मल और फोटॉन) के संपर्क में लाया जाता है। एचपीएलसी परख विधि को इंगित करने वाली स्थिरता को हर समय बिंदु पर स्ट्रेस्ड सैंपल का विश्लेषण करने के लिए विकसित और मान्य किया गया है। यहां इसमें प्रतिशत गिरावट की गणना की जाती है और प्रारंभिक एचपीएलसी के माध्यम से इसे अलग करने के बाद एलसी-एमएस/एमएस और एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके डिग्रेडेंट्स की पहचान की जाती है। इसमें हम नशीली दवाओं के क्षरण के तीव्र, सघन और सटीक निर्धारण हेतु क्यूएनएमआर को भी नियोजित करते हैं।

जैविक विश्लेषण, औषधि चयापचय, और फार्माकोकाइनेटिक्स

एचपीएलसी और एलसी-एमएस/एमएस को नियोजित करने वाले एनसीई और जेनेरिक दवाओं का जैविक विश्लेषण, विभिन्न मैट्रिक्स में विश्लेषण की विधि का सत्यापन, प्रीक्लिनिकल फार्माकोकाइनेटिक अध्ययन, प्लाज्मा प्रोटीन-बाइंडिंग अध्ययन, ड्रग-ड्रग इंटरेक्शन अध्ययन, ऊतक वितरण अध्ययन, टॉक्सिकोकाइनेटिक अध्ययन और चयापचय प्रोफाइलिंग इस क्षेत्र में हमारे अनुसंधान का प्रमुख क्षेत्र हैं।

पॉलिमर वर्णन हेतु विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण

हम क्यूबीडी दृष्टिकोण सहित विभिन्न विश्लेषणात्मक तकनीकों द्वारा सूत्रीकरण के क्यूटीपीपी के विरुद्ध विभिन्न सीक्यूएएस का मूल्यांकन करके पॉलिमर की विशेषता को बताते हैं। इसमें सीक्यूएएस का मूल्यांकन विश्लेषणात्मक उपकरणों सहित किया जाता है, जैसे: एनएमआर द्वारा मोनोमर का अनुपात, जेल परमीशन क्रोमैटोग्राफी (जीपीसी) द्वारा आणविक भार, डीएससी से ग्लास ट्रांज़िशन तापमान,

और रियोमीटर द्वारा चिपचिपाहट, जेटा साइज़र द्वारा कण आकार वितरण इत्यादि।

कृत्रिम पेप्टाइड लक्षण वर्णन

इसमें हम विभिन्न समकोणीय (ऑर्थोगोनल) विश्लेषणात्मक तकनीकों द्वारा पेप्टाइड अणुओं और योगों के लक्षण वर्णन करते हैं। यहां मूल्यांकन, विश्लेषणात्मक उपकरणों जैसे ऑर्बिट्रैप-फ्यूजन एचआरएमएस, जीपीसी, एसडीएस-पेज, कोशिका वैद्युतकणसंचलन और जीटा साइज़र सहित किया जाता है।

जटिल इंजेक्शन योग्य, नेत्र सूत्रीकरण लक्षण वर्णन

इसमें हम लिपोसोम, इमल्शन, लियोफिलाइज्ड इंजेक्शन, प्री-फिल्ड सीरिंज जैसे नैनोफॉर्म्यूलेशन के लक्षण वर्णन को ऑर्थोगोनल विश्लेषणात्मक पद्धति भी विकसित करते हैं जो जेनेरिक फॉर्मूलेशन की शुद्धता, सुरक्षा और प्रभावकारिता को प्रभावित करने वाले संभावित उत्पाद अंतर की पहचान कर सकते हैं।

जीनोटॉक्सिक और नाइट्रोसामाइन अशुद्धियों की मात्रा का ठहराव के लिए विश्लेषणात्मक विधि विकास

इसमें हम जीसी-एमएस/एमएस, एलसी-एमएस, आयन क्रोमैटोग्राफी और एचपीएलसी का उपयोग करके जीनोटॉक्सिक और नाइट्रोसामाइन अशुद्धियों के आकलन के लिए एक विश्लेषणात्मक विधि भी विकसित करते हैं। इसमें उद्योग के लिए आईसीएच मार्गदर्शन के अनुसार नाइट्रोसामाइन अशुद्धियों को "कोहॉर्ट ऑफ कंसर्न" यौगिकों के रूप में संदर्भित किया जाता है।

दवा उत्पाद का एक्स्ट्रेक्टेबल और लिचेबल अध्ययन

यहां हम एलसी-एमएस और जीसी-एमएस का उपयोग करके फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में निकालने योग्य और लीच योग्य निर्धारण के लिए इसका अध्ययन डिजाइन करते हैं। इस अध्ययन में निष्कर्षण तकनीक का विकास, हाइफ़नेटेड तकनीकों का उपयोग करके अर्क का विश्लेषण शामिल होगा।

जैव समरूप लक्षण वर्णन

यहां हम जैविक उत्पादों को व्यापक रूप से चिह्नित करने के लिए ऑर्थोगोनल विश्लेषणात्मक पद्धति भी विकसित करते हैं जो संदर्भ उत्पाद की तुलना में बायोसिमिलर कैंडिडेट्स की शुद्धता, सुरक्षा और प्रभावकारिता को प्रभावित करने वाले संभावित उत्पाद अंतर की पहचान कर सकते हैं। इन ऑर्थोगोनल विधियों में आणविक भार और शुद्धता निर्धारण के लिए एसडीएस-पेज, आइसोइलेक्ट्रिक बिंदु और चार्ज विषमता निर्धारण के लिए आइसोइलेक्ट्रिक फोकस, अशुद्धता की मात्रा का ठहराव के लिए 2 डी जेल वैद्युतकणसंचलन, बरकरार द्रव्यमान के लिए एलसी-क्यू/ टीओएफ, डाइसल्फ़ाइड ब्रिज विश्लेषण और पेप्टाइड मैपिंग, एनएमआर शामिल हैं। प्रमुख घटक विश्लेषण के लिए। घटिया जैविक के प्रवेश को रोकने के लिए जैविक उत्पादों के गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए आईपी द्वारा इन ऑर्थोगोनल विधियों को अपनाया जा सकता है।

औषध विज्ञान और विष विज्ञान

इस्केमिक स्ट्रोक में माइटोकॉन्ड्रियल सुरक्षा के लिए वृद्धि हार्मोन-रिलीजिंग हार्मोन (जीएचआरएच) रिसेप्टर्स को लक्षित करने पर आधारित चिकित्सीय रणनीति:

अब तक, इस्केमिक स्ट्रोक को छोड़कर न्यूरोएंडोक्राइन मॉड्यूलेशन का विस्तार से अध्ययन नहीं किया गया है। हमारे सहयोगी, नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. एंड्रयू शेली ने इसमें कुछ जीएचआरएच एनालॉग्स को संश्लेषित किया है और विभिन्न विकृति विज्ञानों में उनकी जैविक गतिविधियों की जांच की है और उन्हें हितकर बताया है। अत: इस अध्ययन की नवीनता माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता को संशोधित करके इस्केमिक स्ट्रोक में चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में जीएचआरएच रिसेप्टर्स की भूमिका को समझने में निहित है।

क्रोनिक किडनी रोग में स्ट्रोक पैथोलॉजी की तीव्रता में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम तनाव और माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन के प्रभाव की खोज:

होमोसिस्टीन (एचसीवाई) एक गैर-प्रोटीनोजेनिक अमीनो एसिड (एनएमडीए एगोनिस्ट) जिसमें सीकेडी में वृद्धि पाई जाती है और यह स्ट्रोक पैथोलॉजी को बढ़ा सकता है। हम अनुमान लगाते हैं कि होमोसिस्टीन ईआर स्ट्रेस को बढ़ाता है, जिससे एपोप्टोसिस में परिवर्तन होता है और सीकेडी में स्ट्रोक पैथोलॉजी बढ़ सकती है। इसमें सीकेडी और स्ट्रोक दोनों के मामले में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन और एपोप्टोसिस की गंभीरता में वृद्धि हो सकती है। यहां हम अनुमान लगाते हैं कि माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन सीकेडी के कारण इस्केमिक स्ट्रोक पैथोलॉजी को बढ़ाने में भूमिका निभा सकता है।

स्ट्रोक के लिए स्टैटिन: एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम और माइटोकॉन्ड्रिया की भागीदारी को समझना: ग्लूटामेट, मस्तिष्क में एक प्रमुख

न्यूरोट्रांसमीटर होने के नाते, इसके विनियमन के कारण न्यूरोनल कोशिका के भीतर आयन असंतुलन और ऑक्सीडेटिव तनाव होता है जो ईआर और माइटोकॉन्ड्रियल फ़ंक्शन के विनियमन का कारण बनता है। इस अध्ययन में, हमारा लक्ष्य यह मूल्यांकन करना है कि क्या प्रोफिलैक्सिस या सिमवास्टेटिन के साथ उपचार इस्केमिक आघात के परिणामस्वरूप ईआर स्ट्रेस और माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन को उलटने में सक्षम हो सकता है।

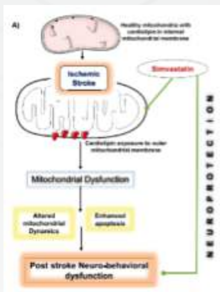

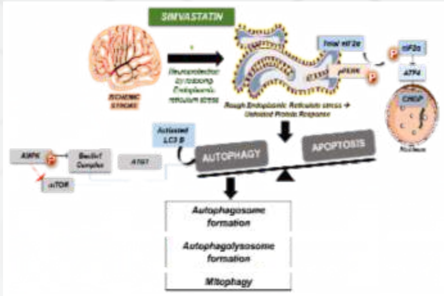

पीआई 3के/एकेटी मार्ग के माध्यम से सेरेब्रल इस्किमिया में इनोसिन की भूमिका की जांच:

हमारे इस अध्ययन का उद्देश्य स्ट्रोक के बाद पीआई 3के/एकेटी पाथवे के माध्यम से माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता और एसआईआरटी1/पीजीसी-1α पाथवे के माध्यम से माइटोकॉन्ड्रियल बायोजेनेसिस में सुधार करके न्यूरोप्रोटेक्शन में इनोसिन की भूमिका की जांच करना है। इसमें हम अनुमान लगाते हैं कि एडेनोसिन रिसेप्टर के माध्यम से इनोसिन, एक जी-प्रोटीन युग्मित रिसेप्टर रिसेप्टर टायरोसिन कीनेज को उत्तेजित कर सकता है और पीआई 3के को और सक्रिय कर सकता है। इसमें एक बार जब यह सक्रिय हो जाता है तो यह कई डाउनस्ट्रीम प्रक्रियाओं को उत्तेजित करेगा जिससे माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता में वृद्धि होगी।

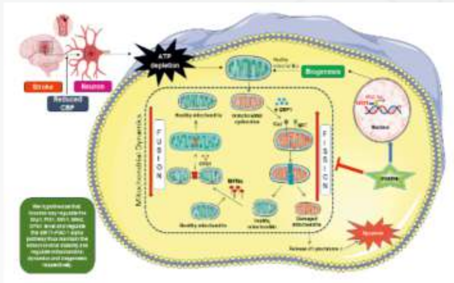

स्ट्रोक के बाद के अवसाद में एपेलिन-13 की न्यूरोप्रोटेक्टिव भूमिका:

ऐसा बताया गया है कि एपेलिन 13 अवसादरोधी गतिविधि प्रदर्शित करता है। इसमें बीडीएनएफ के अवरोध से प्रोटीन काइनेज बी (एकेटी) द्वारा फॉस्फोराइलेटेड फोर्कहेड बॉक्स ओ (फॉक्सो) सक्रिय हो जाता है, जिससे एपोप्टोसिस होता है, इसके न्यूरोजेनेसिस में कमी होती है जो अवसादग्रस्त लक्षणों को ट्रिगर करती है और स्ट्रोक के बाद अवसाद का कारण बनती है। इस अध्ययन में, हमारा लक्ष्य यह ज्ञात करना है कि क्या एपेलिन 13 का आईसीवी नियंत्रित इस्केमिक चूहों में स्ट्रोक के बाद के अवसाद की प्रगति को कम कर सकता है।

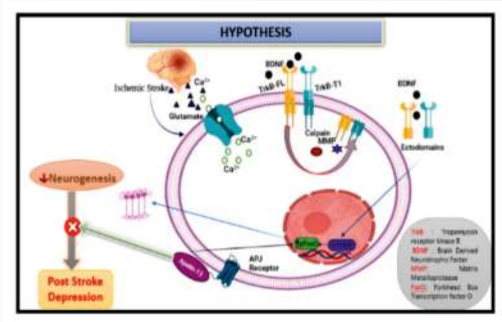

गर्भावस्था में स्ट्रोक:

गर्भावस्था में खासकर गर्भावस्था की तीसरी तिमाही और प्रसवपूर्व चरण के दौरान महिलाओं को स्ट्रोक का अनुभव होने की अधिक संभावना होती है। इसमें हाइपरकोएग्युलेबिलिटी और शिरापरक ठहराव के कारण, यह सेरेब्रोवास्कुलर थ्रोम्बोसिस (सीवीटी) का कारण बनता है, जो इस्केमिक स्ट्रोक का कारण बनता है। इसके बाद न्यूरोनल झिल्लियों के आयनिक ग्रेडिएंट में परिवर्तन से के+ का प्रवाह और सीए2+ आयनों का प्रवाह होता है। इसमें बढ़ा हुआ इंट्रासेल्युलर कैल्शियम कैल्शियम-निर्भर प्रोटीज और माइटोकॉन्ड्रियल फॉस्फेट को सक्रिय करता है जिससे माइटोकॉन्ड्रियल और एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम गतिशीलता में परिवर्तन होता है। इस प्रकार हम गर्भवती चूहों की पहली पीढ़ी (एफ1) में एपिजेनेटिक परिवर्तनों के साथ-साथ स्ट्रोक के बाद की स्थिति में माइटोकॉन्ड्रियल और एंडोप्लाज्मिक गतिशीलता में स्ट्रोक के प्रभाव की खोज कर रहे हैं।

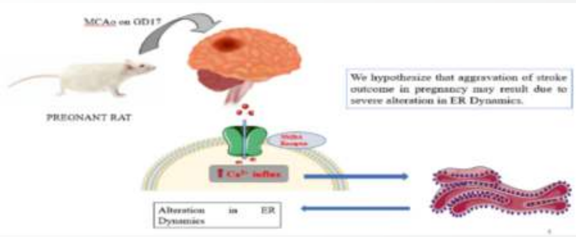

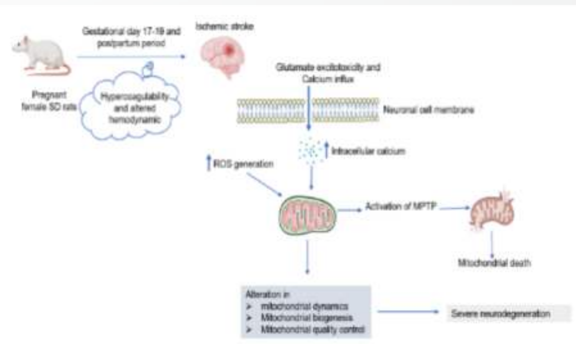

स्ट्रोक के बाद सफेद पदार्थ की आघात में क्लेमास्टीन की भूमिका:

इसमें स्ट्रोक के बाद द्वितीयक न्यूरोडीजेनेरेशन के रूप में सफेद पदार्थ के आघात के प्रमाण मौजूद हैं। अत: हम इसमें यह पता लगा रहे हैं कि क्या क्लेमास्टीन ईआर स्ट्रेस मध्यस्थता मार्ग को संशोधित करके स्ट्रोक के बाद सफेद पदार्थ के आघात में सुधार कर सकता है। इससे हमें क्लेमास्टीन को एक प्रभावी सहायक चिकित्सा के रूप में स्थापित करने में सहायता मिलेगी।

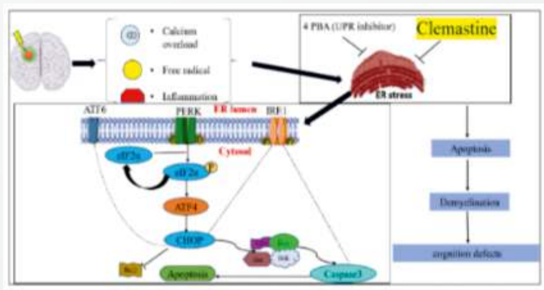

स्ट्रोक के बाद सेल थेरेपी में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम डायनेमिक्स के नियमन में कैल्शियम के बदलाव की भूमिका को समझना:

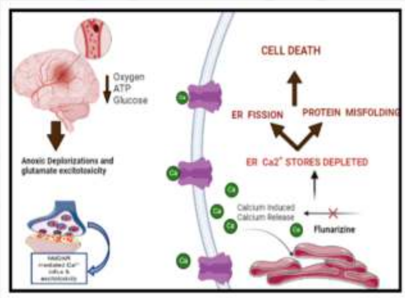

इसमें हम परिकल्पना करते हैं कि स्ट्रोक के बाद मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की इंट्रा-धमनी डिलीवरी ईआर गतिशीलता के मॉड्यूलेशन के माध्यम से न्यूरोप्रोटेक्शन प्रदान करने के लिए कैल्शियम होमोस्टैसिस में सुधार कर सकती है। इस परिकल्पना को प्रमाणित करने के लिए, कैल्शियम चैनल अवरोधक के रूप में फ्लुनारिज़िन का उपयोग करके एक निरोधात्मक अध्ययन किया गया।

एस्ट्रोसाइटिक सिग्नलिंग के विनियमन की खोज करके स्ट्रोक न्यूरोप्रोटेक्शन के लिए सेल थेरेपी:

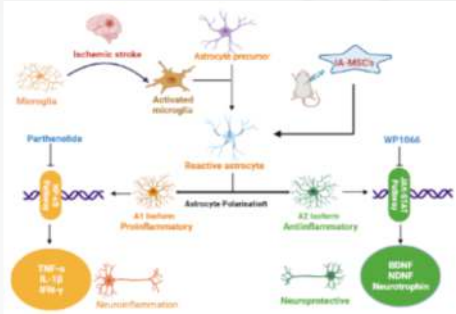

इसमें इस्केमिक स्ट्रोक के बाद, एस्ट्रोसाइट्स को प्रतिक्रियाशील एस्ट्रोसाइट्स में ध्रुवीकृत किया जाता है। जो रिएक्टिव एस्ट्रोसाइट्स में दो आइसोफोर्म ए1 न्यूरोइन्फ्लेमेटरी और ए2 एंटी-इंफ्लेमेटरी होते हैं। इसमें न्यूरोइन्फ्लेमेटरी एस्ट्रोसाइट उत्पादन की मध्यस्थता जेएके2/एसटीएटी3 सिग्नलिंग मार्ग और न्यूरोप्रोटेक्टिव-प्रकार के एस्ट्रोसाइट्स द्वारा की जाती है, जो एनएफ-केबी सिग्नलिंग मार्ग द्वारा मध्यस्थ होते हैं। इस परियोजना में, हम प्रस्ताव कर रहे हैं कि स्ट्रोक के बाद एआई-एमएससी रोधगलन क्षेत्र के पेनुमब्रल प्रसार को रोकने के लिए ए2 आइसोफॉर्म की ओर एस्ट्रोसाइट सिग्नलिंग को विनियमित कर सकता है।

इंट्रासेरेब्रल रक्तस्राव के दौरान एक्वापोरिन के कार्य और विनियमन की जांच:

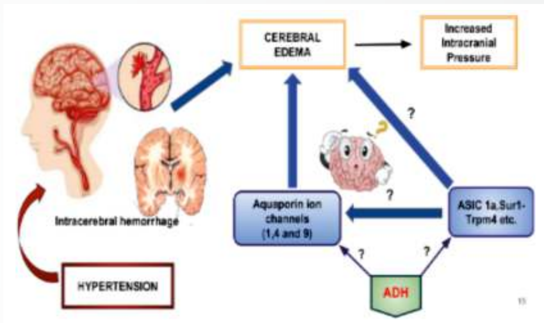

हाइपरोस्मोलर थेरेपी के लिए नए प्रतिमान की खोज: स्पॉन्टेनियस इंट्रासेरेब्रल हेमरेज (एसआईसीएच), स्ट्रोक का सबसे घातक उपप्रकार है, जिसके लिए सीमित उपचार उपलब्ध हैं। वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य रिबाउंड एडिमा के कारण को समझना है जो आईसीएच रोगियों के लिए हाइपरोस्मोलर थेरेपी की प्रमुख सीमा है। चूंकि मस्तिष्क एडिमा के दौरान विभिन्न मस्तिष्क वाटर चैनल, आयन चैनल, प्रोटीज़ और रिसेप्टर्स शामिल होते हैं, इसलिए एडीएच पोस्ट-आईसीएच के विभिन्न शारीरिक स्तरों के संबंध में इनकी अभिव्यक्तियों और नियमों को समझने की आवश्यकता होती है, ताकि हाइपरोस्मोलर के बाद रिबाउंड एडिमा की घटना के पीछे के कारण का पता लगाया जा सके। यह अध्ययन चिकित्सकों के लिए सीमाओं को पार करने और हाइपरोस्मोलर थेरेपी के लिए नए प्रतिमान को परिभाषित करने का नया मार्ग प्रशस्त करेगा। यह भविष्य में आईसीएच रोगियों के लिए नई दवा लक्ष्य अनुसंधान हेतु नए रास्ते भी खोलेगा।

स्ट्रोक के बाद के गौण न्यूरोडीजेनेरेशन में लिपिड रेफ्ट का समावेश:

लिपिड रेफ्ट प्लाज्मा झिल्ली पर माइक्रोडोमेन हैं जो कोशिका सिग्नलिंग कैस्केड में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां हम परिकल्पना करते हैं कि इस लिपिड रेफ्ट गतिशीलता में शामिल विशिष्ट लिपिड द्वितीयक न्यूरोडीजेनेरेशन और स्ट्रोक में न्यूरोनल-पुनर्जनन को भी नियंत्रित कर सकते हैं।

बीएम-एमएससी से पोस्ट-स्ट्रोक माइटोकॉन्ड्रियल स्थानांतरण:

हमारा लक्ष्य एक नए चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में स्ट्रोक के बाद के पेनुमब्रल न्यूरॉन्स को बचाने के लिए बीएम-एमएससी से माइटोकॉन्ड्रियल स्थानांतरण को नियोजित करने की संभावनाओं का पता लगाना है। इसमें हम उपरोक्त तंत्र में सिनैप्टोसोम की भूमिका की खोज कर रहे हैं।

स्ट्रोक के बाद की स्थिति में बीएम-एमएससी से माइटोकॉन्ड्रियल स्थानांतरण में लाइसोसोम की व्याप्ति:

इसमें हमारा अनुमान है कि क्या लाइसोसोम स्ट्रोक के बाद एंडोवास्कुलर स्टेम कोशिका उपचार के बाद माइटोकॉन्ड्रियल बायोजेनेसिस, स्थानांतरण, कार्यों और इसके पीछे के तंत्र में सहायता करता है। इसके अलावा, इसमें हम यह जांच करेंगे कि स्ट्रोक के बाद एंडोवास्कुलर स्टेम कोशिका उपचार के बाद टीएनटी गठन और इसके पीछे के तंत्र में लाइसोसोमल प्रोटीन की कोई भूमिका है या नहीं।

इस्केमिक स्ट्रोक में इम्युनोग्लोबुलिन की चिकित्सीय क्षमता की खोज:

इसमें ऐसा बताया गया है कि आईवीआईजी उपचार विभिन्न आणविक मार्गों के माध्यम से सूजन-रोधी क्रिया करता है। इसमें आईजीए को सूजन को कम करने में भी सक्षम बताया गया है। यहां आईजीए के साथ संयोजन में इम्युनोग्लोबुलिन आईजीजी इस्किमिया के बाद सूजन के

विरूद्ध न्यूरॉन्स की रक्षा करने में सक्षम हो सकता है। इसमें हमारे कार्य का उद्देश्य इस्केमिक स्ट्रोक के विषय में आईजीए के साथ संयोजन में इम्युनोग्लोबुलिन आईजीजी के कार्यात्मक पहलू की जांच करना है।

सेरोटोनर्जिक प्रणाली और स्ट्रोक के बाद गौण न्यूरो डिजनरेशन:

इसमें स्ट्रोक के बाद द्वितीयक न्यूरोडीजेनेरेशन होता है, जो संभवतः थैलेमस और हिप्पोकैम्पस से जुड़े मस्तिष्क क्षेत्रों को प्रभावित करता है। इसके विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि सेरोटोनर्जिक रिसेप्टर्स माइटोकॉन्ड्रियल बायोजेनेसिस में शामिल होते हैं। अत: हम अनुमान लगाते हैं कि न्यूरोनल सेरोटोनर्जिक सिस्टम का मॉड्यूलेशन स्ट्रोक के बाद के गौण न्यूरोडीजेनेरेशन में शामिल थैलामोकॉर्टिकल रिले सिस्टम को प्रभावित कर सकता है।

स्ट्रोक के बाद की स्थिति में बीएम-एमएससी से माइटोकॉन्ड्रियल परिवहन में गोल्गी की भूमिका की खोज:

गोल्गी 160 डायनेइन हेतु विनियमित गोल्गी स्थानीयकृत रिसेप्टर है। इस गोल्गी 160 को जब माइटोकॉन्ड्रिया की बाहरी झिल्ली पर लक्षित किया गया तो इसने माइटोकॉन्ड्रिया में डायनेइन उपस्थिति को दर्शाया। इसमें गोल्गी 210 सीआईएस के लिए स्थानीयकृत एक गोल्गिन है जहां गोल्गी, गोल्गी में γ ट्यूबुलिन की समावेश करता है। इसमें डायनेइन, सूक्ष्मनलिकाएं, मायोसिन और किनेसिन माइटोकॉन्ड्रिया परिवहन में शामिल मोटर प्रोटीन हैं। अत: आगे माइटोकॉन्ड्रियल फ़ंक्शन, बायोजेनेसिस को संशोधित करने और एंडोवस्कुलर स्टेम कोशिका उपचार के बाद स्ट्रोक के पश्चात् स्थानांतरण में गोल्गी की भूमिका की खोज की जा रही है।

मेरुदंड आघात और इंट्रावर्टेब्रल डिस्क डीजनरेशन (एससीआईडीडी) लैब में अनुसंधान फोकस क्षेत्र

सेंट्रल तंत्रिका तंत्र (सीएनएस) और मेरूदंड आघात (एससीआई):

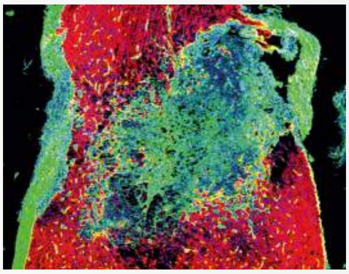

- न्यूरोवस्कुलर इकाई में न्यूरोनल, ग्लियाल और एंडोथेलियल कोशिका इंटरैक्शन की जांच करना। एससीआई में एंडोथेलियल कोशिका डिसफंक्शन, फाइब्रोसिस और एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स रीमॉडलिंग के तंत्र का अध्ययन करना। न्यूरोइन्फ्लेमेशन, रक्त-मेरूदंड बाधा विनियमन और ईसीएम मॉड्यूलेशन में टीआरपी आयन चैनलों, विशेष रूप से टीआरपीवी चैनलों पर जोर देना।

तंत्रिका संबंधी विकार:

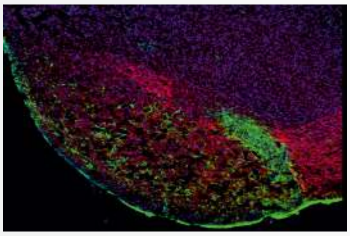

- पार्किंसंस रोग और मल्टीपल स्केलेरोसिस जैसी न्यूरोलॉजिकल स्थितियों में पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों, मेटल केलेटर्स और कीटनाशकों की भूमिका की खोज करना।
- न्यूरोबायोलॉजी में आंत-माइक्रोबायोम-मस्तिष्क अक्ष के मॉड्यूलेशन की जांच करना।

इंट्रावर्टेब्रल डिस्क डीजनरेशन (आईवीडीडी):

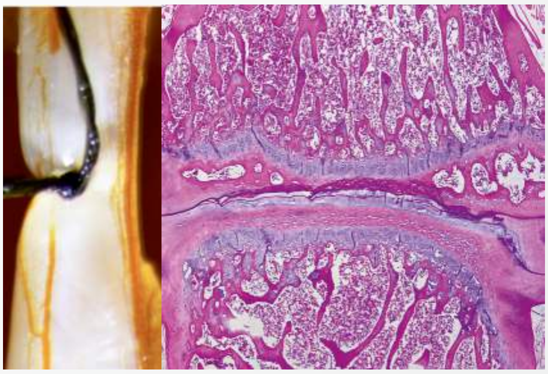

- आईवीडीडी पैथोलॉजी में सूक्ष्म ल्यूसीन-समृद्ध प्रोटीयोग्लाइकेन्स (एसएलआरपी) की भूमिका को समझना।
- एससीआई और आईवीडीडी के लिए सुधार रणनीति के रूप में जैवपदार्थ/स्टेम-कोशिका का परीक्षण करना।

पीड़ा दर्द तंत्र और राहत:

- एससीआई और आईवीडीडी में पीड़ा के तंत्र को समझना। इन-हाउस औषधियों का परीक्षण करना और विभिन्न इन विवो पीड़ा मॉडलों का उपयोग करके पीड़ा निवारण रणनीतियाँ विकसित करना।

कैंसर अनुसंधान:

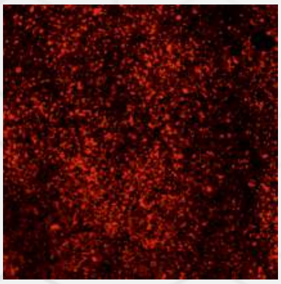

- कैंसर की प्रगति और मेटास्टेसिस का अध्ययन करने के लिए विविध पशु मॉडल (स्तन कैंसर, मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और कोलन कैंसर के लिए ज़ेनोग्राफ़्ट) का उपयोग करना।
- महत्वपूर्ण प्रोटीनों को लक्षित करना और कैंसर न्यूनीकरण के लिए नई रासायनिक इकाइयों और फॉर्मूलेशन का परीक्षण करना।

कैंसर रोधी जैवसक्रिय के प्रभावी साइटोसोलिक वितरण हेतु नवीन पॉलिमरिक नैनोमटेरियल का विकास

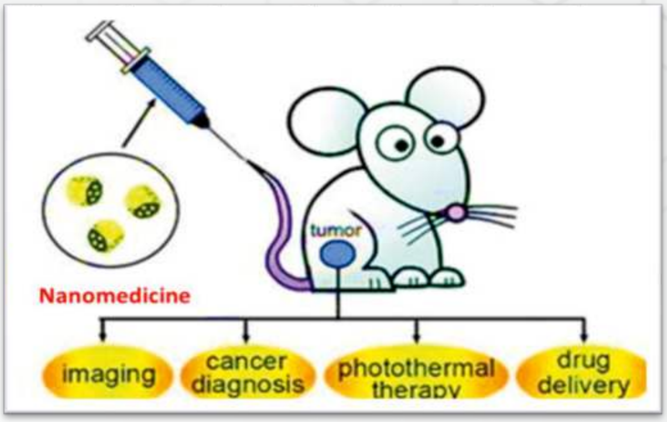

इस शोध का केंद्र-बिंदु, एक नियंत्रित और लक्षित पद्धति से चिकित्सीय एजेंटों की सफल डिलीवरी और विभिन्न अनुप्रयोगों हेतु उन्नत डिलीवरी प्रणाली के विकास पर निर्भर है। इसमें पोस्टडॉक्टरल, पीएचडी और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के समूह द्वारा मौलिक विज्ञान से लेकर औद्योगिक रूप से प्रासंगिक अनुप्रयोगों तक की परियोजनाएं शुरू की जाती हैं। ऐसी अनुसंधान की रुचियों में विशेष रूप से कैंसर चिकित्सा हेतु औषधि और प्रोटीनों के सूक्ष्म और नैनोकण वितरण के लिए बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर का उपयोग शामिल होता है। इस सतत परियोजनाओं के विशिष्ट उदाहरणों में कैंसर रोधी दवाओं और सूक्ष्म बाधा तथा माइक्रोआरएनए की डिलीवरी भी शामिल है। इन वर्तमान अनुसंधान हितों का एक व्यापक लक्ष्य इसमें कैंसररोधी जैवसक्रिय के प्रभावी साइटोसोलिक वितरण हेतु नोवल पॉलिमरिक नैनोमटेरियल्स का विकास विद्यमान करना है। यह अनुसंधान सूक्ष्मकणों की एक नई पीढ़ी को डिजाइन करने पर भी केंद्रित है, जो कैंसर कोशिकाओं की पहचान कर सकता है एवं स्वस्थ ऊतकों को बचाते हुए कैंसर के विकास को रोकने के लिए चुनिंदा कैंसररोधी दवाएं और जीन प्रदान कर सकता है। ऐसे शोध कार्य में पॉलिमर रसायन विज्ञान, सूक्ष्म प्रौद्योगिकी, आणविक जीव विज्ञान, फार्माकोकाइनेटिक्स/फार्माकोडायनामिक्स और इमेजिंग तकनीकों के अनुप्रयोग भी शामिल हैं।

ग्राफीन ऑक्साइड रैप्ड पॉलिमरिक सूक्ष्मकणों का उपयोग करके ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) के उपचार हेतु त्रिपक्षीय दृष्टिकोण

इस समूह की अनुसंधान अभिरूचि ड्रग डिलीवरी संबंधित बाधाओं से निपटने हेतु नवोन्मेषी रणनीतियों का विकास करना है। इस शोध परियोजना में सूक्ष्मप्रौद्योगिकी-आधारित प्लेटफॉर्म का उपयोग करके कैंसर के उपचार हेतु नोवल फॉर्मूलेशन का विकास शामिल है, जिसमें आक्रामक ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) के प्रभावी और आशाजनक उपचार के लिए हाइपरथर्मिया और कीमोथेरेपी सहित कई दृष्टिकोणों सहित पॉलिमरिक सूक्ष्मकणों (एनपी) का विकास शामिल है। इन घटकों में से एक, टीएनबीसी के उपचार पर विभिन्न दृष्टिकोणों और उनके व्यक्तिगत प्रभावों के बीच एक प्रभावी सहसंबंध स्थापित करना भी है। इसके लिए, हम उच्च इन विट्रो और इन विवो परिणामों सहित स्तन कैंसर रोधी फॉर्मूलेशन विकसित करने पर विचार कर रहे हैं ताकि इसे नैदानिक परीक्षणों हेतु संभाव्य बनाया जा सके और एक नोवल तथा कैंसर के विभिन्न रूपों का इलाज करने में अति प्रभावी दृष्टिकोण के रूप में आरएनएआई मध्यस्थता जीन साइलेंसिंग के उपयोग के आधार पर अनुसंधान क्षेत्र का पता लगाया जा सके। इस प्रस्तावित अनुसंधान पद्धति में ट्रिपल पंच उपचार को नियोजित करके इसके टीएनबीसी हेतु इसमें प्रणालीगत और दीर्घकालिक समाधान शामिल हैं, जिसमें प्रेरित फोटो थर्मल प्रभाव और जीन साइलेंसिंग के प्रभाव के अंतर्गत कीमोथेराप्यूटिक ड्रग डिलीवरी शामिल है।

सर्जरी के पश्चात् दोबारा निकाले जाने योग्य ट्यूमर की रोकथाम हेतु एनआईआर लेजर एक्टिवेटेबल नैनोसीड्स

पिछले कुछ वर्षों में, सर्जरी के बाद दोबारा होने वाले कैंसर का पता लगाने और उसका इलाज करने के कई प्रयास किए गए हैं। लेकिन इस पर आज तक, सर्जरी के बाद दोबारा होने वाली बीमारी की रोकथाम के लिए कोई विश्वसनीय चिकित्सीय रणनीति तैयार नहीं की गई है। इसके साथ ही इसमें साथ ही, केवल कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जिकल रिसेक्शन ही उपचार के एकमात्र विकल्प हैं। यहां हम सर्जरी के बाद ट्यूमर की पुनरावृत्ति की रोकथाम के लिए एनआईआर-लेजर एक्टिवेटेबल गोल्ड-नैनोसीड्स तैयार करने का प्रस्ताव करते हैं, जो इसमें कीमोथेरेपी सहित फोटो-कीमो थेरेपी (पीसीटी) प्रदान करेगा, साथ ही इसमें उच्च लेजर-चालित फोटोथर्मल क्षमता सहित इन-हाउस अनुकूलित और विकसित नैनोशेल का उपयोग करके फोटोथर्मल उपचार भी प्रदान करेगा। इसमें स्तन और प्रोस्टेट कैंसर में सर्जरी के बाद के हस्तक्षेप के लिए एक सरल और विकिरण-मुक्त विकल्प विकसित करना है हमारा दीर्घकालिक लक्ष्य है। इस विभाग के प्रमुख शोध केंद्र-बिंदु में, कैंसर रोगियों के शल्य चिकित्सा के बाद के उपचार हेतु कीमो-फोटोथर्मल थेरेपी विकसित करना है। इस शोध का उद्देश्य बायोडिग्रेडेबल इलेक्ट्रोस्पन पैच की क्षमता का पता लगाना है, जो फोटोथर्मल एजेंट कम ग्राफीन ऑक्साइड और एक कीमोथेराप्यूटिक एजेंट दोनों को शामिल करता है और शरीर के भीतर दीर्घकालिक प्रत्यारोपण के रूप में कार्य करता है। इसमें हम कम ग्राफीन ऑक्साइड की फोटोथर्मल प्रभावकारिता और लेजर पावर, एक्सपोज़र की अवधि आदि जैसे फोटोथर्मल थेरेपी में महत्व के मापदंडों की भी जांच और अनुकूलन कर रहे हैं।

इस प्लेटफॉर्म से एनआईआर विकिरण के प्रतिपुष्टि में कीमोथेराप्यूटिक एजेंट के स्पंदनशील रिलीज को प्रदर्शित करने की आशा है, जो दवा के प्रति कैंसर कोशिकाओं की संवेदनशीलता को बढ़ाने हेतु थर्मल प्रभाव सहित सहक्रियात्मक रूप से कार्य करेगा। यह न केवल स्थानीय पुनरावृत्ति को नियंत्रित कर सकता है, बल्कि प्रणालीगत रूप से अवशोषित दवा रोग की मेटास्टेटिक प्रगति को भी रोक सकता है। इसके विवो में, इस प्रणाली के सफल अनुप्रयोग से कैंसर में कीमो-फोटोथर्मल थेरेपी के लिए एक नए मंच का उदय हो सकता है। इस शोध में पॉलिमर विज्ञान, सामग्री विज्ञान, नैनोटेक्नोलॉजी, फार्माकोकाइनेटिक्स या फार्माकोडायनामिक्स, आणविक जीव विज्ञान, इमेजिंग तकनीक और विश्लेषणात्मक विज्ञान का संयुक्त अनुप्रयोग शामिल है।

इलेक्ट्रोस्प्रेइंग बनाम लियोफिलाइजेशन: दवा नैनोसस्पेंशन के ठोस-अवस्था गुणों पर प्रभाव

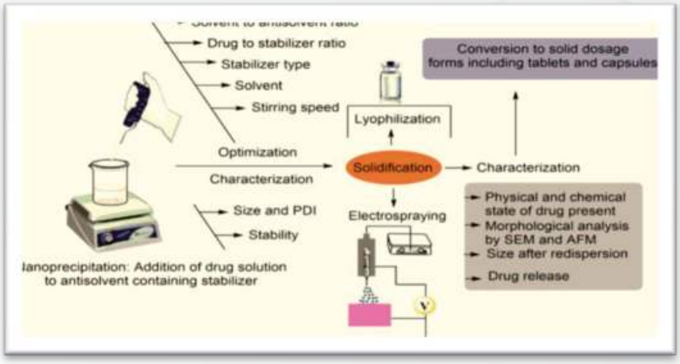

निर्बल जलीय घुलनशीलता, दवाओं की मौखिक डिलीवरी पर कार्य कर रहे फॉर्मूलेशन वैज्ञानिकों की प्रमुख बाधा है और इसने नवीन फॉर्मूलेशन प्रौद्योगिकियों के उपयोग को जन्म दिया है। नैनो रेंज में इसके आकार में कमी के कारण अघुलनशील जल में घुलनशील दवाओं की विघटन दर बढ़ सकती है तथा मौखिक जैवउपलब्धता बढ़ सकती है। इसमें वर्तमान में उपयोग की जाने वाली विधियाँ जैसे "ऊपर से नीचे" या "नीचे से ऊपर" दृष्टिकोण, इसके कण आकार को कम करते हैं लेकिन इसके सतह क्षेत्र को बड़ा कर देते हैं एवं गिब्स मुक्त ऊर्जा को काफी बढ़ा देते हैं जिससे भौतिक (एकत्रीकरण/कण संलयन) और/या भंडारण पर रासायनिक अस्थिरता (भंडारण के दौरान दवा की रासायनिक प्रतिक्रिया) के कारण ताजा अवक्षेप के सूक्ष्म आकार को बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। वर्तमान में हम नैनोक्रिस्टल प्राप्त करने के लिए नैनोसस्पेंशन के लियोफिलाइजेशन के दौरान उपयोग किए जाने वाले स्टेबलाइजर्स और क्रायोप्रोटेक्टेंट्स के बीच जटिल परस्पर क्रिया का अध्ययन करने में शामिल हैं। हम नैनोक्रिस्टल के थोक स्तर के गुणों पर उनके प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए लियोफिलाइजेशन का उपयोग करके प्राप्त नैनोक्रिस्टल के ठोस-अवस्था गुणों और इलेक्ट्रोस्पिनिंग का उपयोग करके प्राप्त किए गए गुणों की भी जांच कर रहे हैं। आशा है कि इससे हमें शुरुआती चरणों में अस्थिरता के मार्करों की पहचान करने में सहायता मिलेगी और अंतिम खुराक फॉर्म की स्थिरता मूल्यांकन के लिए आवश्यक समग्र समय कम हो जाएगा।

जैव-संवर्द्धन हेतु पारंपरिक खुराक रूपों में अपूर्ण घुलनशील दवाओं का निर्माण

इसमें उच्च-थ्रूपुट स्क्रीनिंग (एचटीएस) रणनीति के उपयोग से अत्यधिक प्रभावशाली चिकित्सीय यौगिकों की संख्या में वृद्धि हुई है। हालाँकि, इनमें से कई यौगिक पानी में अपूर्ण घुलनशील हैं, जो फॉर्मूलेशन वैज्ञानिकों के लिए एक नई चुनौती उत्पन्न कर रहे हैं। हालांकि केवल दवा की खुराक बढ़ाकर अपूर्ण घुलनशीलता को दूर करना संभव हो सकता है, यह दृष्टिकोण न केवल निर्थक है बल्कि अक्सर यह उच्च परिवर्तनशीलता और संभावित विषाक्तता का परिणाम होता है। इसलिए, दवा की घुलनशीलता में सुधार हेतु विभिन्न प्रणालियों पर कार्य करना महत्वपूर्ण है। इसमें नैनोक्रिस्टल: अपूर्ण घुलनशील चिकित्सीय यौगिकों को तीव्र विघटन दर प्रदान करने के लिए एक व्यवहार्य और प्रभावी रणनीति है।

किसी भी दवा को प्रणालीगत परिसंचरण में अवशोषित करने के लिए, उसे पहले अवशोषण स्थल पर तरल पदार्थ में घोलना होगा। यह विघटन दवा कणों के सतह क्षेत्र पर निर्भर करता है (नीचे दिए गए नॉयस-व्हिटनी समीकरण के अनुसार) और जो बदले में उनके कण आकार पर निर्भर करता है। इसमें विघटन के लिए उपलब्ध सतह क्षेत्र को बढ़ाने के लिए नैनोक्रिस्टल तकनीक एक व्यावहारिक और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य दृष्टिकोण है। हम अपूर्ण घुलनशील दवाओं के नैनोक्रिस्टल की जेनेरेशन हेतु ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर के दृष्टिकोण पर कार्य करते हैं। इसमें जैसे-जैसे क्रिस्टल का आकार घटता है, उनकी सतह मुक्त ऊर्जा बढ़ती है और इसलिए इससे ढेर का निर्माण हो सकता है, जो कभी-कभी इनपुट दवा से बड़ा हो सकता है, और इसलिए इसके परिणामस्वरूप, विघटन दर में कमी आ सकती है। इन गठित नैनोक्रिस्टलों का स्थिरीकरण सतह स्टेबलाइजर्स के विवेकपूर्ण समावेश द्वारा प्राप्त किया जा सकता है, जिनकी क्रिस्टल सतह से बहुत अधिक समानता होती है। इसमें हम विभिन्न प्रकार के नैनोक्रिस्टल स्टेबलाइजर्स का पता लगाते हैं जो पहले से ही मानव उपभोग के लिए अनुमोदित हैं, जहां वे अन्य खुराक रूपों में एक अलग कार्यात्मक भूमिका निभाते हैं। मूल्यांकन के दौरान, हम ऐसे स्टेबलाइजर्स के लिए प्रबंध की मात्रा और मार्ग पर भी विचार करते हैं।

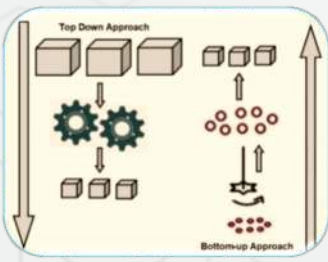

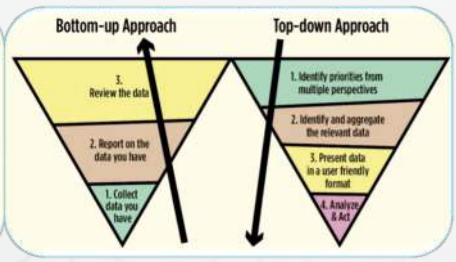

लय वृद्धिकर पदार्थों का उपयोग करके मैक्रोमोलेक्यूलर चिकित्सीय की डिलीवरी हेतु मौखिक मार्ग का उपयोग करना

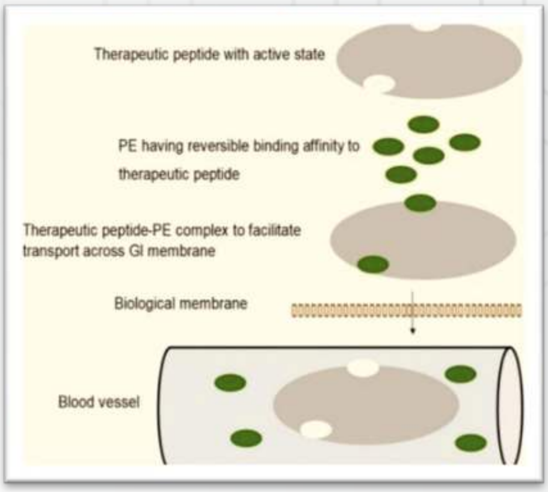

प्रोटीन और पेप्टाइड्स जैसे मैक्रोमोलेक्यूल-आधारित चिकित्सीय हेतु दवा की खोज और विकास की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसमें उच्च रोगी अनुपालन के कारण दवा प्रबंध हेतु मौखिक मार्ग सदैव प्रथम विकल्प रहता है। हालाँकि, इन मैक्रोमोलेक्यूल चिकित्सीय की अंतर्निहित सीमाएँ जैसे पीएच और गैस्ट्रिक/छोटी आंत एंजाइमों के प्रति संवेदनशीलता, साथ ही कम आंत्र उपकला झिल्ली पारगम्यता, उनके मौखिक प्रबंधन को सीमित करती हैं। अब इस साहित्य में इसे अच्छी तरह से प्रलेखित किया गया है कि प्रवेश बढ़ाने वाला (पीई) इन मैक्रोमोलेक्यूल्स, विशेष रूप से छोटे पेप्टाइड्स के मौखिक अवशोषण को बढ़ा सकता है। इस पर हमारी प्रयोगशाला पेप्टाइड्स की मौखिक डिलीवरी में सुधार के लिए विभिन्न प्रकार के पीई की खोज करती है, जिन्हें वर्तमान में टाइप 2 मधुमेह मेलिटस, ऑस्टियोपोरोसिस इत्यादि जैसी कई पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए इंजेक्शन के रूप में प्रबंधित किया जाता है। इसमें यह माना गया है कि इन चिकित्सीय पेप्टाइड्स की लिपोफिलिसिटी में वृद्धि के कारण पीई के साथ प्रतिवर्ती बंधन बढ़ी हुई झिल्ली पारगम्यता के लिए प्रतिसादी है। इसके अतिरिक्त यह, पेप्टाइड के साथ पीई का बंधन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) एंजाइमेटिक गिरावट की रक्षा भी कर सकता है।

कोलन कैंसर के लक्ष्यीकरण, एपोप्टोसिस इंडक्शन और उपचार के लिए सूक्ष्मकणों को एनकैप्सुलेट करने वाले मिनीकैप्सूल

कैंसर विश्व भर में रोग-मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। इसके साथ ही विश्व भर में कैंसर से होने वाली मृत्यु दरों में भी निरंतर वृद्धि होने का अनुमान है, जिसमें वर्ष 2030 तक कैंसर से अनुमानित 12 मिलियन मृत्यु होंगी। इन कैंसर उपचारों का उद्देश्य सर्जरी और रेडियोथेरेपी के माध्यम से तीव्रता से बढ़ती ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करना है। वर्तमान उपचार केवल प्रारंभ में लक्षित कैंसर मामलों में ही लाभप्रद हैं। इसमें वर्तमान अध्ययन में चिटोसन नैनोकणों, असंयुग्मित और फोलिक एसिड (एफए)-संयुग्मित एनकैप्सुलेटिंग कैस्पेज़ 3 एक्टिवेटर (7-हाइड्रॉक्सीस्टॉरोस्पोरिन) से भरे यूड्रैगिट एस100-लेपित मिनी-कैप्सूल की तैयारी और लक्षण वर्णन शामिल है। ये तैयार किए गए नैनोकणों की तुलना अंग-अनुकरणित तरल पदार्थ और पूर्व विवो अध्ययन (कोशिका व्यवहार्यता, डीएनए विखंडन, कैसपेज़ 3 गतिविधि) में औषधि प्रदान के माध्यम से पूर्व-जांच द्वारा कैंसर के लक्ष्यीकरण और इलाज की क्षमता अध्ययन (ट्यूमर प्रतिगमन और वितरण) हेतु की गई थी, तत्पश्चात् विवो के माध्यम से इसकी पुष्टि की गई थी। ये तैयार नैनोकण आकार में लगभग गोलाकार थे, जिनमें सकारात्मक जेट क्षमता विद्यमान थी। इन कोशिका लाइन अध्ययनों से, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि दोनों संयुग्मित फॉर्मूलेशन ने बेहतर अवशोषण, एपोप्टोसिस, कैस्पेज़ 3 सक्रियण और डीएनए विखंडन को दर्शाया। इसमें स्थिरता अध्ययन, आईसीएच दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया था और 5 ± 3 सी पर संग्रहीत फॉर्मूलेशन सबसे स्थिर पाया गया था। इसमें इन विवो अध्ययनों ने भी निष्कर्षों का समर्थन किया और अकेले यूसीएन 01 की तुलना में बेहतर व्यापक समय 23.61± 1.75 घंटे, ट्यूमर वितरण प्रोफ़ाइल दर्शाया था। इसमें इन विट्रो, एक्स विवो और इन विवो अध्ययनों के परिणाम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि इसमें लेपित मिनीकैप्सूल विशेष रूप से डिलिवर होते हैं।

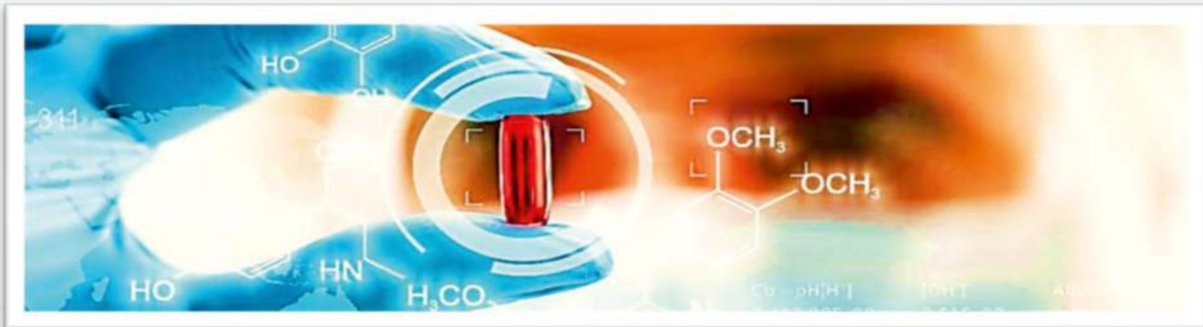

ओरल और पैरेंट्रल प्रबंधन हेतु पारंपरिक फॉर्मूलेशन का विकास और नेत्र प्रबंधन हेतु आवेषण विकसित करना

ओरल और पैरेंट्रल प्रबंधन हेतु पारंपरिक फॉर्मूलेशन का विकास और नेत्र प्रविष्ठ प्रबंधन हेतु आवेषण विकसित करना। इसमें ओरल फॉर्मूलेशन के विषय में, उनका अनुसंधान समूह बीसीएस वर्ग 2 और 4 श्रेणियों से संबंधित औषधियों की विघटन दर में सुधार करने हेतु हॉट मेल्ट एक्सट्रूज़न (एचएमई) और नैनोक्रिस्टल तकनीक पर कार्य करता है। इसी प्रकार, उनका शोध कार्य निर्बल पारगम्य औषधियों की मौखिक डिलीवरी के लिए नोवल और इसके साथ ही मौजूदा पारगम्यता बढ़ाने वाले तत्वों की भी खोज करता है, जिन्हें वर्तमान में चमड़े के

नीचे और इंट्रामस्क्युलर मार्गों के माध्यम से प्रशासित किया जाता है। हाल ही में उन्होंने बायोसिमिलर डेवलपमेंट के क्षेत्र में शोध कार्य भी शुरू किया है।

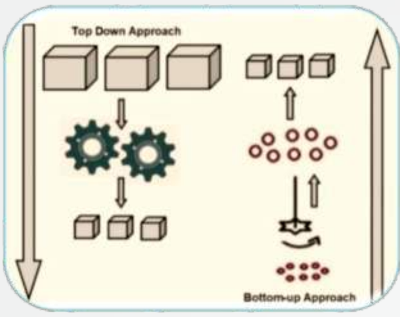

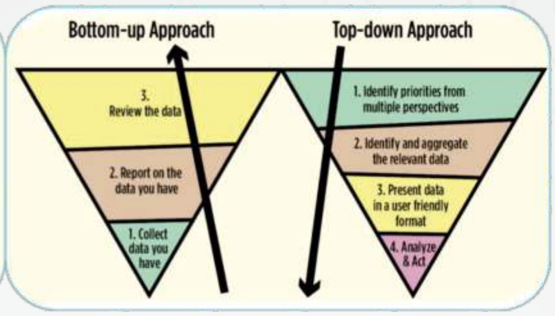

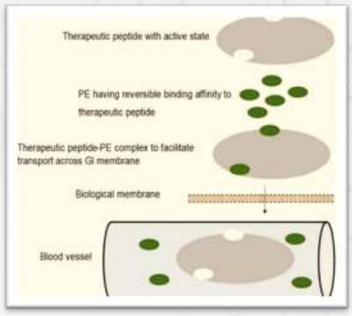

गैर-आक्रामक नैनो-फॉर्मूलेशन का विकास, अनुकूलन (क्यूबीडी आधारित) और लक्षण वर्णन

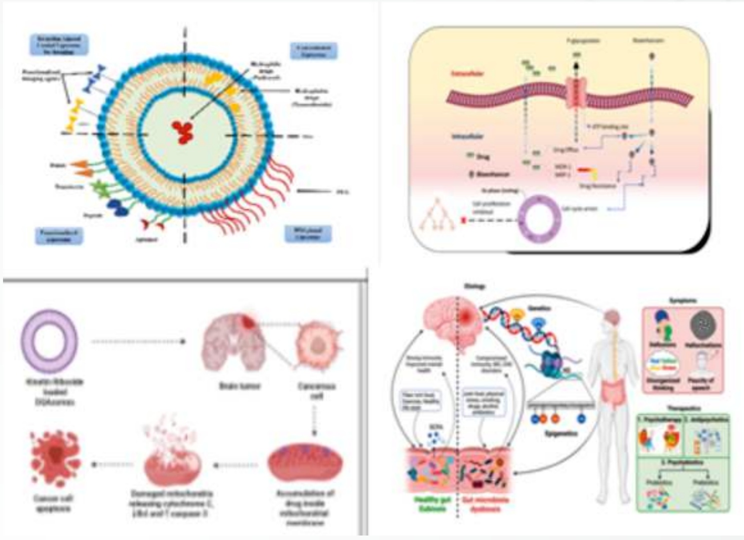

इसमें विभिन्न प्रतिरोधी और गैर-प्रतिरोधी, त्वचा और सॉफ्ट ऊतक संक्रमणों के लिए गैर-आक्रामक नैनो-फॉर्मूलेशन का विकास, अनुकूलन (क्यूबीडी आधारित) और लक्षण वर्णन, जिसमें दर्दनाक और गैर-दर्दनाक चोटों, माइक्रोबायोटा में गड़बड़ी, सहवर्ती बीमारियों आदि के कारण होने वाले संक्रमण शामिल हैं। इस शोध कार्य में संयोजन चिकित्सा, नैनो-फॉर्मूलेशन और बायोएनहांसर द्वारा ग्लियोब्लास्टोमा, कोलन कैंसर, मौखिक कैंसर और उनके दवा प्रतिरोधी रूपों (इन विट्रो, मॉडल आधारित और विवो) के प्रबंधन के लिए दवा वितरण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

उन्नत सूत्रीकरण विकास

इसमें अपूर्ण चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए फॉर्मूलेशन संबंधी चुनौतियों के समाधान में उन्नत फॉर्मूलेशन विकास पर अनुसंधान किया जाता है। इस अनुसंधान गतिविधियों की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

- घुलनशीलता, पारगम्यता के विषय को संबोधित करने, इसमें दुष्प्रभाव को कम करने और कार्रवाई के स्थल पर दवा अणु की समग्र जैवउपलब्धता में वृद्धि हेतु नैनोकैरियर फॉर्मूलेशन विकास करना।
- पॉलिमर के संश्लेषण को तैयार करना और इसके लक्षित वितरण हेतु फॉर्मूलेशन विकास के लिए संश्लेषित पॉलिमर का उपयोग करना।
- त्वचा रोगों, नेत्र रोग, कैंसर और उम्र बढ़ने और विभिन्न जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के कारण होने वाली बीमारियों में अधूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए सामयिक, हाइड्रोजेल फॉर्मूलेशन, माइक्रोपार्टिकल्स और वेसिकुलर कैरियर आदि का विकास करना।
- सुचिकित्सीय प्रभावकारिता, स्थिरता और उत्पाद विकास हेतु एपीआई और उनके स्वरूप की जांच करने के लिए प्री-फॉर्मूलेशन मूल्यांकन, दवा सहायक संगतता अध्ययन, प्रक्रिया पैरामीटर, स्थिरता अध्ययन और दवा पदार्थ गुण जैसे कण आकार, दवा फिजियोकेमिकल गुण, दवा पदार्थ की ठोस अवस्था लक्षण वर्णन आदि करना।
- विकसित फॉर्मूलेशन का बायोफार्मा जोखिम मूल्यांकन आदि करना।

औषधीय प्रबंधन

संस्थान का औषधीय प्रबंधन विभाग, विभिन्न प्राथमिक विपणि (मार्केट) अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्यरत है। इसमें सभी मार्केट एक अंतराल या अपनी अधूरी आवश्यकता की पूर्ति हेतु एक दूसरे के साथ जुड़ी होती है। इस क्षेत्र में हमारा प्राथमिक दृष्टिकोण समाजिक स्तर की समस्याओं को समझना है। यह विभाग रणनीतिक और कार्यात्मक प्रबंधन और नीतियों के विश्लेषणात्मक और/या व्यावहारिक क्षेत्रों में अनुसंधान के आधार पर अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता का शोध प्रबंध तैयार करने हेतु प्रयासरत है। संस्थान के इस विभाग ने महामारी विज्ञान

अध्ययन से संबंधित परियोजनाएं शुरू की हैं।

वर्तमान में, औषधीय प्रबंधन विभाग मार्केट आकर्षण, मूल्यांकन विश्लेषण, महामारी विज्ञान विश्लेषण, विशेषता विश्लेषण, एनालॉग विश्लेषण, थेरेपी क्षेत्र परिदृश्य विश्लेषण, पाइपलाइन विश्लेषण, नैदानिक परीक्षण विश्लेषण, ब्रांड योजना, और मेटाबोलिक विकारों, सीएनएस, ऑटो-प्रतिरक्षा विकारों, अस्पताल से जुड़े संक्रमणों के लिए ज्ञान खजाना विकास से संबंधित परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है।

इसके अतिरिक्त, वर्तमान में यह विभाग नाईपर अहमदाबाद के अन्य अंतर-विभागों के साथ मिलकर एक ऐसी औषधि के लिए व्यावसायिक अवसर विकसित करने के लिए कार्य कर रहा है जिसका उपयोग वर्तमान में भारत में अनुपलब्ध एक फॉर्मूलेशन को विकसित करने के लिए किया जाता है जो इसके व्यावसायिक क्षेत्र में प्राथमिक विपणि अनुसंधान, प्रतिस्पर्धी खुफिया अध्ययन, पूर्वानुमान आदि की आवश्यकता होती है।

उपकरण सुविधाएं

केंद्रीय उपकरण सुविधा

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद एम.एस. और पीएचडी (फ़ार्म.) विद्यार्थियों के अनुसंधान कार्यक्रमों के आधार पर विभागीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु परिष्कृत उपकरणों सहित अनुसंधान प्रयोगशालाओं की सुविधाएं प्रदान करता है। यहां अनुसंधान, विकास और प्रौद्योगिकियों में नवीनतम प्रगति के अनुसार केंद्रीय उपकरण सुविधाओं को लगातार उन्नत किया जाता है।

केंद्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ) प्रयोगशाला

क्यू-टीओएफ-एलसीएमएस	एफटीआईआर	एटीआर
गैस वर्णलेखन	एचपीएलसी-यूवी / आरआई	जेल पर्मिएशन क्रोमेटोग्राफी
एचपीएलसी-पीडीए / एफएलडी	फ्लैश क्रोमैटोग्राफी	सेमीप्रिपेरेटिव एचपीएलसी
पोरसिटी मीटर	अल्ट्रासेन्ट्रिफ्यूज	थर्मोग्रैविमेट्रिक एनालाइजर
मल्टीमोड रीडर	यूवी प्लेट रीडर	डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरिमीटर
पोलरिमीटर	यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर	माइक्रोब्लेंस
लाइओफ़लाइज़र	एफईएसईएम_सीआरवाईओ सिग्मा 300	एनएमआर
एचपीएलसी-ईएलएसडी	एचएसजीसी-एमएस ट्रिपल क्वैड्रपॉल	एलसी-एमएस-एमएस ट्रिपल क्वैड्रपॉल
ऑयन क्रोमैटोग्राफी	पेप्टाइड सिंथेसाईजर	एक्सट्रूडर
एमटीएस	वैक्यूम एक्सट्रैक्टर	
जेल डॉक प्रणाली	इंवर्टेड माइक्रोस्कोप	कार्बन डाईऑक्साइड (सीओ$_2$) इनक्यूबेटर
नैनोड्रॉप	रियल-टाइम पीसीआर	बायोएनलिज़र
रोटरी वाष्पीकरण	तापमान नियंत्रित अपकेंद्रित्र	समानांतर सिंथेसाइज़र
डीप फ्रीजर (-80 ° सी)	रोटरी शेकर	बायोसैफिलिटी कैबिनेट (द्वितीय श्रेणी)
क्रायो कैन	वेस्टर्न ब्लाट यूनिट	जेल वैद्युतकणसंचलन इकाई
मेल्टिंग प्वाइंट उपकरण	फ़्यूमहुड	इलेक्ट्रोपोरेटर
कन्फोकल माइक्रोस्कोप: लेईका टीसीएस	बायो-रैड एस3 टीएम सेल सॉर्टर	हाइपोक्सिया चैंबर
टेप स्टेशन	सोनीकेटर	ग्लोव बॉक्स
निष्क्रिय परिहार उपकरण	रिफ्रिजेरेटेड अपकेंद्रित्र	रोटारॉड उपकरण
वाइब्रेटोम	पैरफिन एम्बेड्डुर	माईक्रोटोम

रैपिड मिक्सर ग्रैनुलेटर	ऑटोकॉटर	पोटेंटियोस्टैट-गैल्वेनोस्टैट
स्थिरता चैंबर	मास्टर्साइज़र	ज़ेटासाइज़र
हॉट स्टेज माइक्रोस्कोप	रेमोमीटर	मैग्नेटो मीटर
फ्लूइड बेड ड्रायर	टेक्सचर एनालाईजर	रोटरी संपीड़न मशीन
विघटन तंत्र उपकरण	पोलिंग सेटअप	यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन
इलेक्ट्रॉन स्पिनिंग सेटअप	पीजोमीटर	प्रोब सोनिकेटर
हॉट प्लेट एनाल्जेसियोमीटर	आईवीसी केजेज	मेटाबॉलिक केजेज
इलेक्ट्रॉनिक वॉन-फ्रे	हरग्रेव्स उपकरण	सर्जिकल माइक्रोस्कोप
स्ट्रोक उपकरण	पशु वेंटीलेटर	स्टेरोटैक्सीक उपकरण
क्रायोस्टेट	छोटे पशु निश्चेतक	डीप फ्रीजर (-80º सी)
हॉट-कोल्ड प्लेट एनालजेसियोमीटर	एक्टिविटी व्हील्स	रेस्पिरोमीटर
ऑपरेन्ट कंडीशनिंग चैंबर	सेमी-ऑटोमैटिक बायोएनाइजर	छोटा पशु इन-विवो-इमेजिंग सिस्टम
माइक्रो-डायलिसिस	प्रोब सोनिकैटर	इसोफ्लुरेन एनेस्थेसिया सिस्टम
एफडीएम 3डी प्रिंटर	एनआईआर_लेजर डॉयड	फोटोस्टैबिलिटी चैम्बर
सोटेक्स टाईप- IV विघटन तंत्र		

हमारे क्लाइंट

संस्थागत सुविधाएं

कंप्यूटर लैब

नाईपर-अहमदाबाद में अध्ययनरत छात्रों और कर्मचारियों को यहां की अन्य डिजिटल संसाधनों सहित बेहतर (उच्च गति वाली) इंटरनेट सुविधा प्रदान कराने के उद्देश्य से संस्थान में केंद्रीय कंप्यूटर सुविधा को उपलब्ध कराया गया है। यहां सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को निर्बाध इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए 100 एमबीपीएस एक्सेसिंग गति सहित एक इंटरनेट लीज्ड लाइन स्थापित की गई है। यहां के रैक सर्वर और वर्कस्टेशन को कोहा लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर, प्राकृतिक उत्पाद के शब्दकोश, टैलीई आरपी, विभिन्न वैज्ञानिक टूलों आदि जैसे होस्ट एप्लीकेशनों के अनुप्रयोग सर्वर के रुप में कार्य करने के लिए संस्थापित किया गया है। संस्थान

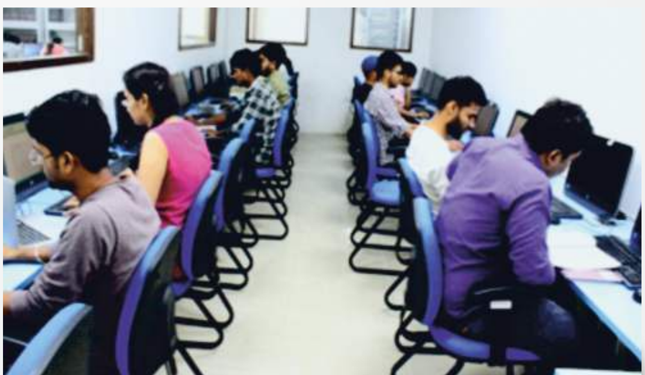

के सभी संकाय कक्ष, सेमिनार कक्ष, कक्षा, पुस्तकालय और प्रयोगशालाएँ आदि वाई-फाई सुविधाओं से सुसज्जित है। इसके अलावा, सभी कक्षाओं, सेमिनार कक्ष, और प्रेक्षागृह में अनुकूल शिक्षण वातावरण हेतु प्रोजेक्टर, टीवी, वीडियो कॉन्फ्रेंस सुविधा आदि उपलब्ध कराई गई है।

पुस्तकालय

नाईपर-अहमदाबाद के पुस्तकालय में अठारह सौ से अधिक पुस्तकें (और उनकी ई-प्रति), 862 थीसिस / शोध प्रबंध, 199 बाउंड जर्नल (वॉल्यूम), 19 प्रिंट जर्नल (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय), और साइंस डायरेक्ट, एसीएस, नेचर, स्प्रिंजर, टेलर और फ्रांसिस जैसे प्रकाशकों के 229 ई-जर्नल शामिल हैं। औषधीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी अर्थात् विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, औषधीय रसायन विज्ञान, चिकित्सा उपकरण, प्राकृतिक उत्पाद, औषध विज्ञान, और भेषज सभी विषयों को शामिल किया गया है। इसमें प्रेरक पुस्तकों, ऐतिहासिक पुस्तकों, साहित्य पुस्तकों, विज्ञान कथा पुस्तकों, उपन्यासों, आत्मकथाओं, आत्मजीवनी आदि का समृद्ध संग्रह भी है।

संस्थान का पुस्तकालय ओपन-सोर्स पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर (कोहा), ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी), सुव्यवस्थित अध्ययन कक्ष, हाई-स्पीड फोटोकॉपियर आदि जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। संस्थान द्वारा अनुसंधान प्रकाशनों तक सुगम्य और संरक्षण की सुविधा हेतु हमारा पुस्तकालय डिजिटल पुस्तकालय सॉफ्टवेयर (ग्रीनस्टोन डिजिटल लाइब्रेरी, जीएसडीएल) से भी सुसज्जित है। यहां पुस्तकालय में उपयोगकर्ताओं के सहज अनुभव सुनिश्चित करने हेतु पुस्तकों के लेन-देन को कुशलतापूर्वक नियंत्रित करने के लिए आरएफआईडी तकनीक का भी उपयोग किया जाता है। हमारे पुस्तकालय में साहित्यिक चोरी की जांच और पहचान करने के लिए टर्निटिन सॉफ्टवेयर, अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचारों का सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु ई-संसाधन के रूप में स्कोपस, रिएक्जीस एवं डिक्शनरी ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स (डीएनके) जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी उपलब्ध कराया है। उपयोगकर्ताओं के आवश्यकतानुसार पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों और सुविधाओं को समय-समय पर अद्यतीत किया जाता है।

छात्रावास

यहां पास के इलाके में ही संस्थान के बालकों और बालिकाओं हेतु अलग-अलग छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों हेतु संस्थान द्वारा नियमित परिवहन सुविधा प्रदान की जाती है। छात्रावास के कमरे अध्ययन हेतु अच्छी तरह से सुसज्जित है। प्रत्येक छात्र को शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में ही उनके बिस्तर, कुर्सी, अध्ययन तालिका और एक अलमारी सहित बुनियादी फर्नीचर प्रदान कर दिया जाता है। छात्रावासों में खेल और अन्य मनोरंजक सुविधाएं हैं; जैसे व्यायाम, गतिविधि और बातचीत कक्ष, खेल और त्योहार समारोह आदि के लिए सार्वजनिक क्षेत्र भी उपलब्ध है। यहां सभी छात्रावास के कमरों में चौबीसों घंटे इंटरनेट कनेक्टिविटी है। हमारे छात्रावास चौबीसों घंटे सीसीटीवी की निगरानी में हैं। इसके अलावा छात्रावास में दिन-रात सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। छात्रावास में वर्ष भर पौष्टिक भोजन परोसा जाता है। यहां चौबीसों घंटे हाउसकीपिंग सेवाएं और ब्रेकडाउन रखरखाव सेवा प्रदान करके छात्रावास परिसर के भीतर स्वच्छता और सफाई का ध्यान भी रखा जाता है।

भोजनालय

संस्थान के परिसर में उपलब्ध नाईपर-अहमदाबाद का भोजनालय विभिन्न प्रकार के स्वच्छ और स्वस्थ भोजन सहित अल्पाहार और पेय पदार्थ इत्यादि को उपलब्ध कराता है। यहां के शोध छात्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, भोजनालय विस्तारित कार्यअवधि तक और साथ ही साथ सप्ताह के अंत में भी खुला रखा जाता है। हमारा मानना है कि भोजनालय जैसी जगहों पर शोध विचार अंकुरित होते हैं जहां छात्र खुले तौर पर बातचीत कर सकते हैं और अपने प्रस्तावों और शोध विचारों पर चर्चा कर सकते हैं।

अत: हमारे भोजनालय में बैठने की अच्छी व्यवस्था है, जहाँ छात्र अपने नवीन विचारों पर कक्षा से बाहर के विचार-मंथन सत्र करते हैं। यह छात्रों के लिए प्रयोगशाला पार्टियों, जन्मदिन समारोह, विवाह वर्षगाँठ, पुरस्कार और सफलताओं, प्रकाशनों, पेटेंट, छात्रवृत्ति, प्रदत्त अनुदान आदि जैसे कार्यक्रमों का अनुष्ठान आयोजित करने का स्थान भी है।

मनोरंजन

नाईपर अहमदाबाद के छात्र संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार के इनडोर और आउटडोर खेल-कूद तथा व्यायाम गतिविधियों में प्रतिभाग लेते हैं। यहां के छात्रों को केवल शोध और कक्षा अध्ययन तक सीमित रखने के बजाय, नाईपर-अहमदाबाद द्वारा मुख्य रूप से इस तरह की मनोरंजक गतिविधियों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

पशु गृह

नाईपर अहमदाबाद का पशु गृह संस्थान के 2800 वर्ग फुट में फैला हुआ एक अत्याधुनिक सुविधा है जिसमें 50% क्षेत्र पशु देखभाल और व्यवहार अध्ययन के लिए समर्पित है। संस्थान की पशु गृह सुविधा यहां के शैक्षिक अनुसंधान और प्रजनन उद्देश्य हेतु सीसीएसईए (1945/जीओ/आरईआरसीबीआई/एस/17/सीसीएसईए) पंजीकृत है। हमारे पशु गृह में लगभग 2000 प्रयोगशाला हेतु उपयोगी पशुओं को रखा जा सकता है। चूहों के लिए स्ट्रेन में विस्टार और स्प्रैग डावले शामिल हैं, जबकि चूहों के लिए बाल्ब सी, स्विस एल्बिनो, आईसीआर और सी57बीएल/6 शामिल हैं। पशु गृह चूहों और चूहों के लिए व्यक्तिगत रूप से हवादार पिंजरों (आईवीसी) से भी सुसज्जित है, जो एलेनटाउन, यूएसए से खरीदे गए थे। क्रॉस-संदूषण को कम करने और कुशल पशु गृह संचालन के लिए पशु सुविधा में "टू-वे कॉरिडोर सिस्टम" है। जानवरों के कमरे, संगरोध क्षेत्रों, गलियारों और अन्य क्षेत्रों की दैनिक सफाई और कीटाणुशोधन किया जाता है। व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। पानी की बोतलों, पिंजरों और बिस्तरों जैसी जानवरों की आपूर्ति की नियमित सफाई और नसबंदी की जाती है। जानवरों की आंतरायिक स्वास्थ्य निगरानी की जाती है। पशुओं की देखभाल और रखरखाव के लिए पूर्णकालिक पशु चिकित्सा देखभाल

प्रदान की जाती है। बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाता है। पूरे पशु सुविधा की निरंतर सीसीटीवी निगरानी 24 घंटे के दौरान सुनिश्चित की जाती है। जानवरों को नियंत्रित पर्यावरणीय परिस्थितियों जैसे तापमान (23 + 3 डिग्री सी), सापेक्ष आर्द्रता (30-70%), 12:12 घंटे प्रकाश और अंधेरे चक्र के तहत जानवरों के कमरे में 100% ताजी हवा के आदान-प्रदान के साथ अच्छी तरह से बनाए रखा जाता है। इसमें पशुओं के सामान्य व्यवहार के बेहतर विकास के लिए पशुओं के आसपास के स्थूल और सूक्ष्म वातावरण को भी बनाए रखा जाता है। यह सुविधा न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों, दर्दनाक सीएनएस घावों, मधुमेह और कैंसर के पशु मॉडल की पीढ़ी से सुसज्जित है। पशु गृह में हाल ही में इम्यूनो कॉम्प्रोमाइज्ड एनिमल फैसिलिटी भी शुरू की गई है। यह सुविधा पशुओं को कॉर्न कॉब बेडिंग सहित स्टेराईल भोजन और आरओ जल प्रदान करती है। संस्थागत पशु आचार समिति (आईएईसी) संस्थान के विभिन्न विभागों के विभिन्न जांचकर्ताओं के प्रयोगशाला पशुओं पर परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए समय-समय पर बैठक करती है। नाईपर-अहमदाबाद पशु गृह प्रयोगशाला पशु अनुसंधान करने के लिए उद्योगों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है और जानवरों को संभालने में उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए विभिन्न क्षेत्र के कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

पशु ऊतक संवर्धन सुविधा (एटीसी)

संस्थान का केंद्रीय पशु कोशिका संवर्धन सुविधा प्रकोष्ठ, यहां के जीवविज्ञान प्रयोगशाला भवन में स्थित है एवं यह हमारे संस्थान के समस्थ अनुसंधान कार्य में सहायक है, यह प्रकोष्ठ जैव सुरक्षा कैबिनेट (कक्षा II), कार्बन-डाई-ऑक्साइड इनक्यूबेटर, एक हाइपोक्सिया वर्कस्टेशन एवं पूर्ण रूप से स्वचालित प्रतिदीप्ति जैसे उच्च-स्तरीय उपकरणों से सुसज्जित है। इसमें लाइव कोशिका इमेजिंग क्षमता वाले माइक्रोस्कोप, सॉर्टर सहित फ्लो साइटोमीटर, इलेक्ट्रोपोरेटर, रेफ्रिजरेटर/फ्रीजर, सेंट्रीफ्यूज, वॉटर बाथ, स्वचालित कोशिका काउंटर और तरल नाइट्रोजन भंडारण टैंक आदि उपलब्ध है। इस प्रकोष्ठ में यांत्रिक बायोरिएक्टर सहित प्राथमिक और स्टेम सेल कल्चर के लिए एक समर्पित स्थान भी है। इस प्रकोष्ठ में एक सेल लाइन रिपॉजिटरी भी उपलब्ध है जिसमें स्तनधारी कैंसर कोशिका लाइन, म्यूरिन प्राथमिक सेल लाइन और गैर-कैंसर सेल लाइन शामिल हैं। इसका संस्थान के उपयोग विभिन्न विभागों के 70 से अधिक पीएचडी विद्वानों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा उनके परियोजना कार्य हेतु किया जाता है। इसमें सभी छात्र एक प्रेरण प्रशिक्षण से गुजरते हैं, जो बुनियादी सेल कल्चर तकनीकों और अच्छी प्रयोगशाला प्रथाओं के प्रदर्शन पर केंद्रित है। यह प्रकोष्ठ अपने उपयोगकर्ताओं को सभी आवश्यक उपभोग्य वस्तुएं, जैसे प्लास्टिकवेयर, मीडिया और अन्य अभिकर्मक भी प्रदान करती है। इसके वर्तमान शोध गतिविधियों में न्यूरोनल अध्ययन, एनजीएस, ट्रांसक्रिपटॉमिक्स, कैंसर जीव विज्ञान अध्ययन, प्रोटिओमिक्स, कैंसर में मेटाबोलॉमिक्स, 3डी सेल कल्चर, स्लाइस कल्चर, ड्रग स्क्रीनिंग, बायोमटेरियल स्क्रीनिंग और बहुत कुछ शामिल हैं। इस प्रकोष्ठ में उपलब्ध सुविधा को संस्थान में नियमित अंतराल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएँ आयोजित करके वाह्य छात्रों के प्रशिक्षण हेतु भी उपलब्ध काराया जाता है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उन्नत सेल कल्चर तकनीक, अत्याधुनिक उपकरण उपयोग और सेल जीवविज्ञान अनुसंधान में नवीनतम विकास आदि निहित होते है। इससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव और ज्ञान प्राप्त होता है जो उनकी अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाता है। इस प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ अन्य विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है, जो संस्थान में सहयोगात्मक वातावरण को प्रोत्साहित करता है और विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

खेल-कूद कम्पलेक्स

सितंबर 2017 में, नाईपर अहमदाबाद में खेल-कूद कॉम्प्लेक्स की स्थापना की गई थी। यहां के खेल-कूद कॉम्प्लेक्स में बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट और लॉन टेनिस कोर्ट शामिल हैं। शाम और रात में खेल परिसर खेलने के लिए फ्लड लाइट की व्यवस्था है। हमारे छात्र अपने कौशल विकास हेतु इन सुविधाओं का उपयोग करते है।

व्यायामशाला

यह एक बहुचर्चित कहावत है कि "स्वस्थ मन स्वस्थ शरीर में ही निवास करता है"। ऐसे में खेल-कूद में भाग लेने वाले छात्रों के कक्षा में सफल होने की संभावना अधिक होती है। यह व्यायामशाला की सुविधा छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह किसी भी विद्यार्थी के समस्त शिक्षा का अभिन्न अंग है एवं और इसका अन्य क्षेत्रों में कौशल अधिग्रहण से गहरा संबंध है। नाईपर अहमदाबाद द्वारा यहां के एकलव्य खेल अकादमी, अहमदाबाद के साथ उसकी सुविधाओं का उपयोग करने के लिए एक समझौता किया गया है। संस्थान गांधीनगर स्थित एक अपने परिसर में स्थानांतरित होने के बाद, वर्तमान में नए छात्रावास परिसर में सभी छात्रों के लिए नई व्यायामशाला की सुविधा को स्थापित किया जा रहा है।

बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद

बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर (बीआईसी), नाईपर-अहमदाबाद द्वारा होस्ट किया गया एक टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर है और बीआईआरएसी, डीबीटी, भारत सरकार की बायोनेस्ट योजना द्वारा वित्त पोषित है। इसका उद्देश्य फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र से नवीन तकनीकी-उद्यमियों को विकसित करके संस्थान के इनक्यूबेशन और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पहल का समर्थन करना है। संस्थान के बायोफार्मा इन्क्यूबेशन सेंटर ने अब तक 100 से अधिक स्टार्टअप को इन्क्यूबेट किया है।

27 Startups Incubated	**50+** Events & Workshops
1200+ People Sensitized	**30+** Employment Created

बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर(बीआईसी) समूह के सदस्य

प्रो. शैलेन्द्र सराफ
निदेशक
नाईपर – अहमदाबाद

डॉ. अक्षय श्रीवास्तवा
एसोसिएट प्रोफेसर,
नाईपर – अहमदाबाद

डॉ. रवि शाह
एसोसिएट प्रोफेसर,
नाईपर – अहमदाबाद

डॉ. देराजराम बेनिवाल
सहायक प्रोफेसर,
नाईपर – अहमदाबाद

श्री जाविद शैख
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
बीआईसी, नाईपर – अहमदाबाद

श्री हरि ओम जानी
तकनीकी प्रबंधक (इनक्यूबेशन)
बीआईसी, नाईपर – अहमदाबाद

बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर में सुविधाएं

- सहकार्य स्थान की सुविधा
- प्रयोगशाला की सुविधा
- चुंबकीय स्टीरर
- माइक्रोसेन्ट्रीफ्यूज
- इलेक्ट्रो स्पीनिंग
- स्टेब्लीटी चैंबर
- ग्लासवेयर उपभोग्य वस्तुएं
- मेंटरिंग सहायता
- नाईपर की प्रयोगशालाएं
- ओवरहेड स्टिरर
- डीस्पेन्शर
- विश्लेषणात्मक संतुलन
- जैव सुरक्षा कैबिनेट
- रसायन
- प्रोटोटाइप विकास सहायता
- पशु गृह
- पेरिस्टाल्टिक पम्प
- +4 - +12°सी रिफ्रिजरेटर
- 3डी रेज़िन प्रिंटर
- पीएच मीटर
- बाथ सोनिकेटर

बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर के लभार्थी (इनक्यूबेटीज)

१. एम्साइटो लाईफ साईंस

सुश्री कृपाली ठाकर

साइटोटोक्सिक दवाओं के लिए प्रभावी दवा - स्टेरिल लिपोसोम, नैनो सस्पेंशन और डिपो फॉर्म्युलेशन, लिक्विड और लियोफिलाइज्ड पैरेंटेरल डोज़ेज़ फॉर्म्स। एम्साइटो ने हाल ही में एचडीएफसी बैंक के सीएसआर फंडिंग के अंतर्गत ₹ १९ लाख की फंडिंग प्राप्त की है।

२. एम्ड्स

श्री अमित मलिक

चिकित्सा प्रयोगशाला उत्पाद- पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं के लिए नवोन्मेषी स्लाइड स्टेनिंग मशीन का विकास।

३. इनो-लिंगुअल स्प्रे

श्री मिहिर ओटिया

स्प्रे - अनिद्रा से पीड़ित लोगों को ठीक करता है।

४. हैबिटल टेक्नोलॉजीज एलएलपी

श्री माधव पटेल

स्कैन करके प्री-सर्जरी 3डी प्रिंटेड इम्प्लांट विकसित करना।

५. मैनेंशिया एआई

श्री अनुज चंदलिया

एआई आधारित सॉफ्टवेयर जो छाती के एक्स-रे का अध्ययन करके कोविड -19सहित 20+फेफड़ों की बीमारियों का निदान कर सकता है।

६. बीओडब्लू: बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट

श्री सुमित कुमार

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट: फार्मास्युटिकल उद्योग द्वारा उपयोग में नहीं आने वाले/खारिज किए गए स्तंभों को पुन: उत्पन्न करने का कुशल तरीका।

बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर के लभार्थी (इनक्यूबेटीज)

७. रेनाकेयर

सुश्री मयूरी अग्रवाल

किडनी स्वास्थ्य के शीघ्र और विश्वसनीय परीक्षण हेतु प्वाइंट-ऑफ-केयर बायोसेंसर।

इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ 1.5 लाख का पुरस्कार दिया गया।

८. स्मार्ट पिज़ो बॉन सिमेंट

तेजस्विनी तडगे

प्रत्यारोपण को दीर्घकालिन और यांत्रिक आघात को कम करने के लिए पीजो सामग्री द्वारा कृत्रिम अंग निर्धारण।
इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ १.५ लाख का पुरस्कार दिया गया।

९. बिटकेयर

सुश्री मयूरी अग्रवाल

संपूर्ण लिपिड प्रोफाइलिंग के शीघ्र और विश्वसनीय परीक्षण हेतु प्वाइंट-ऑफ-केयर बायोसेंसर।
इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ १.५ लाख का पुरस्कार दिया गया।

१०. नैनोकम्पोजिट बेस्ड इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर फॉर डिटेक्शन ऑफ हिपेटिक डिजिजेज

श्रीआशीष शर्मा

लीवर सिरोसिस और पीलिया निदान हेतु प्वाइंट-ऑफ-केयर।
इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ १.५ लाख का पुरस्कार दिया गया।

११. टेम्प्लेटेड सिंथेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ फोटोथर्मली एक्टिव गोल्ड नैनोकम्पोजिट

सुश्री मनीषा चौधरी

विकसित XXXटेम्प्लेटेड सिंथेटिक रूट जो सरल, स्थिर, स्केलेबल होने के साथ-साथ एक फिट-टू-पर्पस फोटोथर्मल थेरेपी (पीटीटी) सक्रिय नैनोकम्पोजिट का उत्पादन करता है।
इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ १.५ लाख का पुरस्कार दिया गया।

12. मुखम

सुश्री ज्योत्सना विटोरे

मुंह के छालों के उपचार के लिए नए हर्बल फॉर्मूलेशन का विकास फील्ड।

इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ ७५हजारका पुरस्कार दिया गया।

बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर के लभार्थी (इनक्यूबेटीज)

१३. रैपिड ड्रग एक्सिपिएंट कम्पैटिबिलिटी स्टडी (डीईसीएस)

सुश्री सोनाली जैन

डीईसीएस के समय को 3 महीने से घटाकर 1-सप्ताह करने का एक नया तरीका।
इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ १ लाख का पुरस्कार दिया गया।

१४. बायोडिग्रेडेबल सर्जिकल स्टेपल

सुश्री श्रुति कुलकर्णी

कम्प्यूटेशनल रूप से डिज़ाइन किया गया एंटीबायोटिक कोटेड बायोडिग्रेडेबल सर्जिकल स्टेपल।
इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ १ लाख का पुरस्कार दिया गया।

१५. इम्प्लांटेबल ड्रग डिलिवरी

श्री सागर साल्वे

आंखो में सूखेपन की बीमारी के लिए लंबे समय तक काम करने वाली इम्प्लांटेबल दवा वितरण।
इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ १ लाख का पुरस्कार दिया गया।

१६. एएससीईआरवाईए (असकार्या)

सुश्री बंसारी शाह

फार्मास्यूटिकल्स में नाइट्रोसामाइन के लिए रिस्क एसेस्मेंट सॉफ्टवेयर।.
इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ १ लाख का पुरस्कार दिया गया।

१७. जे-शॉट्स

सुश्री श्रीया गंगाखेडकर

प्रीडायबिटिक लोगों के लिए हर्बल रूप से तैयार किए गए जामुन मिश्रित शॉट्स।
इस स्टार्टअप को एसएसआईपी नीति के अंतर्गत ₹ ७५ हजार का पुरस्कार दिया गया।

18. टेकाट्रियोकेयर

श्री तरूण आदर्श

हृदय और फेफड़ों के निवारक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवीन तकनीकों का विकास करना।

बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर के लभार्थी (इनक्यूबेटीज)

19. डेल्टा बोटैनिकल एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड

श्री विक्रम मित्रा

कैनबिस आधारित फाइटोफार्मास्यूटिकल्स के विकास और व्यावसायीकरण पर ध्यान केंद्रित करना

20. घृतोज़ेंज़

श्री अमित शर्मा

डेंटाइन अतिसंवेदनशीलता के लिए एक प्राकृतिक समाधान

21. न्यूवे फूड

श्री हार्दिक पटानी

विटामिन डी युक्त मशरूम की खेती और खाद्य उत्पाद

22. डेंटेनोवेशन

डॉ. वाजिद अली सैय्यद

डेंटल सर्जरी के लिए अनोखा डेंटल बर्स

23. निपा-कोल

सुश्री मोनालिसा जेना

डीईडी के लिए स्मार्ट पंकटल प्लग

24. साउंड लियर

श्री सौरभ कुमार

आंशिक रूप से बहरे लोगों के लिए वरदान

बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर के लभार्थी (इनक्यूबेटीज)

25. एडिथ हेल्थ केयर

श्री शुभम शाह

पृथक आईसीयू बेड जिसमें मरीज को आसानी हो और डॉक्टर आसानी से ऑपरेशन किया जा सके।

Edith Healthcare

26. सप्तऋषि इंटरप्राइसेस

श्री प्रेमल पांचाल

मुहांसों के लिए हर्बल पैच

27. बियॉन्ड क्योर प्रा. लिमिटेड

श्री ब्रिजेश रावल

मधुमेह रोगियों के लिए हर्बल फॉर्मूलेशन और मातृदुध - माताओं के लिए सब्लिगुअल स्प्रे।

BEYONDCURE

बायोफार्मा इनक्यूबेशन सेंटर, नाईपर अहमदाबाद द्वारा आयोजित कार्यशालाएं और वेबिनार की सूची

1) दिनांक 06 जुलाई, 2023 को आयोजित एसआईएनई आईआईटीबी के साथ आईआरएसी बीआईजी जागरूकता सत्र
2) दिनांक 11 जुलाई, 2023 को डॉ. अनुज द्विवेदी का दौरा
3) दिनांक 20 जुलाई, 2023 को आयोजित एसएसआईपी जागरूकता कार्यक्रम और स्टार्टअप सफलता की कहानी
4) दिनांक 03 अगस्त, 2023 को आयोजित स्टार्टअप टॉक - श्री गुंजन पटेल, सिनेर्सेस
5) दिनांक 11 अगस्त, 2023 को आयोजित हैंड्स ऑन इलेक्ट्रोस्पिनिंग कार्यशाला
6) दिनांक 17 अगस्त, 2023 को आयोजित 3डी बायोप्रिंटिंग कार्यशाला
7) दिनांक 23 अगस्त, 2023 को आयोजित ई-युवा सेंटर, आत्मीय विश्वविद्यालय, राजकोट - युवा स्टार्टअप
8) दिनांक 06 सितम्बर 2023 को आयोजित स्टार्टअप टॉक और स्टार्टअप सृजन योजना का संवेदीकरण
9) दिनांक 17 अक्टूबर 2023 को गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में आयोजित बायोटेक उद्यमिता पर व्याख्यान
10) दिनांक 17 अक्टूबर 2023 को आयोजित टीआईई सूरत, टीआईई लखनऊ और टीआईई कोयंबटूर के सहयोग से टीआईई नागपुर की ज्ञान साझाकरण श्रृंखला में 'सरकारी अनुदान और योजनाएं' पर सत्र
11) दिनांक 19 अक्टूबर 2023 को आयोजित एसटीबीआई द्वारा 'इनोवेट एंड एलिवेट एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम' और ईसीबीसी योजना समर्थित स्टार्टअप को चेक वितरण

12) दिनांक 24 नवंबर 2023 को आयोजित बीआईआरएसी प्रतिनिधि सुश्री हर्षिता भावसार द्वारा जैव-उद्यमियों और ग्लोबल बायोइंडिया 2023 रोड शो की यात्रा

13) दिनांक 4 से 6 दिसंबर, 2023 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित एफ-36 स्टॉल, ग्लोबल बायो इंडिया 2023

14) दिनांक 15 मार्च, 2023 को एनआईपीईआर-ए की छात्रा सुश्री मोनालिसा जेना को उनके इनोवेटिव स्टार्टअप आइडिया के लिए फंडिंग प्राप्त हुई - एनआईपीए-कॉल

सम्मेलन/कार्यशालाएं/सेमिनार

ईटीआईडी-2024 सम्मेलन

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद के चिकित्सा उपकरण विभाग द्वारा संस्थान के प्रेक्षागृह में आयोजित प्रत्यारोपण और निदान में उभरते रुझान-2024 (ईटीआईडी-2024) एक राष्ट्रीय सम्मेलन था। इस सम्मेलन में प्रत्यारोपण डिजाइन, प्रत्यारोपण निर्माण और परीक्षण, ऊतक इंजीनियरिंग, बायोमटेरियल डिजाइन और विकास, पॉलिमर संशोधन थेरानोस्टिक्स, पुनर्योजी चिकित्सा, जैव और नैनो-सामग्री, बायोसेंसर, एनईएमएस/एमईएमएस, पहनने योग्य सेंसर, गैर-इनवेसिव तकनीक, और लैब-ऑन-ए-चिप डिवाइस आदि को विषय के रूप में सुनिश्चित किया गया था। इस सम्मेलन का उद्देश्य शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और चिकित्सकों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके नवीनतम निष्कर्षों और प्रगति को साझा करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करना था। इस सम्मेलन में भारत के विभिन्न भागों के शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संगठनों और उद्योगों से कुल 230 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में उद्घाटन सत्र के अलावा छ: अलग-अलग सत्रों को आयोजित किया गया था। इसके प्रत्येक सत्र का सारांश नीचे सूचीबद्ध है। प्रथम दिवस दिनांक 1 फरवरी 2024 को ईटीआईडी-2024 का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में डॉ. मुकुल जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ज़ाइडस रिसर्च सेंटर, भारत और डॉ. आलोक मिश्रा, ड्यूक-एनयूएस मेडिकल स्कूल, सिंगापुर ने प्रतिष्ठित अतिथि के रूप में सहभागिता किया। आयोजित कार्यक्रम के पैनल चर्चाओं में विशेष रूप से चिकित्सा उपकरणों में शिक्षा-उद्योग सहयोग और नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस पैनल में देश भर से विभिन्न पृष्ठभूमियों के प्रख्यात वक्ता थे। इस आयोजित पैनल का नेतृत्व प्रो. बंसी डी. मल्होत्रा और आईआईटी कानपुर के प्रो. अशोक कुमार ने अध्यक्ष के रूप में किया। इस आयोजित पैनल का नेतृत्व प्रो. बंसी डी. मल्होत्रा और आईआईटी कानपुर के प्रो. अशोक कुमार ने अध्यक्ष के रूप में किया। इसके साथ ही प्रो. नवकांत भट (आईआईएससी, बेंगलुरु), प्रो. रोहित श्रीवास्तव (आईआईटी-बॉम्बे), प्रो. अभय एम. कुथे (वीएनआईटी, नागपुर), प्रो. गीता मनियासागम (वीआईटी, वेल्लोर), डॉ. श्रेणिक शाह, (तकनीकी निदेशक) , मोंटाज लेबोरेटरीज, गुजरात, डॉ. राजीव छिब्बर (उपाध्यक्ष, सहजानंद मेडिकल टेक्नोलॉजीज), डॉ. ब्रजेश बारसे (निदेशक, यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल), डॉ. चारुदत्त अराध्ये (एसोसिएट डायरेक्टर, बोस्टन साइंटिफिक, मुंबई), डॉ. राधिका

गुप्ता (एचओडी, होली फैमिली हॉस्पिटल, नई दिल्ली), और प्रोफेसर शैलेन्द्र सराफ (निदेशक, नाईपर अहमदाबाद) चर्चा के लिए पैनल के सदस्य के रुप में थे। इस सम्मेलन में पुरस्कारों सहित उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी हुईं। इस सफल कार्यक्रम का समापन एक समापन भाषण और समस्त प्रतिभागियों और प्रायोजकों की सराहना के साथ किया गया, जो चिकित्सा उपकरण प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में सहयोगात्मक प्रयास को रेखांकित करता है।

पेटेंट ड्राफ्टिंग, फाइलिंग और प्रसंस्करण पर कार्यशाला

दिनांक 13 जुलाई, 2023 को नाईपर अहमदाबाद में पेटेंट ड्राफ्टिंग, फाइलिंग और प्रोसेसिंग पर एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इसमें प्रतिभागियों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन के माध्यम से नवाचारों की सुरक्षा पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान कराया गया। संस्थान नवाचार को बढ़ावा देने और बौद्धिक संपदा की सुरक्षा हेतु अपनी प्रतिबद्धताओं के बारे में बताते हुए सभी को अधिक सशक्त आयोजनों हेतु संस्थान के साथ बने रहने को कहा।

औषधि अन्वेषण और अपूर्ण चिकित्सा आवश्यकता: औषधीय रसायन विज्ञान परिप्रेक्ष्य!

संस्थान के औषधीय रसायन विज्ञान विभाग दिनांक ने 14 जुलाई 2023 को "औषधि अन्वेषण और अपूर्ण चिकित्सा आवश्यकता: औषधीय रसायन विज्ञान परिप्रेक्ष्य!'' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया है। इस संगोष्ठि में ज़ायडस रिसर्च सेंटर, अहमदाबाद के प्रख्यात वक्ता ने मेटाबॉलिक डिसऑर्डर पर केंद्रित इनोवेटिव ड्रग डिस्कवरी एनसीई रिसर्च पर अपने विशेषज्ञ विचार और अनुभव साझा किए।

दिनांक 18 जुलाई, 2023 को "पौधों पर आधारित औषधीय उत्पादों के विकास में चुनौतियाँ और अवसर" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

इस कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन में उपस्थित अतिथियों, प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद, संकाय, कर्मचारियों और छात्र प्रतिभागियों के स्वागत के साथ किया गया। इसमें प्रो. शैलेन्द्र सराफ ने मानव स्वास्थ्य की आवश्यकताओं की पूर्ति में पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस डोमेन में शोधकर्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में ज़ाइडस वेलनेस लिमिटेड के अनुसंधान और विकास प्रमुख डॉ. आर. गोविंदराजन को पहले वक्ता के रूप में परिचित करवाया गया। जिसमें डॉ. आर. गोविंदराजन ने "प्राकृतिक संयंत्र-आधारित उत्पादों को तैयार करना - विचार से व्यावसायीकरण तक" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। इस प्रस्तुति में फाइटो-फार्मास्युटिकल उत्पाद विकास के कई प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें जीएमपी, जीएलपी और जीसीपी जैसे प्रयोगशाला परीक्षण नियमों का पालन करने का महत्व, विभिन्न भंडारण स्थितियों के अंतर्गत औषधियों के लिए स्थिरता मानक, अनुमोदनार्थ आवश्यक सामान्य तकनीकी दस्तावेज के मॉड्यूल और उत्पाद विकास के लिए आईसीएच-क्यूआईई दिशानिर्देश आदि शामिल थे।

इस कार्यक्रम के दूसरे वक्ता, डॉ. नरेंद्र तडिगोप्पुला, मुख्य वैज्ञानिक , सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ ने "भारतीय औषधीय पौधों से फाइटोफार्मास्यूटिकल्स के विकास" पर प्रस्तुतिकरण दिया। इसमें उन्होंने सौम्य प्रोस्टेट हाइपरप्लासिया (बीपीएच) के इलाज के लिए चिबुलिंक एसिड-आधारित फाइटोफार्मास्युटिकल साधन विकसित करने की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया। इसमें डॉ. तडिगोप्पुला ने इस प्रक्रिया के नियामक अनुमोदन, समृद्ध अंशों के परिमाणीकरण और मानकीकरण के लिए पूर्व-आवश्यकताओं को समझाया, और अर्क की प्रभावकारिता का परीक्षण करने के लिए माउस मॉडल पर इन-विट्रो और इन-विवो प्रयोग किया। उन्होंने प्रोस्टेट आकार में महत्वपूर्ण कमी के साथ आशाजनक परिणामों को उजागर किया, और बताया कि इसके निर्माण प्रीक्लिनिकल परीक्षणों तक पहुंच गया है।

इस संगोष्ठी का समापन एक सम्मान समारोह के साथ किया गया जिसमें उपस्थित अतिथि वक्ताओं को प्रशंसा के प्रतीक के रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल के स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस समरोह में संस्थान के प्राकृतिक उत्पाद विभाग के प्रमुख और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिजीत काटे, ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही उन्होंने संगोष्ठी की शानदार सफलता में योगदान देने के लिए सभी संकाय, कर्मचारियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने डॉ. सत्यशील शर्मा, डॉ. सिद्धेश्वर चौथे और डॉ. रवींद्र तवारे, प्राकृतिक उत्पाद विभाग में सहायक प्रोफेसरों को भी इस कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए अभार व्यक्त किया।

दिनांक 28 जुलाई, 2023 को "प्राकृतिक उत्पादों से औषधि अन्वेषण में ट्रांसलेशन अनुसंधान" शीर्षक पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

इस कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित अतिथि, प्रोफेसर संजय जचक, प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद संस्थान के संकाय, कर्मचारियों और छात्र प्रतिभागियों का सादर स्वागत करके किया गया। प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद ने मानव स्वास्थ्य की आवश्यकताओं की पूर्ति में पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस डोमेन में शोधकर्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम की शुरुआत उपस्थित अतिथि, प्रोफेसर संजय जचक, प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद संस्थान के संकाय, कर्मचारियों और छात्र प्रतिभागियों का सादर स्वागत करके किया गया। प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद ने मानव स्वास्थ्य की आवश्यकताओं की पूर्ति में पौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस डोमेन में शोधकर्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, जो वर्ष 2019 में अधिकृत सभी सूक्ष्म यौगिकों का लगभग 69% हिस्सा है।

औषधीय पौधों, जैसे कि उच्च रक्तचाप हेतु रॉवोल्फिया अल्कालाइड, विटिलिगो के लिए सोरेलेन, हेपेटिक सुरक्षा के लिए पिक्रोसाइड, सूजन के लिए क्यूमिनोइड, एंटीमाइक्रोबियल प्रभावों के लिए बर्बरिन अल्कालॉइड, और एंटी-रुमेटिक गुणों के लिए बोस्वेलिक एसिड, ने ऐतिहासिक रूप से औषधि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है। इसमें डीसीजीआई द्वारा विनियमित एक नई औषध सामग्री फाइटोफार्मास्युटिकल पर प्रकाश डाला गया, जिसमें रोगों के नियंत्रण, उपचार और इलाज के लिए उपयोग किए जाने वाले कम से कम चार सक्रिय मार्कर फाइटोघटक होते हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में मुर्राया कोएनिगि से सीना सियामिया और कार्बाजोल एल्कलॉयड्स पर चल रहे अनुसंधान कार्य पर चर्चा किया गया, जिसमें डाइबिटिज़ उपचार हेतु अपार संभावनाएं हैं। इसके अलावा, प्रोफेसर जचक ने फाइटोफार्मास्यूटिकल्स के लिए विभिन्न सूत्रों जैसे लिपोसोम, उत्सर्जन, फाइटोसोम, माइक्रोस्फीयर, ट्रांसफॉर्सोम, एथोसोम और पॉलीमेरिक नैनोकण आदि में अपनी अंतर्दृष्टि प्रदान किया। उन्होंने बताया कि मानव स्वास्थ्य पर उनके सकारात्मक प्रभाव के बावजूद, जमीन पर सीमित प्रगति के कारण फाइटोफार्मास्यूटिकल्स को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, और सीडीएसओ द्वारा कोई दवाओं को मंजूरी नहीं दी गई है, भले ही इनमें कुछ पाइपलाइन में हों। इसमें प्रोफेसर जचक ने अपार क्षमता युक्त पारंपरिक चिकित्सा के अपूर्ण मूल्य को फिर से खोजने के लिए शैक्षणिक और औद्योगिक दोनों स्तरों पर प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस संगोष्ठी का समापन सम्मान समारोह को आयोजित कर किया गया जिसमें अतिथि वक्ता को प्रशस्ति के प्रतीक के रूप में स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस समरोह में संस्थान के प्राकृतिक उत्पाद विभाग के प्रमुख और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अभिजीत काटे, ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही उन्होंने संगोष्ठी की शानदार सफलता में योगदान देने के लिए सभी संकाय, कर्मचारियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

"कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013" पर कार्यशाला

दिनांक 8 दिसंबर 2023 को सांस्कृतिक समिति और यौन उत्पीड़न समिति, नाईपर अहमदाबाद द्वारा संस्थान के प्रेक्षागृह में "कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013" पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. रविन्द्र वी. तावरे, सदस्य, सांस्कृतिक समिति, नाईपर अहमदाबाद द्वारा उपस्थित कर्मचारियों का स्वागत कर किया गया। तत्पश्चात् संस्थान के कुलसचिव श्री अवधेश नौटियल ने सभी को संबोधित करते हुए प्रेरित किया। उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे कार्यस्थल पर एक महिला का सम्मान किया जाना चाहिए और उन्हें समान अवसर दिया जाना चाहिए जिससे कार्य में महिलाओं की भागीदारी में सुधार होगी, जिसके परिणामस्वरूप उनका आर्थिक सशक्तिकरण और समावेशी विकास होगा। संस्थान के सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष डॉ. आकांक्षा जैन ने संस्थान में इस समिति के महत्व की जानकारी प्रस्तुत की और कर्मचारियों के साथ यौन उत्पीड़न विरोधी प्रकोष्ठ के समिति सदस्यों के संपर्क विवरण साझा किए। इस कार्यशाला का समापन डॉ. पल्लब भट्टाचार्य, संकायाध्यक्ष, नाईपर

अहमदाबाद द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया। इस कार्यशाला में उपस्थित हाउसकीपिंग कर्मचारियों की सुगमता हेतु श्री कुंजन पारिख द्वारा स्थानीय भाषा में समिति के महत्व को फिर से समझाया गया।

"इंजीनियर कैमेरिक नैनोमाइसेल्स टार्गेट द ट्यूमर माइक्रोएनवायरमेंट एंड एक्टिवेट टी सेल इम्यूनीटी" शीर्षक पर सेमिनार

संस्थान के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा दिनांक 18 मार्च, 2024 को "इंजीनियर कैमेरिक नैनोमाइसेल्स टार्गेट द ट्यूमर माइक्रोएनवायरमेंट एंड एक्टिवेट टी सेल इम्यूनीटी" शीर्षक पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्रीय केंद्र में नैनो प्रौद्योगिकी और रासायनिक जीव विज्ञान प्रयोगशाला से प्रोफेसर अविनाश बजाज ने इस विषय पर एक अंतर्दृष्टि व्यक्त किया।

आयोजित सेमिनार के वार्ता की कुछ प्रमुख विशेषताएं:

कैंसर सेल और उनके आसपास के वातावरण के बीच मौजूद जटिल परस्पर क्रिया के कारण कैंसर अनुसंधान में ट्यूमर माइक्रोएनवायरनमेंट का अत्यधिक महत्व है। यहां ट्यूमर माइक्रोएनवायरनमेंट में, टी सेल, बी सेल, नेचुरल किलर सेल, डेंड्राइटिक सेल, मैक्रोफेज, और माइलॉइड व्युत्पन्न सप्रेसर सेल्स जैसे प्रतिरक्षा घटक ट्यूमर विकास, इसकी प्रगति और चिकित्सा हेतु प्रतिक्रिया को संशोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यहां एंटीट्यूमर प्रतिरक्षा को बढ़ाने और कैंसर उपचार परिणामों में सुधार हेतु इम्यूनोथेरप्यूटिक रणनीतियों को विकसित करने के लिए प्रतिरक्षा घटकों और ट्यूमर माइक्रोएनवायरमेंट के बीच जटिल परस्पर क्रिया को समझना आवश्यक है।

प्रोफेसर बजाज ने ट्यूमर माइक्रोपर्यावरण को लक्षित करने हेतु टी सेल प्रतिक्रिया को सक्रिय करने में नैनोमाइसेल्स की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने कैंसर चिकित्सा विज्ञान के लिए उन्नत ड्रग डिलिवरी प्रौद्योगिकी की भूमिका पर बल दिया गया।

इस संगोष्ठी द्वारा हमारे छात्रों को मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान किया गया, जो विद्यार्थियों को उनकी शोध यात्रा को आगे बढ़ाने और उनके ज्ञानवर्द्धन में सहायक हुई।

"उपचारात्मक नैनोमेडिसिन" विषय पर डीबीटी प्रायोजित लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) अहमदाबाद द्वारा दिनांक 5 अगस्त, 2023 को ऑनलाइन और ऑफ़लाइन संयुक्त माध्यम से "उपचारात्मक नैनोमेडिसिन" विषय पर डीबीटी प्रायोजित एक दिवसीय लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। डीबीटी द्वारा प्रायोजित व समर्थित यह लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला, नैनो प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न व्याख्यानों के माध्यम से, जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वर्तमान रुझानों को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण फंडिंग योजनाओं में से एक है।

इस पर सम्पूर्ण भारत के विभिन्न शैक्षिक विज्ञान संस्थानों से प्रचुर मात्रा में प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई। इस व्याख्या में विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों से कुल 240 प्रतिभागियों ने सहभागिता किया। इस व्याख्यान श्रृंखला में नैनोमेडिसिन के आकर्षक क्षेत्र के अंतर्गत चिकित्सीय और नैदानिक क्षमताओं के आकर्षक परस्पर क्रिया को उजागर किया, जो टाइनी मिरेकल्स चिकित्सा में जमीनी स्तर पर प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यह उपचारात्मक मेडिसिन चिकित्सा का एक नया विषय है जो चिकित्सीय और नैदानिक अवधारणाओं को आपस में जोड़ता है। इसे एक विशिष्ट रोगी के सर्वोत्तम उपचार निर्धारित करने हेतु नैदानिक उपकरण बनाने और लागू करने की आवश्यकता है।

इस श्रृंखला में कुल चार व्याख्यानों को प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्रोफेसर स्वर्णलता सराफ, प्रोफेसर, पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर, छ.ग. द्वारा मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् प्रो. संजय के. जैन, प्रोफेसर, डॉ. हरिसिंह गौड़ केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, डॉ. रिचा दयारमणि, पूर्व प्रोफेसर, इंद्रशील विश्वविद्यालय और डॉ. राकेश कुमार टेकाडे (आंतरिक वक्ता) द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रम/अन्य कार्यक्रमों की सूची

क्र.सं.	वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रम/अन्य कार्यक्रमों के नाम	दिनांक
1	एसईआरबी प्रायोजित वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व (एसएसआर) गतिविधि	22-6-2023
2	"एलसीएमएस-टीओएफ, एलसीएमएस-टीक्यूडी और एलसीएमएस-ऑर्बिट्रैप की मूलभूत जानकारी" पर व्यावहारिक प्रशिक्षण	19-07-2023
3	उद्यमी वार्ता और एसएसआईपी 2.0 जागरूकता कार्यक्रम:	20-07-2023
4	"आणविक और संरचनात्मक जीवविज्ञान में वर्तमान प्रचलन" पर वेबिनार	20-07-2023
5	स्टार्टप स्टोरी ऑफ सिनर्सेन्स	03-08-2023
6	इलेक्ट्रोस्पिनिंग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला	11-08-2023
7	3डी बायोप्रिंटिंग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला	17-08-2023
8	औषधीय उद्योग 2.0 के अंतर्गत विनिर्माण और गुणवत्ता अभ्यास में उद्योग कौशल-सेट सेतु पाठ्यक्रम	3-9-2023 to 15-10-2023 (सप्ताहांत कार्यक्रम)
9	पेप्टाइड संश्लेषण और विशेषता में व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	17-10-2023 to 18-10-2023
10	फील्ड उत्सर्जन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एफई-एसईएम) पर प्रायोगिक कार्यशाला	30-10-2023 to 31-10-2023
11	प्रो. जोसेफ वांग द्वारा "स्वास्थ्य, कल्याण और पोषण की निगरानी के लिए धारण योग्य इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर" पर विशेष व्याख्यान	04-12-2023

क्र.सं.	वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रम/अन्य कार्यक्रमों के नाम	दिनांक
12	सहयोगात्मक गोलमेज : आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु स्थापित करना - नाईपर अहमदाबाद और आईटीआरए, जामनगर द्वारा एक संयुक्त पहल	22-01-2024 to 23-01-2024
13	"प्रोटीन और पेप्टाइड की विशेषता के लिए विश्लेषणात्मक रणनीतियां" "विषय पर वेबिनार	30-01-2024
14	"प्रोटीन जीव विज्ञान का अनावरण: गीला और शुष्क प्रयोगशाला दृष्टिकोण" पर 11 दिवसीय प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम। संयुक्त रूप से गुजरात जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र का आयोजन	11-03-2024 to 22-03-2024
15	हैंड्स-ऑन-स्केलपेल: सीएनएस/पीएनएस में प्रीक्लिनिकल सर्जिकल मॉडल के व्यावहारिक दृष्टिकोण पर कार्यशाला।	14-03-2024 to 15-03-2024
16	ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर पर प्रशिक्षण	14-3-2024 to 15-3-2024

शासक-मंडल (बीओजी)/प्रबंधकारिणी समिति (सीनेट) और अन्य बैठकें

नाईपर अहमदाबाद में शासक-मंडल की 11वीं बैठक

नाईपर अहमदाबाद में दिनांक 17 अप्रैल 2023 को, शासक-मंडल की 11वीं बैठक को माननीय शासक-मंडल समिति अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित किया गया एवं इस बैठक में अन्य सम्मानित बीओजी सदस्यों ने भी सहभागिता किया।

नाईपर अहमदाबाद में शासक-मंडल की 12वीं बैठक

नाईपर अहमदाबाद में दिनांक 30 जून, 2023 को, शासक-मंडल की 12वीं बैठक को माननीय शासक-मंडल समिति अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित किया गया एवं इस बैठक में अन्य सम्मानित बीओजी सदस्यों ने भी सहभागिता किया।

नाईपर अहमदाबाद में शासक-मंडल की 13वीं बैठक

नाईपर अहमदाबाद में दिनांक 22 सितंबर, 2023 को, शासक-मंडल की 13वीं बैठक को माननीय शासक-मंडल समिति अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित किया गया एवं इस बैठक में अन्य सम्मानित बीओजी सदस्यों ने भी सहभागिता किया।

नाईपर अहमदाबाद में शासक-मंडल की 14वीं बैठक

नाईपर अहमदाबाद में दिनांक 06 जनवरी, 2024 को, शासक-मंडल की 13वीं बैठक को माननीय शासक-मंडल समिति अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित किया गया एवं इस बैठक में अन्य सम्मानित बीओजी सदस्यों ने भी सहभागिता किया।

वित्त समिति की बैठक

- नाईपर अहमदाबाद की वित्त समिति की 9वीं बैठक को दिनांक 23 जून 2023 को आयोजित किया गया।
- नाईपर अहमदाबाद की वित्त समिति की 10वीं बैठक को दिनांक 20 दिसंबर, 2023 को आयोजित किया गया।

प्रबंधकारिणी समिति (सीनेट) की बैठक

- नाईपर अहमदाबाद की प्रबंधकारिणी समिति की 8वीं बैठक को दिनांक 22 दिसंबर, 2023 को ऑनलाइन आयोजित किया गया।

प्रयोगशाला सेवाएं, भवन और निर्माण समिति (एलबीडब्ल्यूसी)

- नाईपर अहमदाबाद की प्रयोगशाला सेवाएं, भवन और निर्माण समिति (एलबीडब्ल्यूसी) समिति की 6वीं बैठक को दिनांक 01 सितम्बर, 2023 आयोजित किया गया।
- नाईपर अहमदाबाद की प्रयोगशाला सेवाएं, भवन और निर्माण समिति (एलबीडब्ल्यूसी) समिति की 7वीं बैठक को दिनांक 19 दिसंबर, 2023 आयोजित किया गया।

शैक्षणिक योजना और विकास समिति

- नाईपर अहमदाबाद की शैक्षणिक योजना और विकास समिति की तृतीय बैठक को दिनांक 20 दिसंबर, 2023 आयोजित किया गया।

पीफाइजर इंडोवेशन नाईपर अहमदाबाद संस्करण की शुभारंभ बैठक को औषध विभाग के कार्यालय में डॉ. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक नाईपर, अहमदाबाद और सुश्री मीनाक्षी नेवाटिया, प्रबंध निदेशक पीफाइजर प्राइवेट लिमिटेड सहित सचिव, औषध विभाग की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

गणमान्य जनों का आगमन

डॉ. अरुणीश चावला, सचिव, औषध विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नाईपर अहमदाबाद का भ्रमण

दिनांक 10 जनवरी 2024 को, डॉ. अरुणीश चावला, सचिव, औषध विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने नाईपर अहमदाबाद के प्रयोगशालाओं और यहां उपलब्ध विभिन्न उपकरण सुविधाओं का दृष्टि वीक्षण किया।

दिनांक 17.08.2023 को अपराह्न 10:30 बजे से – पूर्वाह्न 5:00 बजे तक ई-युवा सेंटर, आत्मीय विश्वविद्यालय से आगंतुक का भ्रमण

आत्मीय विश्वविद्यालय में बीआईआरएसी समर्थित ई-युवा केंद्र के 18 शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों के भ्रमण के दौरान संस्थान में नवाचार और सहयोग के केंद्र के रूप में स्थापित बीआईसी के महत्व को उजागर किया गया। इस अवसर पर आगंतुक हमारे संस्थान के बीआईसी और नाईपर अहमदाबाद के गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र में लीन हो गए एवं इस दौरान संस्थान के बीआईसी के सीईओ के साथ उनकी एक

समृद्ध वार्ता हुई। तत्पश्चात् इस कार्यक्रम के दौरान एक-पर-एक चर्चा ने नवप्रवर्तकों को उनकी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने, व्यक्तिगत अंतर्दृष्टि और प्रतिक्रिया प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। इस भ्रमण द्वारा नवोन्वेषियों के बीच एक सेतु का कार्य किया गया, जिससे परिवर्तनकारी परियोजनाओं को विकसित करने एवं इसमें बीआईसी के अमूल्य योगदान पर ध्यान केंद्रित किया गया।

नाईपर अहमदाबाद टीम द्वारा मेरिल मेडिकल डिवाइसेज विनिर्माण इकाइयों का भ्रमण

नाईपर अहमदाबाद टीम ने संस्थान को चिकित्सा उपकरणों के उत्कृष्ट केंद्र के रुप में स्थापित करने के उद्देश्य से इस दिशा में विकास हेतु इसके भविष्यगत सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हेतु मेरिल मेडिकल डिवाइसेज विनिर्माण इकाई, वापी का दौरा किया।

जवाहर नवोदय विद्यालय, सुरेंद्रनगर की छात्राओं और शिक्षकों द्वारा नाईपर अहमदाबाद का भ्रमण

नाईपर अहमदाबाद द्वारा विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय, सुरेंद्रनगर की छात्राओं और शिक्षकों का हमारे संस्थान में भ्रमण और संस्थान के वैज्ञानिकों, पीएचडी विद्वानों और संकाय सदस्यों के साथ वार्ता करने हेतु हार्दिक स्वागत किया। आगत छात्राओं ने नाईपर अहमदाबाद की प्रयोगशालाओं का दौरा और संकाय सदस्यों में से (डॉ. बिचिस्मिता साहू, डॉ. आकांक्षा जैन, और डॉ. कल्पना) तथा संकायाध्यक्ष (डॉ. पल्लब भट्टाचार्य) के साथ बातचीत पर कर प्रसन्न हुए। इन छात्राओं के उत्साह और जिज्ञासा सचमुच प्रेरणादायक थी! संस्थान ऐसे युवा पीढ़ीयों को उनकी अन्वेषण और खोज की यात्रा पर सशक्त और प्रेरित करता है।

सह पाठयक्रम और पाठ्योत्तर गतिविधियाँ

सह पाठयक्रम

व्यक्तिगत विकास

नाईपर-अहमदाबादका व्यक्तिगत विकास क्लब विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास और उनके भविष्य संवारने से संबंधित विषयों पर खुली चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह क्लब ग्रुप डिस्कशन, डिबेट, एसडब्ल्यूओटी एनालिसिस, रिज्यूम बिल्डिंग और नौकरी के साक्षात्कार हेतु आवश्यक अन्य कौशल जैसी गतिविधियों का आयोजन करता है।

ज़र्नल क्लब

यह क्लब नाईपर-ए के शोधकर्ताओं को वैज्ञानिक डायस्पोरा में वर्तमान अपडेट के साथ एक्सपोजर प्रदान करने का एक मंच है। विगत और हाल के सहकर्मी-समीक्षित जर्नल लेखों सहित सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए, यह एक उपकरण के रूप में कार्य करता है जो जारी शोध के दृष्टिकोण, अवसर और अनुप्रयोग पहलुओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। यह प्रस्तुति कौशल में सुधार करने, महत्वपूर्ण विचारों को सीखने और अभ्यास करने एवं विचारों, ज्ञान और अनुभव को साझा करने का अवसर प्रदान करता है।

खेल-कूद

पाठ्येतर गतिविधियां

नाईपर अहमदाबाद में शारदीय नवरात्रि 2023 उत्सव का आयोजन

नाईपर अहमदाबाद में दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 को शारदीय नवरात्रि 2023 उत्सव का आयोजन किया गया। इस दिवस पर रात्रि में संस्थान के संकायों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने गरबा और डांडिया में भाग लेकर उत्सव को मनाया।

पतंग उत्सव का आयोजन

गुजरात राज्य के श्रेष्ठ त्योहार होने के कारण, नाईपर अहमदाबाद में भी पतंग उत्सव का आयोजन संस्थान की एक अभिन्न परंपरा बन चुकी है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 14 जनवरी 2024 को नाईपर अहमदाबाद में समस्त विद्यार्थियों, संकायों और कर्मचारियों ने एक साथ पतंग उत्सव को मनाया। इस आयोजन के दौरान सभी ने नीले गगन को उड़ते हुए रंगीन पतंगों से सजा दिया। इस पतंग उत्सव समारोह के समापन के पश्चात् विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उंदि, जलेबी सहित दोपहर के भोजन का भरपूर आनंद लिया। इस आयोजन में आयोजित पतंगबाजी और भोजन में पारंपरिक गुजराती अल्पाहार उपस्थित सभी लोगों के लिए एक आनंददायक एवं स्मरणीय अनुभव रहा।

खेल सप्ताह रिपोर्ट - उत्साह-II

संस्थान के परिसर में खेल-कूद की एक जीवंत संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, नाईपर अहमदाबाद द्वारा प्रत्येक वर्ष संस्थान के रोमांचक अंतर-नाईपर खेल-कूद सप्ताह उत्साह (उत्साह-द्वितीय) की मेजबानी किया जाता है। संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र सराफ द्वारा उद्घाटित और श्री अवधेश नौटियाल, कुलसचिव, डॉ. पल्लब भट्टाचार्या सहित संस्थान के खेल-कूद समिति के अध्यक्ष डॉ. सत्याशील शर्मा की उपस्थिति के साथ इस कार्यक्रम की शुरूआत अत्यंत धूमधाम और उत्साह से किया गया।

इस सप्ताह के दौरान दिनांक 19 फरवरी 2024 से, संस्थान का परिसर विभिन्न खेलों के लीग मैचों के उत्साह से गुंज उठा। संस्थान के विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारियों ने खेल-कूद के प्रति अपने उत्साह को प्रदर्शित कर प्रकट करने हेतु क्रिकेट, वॉलीबॉल, थ्रोबॉल, बैडमिंटन, रस्साकशी, कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस और शॉट पुट आदि खेलों में सक्रिय रूप सहभागिता किए। इस दौरान आयोजित द्वितीय वर्ष एम.एस. के छात्रों और संकाय-कर्मचारी टीम के बीच आयोजित क्रिकेट लीग मैच ने एक्शन से भरपूर कार्यक्रमों की श्रृंखला के लिए मंच तैयार कर दिया। इस सप्ताह में संस्थान के परिसर और बैडमिंटन के अलोका इनडोर खेल अकादमी में आयोजित मैचों ने प्रत्येक दिवस कई विषयों में गहन प्रतिस्पर्धाएँ प्रदर्शित किए। इन आयोजित मैंचों में प्रतिभागियों ने एकल, युगल और मिश्रित युगल श्रेणियों में अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे आयोजित कार्यक्रम एक गतिशील स्वभाव से जुड़ गया। खेल का वातावरण विद्युतमय, ऊर्जा से स्पंदित हो रहा था क्योंकि प्रतिभागियों ने प्रत्येक खेल में अपना दिल लगा दिया था, जो खेल कौशल की सच्ची भावना का प्रतीक था।

दिनांक 4-6 मार्च 2024 को खेल-कूद सप्ताह की महत्वपूर्ण तिथियों के करीब आते ही इस आयोजन ने गति पकड़ ली, जिसने विभिन्न खेल विषयों के सेमीफाइनल और फाइनल की मेजबानी की। इन तिथियों को उत्साह-II में प्रदर्शित सभी ग्यारह खेलों में गहन प्रदर्शन और शानदार प्रदर्शन द्वारा चिह्नित किया गया था। इन खेलों के दर्शकों ने दिलचस्प प्रतिस्पर्धा को अनुभव किया, प्रत्येक खेल में हार-जीत के हर्ष और निराशा के क्षण विद्यमान थे। इस खेल सप्ताह का समापन उत्सुकता से इस हेतु प्रतीक्षित फाइनल से चिह्नित किया गया था, जहां अत्यंत उत्साह और मेहनत के बाद चैंपियन उभर कर सामने आए। इसमें क्रिकेट मैच के फाइनल में, संकाय-कर्मचारी टीम और विकट पीएचडी लीजेंड्स शामिल थे, यह खेल इस आयोजन का मुख्य आकर्षण था, जिसका समापन संकाय-कर्मचारी की रोमांचक जीत से हुआ। जैसे ही अंतिम दिन सूर्यास्त हुआ, परिसर सप्ताह भर के उत्सव के चरमोत्कर्ष को देख रहे दर्शकों की जय-जयकार से गूंज उठा। क्रिकेट और रस्साकशी के कड़े मुकाबलों से लेकर टेबल टेनिस की सटीकता और वॉलीबॉल और थ्रोबॉल की सुंदरता तक, हर खेल ने अपने प्रतिभागियों की अदम्य भावना और कौशल का प्रदर्शन किया।

इन रोमांचक मैचों और शानदार प्रतिभा के क्षणों की यादों के साथ, इस खेल सप्ताह का समापन हुआ, जिसने संस्थान में टीम वर्क, समर्पण और खेल भावना की विरासत का छाप छोड़ दिया। इसके समापन पर जब प्रतिभागियों ने उत्साह-II को विदाई दी, तो वे अपने साथ न केवल पदक और ट्राफियां लेकर आए, बल्कि टीम भावना, प्रतिस्पर्धा और हर्ष से भरे एक सप्ताह की यादें भी संजोया।

राष्ट्रीय त्यौहार एवं कार्यक्रम

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस

संस्थान के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा दिनांक 7 नवंबर 2023 को कई महत्वपूर्ण गतिविधियों और कार्यक्रमों के साथ उत्साहपूर्वक राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस को आयोजित किया। संस्थान के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने "शुरुआती जांच, बेहतर सुरक्षा", "एक साथ आगे बढ़ना: अनुसंधान और आशा", "रोकथाम ही कुंजी है: स्वस्थ जीवन शैली, अल्प जोखिम" शीर्षक पर पोस्टर बानाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह आयोजन विद्यार्थियों की सहभागिता का साक्ष्य बना। इस अवसर विद्यार्थियों के लिए "राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता" शीर्षक पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस सफल उत्सव ने छात्रों को कैंसर की दुनियां में कुछ मूल्यवान अंतर्दृष्टि सहित कई संदेश दिया।

77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह

नाईपर अहमदाबाद में आजादी के 77 गौरवशाली वर्षों के जश्न का आयोजन

नाईपर अहमदाबाद ने देशभक्ति और एकता के प्रति संस्थान के दृढ़ समर्पण को प्रदर्शित करते हुए 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया।

इस उत्सव की शुरुआत संस्थान में राष्ट्रीय ध्वजारोहण के साथा की गई जिसमें नाईपर अहमदाबाद के सामस्त सदस्यों ने हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्रित हुए। इस दिवस पर राष्ट्रगान से पूरा परिसर गूंज उठा, जिससे सभी में राष्ट्र के प्रति गर्व और देशभक्ति की भावना पैदा हुई।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने अपने भाषण में इस बात पर बल दिया कि नाईपर अहमदाबाद एक सरकारी संस्था है जो अपने आप में एक सुंदर भारत का प्रतिनिधित्व करता है और हम, नाईपर के सदस्य होने के नाते अपनी विशेषज्ञता और कार्य के क्षेत्र के अंतर्गत किए गए कार्यों को राष्ट्रीय प्रगति से जोड़ कर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

तत्पश्चात संस्थान के कुलसचिव, संकायाध्यक्ष ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों में राष्ट्रीय एकता की भावना जागृत किए, इस दिवस पर पूरा संस्थान देशभक्ति के गीत से गूंज उठा। अंत में सभी को जलपान और मिठाइयाँ प्रदान किया गया।

राष्ट्रध्वज वितरण कार्यक्रम

नाईपर अहमदाबाद ने "हर घर का तिरंगा" और "आज़ादी का अमृत महोत्सव" शीर्षक के अंतर्गत संस्थान के संकाय और कर्मचारियों के बीच ध्वज वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया।

गणतंत्र दिवस 2024

नाईपर अहमदाबाद में 75वां गणतंत्र दिवस समारोह को भव्यता और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. शैलेन्द्र सराफ ने संस्थान के नवनिर्मित भवन परिसर से सभी छात्रों और कर्मचारियों हेतु मंगलकामनाएं की।

अपने संदेश में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के सबसे युवा कार्यबल छात्रों को राष्ट्र के 100वां स्वतंत्रता दिवस 2047 तक भारत को दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के दृष्टिकोण में अपना अतुलनीय योगदान देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने औषधीय अकादमिक अनुसंधान की शक्तियों को गिनवाते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार नाईपर संस्थान को भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करना चाहिए।

संस्थान के कुलसचिव श्री अवधेश नौटियाल ने इस दिवस पर सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संविधान की महत्वकांक्षाओं पर कहा कि भारत का संविधान नागरिकों को सशक्त बनाता है और पारस्परिक रूप से नागरिक संविधान को सशक्त बनाते हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि संविधान शक्ति के साथ-साथ कर्तव्य भी सौंपता है और राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने के नाते नाईपर अहमदाबाद का राष्ट्र की प्रगति में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में हम अपना कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का प्रयास करेंगे और राष्ट्र को उच्च लक्ष्यों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने इस भव्य कार्यक्रम के संचालन के लिए माननीय निदेशक, कर्मचारियों, छात्रों, संकाय सदस्यों और नाईपर अहमदाबाद के अन्य सभी कार्मिकों को धन्यवाद ज्ञापित कर 75वें गणतंत्र दिवस की बधाई दी।

नाईपर अहमदाबाद द्वारा राष्ट्र को समर्पित नाईपर गुवाहाटी और नाईपर हैदराबाद तथा रायबरेली के शिलान्यास समारोह एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल आधारभूत संरचना परियोजनाएं के शिलान्यास समारोह के आभासी कार्यक्रम का आयोजन

नाईपर अहमदाबाद द्वारा दिनांक 12 जनवरी, 2024 को राष्ट्र को समर्पित नाईपर गुवाहाटी और नाईपर हैदराबाद तथा रायबरेली के शिलान्यास समारोह एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल आधारभूत संरचना परियोजनाएं के शिलान्यास समारोह के आभासी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की कुछ झलकियां निम्नलिखित है।

पादरी यौन शोषण जागरूकता दिवस

नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 1 अगस्त, 2023 को, पादरी यौन शोषण जागरूकता दिवस के अवसर पर मद्रास विकासात्मक अध्ययन संस्थान के प्रोफेसर अनाता कुमार गिरी के साथ एक ऑनलाइन वार्ता का आयोजन किया। इसमें "यौन उत्पीड़न के साथ और उससे परे: गरिमा, सौंदर्य, संवाद और कानून, नैतिकता, नैतिकता और आध्यात्मिकता के परिवर्तन की चुनौतियाँ" शीर्षक पर व्याख्या प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रोफेसर गिरि ने छात्रों और कर्मचारियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए उक्त विषय पर व्यावहारिक विचार प्रस्तुत किए। इस व्याख्यान ने कार्यस्थलों और समाज में अन्य स्थानों पर यौन शोषण की ओर ध्यान आकर्षित किया और बताया कि ये कैसे लंबे समय से प्रचलित चुनौतियां हैं। उन्होंने उदाहरणों के साथ "मी टू" आंदोलन जैसे कई पिछली घटनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया कि कैसे इन आंदोलनों ने समय के साथ मौजूदा कानूनों और नीतियों में सुधार किया है।

दिनांक 12 जुलाई 2023 को अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का आयोजन

"नाईपर अहमदाबाद प्लास्टिक मुक्त भारत का समर्थन करता है"

आज़ादी का अमृत महोत्सव और "नाईपर अहमदाबाद केयर्स" समारोह में एक और अन्य चरण जोड़ा गया। नाईपर अहमदाबाद के संकाय और कर्मचारी सदस्यों ने धोने योग्य, पुन: प्रयोज्य कपड़े के बैग के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लक्ष्य और विषय उक्त शीर्षक सहित प्राथमिक माध्यमिक शाला, पलाज, गांधीनगर का भ्रमण किया।

इस दौरान एकल-उपयोग प्लास्टिक के खतरनाक और हानिकारक प्रभावों के बारे में छात्रों और शिक्षकों के साथ उत्साहपूर्ण बातचीत के बाद, स्कूल के शिक्षकों और छात्रों को पुन: प्रयोज्य जूट बैग वितरित किए गए।

नाईपर अहमदाबाद में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

नाईपर अहमदाबाद में संस्थान के महिला प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 12 मार्च, 2024 को बड़े उत्साह से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। डॉ. श्रेया चौधरी, उप निदेशक (आईटीआरए और सीएई) डीजीए (सी) अहमदाबाद, गुजरात ने वक्ता के रूप में इस अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को शोभांवित किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाजिक स्तंभ हैं। यहां लिंग भेदभाव के बिना किसी भी क्षेत्र में महिलाओं के अग्रणी बनने के लिए समावेशन और प्रोत्साहन इस दुनिया को एक बेहतर स्थान के रुप में स्थापित कर देगा। इस अवसर पर प्रो. शैलेन्द्र सराफ ने छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को संबोधित कर महिलाओं को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दिए। इसके साथ ही उन्होंने भारत में महिला विदुषी के महान इतिहास के बारें में बताते हुए प्राचीन भारत की समृद्धि में उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाओं के बारें में बताया। इस दिवस पर उन्होंने आश्वासन दिया कि नाईपर अहमदाबाद महिला कर्मचारियों और छात्रों के लिए एक निष्पक्ष और सुरक्षित कार्यस्थल के रूप में कार्यरत रहेगा। इस कार्यक्रम का समापन संस्थान के कुलसचिव द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया।

दिनांक 5 जून 2023 को नाईपर अहमदाबाद में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

नाईपर अहमदाबाद में दिनांक 5 जून 2023 को 50वां विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2023 के विश्व पर्यावरण दिवस के शीर्षक "प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान" के संक्षिप्त परिचय के साथ हुई। तत्पश्चात् संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र सराफ और डॉ. अभिजीत काटे, विभागाध्यक्ष, प्राकृतिक उत्पाद द्वारा संस्थान में प्रथम क्यूआर कोड संयंत्र पहचान प्रणाली का उद्घाटन किया गया। प्रो. शैलेन्द्र सराफ ने प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और नाईपर अहमदाबाद में क्यूआर कोड संयंत्र पहचान प्रणाली के महत्व पर बल दिया। इस कार्यक्रम में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सूर्यचंद्र राव ने भी व्याख्यान दिया। जिसमें उन्होंने मानसून की भविष्यवाणी में सुधार के लिए एक गतिशील भविष्यवाणी संरचना विकसित करने के लिए मानसून मॉडल को लागू करने में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), भारत सरकार के पृथ्वी प्रणाली विज्ञान संगठन (ईएसएसओ) द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में बताया।

इस कार्यक्रम का समापन "प्रदूषण को ना और पुनर्चक्रण को हाँ" मानव जाति को बेहतर भविष्य दे सकता है विचार को व्यक्त कर किया गया।

नाईपर अहमदाबाद में आरएफआईडी-आधारित पुस्तकालय स्वचालन प्रणाली का उद्घाटन

नाईपर अहमदाबाद में दिनांक 18 मार्च 2024 को, निदेशक प्रो. शैलेन्द्र सराफ द्वारा एक नई आरएफआईडी-आधारित पुस्तकालय स्वचालन प्रणाली का उद्घाटन किया गया। इसमें यह बताया गया कि किस प्रकार से यह समाधान हमारी पुस्तकालय टीम और उपयोगकर्ताओं दोनों को लाभांवित करेगा। इसके साथ ही बताया गया कि यह सेवा वितरण में तीव्रता सहित स्टॉक की सटीकता सुनिश्चित करने की दक्षता की दिशा में एक छोटा कदम है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2023

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2023 के अवसर पर, नाईपर अहमदाबाद ने "कृत्रिम बुद्धिमत्ता: समाज के लिए वरदान या अभिशाप?" विषय पर केंद्रित एक मनोरम वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के आसपास की अनंत संभावनाओं और चल रही वाद-विवाद को उजागर करना था और हमारे प्रतिभाशाली छात्र वाद-विवाद कर्ताओं को अपने ज्ञान, महत्वपूर्ण सोच और प्रेरक कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), अहमदाबाद में दिनांक 21 जून 2023 को "वसुधैव कुटुंबकम के लिए योग" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया।

आयुर्वेद दिवस का आयोजन

विषय: प्रत्येक के लिए प्रतिदिन आयुर्वेद

नाईपर अहमदाबाद ने दिनांक 27 अक्टूबर, 2023 को प्रोफेसर रबीनारायण आचार्य, महानिदेशक, सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली और डॉक्टरों एवं फार्मासिस्टों की उनकी क्षेत्रीय टीम के साथ आयुर्वेद दिवस 2023 का आयोजन किया। इस अवसर पर संस्थान के सांस्कृतिक समिति और प्राकृतिक उत्पाद विभाग के कर्मीगण ने संयुक्त रूप से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

1. विशेषज्ञ व्याख्यान

इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद द्वारा स्वागत भाषण से किया गया। इसमें उन्होंने न केवल बीमार व्यक्ति के इलाज में आयुर्वेद की भूमिका पर प्रकाश डाला, बल्कि आयुर्वेदिक साहित्य में वर्णित दिन-प्रतिदिन की प्रथाओं का उपयोग करके यह एक स्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ रहने में कैसे सहायता कर सकता है पर भी बताया। तत्पश्चात् सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. रबीनारायण आचार्य द्वारा "सार्वभौमिक समग्र स्वास्थ्य देखभाल के लिए आयुर्वेद" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पंचकर्म शरीर के होमियोस्टैसिस को बनाए रखने के लिए कैसे जिम्मेदार हैं? उन्होंने आहार विधि जैसी आयुर्वेद की आधारभूत प्रथाओं; जड़ी-बूटी-औषधि, जड़ी-बूटी-जड़ी-बूटी अंतःक्रियाएं, के बारे में भी विस्तार से बताया जिनका अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए हमारी दैनिक दिनचर्या में पालन किया जाना चाहिए।

2. निःशुल्क आयुर्वेदिक प्राकृतिक चिकित्सा शिविर

इस शिविर का उद्घाटन प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निदेशक, नाईपर अहमदाबाद और सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. रबीनारायण आचार्य द्वारा किया गया। इसमें क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान-अहमदाबाद [सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली] के डॉक्टरों द्वारा नाईपर अहमदाबाद के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की "प्रकृति" की जांच की गई, जिसमें नाईपर अहमदाबाद के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों द्वारा बताई गई बीमारी के अनुसार डॉक्टरों और फार्मासिस्टों द्वारा आयुर्वेदिक दवाएं निर्धारित और वितरित की गईं।

'रन फॉर यूनिटी'

नाईपर अहमदाबाद में दिनांक 31 अक्टूबर 2023 को एकता दिवस की स्मृति में, इसके प्रतीक सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को हर्ष के साथ आयोजित किया गया। इस दिवस पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम को संस्थान के कुलसचिव द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के छात्र, संकाय और कर्मचारी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता प्रदर्शित हुई।

शिक्षक दिवस का आयोजन

नाईपर अहमदाबाद में दिनांक 05 सितंबर 2023 को संस्थान के छात्रों द्वारा शिक्षक दिवस को उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर नाईपर अहमदाबाद के छात्रों द्वारा शिक्षकों को पूर्व संध्या समर्पित करने और अपने जीवन में एक शिक्षक की भूमिका को संतुष्ट करने के लिए कई गतिविधियों की योजना बनाई गई थी। इसके बाद, संकाय सदस्यों को मंच पर आमंत्रित कर उनके लिए कई मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें प्रश्नोत्तरी, गायन और कई अन्य शामिल थे। इस कार्यक्रम का समापन केक काटने एवं छात्रों और शिक्षकों के आनंदमय टिप्पणियों के साथ किया गया।

एससीडीपीएम 3.0

नाईपर अहमदाबाद द्वारा गांधीनगर जिले के लेकावाड़ा प्राइमरी स्कूल और विभिन्न स्थानों पर कई गतिविधियां आयोजित की गई, जिसमें संस्थान के संकाय सदस्यों, प्रशासनिक कर्मचारियों और छात्रों ने स्कूल, घर और गांव में स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर जोर देने के लिए स्कूली छात्रों के साथ बातचीत किया। इस दौरान अपशिष्ट पृथक्करण में सहायता हेतु, संस्थान द्वारा स्कूल को कूड़ेदान प्रदान किए गए।

एससीडीपीएम3 पहल के हिस्से के रूप में, स्वच्छता और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए नाईपर अहमदाबाद परिसर के बाहर डिवाइडर पर पौधे लगाए गए। इसके अतिरिक्त, संस्थान के छात्रों ने जनता और श्रमिकों को स्वच्छता और साफ-सफाई के बारे में शिक्षित करने के लिए पलाज, गांधीनगर में सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया, और उन्होंने एससीडीपीएम 3.0 के अंतर्गत जीत प्लॉटिंग एरिया, पलाज, गांधीनगर में बालक छात्रावास में एक साइट की सफाई भी की।

स्वच्छता पखवाड़ा 2023

नाईपर अहमदाबाद द्वारा दिनांक 1 से 15 सितंबर 2023 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" का आयोजन

- "स्वच्छता पखवाड़ा 2023" के अवसर पर स्वच्छ भारत जागरूकता हेतु माननीय मंत्री (रसायन और उर्वरक) माननीय राज्य मंत्री (रसायन और उर्वरक) द्वारा प्राप्त संदेशों को वेब पोर्टल अपलोड किया गया।

नाईपर अहमदाबाद में स्वच्छता पखवाड़ा 2023 की शुरुआत में "ई-कचरे से रक्षा, स्वच्छता ही सुरक्षा" विषय के साथ स्वच्छता शपथ दिलाकर की गई। इसमें संस्थान के सभी कर्मचारी और संकाय को सभागार में एकत्रित कर शपथ ग्रहण करवाया गया। इस पखवाड़ा के आयोजन हेतु संस्थान के कुलसचिव द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा योजना की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें निदेशक, नाईपर अहमदाबाद द्वारा सभा को संबोधित कर उन्हें दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया। संस्थान में इस पखवाड़ा के दौरान विभिन्न कार्यक्रम, गतिविधियां और अभियान आयोजित किए गए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023

नाईपर अहमदाबाद में दिनांक 30 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2023 तक "भ्रष्टाचार को ना कहें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें" विषय के अंतर्गत सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान के छात्रों, संकायों और कर्मचारियों ने 'अखंडता की प्रतिज्ञा' ग्रहण किया। इस क्रम में संस्थान द्वारा एक विशेष सफाई अभियान सहित सरदार वल्लभभाई पटेल के सम्मान में ''रन फॉर यूनिटी'' कार्यक्रम और सतर्कता जागरूकता पर केंद्रित एक निबंध लेखन प्रतियोगिता को आयोजित किया गया।

राजभाषा अनुभाग - हिंदी कार्यशाला

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान (नाईपर) में संघ की राजभाषा नीति के अनुपालनार्थ संस्थान में समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके दैनिक कार्यलयीन कार्यों में हिंदी में कार्य को करने की झीझक को दूर करने एवं राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तथा औषध विभाग द्वारा समय-समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 19 मई, 2023 को संस्थान के प्रेक्षागृह में दोपहर 02:30 बजे से एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस हिंदी कार्यशाला का शुभारंभ श्री राजू प्रसाद, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक एवं सदस्य-सचिव, रा.भा.का.स., नाईपर अहमदाबाद द्वारा संस्थान के सभागार में उपस्थित समस्त सदस्यों का स्वागत कर किया गया। तत्पश्चात् सभी को राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित उनकी संवैधानिक जिम्मेदारियों के विषय का बोध कराया गया एवं संघ की राजभाषा नीति सहित अन्य राजभाषा प्रावधानों से संबंधित जानकारियां भी प्रस्तुत की गई।

इसके बाद सभी को राजभाषा तिमाही प्रगति/ छमाही/वार्षिक रिपोर्ट सहित समय-समय पर मांग किए जाने वाले अन्य राजभाषा रिपोर्ट एवं उनके निर्धारित प्रोफार्मा तथा उनमें भरी जाने वाली अन्य सभी जानकारियों से अवगत कराया गया।

उसके बाद वर्ष २०२३-२४ हेतु प्राप्त वार्षिक कार्यक्रम में विनिर्दिष्ट लक्ष्यों और उनकी कार्य प्रतिशतता के बारें में सभी को अवगत कराते हुए तीनों राजभाषायी क्षेत्रों एवं राजभाषा अधिनियम की धारा ३(३) के दस्तावेंजों के बारें में बताया गया तथा भविष्य में अधिक जानकारी के लिए संस्थान की आवक/जावक रजिस्टर पर उपलब्ध संबंधित जानकारियों को देखने का सुझाव भी दिया गया।

अंत में सभी को तिमाही/छमाही/वार्षिक रिपोर्ट में मांग की गई जानकारियों/ब्योरें को कार्यालय पद्धति मैनुअल द्वारा निर्धारित डायरी/रजिस्टर से उपलब्ध करवाने का अनुरोध तथा उन जानकारियों को सुरक्षित रखने की सलाह भी दी गई ताकि आवश्यकता पड़ने पर या राजभाषा निरिक्षण के दौरान उन्हें उपलब्ध कराया जा सके।

तत्पश्चात् संस्थान के कुलसचिव महोदय श्री अवधेश नौटियाल द्वारा सभागार में उपस्थित समस्त सदस्यों का ज्ञान वर्द्धन किया गया एवं महोदय ने सभी को हिंदी में दौनिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, नाईपर अहमदाबाद द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यशाला का समापन किया गया।

अहमदाबाद
AHMEDABAD

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान - अहमदाबाद
औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
वायुसेना छावनी के सामने, पालज, गांधीनगर - 382 355, गुजरात, भारत.

National Institute of Pharmaceutical Education & Research - Ahmedabad
Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals and Fertilizers, Govt. of India
Opposite Air Force Station, Palaj, Gandhinagar-382 355, Gujarat, India.

Phone: +91 79 6674 5555-59 | Fax: +91 79 6674 5560
Email : registrar@niperahm.ac.in | www.niperahm.ac.in